

$$2e3 \times 7 = 2e6^2$$

[illegible]

1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2

पुस्तक

पञ्च

5. (03)

 $\frac{1}{2} \lambda$ ($=\lambda$)

३३ (३२)

22.5 (22)

22. (22)

$(22) = 22$
 $(22) = 22$
 $(22) = 22$

11522 (28)

 $\frac{1}{2} \times (CR)$

— निम्नलिखित का पालन करना है — (४४)

पुनर्विचार

[illegible]

1. ከጋራ ስራዎች ምዕራፍ 1፡

$\begin{array}{l}
\text{3 4 5 6} \\
\text{0 0 0 0 0 0 0 0} \\
\text{0 0 0 0 0 0 0 0 0 0} \\
\text{0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0} \\
\text{0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0} \\
\text{0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0} \\
\text{0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0} \\
\text{0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0}
\end{array}$

১৯৯৯ সাল
 ১৯৯৯ সাল

၁၂၆၆၀၈၈၃

[illegible]

十と五と六と七と八と九と
 一〇と一と二と三と四と

22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 5

1914-15 1915-16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045

तब उसके वर्ग को २१०० और दूसरे शंक के चतुर्थ घात में, चि और दूसरे शंक के पंचघात से गुणा करना चाहिए और अन्य शंक के छठे घात को इन गुणनफलों में जोड़ देना चाहिए। उसके बाद भी प्रति क्रिया करना चाहिए जैसा कि नीचे के उदाहरणों से है।

१ उदाहरण—१४३२१०१८१६८ का सप्तमूख निकालो

$\frac{1}{1} =$	१४३२१०१८१६८ २१८४
$\frac{1}{1} \times ००००००० = २१०३००००००$	
$\frac{1}{1} \times २१००००० \times २ = १०२०६०००००$	१२४८१०६८१६
$\frac{1}{1} \times ३२०००० \times २^२ = ११३४०००००$	
$\frac{1}{1} \times ३२००० \times २^३ = ४२९००००$	
$\frac{1}{1} \times २१०० \times २^४ = ३०२४००$	
$\frac{1}{1} \times ०० \times २^५ = ६०२०$	
$\frac{1}{2^६} = ६४$	
१२४४८६६१८४	१२४८१०६८१६

सप्तमूख = ३२

गहने हर एक गुणनफल को १ मान कर इनकी संख्या का गिन लेना यादिए :—

इस संख्या में एक बार एक जोड़ो और दूसरी बार दो जोड़ो और इन तीनों चर्चा संख्या, (संख्या + १) और (संख्या + २) के भाग में गुणा करो और गुणनफल में तीन का भाग दो

$$१ \text{ उदाहरण:—} १ \times १ + २ \times १ + ३ \times १ + ४ \times १ = १ +$$

$$१ \times १० \text{ का भाग बनाओ}$$

इस प्रश्न में गुणनफलों की संख्या = १

$$१ + १ = १०$$

$$\text{और } १ + २ = ११$$

१. १० और ११ के गुणनफल में ३ का भाग देने में हमें प्राप्त

$$\text{हमारे } \frac{१ \times १० \times ११}{३}$$

$$= ३३०$$

$$(१२१) १ \times २ \times ३ + २ \times ३ \times ४ + ३ \times ४ \times ५ + ४ \times ५ \times ६ +$$

, यदि ३ का भाग निकालने का नियम :—

जैसे हुए गुणनफलों की संख्या गिन लो । फिर उस संख्या में एक १, २ और ३ जोड़ो । इस प्रकार तीन संख्याएँ मिलेंगी । अब इन तीनों चर्चा संख्या, (संख्या + १) (संख्या + २) और (संख्या + ३) का भाग गुणा करो और गुणनफल में पाँच का भाग दो ।

$$१ \text{ उदाहरण:—} १ \times २ \times ३ + २ \times ३ \times ४ + ३ \times ४ \times ५$$

$$+ ४ \times ५ \times ६ + ५ \times ६ \times ७ \text{ का भाग निकालो}$$

इसमें गुणनफल की संख्या = १

$$१ + १ = १०$$

$$१ + २ = ११$$

$$\text{और } १ + ३ = १४$$

... ..

... ..

$$(2-00) - (20)$$

... ..

... ..

... ..

$$(22-22) (22-22) = 22-22$$

... ..

... ..

... ..

...

$$22 \times 11 \times 01 \times 2 = 222$$

... ..

202

22 11 1
- 2 / 22 1

100

100

22 (22)

100

100

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

4402. 72)

$$+22 (22)$$

20 (20)

11
12
13

7075 (11)

443

42. 23, 1

1000

12.10.2021

342 (42)

572 (22)

$$= 2 (21)$$

10/10/10

2222222222 (22)

300 (200)

$\sigma_2 = (11)$

22 (2)

22 (c)

11 (2)

22420000 (2)

0241106 (1)

[illegible]

—: 111
223) 111 111 111 111

[Handwritten musical notation]

Handwritten signature

३ नव अर्ग

[illegible][illegible]





तीस विंशती चारु वृत्ती आचार्यो से चारिच हो सकती है—

$$अष्टौ \times अष्टौ = षोडश$$

$$अष्टौ \times षड् = विंश$$

$$षड् \times षड् = विंशति$$

$$अष्टौ \times विंशति = विंशति$$

$$विंशति \times षड् = षड्विंशति$$

$$विंशति \times विंशति = चत्वारिंशति$$

$$षड् \times विंशति = षड्विंशति$$

० षड् चारु वृत्ती ३ अष्टौ ३ षड् चारु है ।

$$= अष्टौ \times ३ अष्टौ = २४ षोडश$$

$$= अष्टौ \times ४ अष्टौ = ४० विंशति$$

$$३ अष्टौ \times ० षड् = ३३ विंशति$$

$$० षड् \times ४ अष्टौ = ३४ विंशति$$

∴ ल विंशति ४ = २० षोडश २ विंशति १४ विंशति ३४

२ वृत्तिकाः—एक आचार्यो से षड् चारु वृत्ती ३ अष्टौ चारु ३ षड् चारु

षोडश है लो वृत्तिका वृत्तिका ।

$$० षड् \times १२ षड् = ३६ \times ३६ षोडश$$

$$= ३६ \times ३६ षोडश$$

$$= ३६ - विंशति = ४ विंशति ४ विंशति$$

अष्टौषड् षड् (४२४)

तीस के आचार्यो से तीस चारु वृत्तिकाः—

$$(१) ३ अष्टौ वृत्ती, २ अष्टौ चारु$$

$$(२) ३ अष्टौ १० षड् चारु, १४ षड् चारु$$

- (३) = जमीन १२ गट्टा लम्बा १ जमीन २ गट्टा चौड़ा
 (४) ४ जमीन १२ गट्टा लम्बा, २ जमीन ८ गट्टा चौड़ा
 (५) २ जमीन १० गट्टा लम्बा ४ जमीन ६ गट्टा चौड़ा
 (६) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा, १२ गट्टा चौड़ा
 (७) ३ जमीन १८ गट्टा लम्बा, १ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (८) ६ जमीन ४ गट्टा लम्बा ३ जमीन १० गट्टा चौड़ा
 (९) ७ जमीन १० गट्टा लम्बा ४ जमीन १० गट्टा चौड़ा
 (१०) ८ जमीन १० गट्टा लम्बा, ६ जमीन १२ गट्टा चौड़ा
 (११) ३ जमीन ४^१/_२ गट्टा लम्बा, २ जमीन ६ गट्टा चौड़ा
 (१२) १ जमीन २^१/_२ गट्टा लम्बा १६^१/_२ गट्टा चौड़ा
 (१३) १०^१/_२ गट्टा लम्बा, १० गट्टा चौड़ा
 (१४) १८ गट्टा लम्बा १० गट्टा चौड़ा
 (१५) २४ गट्टा लम्बा २० गट्टा चौड़ा
 (१६) २० गट्टा लम्बा, २१^१/_२ गट्टा चौड़ा
 (१७) १२ जमीन ४^१/_२ गट्टा लम्बा ३ जमीन ११^१/_२ गट्टा चौड़ा
 (१८) १ जमीन २ गट्टा लम्बा १० गट्टा चौड़ा
 (१९) २ जमीन ६ गट्टा लम्बा ३ गट्टा चौड़ा
 (२०) १ जमीन १० गट्टा लम्बा, २ जमीन १०^१/_२ गट्टा चौड़ा
 (२१) २ जमीन १० गट्टा लम्बा ३ जमीन ६^१/_२ गट्टा चौड़ा
 (२२) ३ जमीन २ गट्टा लम्बा, २ जमीन ३३ गट्टा चौड़ा
 (२३) १२ जमीन २० गट्टा लम्बा ३ जमीन २० गट्टा चौड़ा
 (२४) ३ जमीन १० गट्टा लम्बा ३ जमीन २० गट्टा चौड़ा
 (२५) ३ जमीन ३ गट्टा लम्बा २ जमीन १०^१/_२ गट्टा चौड़ा
 (२६) १८ जमीन २० गट्टा लम्बा २ जमीन ३^१/_२ गट्टा चौड़ा
 (२७) १० जमीन २० गट्टा लम्बा २ जमीन १० गट्टा चौड़ा
 (२८) १० जमीन २० गट्टा लम्बा २ जमीन १० गट्टा चौड़ा

पर उस चित्रफल में से घटा देना चाहिये। परन्तु जिन घरनों में छिड़भिय या दरवाजे आदि न हों, उन में इनका चित्रफल नहीं घटाया जा सक्ता। यह भी नहीं भूलना चाहिये कि कमरे की जम्माई और चौड़ाई के गुना कर देने से कमरे की भीतरी घत का चित्रफल निकल आता है क्योंकि एक दूरा में भीतरी घत का चित्रफल कमरे के ऊपर के चित्रफल के बराबर है।

१ उदाहरण:—एक कमरे की जम्माई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रानुसार २५, २० और १५ गज है तो चारों दीवारों का चित्रफल बताओ।

$$\begin{aligned}\text{चारों दीवारों का चित्रफल} &= 2 \times (\text{जम्माई} + \text{चौड़ाई}) \times \text{ऊँचाई} \\ &= 2 \times (25 + 20) \times 15 \text{ वर्ग गज} \\ &= 2 \times 45 \times 15 \text{ वर्ग गज} \\ &= 1350 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

२ उदाहरण:—एक लम्बाई २० गज लम्बी, १५ गज चौड़ी और १० गज गहरी है। उसके भीतर की छोर पुताई करने में १ रु० प्रति वर्ग गज के हिसाब से क्या खर्च लगेगा ?

$$\begin{aligned}\text{दसकी तर्फी का चित्रफल} &= 20 \times 15 \text{ वर्ग गज} \\ &= 300 \text{ वर्ग गज} \\ \text{दीवारों का चित्रफल} &= 2 \times (20 + 15) \times 10 \\ &= 700 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{पुताई कराने का चित्रफल} &= 300 + 700 \text{ वर्ग गज} \\ &= 1000 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{खर्च} &= 1000 \times 1 \text{ रु०} \\ &= 1000 \text{ रु० उत्तर}\end{aligned}$$

३ उदाहरण:—एक संदूक बाहर से ६ फीट लम्बा, ४ फीट चौड़ा और ४ फीट ऊँचा है। यह संदूक ६ इंच मोटे लकड़ों से बना हुआ है तो बताओ उसमें कितना वर्ग फीट लकड़ा लगा होगा।

घोर बनी हुई है। मैदान की खम्बाई २०० फीट है और सड़क का सच १ पैस प्रति वर्ग फीट है। अगर सड़क दूनी चौड़ी होती तो उसमें ८१ पौण्ड और अधिक सच होता तो मैदान की चौड़ाई बताओं।

✓ (१७) एक कमरा ५ गज खम्बा है। उसमें फर्श बनाने की लागत ८० ६० और कागज मढ़ाने की। लागत ६४ ६० ८ जाना है। यदि कमरे की चौड़ाई १ गज कम होती और ऊँचाई आधा गज अधिक, तो फर्श बनाने की लागत पहले से २० ६० कम परन्तु कागज मढ़ाने की लागत बढ़ी रहती, तो कमरे की चौड़ाई और ऊँचाई बताओ।

घनफल

(१८) जिनमें खम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई हो उन्हें घन या पिंड कहते हैं। इनके उदाहरण संदूक, घर का कमरा आदि हैं। घन के ऊपरी भाग को पृष्ठ या धरातल या तल कहते हैं। अगर कोई संदूक हो तो उसमें ६ पृष्ठ होंगे और हर पृष्ठ का हर एक कोण सम कोण होगा। ऐसे घनों को जिनके हर पृष्ठ के हर एक कोण समकोण हों आयताकार घन कहते हैं और अगर खम्बाई चौड़ाई और ऊँचाई प्रत्येक आपस में बराबर हों तो उसे सम घन कहते हैं। पिंडों के नापने की इकाई भी कोई पिंड हो होना चाहिए और तब किसी पिंड के घनफल से यह मतलब होगा कि इसमें पिंड की इकाई कितनी बार शामिल है। पिंडों के नापने की इकाई यह पिंड या घन है जिसकी हर एक भुजा इकाई के समान होती है चाहे ये इकाईयाँ इंच, फुट, गज या और कोई वस्तु हो।

अगर कोई वस्तु एक गज खम्बी, एक गज चौड़ी और एक गज ऊँची हो और उसके हर एक पृष्ठ का हर एक कोण समकोण हो तो उसे घन गज कहेंगे और उससे जिनकी जगह धिरी हुई है वह घन फल कहलाती है। पिंडों के नापने की यह इकाई कटका सकती है। पिंडों के नापने की इकाई समघन है। परन्तु वर्ग गज और गज वर्ग की भाँति घन गज और

में होंगी। लॉर्ड १० गज चौड़ी और २ गज गहरी होगी। तो बनाओ इसे सुदवाने में २ रु० घन गज के हिमाय से क्या खर्च होगा ?

$$\text{लॉर्ड की खम्बाई} = २ \times १०० + (२० + १० + १०) \times २ \text{ गज} \\ = ६४० \text{ गज}$$

साफ जाहिर है कि १० का दूना या तो खम्बाई में या चौड़ाई में जोड़ना चाहिए।



$$\therefore \text{लॉर्ड का घनफल} = ६४० \times १० \times २ \text{ घनगज} \\ = १२८०० \text{ घन गज}$$

१ घनगज में २ रु०

$$\therefore १२८०० \text{ घन गज में } १२८०० \times २ \text{ रु०} \\ = २५६०० \text{ रु० उत्तर}$$

४ उदाहरण : - एक मंजूक की बाहरी खम्बाई, चौड़ाई की ऊँचाई क्रम से २ फीट ७ फीट और ३ फीट है। मंजूक एक ऐसे तले में बना हुआ है जो ३ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट तल्ले का दाम १ रु० ८ पा० हो तो बनाओ उस मंजूक में खमी हुई खकड़ी का दाम क्या होगा ?

मंजूक का ऊपरी परिमाण मान्य है, इमलिए तल्ले की मोटाई के हिसाब से हर एक परिमाण में घटाने से मंजूक का भीतरी परिमाण मान्य हो जाएगा।

मंजूक की	!	२	फीट
मंजूक की	!	७	फीट
और मंजूक	!	३	फीट

में होंगी। खोई १० गज चौड़ी और २ गज गहरी होगी। तो बजायों में सुदबाने में २ रु० घन गज के हिसाब से क्या खर्च होगा ?

$$\begin{aligned}\text{खोई की खम्बाई} &= 2 \times 100 + (20 + 10 + 10) \times 2 \text{ गज} \\ &= 240 \text{ गज}\end{aligned}$$

साफ जाहिर है कि १० का दूना या तो खम्बाई में या चौड़ाई जोड़ना चाहिए।



$$\begin{aligned}\therefore \text{खोई का घनफल} &= 240 \times 10 \times 2 \text{ घनगज} \\ &= 4800 \text{ घन गज}\end{aligned}$$

१ घनगज में २ रु०

$$\begin{aligned}\therefore 4800 \text{ घन गज में } &4800 \times 2 \text{ रु०} \\ &= 9600 \text{ रु० उत्तर}\end{aligned}$$

४ उदाहरण : - एक संदूक की बाहरी खम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २ फीट ४ इंच और २ फीट २ इंच है। संदूक एक ऐसे लकड़ी के बने हुए है जो १ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट लकड़ी का दाम १ रु० ८ आ० हो तो बजायों उस संदूक में खरी हुई लकड़ी का दाम क्या होगा ?

संदूक का ऊपरी परिमाण मान्य है इसलिए लकड़ी की मोटाई के हिसाब से ११ एक परिमाण में घटाने से संदूक का भीतरी परिमाण मान्य हो जायगा।

$$\text{संदूक की भीतरी खम्बाई} = 2 - \frac{1}{12} = 1\frac{11}{12} \text{ फीट}$$

$$\text{संदूक की भीतरी चौड़ाई} = 2 - \frac{1}{12} = 1\frac{11}{12} \text{ फीट}$$

$$\text{और संदूक की भीतरी ऊँचाई} = 2 - \frac{1}{12} = 1\frac{11}{12} \text{ फीट}$$

कितनी हूँटे लगेंगी यदि गारे की लुवाई में उस दीवार का $\frac{1}{2}$ भाग ठेका ले आता है ?

(१४) एक संदूक में जो बाहर से १ फुट लम्बी, ४ फुट चौड़ी और ३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकड़े से बनाई गई है, छिन्ने बनाने में कितनी लागत होगी ?

(१५) एक दीवार २० गज लम्बी २ $\frac{1}{2}$ फुट चौड़ी और १२ फुट लंबी है उसके बनवाने में २ इंच लम्बी, १ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी छिन्ने हूँटे लगेंगी जब कि दीवार में १ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा एक दरवाजा है ।

(१६) ११ फीट लम्बे और ७ फीट चौड़े कमरे की लुवाई बनाओ जब कि कमरे में ११४३ घन फीट लकड़ें बन हूँच हवा समाली है ।

(१७) २ गज लम्बे और १ $\frac{1}{2}$ चौड़े होठ की लुवाई बनाओ जब कि हम होठ में उठाना ही पानी आता है जितना कि २ गज लम्बे १ गज चौड़े और १ फीट ३ इंच गहरे होठ में आता है ।

(१८) यदि एक घन फुट पत्थर की लौल १९९ सेर है तो ४ फीट लम्बे, ३ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पत्थर की लौल बनाओ ।

(१९) एक होठ १९ फीट लम्बा, १२ फीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक नल जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी लाता है इसे कितनी देर में भर सकेगा ।

(२०) एक, १० फीट ६ इंच लम्बे और २ फीट ३ इंच चौड़े, होठ में पानी भरा है । पानी १ $\frac{1}{2}$ इंच नीचा करने के लिए कितना घन फुट पानी निकालना पड़ेगा ?

(२१) यदि एक चादमी के लिए १० घन फीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बनाओ उस कमरे में जिसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २२, १८ और २२ फीट है छिन्ने मनुष्य रह सकते हैं ?

झिनी हूँ छोंगी यदि गारे की तुलाई में उस दीवार का $\frac{1}{2}$ भाग देना प
आता है ?

(१४) एक संवृष्ट में जो बाहर से ६ फुट खम्बी, ४ फुट चौड़ी और
३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकटे से बनाई गई है, जिसे बनाने
सकनी छोंगी है ?

(१५) एक दीवार २० गज खम्बी १३ फुट चौड़ी और १५ फुट मो
ठी उसके बनवाने में ६ इंच खम्बों, ६ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी छिन्ने
हूँ छोंगी जब कि दीवार में ६ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा एक
दरवाजा है ।

(१६) ११ फीट खम्बे और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई ज्ञात
कर कि कमरे में ११६३ घन फीट ८९४ घन इंच इस ममाने है ।

(१७) १ गज खम्बे और १३ फीट होठ की गहराई बताओ यदि
इस होठ में उठना हो पानी घाला है जिनका कि ४ गज खम्बे १ गज की
और १ फीट ३ इंच गहरे होठ में घाला है ।

(१८) यदि एक घन फुट पत्थर की लंबाई १६६ सेर है तो
४ फीट खम्बे, ६ फीट ६ इंच चौड़े और १ फीट मोटे कला की लंबाई
बताओ ।

(१९) एक होठ १६ फीट खम्बा, १२ फीट चौड़ा और १ फीट
गहरा है, एक नव जों यदि मिनट में ३० घन फीट पानी साझा है तो
झिनी दर में भर सकेगा ?

(२०) एक, १० फीट ६ इंच खम्बे और ८ फीट ३ इंच चौड़े, लंबाई
में कानी मरा है । कानी १३ इंच नीचा खम्बे के तिरफ झिना घन फुट इसे
निष्काशना सकेगा ?

(२१) यदि एक पारसों के तिर १० घन फुट इस की सामग्री
रफ्तार है तो बगलों एवं कमरे में स्थित खम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई में
के १५, १८ और २२ फीट है जिसे मनुष्य रह सके है ?

कितनी हटें लगेगी यदि गारे की जुलाई में उस दीवार का १ भाग हैवा से आता है ?

(१४) एक संदूक में जो बाहर से ६ फुट लम्बी, ४ फुट चौड़ी की ३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकड़े से बनाई गई है, कितने घन फुट लकड़ी लगती है ?

(१५) एक दीवार २० गज लम्बी १३ फुट चौड़ी और १२ फुट ऊँची है उसके बनवाने में ३ इंच लम्बी, ६ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी प्लिंथ हटें लगेगी जब कि दीवार में ६ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा एक दरवाजा है ।

(१६) ११ फ्रीट लम्बे और ७ फ्रीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बताएं जब कि कमरे में ११२३ घन फ्रीट ८९४ घन इंच हवा समाती है ।

(१७) २ गज लम्बे और १३ चौड़े होत्र की गहराई बताओ जब कि इस होत्र में उतना ही पानी आता है जितना कि ४ गज लम्बे १ गज चौड़े और ३ फीट ३ इंच गहरे होत्र में आता है ।

(१८) यदि एक घन फुट पत्थर की लौल १९९ सेर है तो ४ फ्रीट लम्बे, ३ फ्रीट ६ इंच चौड़े और १ फ्रीट मोटे पत्थर की लौल बताओ ।

(१९) एक होत्र १९ फ्रीट लम्बा, १२ फ्रीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक नल जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी बाजता है तो कितनी देर में भर सकेगा ?

(२०) एक, १० फ्रीट ६ इंच लम्बे और २ फ्रीट ३ इंच चौड़े, लौल में पानी भरा है । पानी १३ इंच नीचा करने के लिए कितना घन फुट पानी निकालना पड़ेगा ?

(२१) यदि एक आदमी के लिए १० घन फ्रीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बताओ उस कमरे में जिसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २५, १८ और २२ फ्रीट है कितने मनुष्य रह सकते हैं ?

निकलेगी २ फुट २ इंच ऊँचा करना चाहता है । यदि खाई की गहराई जगह बराबर हो तो खाई की गहराई बताओ ।

(१०) एक भाषणाकार गड १८० गज लम्बा और ११० गज चौड़ा है । उसके चारों ओर एक खाई खुदवानी है जिसकी दीवारें ४ गज रु रहेंगी । खाई की चौड़ाई २४ फीट और गहराई १८ फीट होगी तो खाई खुदाई का खर्च ८ पाने प्रति घन गज की दर से क्या होगा ?

(११) एक हीज २० फीट लम्बा और ४० फीट चौड़ा है जो पालसने की माली से २ दिन में भर जाता है ; परन्तु यदि उसमें १००० फीट पानी डाल दिया जाए तो बाकी हीज ३ दिन १८ घंटे में माली भर जाता है तो हीज की गहराई बताओ ।

(१२) एक कमरा बाहर से ३० फीट लम्बा २० फीट चौड़ा और १० फीट ऊँचा है । उस की दीवारें २ फीट चौड़ी हैं । कमरे में २ दरवाजा, ३ फीट ऊँचा और ४ फीट चौड़ा और ३ खिड़कियाँ २ फीट ऊँची और ३ चौड़ी हैं तो (१) दिवार बनाने का खर्च ३ रु० १० प्या० प्रतिघन गज की दर से और (२) उन दीवारों में लगाने वाली ईंटों की संख्या जब कि प्रत्येक ईंट १ इंच लम्बी, १ इंच चौड़ी और ४ इंच मोटी है बताओ ।

(१३) एक हीज १ इंच मोटे तक्ते का बना हुआ है और बाहर और २१ फीट लम्बा, ७ फीट ८ इंच चौड़ा और १३ फीट १ इंच गहरा तो बताओ उस में कितने घन पानी आएगा ? (एक घनफीट का ≈ 1000 घन गज)

(१४) एक मन्दूक की बाहरी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमशः ४ फीट, २ फीट और १२ इंच है और यह मन्दूक १ इंच मोटे तक्ते से बनाया गया है तो बताओ उस मन्दूक में कितने घन इंच लकड़ी लगी और ॥ घा० प्रति घन फुट के हिमाच से मन्दूक के रँगने में क्या खर्च पड़ेगा (मन्दूक उल्टनदार है)

वैसे ही किया करो जैसा ममाकुशान में किया जाता है अर्थात् प्रत्येक राशि में मजानियों को लेकर देख लो कि इस में कौन प्रथम राशि के स्थान पर लिखा जायगा और कौन दूसरी राशि के स्थान पर। हमें चार राशि और तीसरी राशियों के स्थान के चंदों के गुणनफल में पड़ती राशि स्थान के चंदों का भाग दे दो तो उत्तर था जायगा। यह नियम भी उदाहरणों द्वारा स्पष्ट हो जायगा।

१ उदाहरण — ५ आदमी १२ दिन में ३० रु० कमाने हैं तो आदमी १० दिन में कितना कमावेंगे ?

$$\begin{array}{rcl} ५ \text{ आदमी} & = & ५ \text{ आदमी} \\ १२ \text{ दिन} & १० \text{ दिन} & \end{array} \quad \begin{array}{l}) \\ ३० \text{ रु०} \end{array} \text{ उत्तर}$$

$$\text{उत्तर } ५ \quad १२ = ६० \quad ३०$$

$$\begin{array}{rcl} \text{उत्तर } ५ & ३० & ३० \\ & ५ & १२ \end{array}$$

$$= ३२ \text{ रु०}$$

इस प्रश्न में पढ़ने उत्तर चौथी राशि के स्थान पर रख दिया उत्तर ३० में आयेगा इस नियम तीसरी राशि के स्थान पर उसी का तीसरा ३० रु० रख दिया। अब ५ आदमी और ५ आदमी को अपने मन में यादवा कि यदि ५ आदमी ३० रु० कमाने हैं। आदमी कितना कमावेगा अगर जाना हो यकथा से समझ पक हो यादव से पता चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० से अधिक हो इस नियम का दूसरा राशि के तीसरा लिखा और ५ को ५ राशि के तीसरा इसका भाग १० दिन थी १० दिन हो। यादवा कि अगर १० दिन में ३० रु० कमाने हैं तो ५ दिन कितना कमावेंगे अगर जाना हो यकथा से समझ पक हो यादव से पता चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० से अधिक हो इस नियम का दूसरा राशि के तीसरा लिखा और ५ को ५ राशि के तीसरा इसका भाग १० दिन थी १० दिन हो।

४२० बेलदार ३ घंटा प्रति दिन काम करके १० गज खम्बी, १४ गज चौरी और १२ गज गहरी खोदें किन्तु दिनों में खोदेंगे ?

(१८) एक रेल गाड़ी जिनके समय में ११ मीटर जाती है, उगने समय में दूसरी रेल गाड़ी ८ मीटर जाती है, यदि दूसरी गाड़ी १० दिन में १०८ मीटर जाए तो पहली गाड़ी १३ दिन में कितनी दूर जायगी ?

(१९) ८ मर्द और ९ खड़के १२ एकड़ धान २ दिन में काटते हैं तो १० मर्द ४ खड़के १२ दिन में कितने एकड़ धान काटेंगे ? क्या यह ज्ञात है कि २ खड़कों का काम १ मर्द के काम के बराबर है ।

(२०) यदि ४ मर्द और १० खड़के एक काम को ८ दिन में पूरी दिन ६ घंटे काम करके पूरा करें तो ३ मर्द और ६ खड़के उसमें पूरे काम को प्रति दिन ८ घंटे काम करके कितने समय में पूरा करेंगे ? १ मर्द का काम एक खड़के से दूना होता है ।

(२१) यदि २१० मजदूर प्रति दिन १० घंटे काम करके ० दिन में एक नहर १ मील खम्बी ६ फीट चौड़ी और २ फीट गहरी खोदें तो प्रति दिन ० घंटे काम करके कितने दिनों में १२ मजदूर एक नहर १६० फीट खम्बी ० फीट चौड़ी और १ फीट गहरी खोदेंगे ?

(२२) एक घने के क्षेत्र को २० मर्द या २२ खड़के ८ घंटे प्रति दिन काम करके २२ दिन में काटने हैं तो १६ मर्द और २४ खड़के उसमें पूरे क्षेत्र को प्रति दिन ६ घंटे काम करके कितने दिनों में काटेंगे ?

(२३) यदि मैग के ८ सीमेंटों में जो प्रति दिन ४ घंटे उगते हैं, ६ दिन में १० ६० कगने हैं तो १२ ६० में १६ एक दिन कितने मैग प्रति दिन ३ घंटे उगाने आ सकेंगे ?

(२४) एक काम को ४४ मर्द या २२ खड़के १० घंटे प्रति दिन काम करके २२ दिन में पूरा करने हैं तो क्या १६ मर्द और २२ खड़के मिश्र कर उस काम के १/२ को ० घंटे प्रति दिन काम करके कितने दिनों में पूरा करेंगे ?

औरत और १२० खड़के मिल कर कितने दिनों में ४ घंटे प्रति दिन काम करके १९ मीछ खे जाएंगे ?

(२१) एक विद्यार्थी ४ घंटे में २० पृष्ठ लिखता है, अब कि प्रत्येक पृष्ठ में २० पंक्तियाँ होती हैं। तो कनाछो खते ४० पृष्ठ लिखने में कितना समय खरोगा, अब प्रत्येक पृष्ठ में २२ पंक्तियाँ हों ?

(२२) ३२ मर्चे एक बीघाख को, जो ७०० फीट लम्बी, १ फीट गेठी और ७ फीट ऊँची है, १८ घंटा प्रतिदिन काम करके १२ दिन में बनाने है तो ४९ मनुष्य और ४२ छिपों मिलकर १००० फीट लम्बी, १ १/२ फीट गेठी और ७ फीट ऊँची बीघार को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके १९ १/२ दिन में पूरा करेंगे ? अब कि यह ज्ञान है कि २ मर्चों के काम ७ छिपों के काम के बराबर है।

(२३) २ मनुष्य वा ३ औरत वा ४ खड़के प्रतिदिन १० घंटे काम करके ११ दिन में २ वेह काटने हैं तो कनाछो २१ मनुष्य १९ औरत और १० खड़के मिलकर १२२० वेहों को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके ७० दिन में काटेंगे ?

(२४) १ मर्च वा ७ औरत वा ३ खड़के २ खे में २०० मीचन खेती खींचने हैं तो कनाछो १८०२०० मीचन खानी २० मर्च ३० औरत और ११ खड़के मिलकर कितने खे में खींचेंगे ?

(२५) ९ घोड़े और १४ भैंस के खिचाने का मर्च २० दिन में २० १/२ है तो कनाछो ८ घोड़े और ३२ भैंसों के १० दिन खिचाने में क्या मर्च होगा ? यह मान्य है कि २ घोड़े खानी की काम खाने हैं खिचनी १० हैं।

(२६) एक अहाज पर ३० मनुष्य थे। उनमें ३१ १/२ दिन के मोजन का सामान, २० खींच प्रति मनुष्य प्रति दिन के हिसाब से, कीटा था। ३३ दिन पीछे हवा की नेमी के कारण अहाज को १ मसह तक बन्द

का द्यगना बना कीा इसके पीछे २ चारमी मर गये तो कनाछो कि प्रचार कौन अण्ड कि सामान बानी दिनों के खिच पूरा हो जाय ?

(७२) ८ मनुष्य या १२ खड्के १२ बीघे धान १ घंटे प्रति दिन काम करके १० दिनों में काटते हैं तो बताओ कितने खड्के १ मनुष्यों के साथ काम करके १० बीघे खेत के धान २ घंटे प्रति दिन काम करके ४ दिन में काट लेंगे ?

(७३) एक चोर चोरी करके भागा। घर से निकलते समय दान ने उसे पकड़ लिया और उससे चोरी के २० का १ और २ अधिक लेकर छोड़ दिया। फिर उसे सठरी ने फाटक पर पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और २ २० अधिक लेकर छोड़ दिया। आगे बढ़ने पर उसे कौतवाख ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और २ २० अधिक लेकर छोड़ दिया। आगे बढ़ने पर फिर चौहरे पर दूसरे मिर्चों ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १० अधिक लेकर छोड़ दिया और अन्त में शहर के बाहरी फाटक के कौतवाख ने पकड़ा और उसके पास के रुपये का १ और ८ अधिक लेकर छोड़ दिया। इस प्रकार उसका कुछ रुपया समाप्त हो गया तो बताओ उसने कुछ दिनों रुपये चोरी की थी ?

(७४) १ मनुष्य पूरे दिन काम करके एक काम को ४१ दिन में पूरा कर सकते हैं। लेकिन उन में से एक मनुष्य दूसरे काम के कारण सिर्फ आधे समय काम करता है और दूसरा सिर्फ तिहाई समय और तीसरा सिर्फ चौथाई समय, तो बताओ काम कितने दिनों में पूरा होगा ?

(७५) यदि १२ मनुष्य एक पुरता, जो २० गज लम्बा है, ८ घंटे प्रति दिन काम करके २५ दिन में बना सकते हैं तो १२० गज लम्बे पुरते को कितने मनुष्य १ घंटे प्रति दिन काम करके २४ दिन में बना लेंगे ? जब कि अन्त के तीन दिनों में २० मनुष्य चौर बढ़ा लिये जायें।

(७६) १० घंटे प्रति दिन काम करके एक पुरता, जो ८० गज लम्बा है, १९ आदमी ९ दिन में बनाते हैं तो ९० गज लम्बे पुरते तैयार करवाने के

लिये ८ घंटे प्रति दिन करने वाले कितने मजदूर लगाने चाहिये कि काम १३ दिन में समाप्त हो जाए ? जब कि अन्त के दो दिनों में ६ मनुष्य और बढ़ा दिये जाएँगे ।

(८०) २० मनुष्य एक पुरता जो, ०५ गज लम्बा है १२ घंटे प्रति दिन काम कर के, ३ दिन में बना सकते हैं । उसी प्रकार के एक दूसरे पुरते में जो १० गज लम्बा है ६ घंटे प्रति दिन काम करनेवाले ६ मनुष्य लगाये गये । दो दिन के बाद कुछ और आदमी लगाये गये और काम कुल ६ दिनों में पूरा हो गया तो यथाश्रो पाँचे और कितने मनुष्य लगाये गये थे ?

(८१) १२ रात्र एक भीत को, जो २५ फीट लम्बी, ३ फीट मोटी और ८ फीट ऊँची है, ८ घंटे प्रति दिन काम करके ६ दिन में बनाते हैं तो यथाश्रो ६ घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जाँय कि ३० फीट लम्बी, ३ १/२ फीट मोटी और १० फीट ऊँची भीत ६ दिन में तैयार हो जाये ? जब कि पीछे के तीन दिनों में ११ आदमी काम नहीं करते हैं ।

(८२) ४ पौण्ड चाय और ८ पौण्ड चीनी का दाम १३ शिल्लिङ्ग है ? यदि चाय का दाम २५ प्रति सैकड़ा बढ़ जाय और चीनी का दाम १५ प्रति सैकड़ा घट जाए तो उन का दाम २६ पेंस बढ़ जाता है तो एक पौण्ड चाय और एक पौण्ड चीनी का मूल्य यथाश्रो ।

(८३) १० आदमी एक खाई, जो १५ फीट लम्बी, १० फीट चौड़ी और ५ फीट गहरी है, १४ घंटा प्रति दिन आराम करके १५ दिन में खोदते हैं तो १६ फीट लम्बी, ८ फीट चौड़ी और ४ फीट गहरी खाई खोदने के लिए ८ घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जायें कि काम १० दिन में अन्त हो जाये । यह भी मालूम है कि अन्त के दो दिन में ६ मजदूर काम नहीं करेंगे ?

(८४) ३ पौण्ड चाय और २ पौण्ड चीनी का मूल्य ७ शिल्लिङ्ग है

(१०) एक टीकेदार के पास दो तरह के आदमी हैं। पहली के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी ३२ सि० ४ पेंस और दूसरी के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी २१ सि० ४ पेंस हैं। दोनों के म० ४ : ३ का सम्बन्ध है। यदि वह अपना काम पहली तरह के काम में करता है तो कान दूसरी तरह के आदमी जितने समय में करते हैं उस सप्ताह पहले हो जाता है और खर्च १०२ पाँच अधिक पड़ता है बताओ दोनों तरह के बराबर बराबर आदमी रखने से कुल कितना खर्च होगा ?

(११) एक किसान के पास दो प्रकार के मजदूर हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी ६ आ० ८ पा० और दूसरे प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी ७ आ० ४ पा० हैं। दोनों के कानों में ७ : ६ का सम्बन्ध है। पहले प्रकार के मजदूर से काम करवाने में दूसरे प्रकार के मजदूर से काम करवाने के समय की अपेक्षा ३ दिन कम लगता है किन्तु खर्च ८० रु० अधिक होता है। तो दोनों प्रकार के बराबर बराबर मजदूर रखने से क्या खर्च होगा ?

(१२) ११ नगर के घरों में यह भी बताओ दोनों प्रकार के किसानों कितने अनुप्य रहेंगे ?

(१३) एक टीकेदार के पास दो तरह के कुली हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २८ सि० २ पेंस और दूसरे प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २२ सि० १ पेंस हैं। दोनों के कानों में ४ : ३ का सम्बन्ध है। पहले प्रकार के कुली से काम करवाने में दूसरे प्रकार के कुली से काम करवाने के समय का अपेक्षा २ सप्ताह की बचत है किन्तु खर्च २० पाँच अधिक होता है तो बताओ दोनों प्रकार के बराबर बराबर कुली रखने से क्या खर्च होगा ?

∴ १ आदमी और १ लड़का १ दिन में 0×1 या $1 \frac{1}{2}$ काम कर सकते हैं।

∴ १ आदमी और १ लड़का उसे १२ दिन में कर सकते हैं।

१ उदाहरण— ∞ मनुष्य और १ लड़के २० एकड़ १ दिन में और १ मनुष्य ∞ लड़के २४ एकड़ ४ दिन में काट सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और तीन लड़के 1∞ एकड़ को कितने दिन में काटेंगे ?

∞ मनुष्य और १ लड़के १ दिन में $1 \frac{1}{2}$ एकड़ काट सकते हैं और १ मनुष्य और ∞ लड़के १ दिन में १ एकड़ काट सकते हैं
 ∞ मनुष्य और १ लड़के १ दिन में $1 \frac{1}{2}$ एकड़ काटते हैं }
 और १ मनुष्य और ∞ लड़के १ दिन में १ एकड़ काट सकते हैं }
 इन दोनों को जोड़ने से

∴ १४ मनुष्य और १४ लड़के 1∞ एकड़ एक दिन में काट सकते हैं

∴ १ मनुष्य और १ लड़का 1∞ एकड़ " " "

∴ १ मनुष्य और २ लड़के $1 \times 1 \infty$ एकड़ " " "

या $1 \frac{1}{2}$ एकड़ " " "

1∞ एकड़ 1∞ " " " ० दिन या १४ दिन में काट सकते हैं

१४ दिन उत्तर

अभ्युपगमः प्रश्न (१८)

जि ३०० पक्षी - मेंम का मुख्य २०० २० और २ गाय तथा २०० २० हा ना एक गाय का मुख्य बताओ।

(२) यदि २ बैल और ४ गाय का मूल्य ४४ रु० और ७ बैल तथा ३ गाय का मूल्य ४६ रु० हो तो एक गाय का मूल्य बताओ ।

(३) यदि ७ मन चावल और ३ मन सरसों का मूल्य १२१ रु० ५ आ० तथा ३ मन चावल और ७ मन सरसों का मूल्य ११८ रु० ७ आ० हो तो एक मन चावल और १ मन सरसों का मूल्य ज्ञात कर बताओ ।

(४) १ मनुष्य और ४ खड़के एक खेत को २ दिन में तथा २ मनुष्य और ३ खड़के उसी खेत के $\frac{1}{3}$ को २ दिन में काट सकते हैं तो एक १ मनुष्य और १ खड़का मिल कर उस खेत को कितने दिनों में काट सकेंगे ?

(५) २ मनुष्य और ८ स्त्रियाँ मिल कर एक काम के $\frac{1}{3}$ को २ दिनों में और ३ मनुष्य और २ स्त्रियाँ मिल कर उसी काम के $\frac{1}{4}$ को ३ दिनों में पूरा कर सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और १ स्त्री अलग अलग उस काम को कितने दिनों में पूरा करेंगे ?

(६) ४ मनुष्य और ३ खड़के ११ बीघा २ दिन में, तथा ७ मनुष्य और २ खड़के ३३ बीघा ४ दिन में काट सकते हैं तो ३ मनुष्य और १ खड़के मिल कर १४ बीघा कितने दिनों में काटेंगे ?

(७) १ मनुष्य और ३ खड़के मिल कर एक काम को $2\frac{1}{4}$ दिन में और ३ मनुष्य तथा २ खड़के मिल कर उसी काम को $2\frac{1}{2}$ दिन में पूरा सकते हैं तो एक मनुष्य और १ खड़का मिल कर उस काम को कितने दिनों में समाप्त करेंगे ?

(८) यदि ४ मनुष्य और ३ खड़कों की ४ दिनों की मजदूरी ३१ रुपये तथा ७ मनुष्य और २ खड़कों की २ दिनों की मजदूरी २८ रु० ८ आ० आना हो तो २ मनुष्य और २ खड़के कितने दिनों में ८१ रु० पायेंगे ?

(९) एक वर्षाण, जिसमें १०५ डोल पानी आता है दो नलों से भरा जाता है । यदि पहिला नल ४ घंटे और दूसरा नल ३ घंटे सुला रहता है तो वर्षाण में ८५ डोल पानी भर जाना है और अब पहिला नल ३ घंटे

घोर दूसरा नल ४ घंटे तक गुला रहता है तो बर्तन में ८६ होल पानी का जाता है तो दोनों नलों में कितने घंटे में बर्तन आधा भर जाएगा ?

श्रुत नियम

(१०४) श्रुत नियम समस्त समानुपात का ऐकिक नियम का विलुप्त प्रयोग ही है । श्रुत नियम को सिद्ध अनुपात, परिवर्तन (बदलना) भी कह सकते हैं । हमकी चौर भी कई तरह से परिभाषायें दी जा सकती हैं । प्रैराशिक से भी इसका घनिष्ठ सम्बन्ध है । इसमें कई राशियाँ दी हुई रहती हैं चौर दो दो में सम्बन्ध भी दिया रहता है । अब हम में यह निकालना पड़ता है कि पहली राशि चौर अन्तिम राशि में क्या सम्बन्ध है । इनसे यह पता चल जाता है कि पहली राशि की एक ही हुई संख्या अन्तिम राशि की किस संख्या के समान है । जिन लोगों ने प्रैराशिक भली भाँति समझ लिया है, उन्हें ऐसे प्रश्नों के लगाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो सकती जैसा कि नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा ।

१ उदाहरण :- यदि ४ भेड़ का मूल्य ५ बकरी के बराबर, १० बकरी का मूल्य ३ गाय के बराबर, ६ गाय का मूल्य ४ बैल के बराबर और ६ बैल का मूल्य ३ घोड़े के बराबर है तो २ घोड़े का मूल्य कितनी भेड़ के मूल्य के बराबर है ?

$$\left. \begin{array}{l}
 ४ \text{ भेड़} = ५ \text{ बकरी} \\
 १० \text{ बकरी} = ३ \text{ गाय} \\
 ६ \text{ गाय} = ४ \text{ बैल} \\
 ६ \text{ बैल} = ३ \text{ घोड़े}
 \end{array} \right\}$$

$$\begin{array}{l}
 २ \text{ घोड़ा} = ६ \text{ बैल} \\
 \therefore १ \text{ घोड़ा} = ३ \text{ बैल} \\
 ४ \text{ बैल} = ६ \text{ गाय} \\
 \therefore १ \text{ बैल} = ३ \text{ गाय}
 \end{array}$$

$$\therefore \frac{1}{2} \text{ बैल} = \frac{4 \times 4}{2 \times 4} \text{ गाव}$$

$$2 \text{ गाव} = 10 \text{ बकरी}$$

$$\therefore 1 \text{ गाव} = \frac{10}{2} \text{ बकरी}$$

$$\therefore \frac{4 \times 4}{2 \times 4} \text{ गाव} = \frac{4 \times 4 \times 10}{2 \times 4 \times 2} \text{ बकरी}$$

$$2 \text{ बकरी} = 4 \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ बकरी} = \frac{4}{2} \text{ भेड़}$$

$$\therefore \frac{4 \times 4 \times 10}{2 \times 4 \times 2} \text{ बकरी} = \frac{4 \times 4 \times 10 \times 4}{2 \times 4 \times 2 \times 2} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ घोड़ा} = \frac{4 \times 4 \times 10 \times 4}{2 \times 4 \times 2 \times 2} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 2 \text{ घोड़ा} = \frac{4 \times 4 \times 4 \times 10 \times 4}{2 \times 4 \times 2 \times 2} \text{ भेड़}$$

$$= 16 \text{ भेड़ उत्तर}$$

ऊपर की क्रिया को ज्ञान पूर्वक देखने से पता चलता है, पहले तो 10 राशियों को पहले और दूसरे दो भागों में बाँटना चाहिए जैसा कि ऊपर किया गया है। एक भाग को बाईं ओर रखना चाहिए और दूसरे को दाहिनी ओर। अब बाईं ओर की सब संख्याओं को परस्पर गुणा करके, इस संज्ञक गुणनफल से, दाहिनी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में भाग देना चाहिए। इस प्रकार बाईं ओर की प्रथम संख्या का और दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या का संबंध मालूम हो जायगा और इसमें बाईं ओर की प्रथम संख्या की इकाई का मान, दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या के पदों में निकलेगा। अगर बाईं ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में, बाहिरी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल से भाग दें तो भी वह संबंध निकल आएगा परन्तु ऐसा करने से दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या की

इकाई का मान, बाईं ओर की प्रथम संख्या के पदों में आवेगा। पड़ले ही देख लेना चाहिए कि किन का भाग देने में आसानी होगी। शक्ति राशि की इकाई का मान निचालना ही आसान होता है।

२ उदाहरण :—६ घोड़ों का मोल १६ गायों के मोल के समान, १२ गायों का मोल १० भैंसों के मोल के समान, २० भैंसों का मोल ३२ ऊँटों के मोल के समान, ३ ऊँटों का मोल २४ भेड़ों के मोल के समान और ६ भेड़ों का मोल २० रु० तो १२ घोड़ों का मोल क्या होगा और ६ घोड़े कितनी भेड़ों के समान होंगे ?

$$६ \text{ घोड़ा} = १६ \text{ गाय}$$

$$१२ \text{ गाय} = १० \text{ भैंस}$$

$$२० \text{ भैंस} = ३२ \text{ ऊँट}$$

$$३ \text{ ऊँट} = २४ \text{ भेड़}$$

ऊपर के नियम के अनुसार

$$१ \text{ घोड़ा} = \frac{१६ \times १० \times ३२ \times २४}{६ \times १२ \times २० \times ३} \text{ भेड़}$$

$$\therefore ६ \text{ घोड़े} = \frac{६ \times १६ \times १० \times ३२ \times २४}{६ \times १२ \times २० \times ३}$$

$$= २२४ \text{ भेड़ें}$$

$$\therefore १२ \text{ घोड़ा} = \frac{१२ \times २२४}{६} \text{ भेड़ें}$$

$$\text{और एक भेड़ का मोल} = \frac{२०}{६} \text{ रु०}$$

$$१२ \text{ घोड़े का दान} = \frac{१२ \times २२४}{६} \text{ भेड़ों का दान}$$

$$= \frac{१२ \times २२४}{६ \times ६}$$

$$= २२४ \text{ रु०}$$

अभ्यासार्थं प्रश्न (१२९)

(१) यदि १५ गाय ११ घोड़े के बराबर, ११ घोड़े ५ मोटर के बराबर और ११ मोटर ८ हाथी के बराबर हैं तो ४ हाथी का मूल्य किसकी गाय के मूल्य के बराबर होगा ?

(१) यदि ७ मीर चाप का मूल्य ४ सेर चरबे के मूल्य के बराबर, १ सेर चरबे का मूल्य १ मीर चीनी के मूल्य के बराबर और १२ मीर चीनी का मूल्य १० मीर चाटे के मूल्य के बराबर हो तो २२ सेर चाटे का मूल्य कितने मीर चाप के मूल्य के बराबर है ?

(३) यदि ४ मकान का मूल्य १ पैस के बराबर, १ पैस का दल १२० बकरी के मूल्य के बराबर, १० बकरी का मूल्य २ गाव के बराबर, १ गाव का मूल्य २ भैंस के बराबर और १ भैंस का मूल्य ४ बैल के मूल्य के बराबर है तो १० बैल का मूल्य कितने मकान के मूल्य के बराबर होगा ।

(४) यदि ११ पौनों का मूल्य ० पौन के मूल्य के बराबर, १) जिन का मूल्य ११ गाव के मूल्य के बराबर, १४ गाव का मूल्य २२ बकरी के दाम के बराबर और १२ बकरी का मूल्य ११ बैल के मूल्य के बराबर हो तो १८ भेड़ का मूल्य कितने पौने के मूल्य के बराबर होगा ?

(५) यदि ८ घोड़े = १ दिन, ११ घोड़े = १६ गाय, ६ गाय = ११ बकरी और १८ बकरी = ११ भेड़ तो ६१ भेड़ के मूल्य में कितने घोड़े बराबर आ सकते हैं ?

(१) यदि २० बीघा बग़ाब है १२ आमद के, ६ आमद बग़ाब है ३ आम के और १२ आम बग़ाब है २० मुग़री के मूल्य के तो ११ बीघा, २ आमद, १० आम और २० मुग़री का मूल्य बग़ाबों के बिना मुग़री की दर ४; लि० प्रति मीटर है ।

१०. यह कार्य भी १९५० यह है। दोनों का सम्बन्ध हम उदात्त है कि
उत्तर १. यह कार्य भी है जो १९५० कार्य है, २. यह कार्य के जो १९५०

नारियल के, २ पेड़ ताड़ के तो ११ पेड़ आम के और ७ पेड़ निम्बू के तो २ पेड़ ताड़ के हैं तो हर तरह के पेड़ों की संख्या बताओ ।

(८) १६ मनुष्य उतने काम को कर सकते हैं जितने को २२ छिपों; और २ छिपों उतने काम को कर सकती हैं जितने को ८ लड़के । एक काम को १२२ लड़कों ने मिल कर पूरा किया तो बताओ उसी काम को कितने मनुष्य कर सकते हैं ?

(९) यदि ७२ रु० = ७ पौण्ड, २ पौण्ड = ६३ फ्लोरिन और १४ फ्लोरिन = २ डालर के होता है तो ७० डालर में कितने रुपये मिलेंगे ?

(१०) क ७ दिन में उतना काम कर सकता है जितना ख ६ दिन में, ख ८ दिन में उतना काम कर सकता है जितना ग ७ दिन में और ग ६ दिन में उतना काम कर सकता है जितना घ १० दिन में; तो बताओ जिस काम को घ १२ दिन में कर सकता है सब मिल कर उसे कितने दिनों में करेंगे ?

(११) जितने समय में क एक काम का $\frac{1}{4}$ करता है ख उतने समय में $\frac{1}{5}$ करता है और ख जितने समय में $\frac{1}{5}$ करता है ग उतने समय में $\frac{1}{6}$ करता है और ग जितने समय में $\frac{1}{6}$ करता है घ उतने समय में $\frac{1}{7}$ करता है । यदि घ उस काम को १२ दिन में कर सकता है तो सब मिल कर उसे कितने दिनों में कर सकेंगे ?

समानुपाती भागों में विभाग

(१२) किसी दी हुई संख्या या राशि को समानुपाती भागों में बांटने का यह आशय होता है कि उनकी ऐसे भागों में विभाजित करना है जे' जो हुई संख्याओं के समानुपाती हों । जैसे ३० रु० को ऐसे भागों में बाँटो कि एक दूसरे का दूग हो स्पष्ट है कि इसका उत्तर २० रु०, १० रु० है ।

$$\therefore \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} = \frac{अ}{स} \Rightarrow \frac{३}{४} \times \frac{४}{२} = \frac{३}{२}$$

$$\text{और } \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} \times \frac{स}{द} = \frac{अ}{द} = \frac{३}{४} \times \frac{४}{२} \times \frac{२}{६} = \frac{३}{६}$$

$$\therefore अ : ब : स : द = ३ : ४ : २ : ६$$

$$\therefore ३ + ४ + २ + ६ = १५$$

$$१५० \div १५ = १०$$

$$\therefore १० \times ३ = ३० \text{ रु० अ का भाग}$$

$$\therefore १० \times ४ = ४० \text{ रु० ब का भाग}$$

$$\text{और } १० \times २ = २० \text{ रु० स का भाग}$$

$$\text{और } १० \times ६ = ६० \text{ रु० द का भाग}$$

(४) १५० गैलन मिश्रित वस्तु में शराब और पानी में २:३ का संबंध है तो बताओ उसमें कितना और पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में २:४ का संबंध हो जाय

$$२ + ३ = ५$$

$$\therefore \text{शराब} = \frac{२}{५} \times १५० = ६० \text{ गैलन}$$

$$\text{और पानी} = \frac{३}{५} \times १५० = ९० \text{ गैलन}$$

इस प्रश्न से साफ जाहिर है कि उसमें केवल पानी ही बढ़ाया जाता है इसलिए शराब की मात्रा वही रहती है

$$२ : २ :: ६० \text{ गैलन} : \text{उत्तर}$$

$$\therefore २ \times \text{उत्तर} = ६० \times २ \text{ गैलन}$$

$$\therefore \text{उत्तर} = \frac{६० \times २}{२} = ६० \text{ गैलन}$$

$$६० - ६० = ० \text{ गैलन पानी और मिलाना चाहिए}$$

(५) एक पीपे में ३० गैलन शराब और पानी मिला हुआ भरा है। उसमें शराब और पानी का अनुपात ३:२ है। तो बताओ पीपे में से कितनी

मिश्रित वस्तु निकाल कर उतना ही पानी मरा जाय कि उस शराब और भावा पानी हो जाय ।

$$१ + २ = ३$$

उस पीपे में शराब $= \frac{1}{3} \times ३ = १$ मैकन

और पानी $= \frac{2}{3} \times ३ = २$ मैकन

पीपे में बाकी शराब रह जानी चाहिए अर्थात् उसमें $३ - १$ बाकी मैकन ही शराब रहनी चाहिए ।

$\therefore १ - १ = ०$ मैकन शराब निकाल लेना चाहिए ।

परन्तु १ मैकन शराब निकालने में २ मैकन पानी भी निकल जाएगा इस लिए $१ + २$ या ३ मैकन मिश्रित वस्तु निकालना चाहिए ।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३०)

(१) १० रु० को ऐसे दो भागों में विभाजित करो कि एक १ गुना हो ।

(२) १० को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उन के भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

(३) १०० रु० को अ, ब और स में इस प्रकार बाँटो कि ब के का गुना और स को अ तथा ब के भागों के योग के समान मिले ।

(४) ८१ को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उनके भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

(५) ६३ रु० १२ आने को ऐसे चार भागों में बाँटो जो $\frac{1}{2}, \frac{1}{3}, \frac{1}{4}$ और $\frac{1}{5}$ के समानुपाती हों ।

(६) ३४ पीछ ११ सि० ४ पेंस को दो ऐसे भागों में जिनमें दूसरा पहले का $\frac{3}{4}$ हो ।

(७) ४२ रु० को ऐसे ५ भागों में विभक्त करो कि उनके भाग $\frac{1}{2}, \frac{1}{3}, \frac{1}{4}, \frac{1}{5}$ और $\frac{1}{6}$ के समानुपाती हों ।

(३३) ४८ को दो चार भागों में विभक्त करो कि पहले चार गुना और दूसरे का चौगुना मित्रा कर १०१ हो ।

(३४) ४१ को दो चार भागों में बाँटो कि पहले का १ और दूसरा २ मित्रा कर १३ हो ।

(३५) ४२ को चार भागों में बाँटो कि प्रत्येक को चार गुना बनाओ ।

(३६) इस समय क ल और ग की आयु का योगफल ३८ वर्ष है ४ वर्ष पहले जाना की आयु का सम्बन्ध ४ : ६ : १ था, तो इस समय जाना की आयु कृपक कृपक क्या है ?

(३७) जब कि २५ तोले सोने के दाम २८ रु० १ पा० १ बा० १ तो एक तोले चाँदी के दाम क्या होना चाहिये, जब उसकी और सोने के कीमत में १ : १२५ का अनुपात है ?

(३८) एक मनुष्य के दाम २ पींड १० शि० की पुँजी है, जिस सारंग, चंड वाडन और शि० के सिक्के २ : ६ : ११ के अनुपात में हैं, प्रत्येक की संख्या बताओ ।

(३९) १०० पी० को १२ पुरुष २० स्त्री और ३० बालकों में इस प्रकार बाँटो कि एक पुरुष और एक बालक का भाग मिल कर दो स्त्रियों के भाग के समान हो चार सय स्त्रियों के कुल ६० पींड मिले ।

(४०) एक कारखान में काम करने वाले पुरुष, स्त्री और बच्चों के भत्ता क्रम में १ : २ : ३ के सम्बन्ध में है, और एक पुरुष, एक स्त्री, और १ लड़के का मजदूरी क्रम में ६ : ६ : २ के सम्बन्ध में है । जब कारखाने में कुल २० पुरुष हैं और मासिक मजदूरी ४२० रु० है तो बताओ । पुरुष १ स्त्री और १ लड़के का मजदूरी कृपक कृपक क्या है ?

(४१) एक मनुष्य ने अपना धर्मार्थ का ३ अपने पुत्र के नाम और १५ धर्मार्थ का नाम २०० रु० १०० रु० १०० रु० का अनुपात में बाँट दिया । २०० रु० १०० रु० १०० रु० का अनुपात में बाँट दिया । २०० रु० १०० रु० १०० रु० का अनुपात में बाँट दिया ।

दिये और पानी को व और म में ४ : १ के अनुपात में बाँट दिया। अगर म का हिस्सा ६२०० रु० हो तो बताओ व और व को कितना मिला ?

(४२) २०० को दो भागों में विभाजित करो कि पहले का दुना, दूसरे के तिगुने के बराबर हो।

(४३) कुछ रुपये व, स और ग में बाँटे गये; व को ग से तिगुना और ग को ग से दुना मिला। यदि क ने ग से २० रु० का अधिक पाये तो बताओ कुल कितने रुपये बाँटे गये ?

(४४) ६० गैलन मिश्रित दस्त में शराब और पानी में ३ : २ का सम्बन्ध है तो बताओ उसमें कितना पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में ४ : ३ का सम्बन्ध हो जाय ?

(४५) एक बर्तन में ४० सेर दूध और पानी मिला हुआ भरा है जिसमें दूध और पानी का अनुपात ३ : २ है तो बताओ बर्तन में से कितने सेर मिश्रित दस्त निकाल कर उतना ही पानी भरा जाय कि बर्तन में बाधा दूध और बाधा पानी हो जाय।

(४६) एक बर्तन में २४ सेर दूध भरा हुआ है। पहले उसमें से ४ सेर दूध निकाल लिया और बर्तन को पानी से भर दिया, अब उस मिश्रित दस्त में से ४ सेर निकाल कर फिर पानी से भर दिया, यह क्रिया तीन बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध रहेगा ?

(४७) एक बर्तन में कुछ दूध रखा है। पहले उसमें से २ सेर दूध निकाल कर फिर २ सेर पानी घोड़ दिया गया। फिर २ सेर मिश्रित दस्त निकाल कर उसमें २ सेर पानी भर दिया गया। अब उसमें दूध और पानी में १६६ : २६ का सम्बन्ध है। तो बताओ पहले उस बर्तन में कितना दूध था ?

दस्तुरा या कमीशन

(४८) दस्तुरा या कमीशन वह धन है जो मध्यस्थ व्यक्ति को उम्मीदवार के माल खन की लागत पर प्रति सैकड़ा दिया जाय

स्टाक, प्रामिसरी नोट या कम्पनी के कागज़ों के बेंचवाने वाले-मर्ज के प्रायः दलाल कहते हैं और उनकी दस्तूरी दलाली कहलाती है।

बीमा कराई उस दस्तूरी को कहते हैं जो किसी कम्पनी के विरोध दशा में वस्तुओं के सुरक्षित रहने तथा हानि की दशा में उसे री की प्रतिज्ञा के लिए दी जाय। इससे स्पष्ट है कि कमीशन, दस्तूरी, दलाल और बीमा कराई आदि सब प्रति सैकड़ा के हिसाब से दिया जाता है।

पालिसी एक प्रतिज्ञा पत्र है। बीमा कराई की प्रीमियम भी कहते हैं।
१ उदाहरण :—एक दलाल के द्वारा एक मकान १२०० रु० में बिका। तो बताओ दलाल को कितना मिश्रा। दलाली प्रति सैकड़ा २० है।

$$१०० रु० : १२०० रु० :: २ : उत्तर$$

$$\therefore १०० \times उत्तर = १२०० \times २ रु०$$

$$उत्तर = \frac{१२०० \times २}{१००} रु०$$

$$= २४ रु०$$

२ उदाहरण — १ रु० प्रति सैकड़ा बीमा कराई की दर है तो बताई एक मनुष्य को १००० रु० की बीमा कराई में कितना वार्षिक प्रीमियम देना पड़ेगा।

$$१०० रु० में प्रीमियम = १ रु०$$

$$\therefore १ रु० " " = \frac{१}{१००} रु०$$

$$१००० रु० " " = \frac{१००० \times १}{१००} रु०$$

$$= १० रु०$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३१)

(१) एक दलाल ने ३५०२ रु० का समान बेंचा, तो उसे २१ रु० प्रति सैकड़ा की दर से दलाली में मिलने रुपये मिलेंगे ?

(२) ११२ पौण्ड १० शि० ४ पैस पर ४ मिलिट्र प्रति सैकड़ा की दर से दलाली क्या होगी ?

(३) यदि किसी दलाल को $1\frac{1}{2}$ पौण्ड प्रति सैकड़ा की दर से किसी मकान के देखने के लिए १६ पौण्ड ६ शि० ८ पैस दलाली मिली हो तो मकान का मूल्य बताओ ।

(४) एक दलाल ने ४ रु० ८ पैसे प्रति घंटे की दर से ४२५ घंटे चारल मोल लिये । उसे प्रति सैकड़ा $2\frac{1}{2}$ रु० की दर से कमीशन मिला तो बताओ खरीदने वाले को कुल कितने रुपये खर्च पड़े ?

(५) एक जहाज के माल के असली मूल्य के $\frac{1}{4}$ का बीमा कराया गया । यदि प्रीमियम $1\frac{1}{2}$ रु० प्रति सैकड़ा की दर से २३ रु० १२ पैसे ६ पैस पाई लगा तो जहाज की असली कीमत बताओ ।

(६) एक सौ पौण्ड के बीमा कराने में २१ शि० प्रीमियम, १ शि० ६ पैस प्रतिशत पर कर (स्टाम्प) और १० शि० दलाल के कमीशन देना पड़ता है । यदि २२२२ पौण्ड का बीमा कराया जाय तो कुल कितना खर्च पड़ेगा ?

(७) १२३८ पौण्ड कीमत के माल का बीमा $1\frac{1}{2}$ पौण्ड प्रति सैकड़ा प्रीमियम की दर से कितने का कराया जाए कि यदि माल किसी कारण से नष्ट हो जाए तभी उस माल का मूल्य और बीमा कराई दोनों वसूल हो जाएँ ?

(८) १२२६ पौण्ड के माल का बीमा कितने का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर माल और बीमा कराई दोनों वसूल हो सकें ? जब कि प्रत्येक सैकड़ा प्रीमियम २० शि० ३ पैस, स्टाम्प १ शि० ६ पैस और दलाली १२ शि० ६ पैस है ।

(९) १००० रु० का माल या बीमा कितने रुपये का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर भी माल और बीमा का खर्च वसूल हो सके । बीमा

परन्तु हाथी का दान = २२०० रु०

∴ भैंस और गाय का दान = २४०० — २२००

= २०० रु०

∴ घोड़ा का दान = ३०० — २००

= १०० रु० उत्तर

अभ्यासार्य प्रश्न (१३२)

निम्न लिखित संख्याओं की औसत निकालो :—

(१) २, ६, ७, ८, ४

(२) ११, १२, १६, १३, २३

(३) २८, २४, १६, १३, ३

(४) ८, ११, १३, ६, १०

(५) ७२, ३२, १४, १३, ३६, ६

(६) ३½, ४½, ३½, २½

(७) ११½, ८½, ७½, ६, १, ३

(८) पांच बैलों का मूल्य क्रम से ३२, ४२, ८१, ३२ और २४ रु० हैं तो उनके मूल्य की औसत निश्चालो ।

(९) ४ लड़कों की उपस्थिति क्रम से २०, २४, २१ और २३ दिन हैं तो उनकी उपस्थिति की औसत बताओ ।

(१०) एक मनुष्य ने अपनी पाँच गायों को क्रम से २०, २२, ४३, ४२ और ७२ रु० में बेची तो प्रत्येक गाय का औसत मूल्य क्या हुआ ?

(११) एक दहाई ने ४ कुर्मी पाँच पाँच रुपये में, ६ कुर्मी छार छार रुपये में और दो कुर्मी २ रु० ८ आने की दर से बेची तो प्रत्येक कुर्मी का औसत मूल्य बताओ ।

१२ । छार बैल और ३ गायों के मूल्य की औसत ३८ रु० है

माताओं के मूल्य की घोषणा कर दें। तो बेटों के मूल्य की भी घोषणा बलायगी।

(११) चार मनुष्यों के हारने की औसत ३५५ द० है । इसमें स
मनुष्य के पास ५२५ द० है तो शेष तीनों के हारने की औसत बताओ :

(१४) = धोने, १० पैर, ७ गाय और ५ भैंस के मूल्य की बरत १५ व० है । धोने के मूल्य की भीमान ८२ व०, पैरों के मूल्य की १२ व० और गायों के मूल्य की भीमान २५ व० है जो भैंस के मूल्य की भीमान बनाये ।

(१२) १ मनुष्यों की आयु की औसत २० वर्ष है । हमने दे रें मनुष्यों की आयु कम से ११ और ३२ वर्ष है, जो दोन बार मनुष्यों की आयु की औसत निहायो ।

(१६) * कोरे जलमयों की मीछ की घोंघण ३ अम १२ सेर है। यह
* कोरे जलमयों की मीछ की घोंघण ३ अम है सेर दोन तीन कोरे जलमयों की
मीछ की घोंघण बनाया।

(१०) एक वादमात्र में १२ कहते हैं । अपनी शान्ति की योग्यता को दे, यदि वह कहते हों। वह यदि किसी शान्ति की योग्यता को दे तो वह वादमात्र के अर्थों की शान्ति की योग्यता क्या होगी ?

(१८) एक मात्र, एक बोधा और एक रीति के दामों की शैली का
 २० है और कही मात्र कही बोधा और एक रीति के दामों की शैली का
 २० है । यदि ऐसा का नाम २० २० है का रीति का नाम बनाना ।

(१३) कुछ बच्चा, कुछ माँस और १ भैंस के दूध की रसियन ।।
 २० है और इसी कारण इसी माँस और कुछ दालों के दूध की रसियन ।।
 २० है । यदि दालों का दूध २३ ०२ २० है तो भैंस का दूध दालों ।

(२२) जिस तरह जीवन का प्रकाश है व अन्तर्गत के जीवन-प्रकाश के प्रथम प्रकाश है उसका ही अन्तर्गत प्रकाश है ॥ १० ॥

रुम प्रभ का टकर १० दिना हुआ है, तो बत्ताघो वे दो मंगवाएँ और और भी हो सकती हैं ?

(२१) १० से लेकर २०० तक की संख्याओं की औसत बत्ताघो ।

(२२) एक मेष में ४० आदिमियों की रमोई बननी थी । उसमें १२ आदिमों के और बड़े जाने पर मेष का त्रुष प्रति मास ६८२० बढ़ गया, परन्तु औसत त्रुष प्रति आदिमी १२० बन हो गया तो बत्ताघो पहले नास्तिक त्रुष क्या था ?

(२३) सम्मेलन की प्रथमा परीक्षा के १ परीक्षार्थियों ने कुछ नम्बरों का १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १ और शेष परीक्षार्थियों ने १ प्राप्त किया । कुछ परीक्षार्थियों के प्राप्त नम्बरों की औसत २६६ है तो बत्ताघो कुल नम्बर कितने हैं ?

(२४) राम ने पर साल ८० बीघे में गेहूँ बोया था । इस वर्ष उसने २० बीघे अधिक गेहूँ बोया और पर साल से कुछ ६० मन अधिक गेहूँ पैदा हुआ । परन्तु गेहूँ की औसत पैदावार पर साल से इस वर्ष प्रति बीघा १३ मन बन हो गई तो बत्ताघो पर साल उमें कुछ कितने मन गेहूँ पैदा हुआ था ?

तत्कालधन और नितीकाटा

(१०८) मान लिया कि किसी आदिमी ने कुछ धन उधार लिया और महाजन को ब्याज और मूलधन निताकर कुछ निपन समय के बाद देने का वादा किया । अब किसी कारण से वह नियत समय के पहले ही अपना चुका देना चाहता है । ऐसी दशा में वह महाजन को कुछ रुपया नहीं देना चाहता उतने समय का कितने समय पहले वह रुपया देगा ब्याज कट होगा । इन रुपये को उं निपन समय के पहले ब्याज कट कर दिया जाता है । न काल धन और जिनका ब्याज कट तिया जाना है उमें निती काटा

कहते हैं और जितना धन के देने का वह पहले वादा करता है देय धन कहने हैं । अतएव देय धन में व्याज और मूल धन दोनों मिश्र रहने हैं ।

इन परिभाषाओं से स्पष्ट है ॥ तत्कालधन = मूलधन

मिनीकाटा = व्याज [वास्तु यह भी हमेशा रक्खना चाहिये कि व्याज और मिनी काटा दो भिन्न २ धन के हैं, एक ही धन के नहीं

और देयधन = तत्कालधन + मिनी काटा

ऊपर के समीकरणों का प्रयोग व्यवहार के लिए किया जा सकता है ।

१ उदाहरण :— २ मैकदा व्याज की दर से ४ वर्ष के समय में देयधन

४८० रु० का तत्कालधन बनायो ।

१ वर्ष में २ रु० व्याज है ।

४ वर्ष में $४ \times २ = ८०$ रु०

• मिथधन = $४८० + ८० = ५६०$ रु०

∴ ५६० रु० का तत्कालधन = ४८० रु०

• १ रु० " " = $\frac{१००}{१२०}$ रु०

• ४८० रु० " " = $\frac{४८० \times १००}{१२०}$ रु०

= ४०० रु०

• उत्तर = ४०० रु०

अध्यामार्थ प्रश्न (१३३)

तत्कालधन बनायो :—

(१) १ महीने के समय में देय ३६० रु० का देने का, १ प्रति मैकदा व्याज की दर से ।

(२) ३ वर्ष के समय में देय ३८३६ रु० का, ४ प्रति मैकदा व्याज की दर से ।

(३) $1\frac{1}{2}$ वर्ष के अंत में देय १२२६ रु० ४ आने का, $2\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

(४) ३ वर्ष ॥ महीने के अंत में देय १६१६१ रु० २ आ० ४ पाई का ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

(५) २ वर्ष के अंत में देय ४२१२ रु० का, $3\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

(६) ८ महीने के अंत में देय ३४३ पाँ० ६ शिलिंग ८ पेंस का $4\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

(७) ३ महीने के अंत में देय ४१८ पौण्ड का, ६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

(८) $4\frac{1}{2}$ वर्ष के अंत में देय ४२३ पौण्ड १२ शिलिंग का, २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

(९) २ वर्ष के अंत में देय ८४ पौण्ड १० शिलिंग का, ४ प्रति सैकड़ा अर्द्ध वृद्धि व्याज की दर से ।

(१०) २१ महीने के अंत में देय ६८० पाँ० १८ शिलिंग ४ पें० का, $3\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

(११) १६ महीने के अंत में देय धन २२६१ रु० ८ आ० का, $4\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ।

२ उदाहरण :—२ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से २ वर्ष के अंत में देयधन १००० रु० का निती काटा बताओ ।

१ वर्ष में व्याज = ५ रु०

२ वर्ष में व्याज = ५×२ रु०

= २२ रु०

१०० रु० का निधधन = $१०० + २२ = १२२$ रु०

१२२ रु० का नितीकाटा = २२ रु०

$$\therefore 1 \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{22}{122} \text{ रु०}$$

$$\therefore 1000 \text{ रु०} \quad " \quad " \quad = \frac{1000 \times 22}{122} \text{ रु०}$$

$$= 1800 \text{ रु०}$$

$$\therefore \text{उत्तर} = 1800 \text{ रु०}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३४)

मिनीमाट्टा निम्नार्थः—

(१) २½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ८ महीने के समय में देयधन २०० रु० का ।

(२) ०½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ०½ दिन के समय में देय धन ०१० रु० का माना का ।

(३) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ महीने के समय में देय १३२० रु० का ।

(४) ३½ प्रति मैकदा व्याज की दर से २½ वर्ष के समय में देय धन २११ रु० का ।

(५) १½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ८ महीने के समय में देय ०१ पीपड १२ डिग्रि का ।

(६) ४½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३½ वर्ष के समय में देय २२०८ रु० १२ पा० का ।

(७) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ वर्ष के समय में देय ८३१ पी० १२ डिग्रि का ।

(८) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से १२ महीने के समय में देय १३२८ रु० २ पा० का ।

(६) २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १८ वर्ष के अन्त में देय
११६ रु० १० आ० = पाई का ।

(१०) ७½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १० वर्ष के अन्त में
देय धन २५३ पौण्ड २ शिलिङ्ग ६ पेंस का ।

(११) ३½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से २½ वर्ष के अन्त में
देय ३२८ पौण्ड १० शिलिङ्ग ६ पेंस का ।

३ उदाहरण :—६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से २१० रु० का २१०
रु० नितीकाया है तो समय निकालो ।

$$२१० रु० का निती काया = २१० रु०$$

$$\therefore \text{तत्काल धन} = (२१० - २१०) रु० \\ = ००० रु०$$

$$००० रु० का व्याज = २१० रु०$$

$$\therefore १ रु० " = \frac{२१०}{०००} रु०$$

$$\therefore १०० रु० " = \frac{१०० \times २१०}{०००} रु० \\ = २० रु०$$

$$६ रु० व्याज होता है = १ वर्ष में$$

$$\therefore १ रु० " = \frac{१}{६} वर्ष में$$

$$\therefore ३० रु० " = \frac{३०}{६} वर्ष में \\ = ५ वर्ष में$$

$$\text{उत्तर ५ वर्ष ।}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३५)

नीचे लिखे हुए प्रश्नों में समय घनाघो ज्ञेय कि :—

(१) ४½ प्रति सैकड़ा की दर से ६०२ रु० १२ आने का निती काया
२२२ रु० १२ आना है ।

(१) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३१२ वन का मिनी काग ११ वन है ।

(२) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३२० वन १२ मि. १ वन का मिनी काग १२ वन १० मि. १ वन है ।

(३) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३२६ वन १ मि. ११ वन का मिनी काग १ वन १ मि. १२ वन है ।

(४) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३३२ वन २ मि. का मिनी काग १२ वन २ मि. है ।

(५) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३३८ वन २ काग ३ काई का मिनी काग ३३ वन २ काग ३ काई है ।

(६) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३४२ वन २ काग ४ काई का मिनी काग ३४ वन २ काग ४ काई है ।

(७) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३४८ वन ३ मि. १३ वन का काग ३४ वन ३ मि. है ।

(८) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३५४ वन ३ मि. २३ वन का काग ३५ वन ३ मि. है ।

(९) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३६० वन ३ काग ३६३ काई का मिनी काग ३६ वन ३ काग ३६३ काई है ।

(१०) ४ प्रति मैकड़े की दूर से ३६६ वन ३ मि. ३३ वन का काग ३६ वन ३ मि. है ।

४ काग ३६६ वन ३ काग ३६६ वन का ३६६ वन का काग है या काग ३६६ की दूर से काग ३६६ वन ।

३६६ वन का काग ३६६ वन

काग ३६६ वन

३६६ वन

३६६ वन का काग ३६६ वन

$$\therefore 1 \text{ र० } " = \frac{140}{100} \text{ र०}$$

$$\therefore 100 \text{ र० } " = \frac{100 \times 140}{100} \text{ र०}$$

$$= 140 \text{ र०}$$

$$\therefore \text{ दर } = \frac{1}{100} = 0 \text{ प्रति सैकड़ा}$$

अभ्यासाय प्रश्न (१३६)

प्याज की दर बताया जय कि :—

(१) १ वर्ष के अन्त में ४३६० र० देय धन पर ३६० र० मिती काटा है ।

(२) ४ वर्ष के अन्त में ७२६ पौण्ड देय धन पर तत्काल धन ६७५ पौण्ड है ।

(३) ४ वर्ष के अन्त में १६७ पौण्ड २ शिलिङ्ग २ पेंस देय धन पर मिती काटा ७१ पौण्ड १२ शिलिङ्ग २ पेंस है ।

(४) ३½ वर्ष के अन्त में ३८५ पौण्ड १५ शिलिङ्ग देय धन पर मिती काटा ४८ पौण्ड ५ शिलिङ्ग है ।

(५) ६½ वर्ष के अन्त में देय धन ११७४१ र० १० आ० = पाई पर मिती काटा १०२४ र० १० आ० = पाई है ।

(६) ३ वर्ष के अन्त में ८३३ पी० १५ शिलिङ्ग देय धन पर मिती काटा १०८ पौण्ड १५ शिलिङ्ग है ।

(७) ६ महीने के अन्त में देय धन ४१८ पौण्ड पर तत्काल धन ४०० पौण्ड है ।

(८) २½ वर्ष के अन्त में देय धन २३८ पौण्ड १० शि० ० १½ पें० पर तत्काल धन २०० पौण्ड १५ शि० ४ पेंस है ।

(९) २ वर्ष के अन्त में १४६६२ र० ८ आ० देय धन पर मिती काटा २३६२ र० ८ आ० है ।

२२ नई को देन है वास्तव में २२ नई को देन होता है । जैसे अगर क
विल ११ जुलाई को दो नहीने की सुत पर लिखा गया हो तो करने को ते
२० सितम्बर को देन होता है परन्तु असल में वह ३ अक्टूबर को देन होता
है । ऐसे प्रश्नों में नहीने सर्वदा रविवारी के तिर जाते हैं, २० दिन के बनावटी
नहीं

हुंटी का धन = तत्काल धन + कमली निती काय

∴ हुंटी के धन का व्याज = तत्काल धन का व्याज + कमली नितीकाय
का व्याज ।

= कमली नितीकाय + कमली नितीकाय का
व्याज ।

∴ व्यवहारिक बटा = कमली नितीकाय + कमली नितीकाय का
व्याज ।

१ उदाहरण :- १०० रु० की एक हुंटी २० जनवरी को ४ नहीने की
सुत पर लिखी गई थी ११ मार्च को २ प्रति मईका व्याज की दर से
जुलाई में तो बजाओ हुंटी देने वाले को क्या मिला और उस पर व्याज
करने को तो हुंटी २० नई को देन है परन्तु असल में वह २२ नई को
देन है ।

११ मार्च से २२ नई तक = ०२ दिन = $\frac{1}{50}$ वर्ष

१०० रु० का १ वर्ष का व्याज = ४ रु०

१०० रु० का $\frac{1}{50}$ वर्ष का व्याज = $\frac{1}{50} \times 4 = \frac{4}{50}$

१ रु०

$\frac{4}{50} \times 100 = 8$

१०० रु०

$100 + 8 = 108$

१०८ रु०

• व्यवहारिक बहा = २५ रु०

धीर हुँसी भुनाने बाजों को २००-२ वा ४२२ रु० निचे ।

✓ उदाहरण — एक हुँसी का घमझी मिनीकाटा २० रु० है दो बैकर का लाभ २५ रु० है तो धिने २० की हुँसी थी ।

व्यवहारिक बहा = बैकर का लाभ + घमझी मिनीकाटा

$$= २ + २०$$

$$= २२ रु०$$

• घमझी मिनीकाटे का व्याज = व्यवहारिक बहा - घमझी मिनीकाटा

$$= २२ - २०$$

$$= २ रु०$$

.. २० रु० का व्याज = २ रु०

२ रु० व्याज पर मूलधन = २० रु०

• १ रु० " = $\frac{१}{१०}$ रु०

• २२ रु० " = $\frac{२२ \times १०}{१}$ रु०

$$= २२० रु०$$

१ उदाहरण :- २०० रु० की एक हुँसी १० मार्च को १ महीने की मुरत पर लिखी गई थीर २० की अयेज को ४ १ सैकदे व्याज की र से भुनाई गई । तो बैकर का लाभ बताओ ।

बैकर का लाभ = व्यवहारिक बहा - घमझी मिनीकाटा

$$\text{व्यवहारिक बहा} = \frac{२०० \times २}{१०० \times २} \times \frac{१४६}{२६२} = २ रु०$$

$$\text{धीर घमझी मिनीकाटा} = \frac{२}{२००} \times \frac{२०० \times २}{२} = \frac{४२००}{२००} रु०$$

$$\text{बैकर का लाभ} = २ - \frac{४२००}{२००} = २१ रु०$$

जाय जिससे सौदागर अपने माहकों को १२ प्रति सैकड़ा दर्शनी देय १० प्रति सैकड़ा के लाभ में रहे ।

(१०) एक व्यापारी अपने भाज को मध्य मूल्य से २० प्रति सैकड़ा लाभ लेकर बेचता है और अपने माहकों को १० प्रति सैकड़ा दर्शनी देता है तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

(११) १००० रु० की एक दुपट्टी २४ मार्च को १ महीने की मुद पर लिखी गई और १० अप्रेल को ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से भुनाई गई तो बताओ दुपट्टी बेचने वाले को क्या मिला और क्या व्यवहारिक बड़ा क्या हुआ ?

(१२) २०० रु० की एक दुपट्टी १ जनवरी को २ महीने की दर से लिखी गई और ११ मार्च को २½ सैकड़े व्याज की दर से भुना तो बेकर का लाभ बताओ । और यह भी बताओ कि भुनाने पर कितना मिला ?

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३८)

(१) मध्य मूल्य से प्रति सैकड़ा कितने अधिक लाभ में सौदा जाये जिस से व्यापारी अपने माहकों को २ प्रति सैकड़ा कमोशन देकर प्रति सैकड़ा लाभ में रहे ?

(२) यदि किसी पुराने की २ प्रतिशों के उधार का मूल्य बत्ती की १० प्रतिशों के नकद मूल्य के बराबर हो, तो डिस्कांट की प्रतिश दर बताओ ।

(३) यदि ३ सैकड़े व्याज की दर से २०० रु० का १४२ रु० के मिनीकाटे के बराबर हो तो बताओ, ३४२ रु० का समय के अन्त में देय है ?

(४) यदि ३½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ७०० रु० का ७१८ रु० पर के मिनीकाटे के बराबर है तो बताओ, ७१८ रु० का समय के अन्त में देय है ?

(४) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर में किसी समय में किसी धन का व्याज २६ २० और (उसी समय के लिए उसी व्याज दर में) नितीकाटा २६ २० है तो वह धन और समय बताओ ।

(६) ६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर में किसी समय में किसी धन का व्याज ४८ पौण्ड और नितीकाटा ४२ पौण्ड है तो वह धन और समय बताओ ।

(७) किसी पुस्तक की २० प्रतिष्ठों के आधार मूल्य उसकी २१ प्रतिष्ठों के नकद मूल्य के बराबर है, तो प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ ।

(८) किसी समय के लिए २४६ पौण्ड पर २१ पौण्ड नितीकाटा है तो उसने ही धन पर उस समय में दूने समय के लिए क्या नितीकाटा होगा ?

(९) एक मनुष्य ने ७७२ २० में एक घोड़ा मोल लिया और उसी समय सात भर के बाद पर ८८० २० में बेच दिया । यदि व्याज की दर ८ प्रति सैकड़ा सालाना हो तो बताओ दस समय वह प्रति सैकड़ा कितने लाभ में रहा ?

(१०) साधारण व्याज और नितीकाटे में क्या अन्तर होता है ? स्पष्ट समझाओ ।

(११) २ वर्ष में मूल धन और व्याज मिल कर ६३६ २० होने हैं और व्याज मूलधन का $\frac{1}{4}$ है तो मूलधन और वार्षिक प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ ।

(१२) ४ वर्ष के बाद दोरे पात्रे धन पर नितीकाटा १४१ २० १० का ८ पात्रे और उसी का पात्रे वर्ष का व्याज १०० २० होता है तो मूलधन और व्याज की दर बताओ ।

(१३) २ वर्ष में ८ सैकड़ा व्याज की दर पर व्याज और नितीकाटा ८० २० है तो मूल धन बताओ ।

(१४) ३१२ पौरुष का साधारण धन क्या होगा जो उसे हम प्रदा
मिलाने को है—४२ पौरुष १ वर्ष में, ६६ पौरुष २ वर्ष में और १०० वर्ष
में; व्याज की दर २ प्रति सैकड़ा है ?

(१५) व्याज कितना धन चुकाने से २२० रु० ८ आ० का ११
प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १ वर्ष ६ महीने के पश्चात् देने वाले ऋण का
चुटना हो जायेगा ?

(१६) व्याज कितना धन चुकाने से ११६० पौरुष का २१ प्रति
सैकड़ा व्याज की दर से २ वर्ष ८ महीने के पश्चात् देने वाले ऋण का चुटना
हो जायेगा ?

(१७) एक सौदगर मकद २० रुपये पाने से ६० रु० के रिड का
रुपया भर पाता है, तो बताओ वह कितना प्रति सैकड़ा दस्तूरी देना है ?

(१८) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से कितना धन उधार दिया जाए
कि २ वर्ष में उससे दूना व्याज मिले कितना २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर
से ८०० रु० का ६ वर्ष में मिलता है ?

(१९) १०० रु० को दो भागों में हम प्रकार बांटे कि पहले भाग
का २१ प्रति सैकड़े व्याज की दर से २ वर्ष में व्याज की आमदनी
दूसरे भाग के व्याज की आमदनी से, जो ३ प्रति सैकड़े व्याज की दर से
४ वर्ष में मिलती है निगुनी हो ।

(२०) यदि देय धन ३०० रु० और कुछ समय में किसी व्याज की
दर से उसका साधारण व्याज ३६ रुपया है तो उतने ही समय का वर्ष
व्याज की दर से मिली काटा बताओ ।

(२१) यदि ३१ वर्ष में किसी व्याज की दर से देय धन ७२० रु०
और उसका साधारण व्याज ३२६ रु० है तो उतने ही समय का उसी व्याज
की दर से मिली काटा और सम्बन्ध धन बताओ ।

(२२) एक व्यापारी अपनी चीजें क्रय मूल्य से २२ प्रति सैकड़ा

अधिक पर देवता है। परन्तु धरने प्राइको को १२ प्रति सैकड़ा धनीयन होता है तो बताओ उसे कितना प्रति सैकड़ा खान होता है?

(२३) निम्ने को हुंको १३ धन को निपाद पर लिखो जाये कि कितना प्रति सैकड़ा माइयती निर्माणा फाट कर हुती समय रुपया लेने से ४१० रु० १० छा० निम्ने ?

(२४) २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से किन्ती समय में वृषु धन का निम्नधन १०२० रु० होता है। व्याज मूलधन का ३ है तो मूलधन और समय बताओ।

(२५) यदि व्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो कितना धन बैंक में जमा कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में कम से २१० रु०, ४२० रु०, ६३० रु० तथा ८४० रु० निम्ने रहे ?

(२६) यदि व्याज की दर ६ प्रति सैकड़ा साताना हो तो कितना रुपया बैंक में जमा कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में १२०० रु० निम्ने रहे ?

(२७) कौलधारी ने अपने रुपये का २२ प्रति सैकड़ा, ६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से उनम्न को बर्त दिया और दोष रुपया बैंक में जमा कर दिया। बैंक में २ प्रति सैकड़ा व्याज मिलता है। यदि ४ वर्ष के अन्त में कौलधारी को कुछ व्याज के २१० रु० निम्ने तो बताओ उसके पान पहले कुछ रिजने रुपये थे ?

(२८) यदि व्याज की दर १० प्रति सैकड़ा है तो कितने रुपये हम समय किन्ती बैंक में जमा कर दिने जाय कि ३ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में कम से १२० रु०, ४२० रु० और ६३० रु० निम्ने रहे ?

(२९) यदि व्याज की दर ४ प्रति सैकड़ा है तो कितने रुपये इस समय किन्ती बैंक में जमा कर दिने जाय कि ४ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में १००० रु० निम्ने रहे ?

... ..

(३८) एक सौदागर अपनी वस्तुओं को नगद और धुः नहींने के लिये दोनों तरह से बेचता है । यदि व्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो बताओ इन दोनों दानों में वह क्या संबंध रखेगा ?

(३९) लगभग २२ वर्ष में कोई धन चक्रवृद्धि व्याज से तिगुना हो जाता है तो सूद की दर बताओ ।

(४०) कोई धन १४, १/४ वर्ष में चक्रवृद्धि व्याज से दूना हो जाता है तो सूद की दर बताओ

(४१) कुछ दिनों में दिये धन ६०२ पौंड का तत्कालधन १२६ पौंड है । यदि चक्रवृद्धि सूद की दर ४ १/२ प्रति सैकड़ा हो तो समय निकालो ।

(४२) किन्तु दिनोंमें १०० पौंड का निधधन २ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि व्याज की दर से ११४६ पौंड १४ दि० १० घंटे हो जायगा ?

(४३) आठ वर्ष में दिये धन १०००० पौंड का २ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि व्याज की दर से कितना तत्काल धन होगा ?

(४४) ६ १/२ वर्ष में चक्रवृद्धि व्याज की किस दर से १००० रु० का २२०० रु० हो जायगा ?

(४५) यदि व्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो इस समय बैंक में कितना जमा कर दिया जाय कि पहले वर्ष के अन्त में १० पौंड दूसरे वर्ष के अन्त में २० पौंड, तीसरे वर्ष के अन्त में ३० पौंड और चौथे वर्ष के अन्त में ४० पौंड, आदि (अनन्त समय तक इसी प्रकार १० रु० प्रति वर्ष अधिक) मिलते रहें ? (इसमें चक्रवृद्धि व्याज लगाया गया है) ।

(४६) मानलो कि व्याज प्रतिद्वय दिया जाता है तो २० वर्ष में २ प्रति सैकड़ा की दर से किस धन का १ पौंड हो जायगा ?

समय समीकरण

(१८०) भिन्न भिन्न समयों में चुकाए जाने वाले भिन्न भिन्न वस्तु चुकाए जाने के ऐसे एक समय के जानने की रीति को समय समीकरण कहते हैं। इसमें देने से मद्देनान्त या खर्च होने वाले किसी को लाभ या हानि व इसे समीकृत समय कहते हैं ।

समीकृत समय जानने के नियम

प्रत्येक खर्च को समय से गुणा करो और इन गुणनफलों के योग के योग का भाग दे दो तो समीकृत समय निकल आता ।

१ उदाहरण:—१०० रु० ४ वर्ष के बाद, २०० रु० चार वर्ष के और ४०० रु० २ वर्ष बाद में मिश्रिते जाया है तो समीकृत समय निर्धार

$$\text{समीकृत समय} = \frac{१०० \times ४ + २०० \times ४ + ४०० \times २}{१०० + २०० + ४००}$$

$$= \frac{२९००}{१६००}$$

$$= \frac{१३}{४} \text{ वर्ष}$$

$$= ३ \frac{३}{४} \text{ वर्ष}$$

२ उदाहरण :—२०० रु० कुछ वर्ष बाद मिश्रिते जाया है, १०० रु० २ वर्ष बाद और २०० रु० २ १/२ वर्ष बाद मिश्रिते जाया है । इन का समीकृत समय ३ वर्ष है तो बताओ कि २०० रु० कितने वर्षों के बाद मिश्रिते जाया है ?

$$२०० + १०० + २०० = ५०० \text{ रु०}$$

$$५०० \times ३ = १५००, \text{ यह } २०० \text{ और वर्षों के गुणनफल का योग है।}$$

$$\text{परन्तु } १०० \times २ = २०००$$

三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

(४) यदि कोई व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने जीवन में निरंतर प्रयास करता है, तो वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

[illegible]

सिद्धि सिद्धि सिद्धि

[illegible]

बौद्ध धर्म का मूल
 मान्यता का विवरण
 १. बौद्ध धर्म का मूल

[Faint musical notation]

[The page contains faint, illegible markings or bleed-through from the reverse side.]

प्रायः प्राइक लोग बस्तुओं के बरीक़्ते के समय ही राम की और बाद में दूधानदार उनके पास एक कागज भेजता है जिसमें हुई वस्तुओं के नाम, जो विश्व मित्र नियमों पर ही हैं, लिखे हैं और उनका मूल्य भी दर्ज रहता है। इसे दिखाय करने हैं जब मैं प्रत्येक वस्तु का नाम तथा राम चार्ज दिखा दूँ तो इसे भी दिखाय करने हैं।

दिग्दास का समूचा

२० जनवरी सन् १९२०

संयुक्त प्रांतीय कर्मा मंडल का महा मंत्रालय

प्रमाण (रक)

सन् १९२० ई०				१
१ जनवरी "	कायम मास जो बीजक में दिखा है			१०
२ जनवरी "	"	"	"	१२ १
३ जनवरी "	"	"	"	१०
४ जनवरी "	"	"	"	११

छोटे वार दिग्दास का समूचा

२१ जनवरी सन् १९२०

संयुक्त प्रांतीय कर्मा मंडल का महा मंत्रालय

प्रमाण

सन् १९२०				
१ सन्	२ सन् कायम मास ११	का० प्रिन मंड	२	१
	२ सन् कायम मास ३	का० प्रिन मंड	२	१
	३ सन् कायम मास २	का० प्रिन मंड	२	१
			१	२

अभ्यासार्थ प्रश्न (१४१)

नीचे लिखे प्रश्नों का संज्ञक नाम और तिथि के सहित
नामाः—

(१) २ गज २ फीट बरफा २ २० २ छा० ३ पाई प्रति गज
१ गज तीन बरफा १ २० १२ छा० प्रति गज; २० गज तीन की बरफा
१ छा० २ पाई प्रति गज; ३ गज छह १ २० ४ छा० प्रतिगज; ४ गज
फीट ४ छा० ११ पाई प्रति गज ।

(२) गंगा-पुस्तक-माका की १ पुस्तकें २ २० ४ छा० प्रति पुस्तक,
साहित्य बुधुन माका की २२ पुस्तकें १ २० १ छा० प्रति पुस्तक, बौद्धधारी
माका की १० पुस्तकें १२ छा० प्रति पुस्तक ।

(३) मज्ज माका की २२ पुस्तकें १ २० २ छा० प्रति पुस्तक; गंगा
माका की २२ पुस्तकें २ २० १ छा० प्रति पुस्तक, २२ ग० बरफा १२ छा०
प्रति गज, २ मोटर गाड़ी ० हजार २० प्रति मोटर, २२ साहित्य २२०
बरफा प्रति साहित्य ।

(४) २ बाजुपान १० छात्र २० प्रति बाजुपान, १ नवान ० छात्र
२० प्रति नवान, १ मोटर साहित्य ० हजार २० प्रति मोटर साहित्य ।

(५) १०० दर्जन रूमिड १२ छा० प्रति दर्जन, २० बौद्धी रूमिड १
१ छा० प्रति बौद्धी, १०० धान रूमिड बरफा १२० २० २ छा० प्रति
धान, १२० दर्जन दूध ४ २० १० छा० प्रति दूध ।

(६) २२ रूमिड दर्जन रूमिड ४२० २० प्रति रूमिड दर्जन रूमिड, २२
२२ २० प्रति दूरगोन, २० मुली २ २० प्रति मुली, १० रूमिड ३ दर्जन
प्रति रूमिड ।

(७) २० रूमिड रूमिड १२ २० २ छा० प्रति रूमिड, २ हजार रूमिड
२० प्रति रूमिड, १ छात्र रूमिड रूमिड १२ २० ४ छा० प्रति रूमिड,
रूमिड रूमिड १० २० प्रति रूमिड ।

उदाहरण के लिए मान लें कि दो समानांतर पट्टियों पर दो रेलगादियाँ एक ही दिशा में और एक ही चाल से जा रही हैं। अब एक रेलगादी की घरेला दूसरी की कोई गति हो गयी मान लें होगी। इसे निरपेक्ष गति कहते हैं क्योंकि एक समान और पदार्थ की गति दूसरे गतिशील की गति की घरेला निरपेक्ष गति कहलाती है। समान और पदार्थों की निरपेक्ष गति दूसरी और निरपेक्ष गति दूसरी होती है। प्रायः = गति के प्रश्नों में निरपेक्ष गति और निरपेक्ष गति के न समझने से भ्रम भूत कर जाते हैं। दौड़-बीज में भी निरपेक्ष और निरपेक्ष गति का अर्थ उदाहरण मिलता है। अतः के प्रश्नों में भी इन गतियों का अर्थ स्पष्ट पढ़ा जाना है।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

(158) यह ही शरीर एक ही भाषा में बोलने से ही मिल मिलने से ही एक दूसरे के साथ जाने है या एक दूसरे से दूर रहने है । भाषाबद्ध होने पर भाषा ही ।

[illegible]

(१) : दुग्ध दान संज्ञा

[illegible]

दौड़-खेल की विचार्य नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट होगी।

१ उदाहरण :—१६० गज की दौड़ में अ, ब से ६० गज आगे निकल जाता है और स से १२० गज। बताओ ४८० गज की दौड़ में ब और स में कौन जीतेगा और कितना ?

$$१६० - ६० = १०० \text{ गज}$$

$$१६० - १२० = ४० \text{ गज}$$

प्रितनी दौड़ में अ १६० गज दौड़ता है ब ६० गज दौड़ता है

और " " अ १६० " " स ४० " "

∴ " " ब १०० " " स ४० " "

∴ " " ब १ " " स $\frac{४०}{१००}$ " "

∴ " " ब ४८० " " स $\frac{४८० \times ४०}{१००}$ " "

∴ " " ब ४८० " " स १९२ " "

∴ ४८० गज की दौड़ में ब, स से (४८० - १९२) गज का १ गज आगे निकल आया।

२ उदाहरण :—एक मील की दौड़में अ, ब से १२२ गज और स से ४८० गज आगे निकल जाता है। अगर अ और स दौड़ें तो अ तीन मिनट दो मील की दौड़ में जीत जाता है। तो बताओ एक मील दौड़ने में ब कितना समय लेगा।

$$१०६० - १२२ = १०४८ \text{ गज}$$

$$१०६० - ४८० = १०८० \text{ गज}$$

दो मील की दौड़ में अ, स से तीन मिनट जीत जाता है

तो १ मील की " " १ १/२ मिनट " "

और १ मील की " " ४८० गज " "

इससे साफ जाहिर है कि स. ३ मिनट में ४८० गज दूरी
मरना है।

संकेत ४८० गण्य चक्रने में समर्थ = ? निम्न

∴ ४ को १ रात " " " = १६६ मिनट

$$\therefore \text{स वी १२० गज " " " = १२० \times ३ \text{ मिनट}$$

$$= ४० \times २$$

$$= ४ \text{ मिनट}$$

पान्थु जय तव य १४०८ गङ्गा दीहता हं तव तव स १४०९
गङ्गा दीहता हं ।

१४०८ राजा के दीवाने में क बो ४ निनट लगता है

" " " ५३४२ नि० " "

१९६० गज " " ४ को ४ x १०९० मिटर लम्बा है
१४०८

दा ६ मित्रः स्वयम् ।

३ उदाहरण:—एक खेल में १६० प्वाइंट में था, व में १० प्वाइंट जीत जाया है और था, व में २० प्वाइंट में ६ प्वाइंट जीतता है तो कप्तानों कि काल व और व ४४४ प्वाइंट खेलें तो कौन जीतता और बिजना ?

१३०-१०-११० अक्षरं २

Count - 08 पार्श्व

लि. १०० से १२० पाउंड वजन है ॥ ११० पाउंड वजन है

६१ " " ६६ " " ६४ " "

.. 51 .. 22 23 24 25

1960

॥ ११ ॥ अथः ॥ ॥ ॥

१७५५ ई. = १८००. १७५५ ई. १७५५ ई. १७५५ ई.

ה'תשס"ה

(१०) एक मीन २ मिनट में शीर्ष सञ्चालन है और न, बड़े ११२ गज की शीर्ष में ३२ गज से हटाना है तो बनाओ १२० गज शीर्ष में क को चिजना समय खगेगा ?

(११) एक शीर्ष में क १२ प्वाण्ट में ख को १ प्वाण्ट, ल १० प्वाण्ट में ग को ३ प्वाण्ट और ग १० प्वाण्ट में घ को १ प्वाण्ट देता है तो बनाओ २२० प्वाण्ट में क, ग को और ल, घ को किस प्वाण्ट देगा ?

(१२) एक मीन की शीर्ष में क ने ल को ४० गज आगे रखा और ३० गज उस से आगे निकल गया . ल ने ग को २० गज आगे रखा और ३० गज आगे निकल गया . तो बनाओ क और ग उनसे शीर्ष तो क, ग से चिजने गज से जीनेगा ?

(१३) एक मीन की शीर्ष में क, ल को ८८ गज और न, बड़े ८० गज आगे रखा है . क, ग को एक मीन की शीर्ष में १ मिनट पहले चढ़ने दे सकता है तो प्रत्येक को १ मीन शीर्ष में चिजना समय खगना है ?

(१४) एक मीन की शीर्ष में क ने ल को ८० गज आगे रखा और १० गज उस से आगे निकल गया . ल ने ग को ३० गज आगे रखा और १० गज पीछे रह गया . यदि क और ग उनसे शीर्ष तो क, ग से चिजने गज से जीनेगा ?

(१५) एक मीन की शीर्ष में क, ल ने ३० गज, ग ने ११ गज और न, बड़े ७२ गज आगे निकल आता है . यदि क और ग शीर्ष तो क, ग से चिजने गज से जीनेगा ?

(१६) एक मीन में ८० प्वाण्ट में घ क को १ प्वाण्ट और ब, ल को २ प्वाण्ट दे सकता है तो बनाओ १०० प्वाण्ट में घ क को किस दे सकता है ?

८ गज के $७\frac{1}{2}$ मिनट पर ख को १२१ गज दौड़ना बाकी था तो शरत् दौड़ की छव्याई क्या थी और क की चाल प्रति घंटा क्या थी ?

(२४) क और ख ने $1\frac{1}{2}$ मील की दौड़ की । पहले जितने मील में ख ८ गज दौड़ता था उतने में क १ गज, परन्तु बाधी दूरी खपड़े पर चढ़ गया और जितने समय में पहले १ गज खचना था उतने में ख १ गज खचने लगा और २ अपनी पदखी चाल से खचा, गया तो बताइं कौन जीतेगा और कितने अन्तर से जीतेगा ?

(२५) एक मील की दौड़ में क, ख से २४० गज आगे था शरत् है । उतनी ही दूरी की दौड़ में क, ग को १८ मिनट से और क, १६ मिनट से जीतता है । तो बताओ, क कितने समय में १ दौड़ता है ?

(२६) $1\frac{1}{2}$ मील की दौड़ में क, ख को २४० गज और ख, ग १२२ गज से जीतता है तो बताओ यदि क और ग दौड़ें तो क कि गज से जीतेगा ?

गोली-खकरी

(१८९) १ उदाहरण:—य, क और ख एक ही स्थान से एक गोली (दुलाल) राने पर, जिसका घेरा ४० मीन है, क्रम से १, ८ और ६ मीन प्रति की चाल से चले । य और क एक दिशा में और ख विपरीत दिशा में च करता है । तो बताओ कितने घंटों के बाद वे फिर एक जगह पर होंगे ?

य, ख से २ मीन प्रति घंटा अधिक चक्करा है अतएव वह $\frac{1}{2}$ घंटे में क ने एक पूरा चक्कर अधिक कर लेगा । अतएव य और क मध्देक १ घंटे के अन्त में मिलेंगे ।

य और ख मिला कर एक घंटे में १२ मीन न चकने हैं । अतएव प्रत्येक $\frac{1}{2}$ घंटे के बाद मिलेंगे ।

तीनों के मिलने का समय — १० घंटे, या अतएव समानार्थी

एक ही दिना में

मनुष्य पाली गायी में बैठा है इस लिए उसे सातवें गति से दूधनी
पानी की सफाई कर बरनी दूनेगी।

एक ही दिना में सातवें गति = २ मील

और १०१ गति = ११ मील

२ मील १ घंटा में

१ मील १ घंटा में

११ मील १ घंटा में १०१ गति या १०१ सेबों में

द्विपरीत दिना

इस दिना में सातवें गति = २२ मील

२२ मील १ घंटा में

१ मील १ घंटा में

११ मील १ घंटा में १०१ गति या १०१ सेबों में

(४) मनुष्य दूधनी गायी में

मनुष्य दूधनी गायी में बैठा है इस लिए उसे सातवें गति से दूधनी
पानी की सफाई कर बरनी दूनेगी।

दोनों एक ही दिना में

इस दिना में सातवें गति = २२ मील

और १०१ गति = ११ मील

२ मील १ घंटा में

१ मील १ घंटा में

११ मील १ घंटा में १०१ गति या १०१ सेबों में

एक ही दिशा में

मनुष्य पानी काही में डूबा है इस लिए उसे सारेपन गति में दूसरी
की भी समझें पार करनी पड़ेगी ।

एक ही दिशा में सारेपन गति = १ मील

और १०१ मील = $\frac{1}{100}$ मील

१ मील १ घंटा में

.. १ मील $\frac{1}{100}$ घंटा में

.. $\frac{1}{100}$ मील $\frac{1}{100}$ घंटा का ०.०१ सेकंड में

विपरीत दिशा में

एक दिशा में सारेपन गति = ११ मील

११ मील १ घंटा में

१ मील $\frac{1}{11}$ घंटा में

$\frac{1}{11}$ मील $\frac{1}{11 \times 100}$ घंटा का $\frac{1}{11}$ सेकंड में

(४) मनुष्य दूसरी काही में

मनुष्य दूसरी काही में डूबा है इस लिए उसे सारेपन गति में दूसरी
की भी समझें पार करनी पड़ेगी ।

दोनों एक ही दिशा में

एक दिशा में सारेपन गति = १ मील

और १०१ मील = $\frac{1}{100}$ मील

१ मील १ घंटा में

१ मील $\frac{1}{100}$ घंटा में

.. मील $\frac{1}{100}$ घंटा का ०.०१ सेकंड में

विपरीत दिशा में
इस दशा में सापेक्ष गति = ११ मील

११ मील १ घंटा में

∴ १ मील $\frac{1}{11}$ घंटा में

• ३१ मील $\frac{1 \times 1}{20 \times 11}$ घंटा या $3\frac{1}{2}$ सेकंड में

✓ उदाहरण : एक कीड़ा एक बॉल पर दिन में १२ गज बढ़ जाता है परन्तु रात में १ गज फिसल जाता है, तो बलाघो वह बेंटे कितने घंटों में पहुँच आयागा जबकि बॉल की लम्बाई १० गज हो।

१०—१२ = १८ गज

१२—१ = ११ गज

कीड़ा ११ घंटे में ११ गज बढ़ता है। वह भी रात है कि फिसलने के ऊपर बढ़ आयागा तब फिसलने का कोई प्रभाव ही नहीं रह जाय ११ से १८ पूरा पूरा नहीं बढ़ता है, इसलिये अन्तिम दिन कीड़े बढ़ने को नहीं मिलेगा। अन्दाज से मानूँ कि १ दिन तक ११ गज बढ़ आयागा।

• १०—१२ = १८ गज। इस आठ गज को वह १२ गज प्रति दिन हिमाच से बढ़ेगा।

१२ गज १२ घंटे में

∴ १ गज $\frac{1}{12}$ घंटा में

∴ ८ गज $\frac{8 \times 12}{12}$ या ८ घंटे में

कुल १२ × १२ = ८ या १२२ घंटे लगेंगे

४ उदाहरण. दो गोले एक ही स्थान पर ० मिनट के अन्तर में रहो हैं, परन्तु एक मनुष्य ने जो इस स्थान की ओर आ रहा था उसे आधा १ मिनट १० सेकंड के अन्तर में मुनी। यदि आधा की ११०० फीट प्रति सेकंड हो तो उस मनुष्य की चाल बताओ।

के बहाव के साथ खेने की अपेक्षा दूना समय लगता है। तो नदी का बहाव प्रति मील बताओ।

स्पष्ट है कि नाव की चाल + नदी का बहाव = $2 \times$ (नाव की चाल + बहाव)

(नाव की चाल + बहाव) + (नाव की चाल - बहाव)
 \times (नाव की चाल - बहाव)

$\therefore 2 \text{ नाव की चाल} = 2 \times$ (नाव की चाल - बहाव)

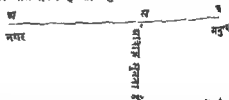
$\therefore 2 \times 4 = 2 \times$ (नाव की चाल - बहाव)

$\therefore \text{नाव की चाल} - \text{बहाव} = \frac{2 \times 4}{2} = 4$

बहाव = $4 - 4$

= ० मील

१ उदाहरण:—दो गोपों एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर से गुजरती हैं। एक मनुष्य ने, जो उस स्थान की ओर आ रहा था, गोपों की आवाज़ ११ मिनट २० सेकंड के अन्तर से सुनी। यदि आवाज़ चाल ११२० फीट प्रति सेकंड हो तो मनुष्य की चाल बताओ।



मान लो कि वे स्थान पर गोपों १२ मिनट के अन्तर से गुजरती हैं और स्थान से मनुष्य वे स्थान की ओर आ रहा है। यदि वह मनुष्य वे स्थान पर खड़ा रहता तो वह गोपों की आवाज़ १२ मिनट के अन्तर से ही सुन पाता क्योंकि वे वे स्थान तक पहुँचने में आवाज़ को शून्य के बराबर समय में आता, परन्तु मनुष्य वे स्थान की ओर आ रहा है। इसलिए वह

पीछे पहुँचना है और यदि ५ मील प्रति घण्टा चलता है तो समय में १५ मिनट पहिले पहुँचना है, तो उसे कितनी दूर जाना है ?

(२९) मुझे एक नियत स्थान पर एक नियत समय पर पहुँचना यदि मैं प्रति घण्टा ४ मील की गति से चलता हूँ तो १० मिनट देर से यदि प्रति घण्टा ५ मील की गति से चलता हूँ तो १० मिनट देर से जाना है तो उस स्थान की दूरी बताओ ।

(३०) एक नियत स्थान पर पहुँचने के लिए अब मैं ५ मील घण्टा की गति से चलता हूँ तो ५५ मिनट देर से यदि अब ६ मील घण्टा की गति से चलता हूँ तो १०५ मिनट पहले पहुँचना है तो स्थान की दूरी बताओ ।

(३१) दो भाई एक ही स्थान से १० मिनट के अंतर में दूरी, एक मनुष्य ने जो इस स्थान की ओर जा रहा था, मोरा दूने की बात ११ मिनट २० सेकण्ड के अंतर में सुनी । यदि साक्षात् ११२० ई० ११ सेकण्ड चलता है तो इस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

(३२) दो भाई एक ही स्थान से १० मिनट के अंतर में दूरी, एक मनुष्य ने जो इस स्थान से दूर जा रहा था तो उसे दूने की बात ११ मिनट २० सेकण्ड के अंतर में सुनी । यदि साक्षात् ११२० ई० ११ सेकण्ड चलता है तो इस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

(३३) दो भाई एक ही स्थान से ५ मिनट के अंतर में दूरी, एक मनुष्य ने जो इस स्थान से दूर जा रहा था तो उसे दूने की बात ११ मिनट २० सेकण्ड के अंतर में सुनी । यदि साक्षात् ११२० ई० ११ सेकण्ड चलता है तो इस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

(३४) दो भाई एक ही स्थान से ५ मिनट के अंतर में दूरी, एक मनुष्य ने जो इस स्थान से दूर जा रहा था तो उसे दूने की बात ११ मिनट २० सेकण्ड के अंतर में सुनी । यदि साक्षात् ११२० ई० ११ सेकण्ड चलता है तो इस मनुष्य की गति प्रति घण्टा बताओ ।

११ मिनट १२ सेकंड के समान से मूनी । यदि अनुगण की मात्र १० हो
यदि ११ हो तो मातापुत्र की मात्र यदि सेकंड बनाओ ।

(२१) ११ मात्र एक ही मात्र से १२५ मिनट के समान से दूनी ।
यद्यपि १२ अनुगण १, तो इस मात्र से दूर आ रहा था, तोने दूने के
माता १० मिनट १२ सेकंड के समान से मूनी । यदि मातापुत्र यदि सेकंड
११० हो तो अनुगण ही मात्र बनाओ ।

(२२) ११ मात्र एक ही मात्र से १२५ मिनट के समान से दूनी ।
यद्यपि १२ अनुगण १, तो इस मात्र से दूर आ रहा था, तोने दूने की मात्र
१० मिनट के समान से मूनी । यदि मातापुत्र की मात्र यदि सेकंड ११०
हो तो अनुगण ही मात्र बनाओ ।

(२३) ११ मात्र एक ही मात्र से १२५ मिनट के समान से दूनी ।
यद्यपि १२ अनुगण १, तो इस मात्र से दूर आ रहा था, तोने दूने की मात्र
१० मिनट १२ सेकंड के समान से मूनी । यदि मातापुत्र यदि सेकंड ११०
हो तो अनुगण ही मात्र बनाओ ।

(२४) ११ मात्र एक ही मात्र से दूनी मात्र से दूनी । इस मात्र
के १२ अनुगण ११०, मात्र ही मात्र से इस मात्र से दूर हो तो
१० मात्र १२ सेकंड के समान से मूनी । यदि मातापुत्र यदि सेकंड ११०
हो तो अनुगण ही मात्र बनाओ ।

(२५) ११ मात्र एक ही मात्र से दूनी मात्र से दूनी । इस मात्र
के १२ अनुगण ११०, मात्र ही मात्र से इस मात्र से दूर हो तो
१० मात्र १२ सेकंड के समान से मूनी । यदि मातापुत्र यदि सेकंड ११०
हो तो अनुगण ही मात्र बनाओ ।

(२६) ११ मात्र एक ही मात्र से दूनी मात्र से दूनी । इस मात्र
के १२ अनुगण ११०, मात्र ही मात्र से इस मात्र से दूर हो तो
१० मात्र १२ सेकंड के समान से मूनी । यदि मातापुत्र यदि सेकंड ११०
हो तो अनुगण ही मात्र बनाओ ।

३ उदाहरण :—४ घड़ी १ बजे के बीच में कब घड़ी की सुइयों में १८ दर्जे का अन्तर होगा ?

वास्तव में यह अवस्था दो बार होगी । पहले उस अवस्था में जब की सुई दूसरी सुई से ($20-18$) या २ दर्जे अधिक घूम लेगी और जब यह घड़ी सुई छोटी सुई से $20 + 18$ या ३८ दर्जे अधिक घूम लेगी तब मिनट की सुई २२ दर्जे ६० मिनट में आगे निकल जाती है

.. " " १ दर्जा $\frac{60}{11}$ मिनट में " "

.. " " २ दर्जे $\frac{2 \times 60}{11} = \frac{120}{11}$ मिनट में " "

" या $2 \frac{10}{11}$ मिनट में " "

" " ३८ दर्जे $\frac{38 \times 60}{11} = \frac{2280}{11}$ मिनट में " "

या $210 \frac{10}{11}$ मिनट में " "

४ उदाहरण :—एक घड़ी आज १२ बजे ठीक कर दी गई । १ समय इस घड़ी में जब २ बज कर २९ मिनट हुए थे तब ठीक कर बजे थे । तो बताओ कि जब घड़ी में ११ बजकर १२ मिनट दिखाएगा तो ठीक समय क्या होगा ?

जब घड़ी में $2 \frac{1}{2}$ बजता है तब ठीक समय १ बजे है

" " ३ " " " " $3 \frac{1}{2}$ "

" " $11 \frac{1}{2}$ " " " $11 \frac{1}{2}$ या १२ बजे हैं "

५ उदाहरण :—दो घड़ियों में इस समय १ बजा है, पायु इनमें एक प्रति दिन (२४ घंटे में) १ सेकंड गुलन चलती है और दूसरी सेकंड तेज । तो बताओ कि कितनों दिनों के बाद उनमें १ घंटा का अंतर हो जाएगा ?

१ + २ = ३ सेकंड

३ सेकंड का अन्तर १ दिन में

१ सेकंड का अन्तर $\frac{1}{3}$ दिन में

$1 \div \frac{1}{3}$ सेकंड का अन्तर $1 \div \frac{1}{3} = 3$ दिन में

या ७२० दिन में

(१०) एक जेब घड़ी एक दिन में ३ मिनट तेज चलती है और दूसरी ४ मिनट सुस्त । पहली घड़ी सोमवार के १० बजे और दूसरी उसी दिन चार बजे दिन में ठीक की गई तो बताओ शुक्रवार के १२ बजे दिन में दोनों घड़ियों में क्या समय होगा ?

(१८) एक घड़ी १६ घण्टे में ३० सेकेंड सुस्त और दूसरी १८ घण्टे में ३० सेकेंड तेज चलती है । पहली घड़ी शुक्रवार के ८ बजे दिन में ठीक की गई और दूसरी उसी दिन २ बजे रात में ठीक कर दी गई । तो बताओ शनिवार के १२ बजे दिन में दोनों में कितने समय का अन्तर होगा ?

(१२) एक घड़ी एक दिन में १ मिनट तेज चलती है और दूसरी १ मिनट सुस्त । दोनों में सोमवार के दिन में १२ एक साथ बजे तो बताओ शनिवार की रात में जब दूसरी घड़ी में १० बजे के ३३ $\frac{1}{4}$ मिनट का समय है तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

(२०) रविवार के ४ बजे दिन में एक घड़ी ३ मिनट तेज और दूसरी २ मिनट सुस्त । यदि शुक्रवार की ८ बजे संध्या समय पहली घड़ी १ मिनट सुस्त और दूसरी ३ मिनट तेज हो गई तो बताओ उनमें ठीक होना क्या समय था ?

(२१) दो घड़ियों में रविवार के सवेरे ७ एक साथ बजे । मंगल के सवेरे जब पहली घड़ी में ३ बजे तब दूसरी घड़ी में ३ बजने में १२ मिनट बाकी थे । तो बताओ मुरत घड़ी की कितना तेज वा तेजपड़ी को कितना मुरत करें कि दोनों में बुध के दिन में १२ एक साथ बजे ?

(२२) दो घड़ियाँ जिनमें पहली प्रति दिन २ मिनट सुस्त और दूसरी १ मिनट तेज चलती है, २ बजे सवेरे ठीक कर दी गई । तो बताओ जब उसी दिन दूसरी घड़ी में ३ बज कर ४८ मिनट होंगे तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

(२३) एक घड़ी प्रति दिन ४ मिनट तेज और दूसरी ३ मिनट सुस्त चलती है । शुक्रवार के ६ बजे मध्याह्न ठीक की गई तो बताओ जब उसी दिन

बनाओ उस समय प्रत्येक घड़ी में क्या बजेगा अब एक घड़ी दूसरी के
मिनट पीछे हो ?

(३१) एक घड़ी में जो ६ बजे मक्खे टिक कर दी गई थी, १
संख्या में टिक समय पर २ बजने में २ मिनट बाकी थे, तो बजाओ
उसमें २ बजेंगे, तब टिक समय क्या होगा ?

(३२) एक घड़ी में जो ६ बजे मक्खे टिक करी गई २ बजे
टिक समय पर २ बज कर २ मिनट हुए थे, तो अब उसमें २ बजे के जो
समय क्या था ?

(३३) एक घड़ी की सुइयों प्रत्येक ६६ मिनट पछाद् एक दूसरे
आवृत्ति करता है, तो बनाओ घड़ी २४ बजने में कितनी तेज है ?

(३४) एक घड़ी ४ २ और ६ बजे के बीच में ३६ दोनों सुइयों
म्यान पर थी टिक समय था, वह प्रति घंटे ६ मिनट गुप्त चरनी का
बनाओ दोस्त के १२ बजे उसमें क्या समय था ?

(३५) एक घड़ी में १० और ११ बजे के बीच में ३६ दोनों सुइयों
एक म्यान पर थी टिक समय था, वह प्रति घंटे ११ मिनट तेज चरनी का
ना बनाओ मक्खे टिक ६ बजे उसमें क्या समय था ?

(३६) एक घड़ी दिन के ६ बजे मक्खे टिक करी गई । वह प्रति घंटे
१, मिनट गुप्त चरनी है, तो बनाओ टिक समय क्या होगा अब उसके
दोनों सुइयों ६ बजे के बीच मीसरी तब एक मीन में हों ?

(३७) एक घड़ी दिन के ६ बजे मक्खे टिक करी गई । वह प्रति
घंटे २ मिनट तेज चरनी है, तो बनाओ टिक समय क्या होगा अब उसके
सुइयों ६ बजे के बीच मीन में २ और १० बजे के बीच में चरनी ३६ घंटे
के सुइयों का

१. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

गई और १०१० रु० पर बेचो गई तो भी १० रु० लाभ हुआ। प्रत्येक १०० में १० रु० लाभ हुआ। इसे निरवरोध लाभ कहते हैं। वास्तु तथी १० में आवेष्ट्य लाभ दूसरी दशा से कहीं अधिक है। इसे १० रु० या १० रु० लाभ हुआ और दूसरी दशा में १००० रु० या १० रु०। इसप्रकार के दो सार्वभ्य लाभों में क्या समझें हैं। दूसरी क्रिए लाभ और हानि के उच्च। बहुधा प्रति सैकड़ा हानि या लाभ लगाया जाता है। लाभ हानि के तद्वैदिक नियम, प्रैराधिक या समानुपात विधियों की भी व्यवस्था से लाभ से लाभ सकता है। हानि और लाभ के लगाने का विधायक नीचे के प्रकार से स्पष्ट हो जाएगा :—

१ उदाहरण :—एक व्यापारी ने कुछ पौधा ८० रु० में खरीदा और १० रु० पर बेच दिया तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

$$८० - ८० = १० रु० लाभ$$

$$८० रु० पर उम्मेदा लाभ = १० रु०$$

$$१ \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{१०}{८०} रु०$$

$$१०० \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{१००}{८०} < \frac{१०}{८०} रु०$$

— १२१ प्रति सैकड़ा लाभ

२ उदाहरण — एक पौधे की ०२ रु० पर बेचने से १० रु० प्रति सैकड़ा हानि होता है तो क्या उसे इसे खिलने या बचने कि १० रु० प्रति सैकड़ा लाभ हो ?

मान लिया कि उदा १०० रु० पर खिलाना गया

१०० - १०० = १० रु० पर खिलाने से १० रु० प्रति सैकड़ा हानि होती है १० रु० प्रति सैकड़ा लाभ होने के लिए हम १०० - १० रु० पर खिलाना चाहें

$$१० \quad १२० \quad " \quad " \quad " \quad = १० रु०$$

१. १०० टका = १०० X १०० रु०

२. १०० टका = १०० / १०० रु०

= १०० रु० टका

यह मूल्य ही भंडा में बड़े मूल्य से कम हो सकता है ।

३. टकाटका — एक टकाटका कुछ काम में १०० रु० में होता है।
यदि १०० रु० में टिकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

टकाटका का काम — १०० - १०० = १०० रु०

यदि १०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

१०० रु० में टकाटका हो तो १०० रु० में टिकाटका
हो सकता है ।

(३) एक घोड़ा ८५ रु० को मोल खिया गया और ३४ रु० दान में बेचा गया ; तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

(४) एक कुर्मी ४ रु० १२ आने में छरीदा गई और १ रु० १५ पाने में बेच दी गई तो प्रति सैकड़ा क्या हानि हुई ?

(५) एक कुर्मी ६ रु० १२ आने को बेचने में १० प्रति सैकड़ा का हुआ ; तो वह कुर्मी खाने में बेची जाय कि २० प्रति सैकड़ा लाभ हो ?

(६) एक गायी २० प्रति सैकड़ा लाभ से २५ रु० में बिकी तो गाय का मूल्य क्या था ?

(७) जिनके रुपये में ०४ वस्तु छोटी आती हैं उनके ही दल में १८ वस्तु बेची जाती हैं तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

(८) एक नूतनदार एक बोरा लेई ० रु० १२ आने में मोल बेच दी और १५ प्रति सैकड़ा लाभ में बेचना है तो सिद्ध मूल्य क्या था ?

(९) एक घोड़ा २५ रु० में बेचने में प्रति सैकड़ा १० का हानि हुई तो घोड़े का मूल्य क्या था ?

(१०) एक नूतनदार सिद्धा ने एक नूतनदार २ रु० १२ आने में बेच कर ८ की सैकड़ा हानि उठाई तो नूतनदार का मूल्य क्या था ?

(११) एक नूतनदार ने एक बोरा खरीदा १२ रु० ८ आने में बेच कर १५ प्रति सैकड़ा लाभ उठाया तो बोरा का मूल्य क्या था ?

(१२) एक वस्तु ३२ रु० १२ आने में मोल बेची गई ; यदि उसे बेचने में ४ प्रति सैकड़ा लाभ वह तो जिनके में खरी जाय कि प्रति सैकड़ा १५ लाभ हो ?

(१३) एक जमीन का मूल्य १०२,००० रु० में बेचने में ८ की सैकड़ा का हुआ तो बचका १०,००० रु० में बिकने का मूल्य क्या था ?

(१४) एक वस्तु १२० रु० में बेचने में १० प्रति सैकड़ा लाभ हुआ तो वस्तु का मूल्य क्या था ?

(१२) किसी वस्तु को ४४४ रु० में बेंचने से ११ प्रति सैकड़ा लाभ होता है ता कितने में बेंचने से ७ प्रति सैकड़ा हानि होगी ?

(१६) किसी वस्तु को ३१२ रु० में बेंचने से ८ प्रति सैकड़ा अधिक लाभ होता है, जितना २०० रु० में बेंचने से होता है, तो उस वस्तु का क्रय मूल्य बताओ ।

(१७) एक टेबुल को ४२ रु० में बेंचने से १२ प्रति सैकड़ा हानि होता है ता उसे २२ रु० में बेंचने से प्रति सैकड़ा क्या लाभ या हानि होगी ?

(१८) १ रु० ३ आ० प्रति पुस्तक की दर से पुस्तकें बेंची गईं । यदि १८ $\frac{१}{२}$ प्रति सैकड़ा के हिसाब से कुल लाभ २७ $\frac{१}{२}$ रु० हुआ तो कितनी पुस्तकें बेंची गईं ?

(१९) कुछ आम ४ रु० प्रति सैकड़ा की दर से बेंचा गया तो १ रु० १२ आ० लाभ हुआ । यदि इसमें ३३ $\frac{१}{२}$ प्रति सैकड़ा लाभ हुआ हो तो कितने आम बेंचे गए ?

(२०) एक घोड़ा को ४०० रु० में बेंचने से २ प्रति सैकड़ा हानि हुई तो २० प्रति सैकड़ा लाभ के लिए उसे कितने में बेंचना चाहिए ?

✓(२१) एक बनिया सौदा खरीदने समय १० प्रति सैकड़ा अधिक तालता है और बेंचने के समय १० प्र० सैकड़ा कम तालता है तो इस व्यापार से उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

✓(२२) एक बनिया सौदा खरीदने के समय २ सेर में ८ टैंडरक अधिक ले लेता है और बेंचने के समय २ सेर में ८ टैंडरक कम देता है, तो उसे प्रति सैकड़ा कितना लाभ होता है ?

(२३) एक कुजड़े ने २०० आम मोल लिए ; उन में से २० आम बिक गए और शेष के उस ने ६ पाई के २ आम का दर से बिक दिया तो ३ : ८ में सैकड़ा लाभ हुआ तो बताओ कि उसने कितने में १ कोड़ा आम बिक लिए थे ?

अव्ययस्थिति

बे एक में मिला कर २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेंच दिया । यदि गरीबों में मुझे १ रु० ८० के खाने लाभ हुआ हो तो मैंने कितनी लीचि गरीबी थी और उन्हें मैं ने किस दर में बेचा ?

(४०) एक तराजू ऐसी है कि उसके एक पल्ले में जितना घोल रख जाय दूसरे में उतने से १२ प्रति सैकड़ा अधिक रखने में उड़ी सीधी रहती है । हम तराजू में एक बनिया मीठा खरीदने और बेचने दोनों ही में उगाता है तो बताओ अपनी पैड़मानी से वह कुछ लागत पर कितना प्रति सैकड़ा लाभ उगाता है ?

(४१) मोहन ने अपना घोड़ा कुछ घड़ा सह कर ३४० रु० में बेचा, यदि वह घोड़ा ४२० रु० में बिकता तो उसने घाटे का १ लाभ होगा तो उस ने घोड़े का मूल्य बताओ ।

(४२) एक नवान कुछ लाभ पर ६६० रु० में बेंच दिया गया । यदि नवान २४० रु० में बिकता तो लाभ का १ हानि होती । तो नवान का मूल्य बताओ ।

(४३) किसी बनिया ने खाने बढ़िये चीनी को १२ प्रति सैकड़ा लाभ निश्रय किया । परन्तु उस बढ़िये चीनी में १ घड़िया चीनी, जिसका मूल्य बढ़िये चीनी का ५ था मिला दिया । तो बताओ बनिये का प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

(४४) बनिया अपना बढ़िया खान को २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेचना चाहता है । परन्तु उस बढ़िये चाप में १ घड़िया चाप जिसका मूल्य चाप का १ है, मिला दिया । तो बताओ अब उसे प्रति सैकड़ा लाभ होगा ?

(४५) मोहन ने एक जमीन का टुकड़ा २२१ प्रति सैकड़ा लाभ पर बेच दिया । मोहन ने उसे ७१ प्रति सैकड़ा लाभ ले कर हाथ बेंच दो । गांधे ने २२६० रु० के खाने में जमीन खरीदी थी । तो मोहन ने कितने रुपये में जमीन खरीदी थी ?



$$\text{दूसरी प्रकार ल} = 10 \times 2 + (10 - 2 \frac{1}{2}) \times 2$$

$$= 20 + 15$$

$$= 35 \text{ पीठ}$$

$$\therefore \text{दोनों का मिश्रण} = 2 \frac{1}{2} + 35 = 37 \frac{1}{2} \text{ पीठ}$$

$$37 \frac{1}{2} \text{ पीठ पर क} = 2 \frac{1}{2} \text{ पीठ}$$

$$\therefore 1 \text{ पीठ पर क का काम} = \frac{2 \times 100}{35} \text{ पीठ}$$

$$\therefore 35 \text{ पीठ पर क का काम} = \frac{2 \times 100}{35} \times 35 \text{ पीठ}$$

$$= 100 \text{ पीठ}$$

$$\therefore \text{क का काम} = 35 - 100 \text{ पीठ}$$

$$= 15 \text{ पीठ}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१४७)

(१) क, ख और ग ने मिश्र कर व्यापार करना प्रारम्भ किया। क ४२० रु०, ख ने ६०० रु० और ग ने ३२० रु० लगाया। मात्र दो सप्ताह में ३०० रु० काम हुआ तो शेष के दिनेश दिनेश काम का लो मिश्रण चाहिए ?

(२) घ, च और म ने मिश्र कर कुछ लेन लिया। घ ने १०० रु०, च ने २०० रु० और म ने ३०० रु० दिया। वर्ष के अन्त में ४०० रु० की दर पर निवार हुई, तो कनाथों शेष के दिनेश दिनेश रुपये का अर्थ मिश्र ?

(३) राम, रघु और मुरेश ने मिश्र कर व्यापार किया। राम ने १२०० रु०, रघु ने १८०० रु० और मुरेश ने ८०० रु० लगाया। वर्ष के अन्त में ४२० रु० की दर पर निवार हुई। तो कनाथों घण ननों के दिनेश दिनेश रुपये व्यापार में गेच रहे ?

(४) गनेश, दिनेश और मुरेश ने मिश्र कर व्यापार किया। राम ने मुरेश ने २०० रु० अर्ध, दिनेश ने गनेश घ १०० रु० अर्ध और मुरेश

ने १०० रु० लगाये। व्यापार में १४४ रु० खान हुआ। तो तीनों में इसे बाँटें।

(१) क, ख और ग ने साम्रा किया। क के २२० रु० खान नहींने तक, ख के १०० रु० १ नहींने तक और ग के ४०० रु० पाँच नहींने तक रहे। और खान २२ रु० १ आ० हुआ तो बचाओ खान के धन में से किम को कितना कितना निजा ?

(१) क, ख और ग ने निजा कर १२०२ रु० में एक खेज मोत लिया। धर्म के धन में तीनों को क्रम से ७६ रु० खान जाने, ४६ रु० खान जाने और २१ रु० ४ जाने मिलें, तो तीनों ने कितने कितने रुपये लगाने थे ?

(७) मोहन, सोहन और राम ने मिल कर एक चरागाह १२२ रु० १२ जाने में मोत लिद। मोहन ने १२ गाव २ नहींने तक, सोहन ने १२ गाव ४ नहींने तक और राम ने २२ गाव ६ नहींने तक चराई तो बचाओ तीनों को किमको किमको चराई देनी पड़ेगी ?

(८) एक व्यापार में क ने १०० रु० और ग ने ११०० रु० लगाये। ४ नहींने के बाद क ने १०० रु० निकाल लिया। क के रुपये निकालने के २ नहींने बाद ग ने भी २२० रु० निकाल लिद। इसी समय ग ४२० रु० देकर व्यापार में सम्मिश्रित हो गया। माल के धन में २२२ रु० खान हुए तो बचाओ खान में तीनों के कितने कितने रुपये हिस्से हुए ?

(९) एक व्यापार में क से ग के रुपये दो गुने थे। तीन नहींने के बाद खान में से क ने रुपये रुपये का, निकाल लिया। लेकिन खान में २० रुपये के बाद बाका रुपये का ? व्यापार में निजा दिया और ग ने ४ रुपये का खान रुपये का बचाओ मिल गया लेकिन १० नहींने के बाद खान रुपये का ? निकाल लिद खान के धन में १२२ रु० खान हुए, तो बचाओ के रुपये का कितने कितने रुपये खान हुए ?

(१०) २ रुपये ४ म मिल कर एक दुकान खोला क के १० म ४

के रुपये देव गुने थे । ६ महीने के बाद य ने अपने ६० को दूना और ४ देवना कर दिया । ६ महीने के बाद स उठने ही रुपये देकर गृहान में रहने हो गया जितने उस समय य और य के रुपये मिल कर थे । साल के ६ में १३६१ ६० ४ या० लाभ हुआ, तो बनाओ लाभ के रुपये में से कि को कितने कितने रुपये मिले ?

(११) एक चरागाह में य ने १८ घोड़े ६ महीने तक, य ने १२१ ४ महीने तक और स ने १४ में ३ महीने तक चराया । बैल की चारा भेद की चराई से तीन गुणो और घोड़े की चराई बैल की चराई से दोगुनी है । कुल चराई के २२ ६० ० या० देने पड़े, तो बनाओ तीनों को कितने रुपये देने पड़े ?

(१२) एक व्यापार में तीन भादूमियों ने रुपये लगाये । पहले का १०० ६० ६ महीने तक, दूसरे का ४०० ६० ४ महीने तक और तीसरे का १०० ६० ३ महीने तक रहा । तीनों के लाभ मिल कर ६८ ६० हैं, तो हर एक को क्या मिलना चाहिए ?

(१३) क और स ने मिल कर एक व्यापार किया । क ने पहले २०० ६० और स ने ६०० ६० दिए । व्यापार प्रारम्भ करने के दो महीने बाद क ने १००० ६० और ३ महीने बाद स ने १२०० ६० और दिए । साल के अन्त में ६४० ६० लाभ हुए, तो बनाओ लाभ के रुपये का उन्हें किस भाग में बाँटना चाहिए ?

(१४) मोहन और सोहन ने एक चरागाह ० महीने के लिए लिया । मोहन ने २४ भैंस ४ महीने तक चराई, तो बनाओ कि बाकी तीन महीने में सोहन कितनी भैंसे चरावे कि उस को मोहन का १ देना पड़े ?

(१५) राम और श्याम ने एक चरी का खेज ४ महीने के लिए लिया । राम ने २४ गायें ३ महीने तक चराई । शेष दो महीने में श्याम ने शायी गायें चराई । यदि श्याम को चराई के लिए राम का चराई का १ देना । तो श्याम ने कितने गायें चराई ?

कुल लाभ में क और ग ने रुपये का अनुपात २:३ है तो बताओ क लाभ के कुल कितने रुपये मिले ?

(२१) क ल और ग ने ६०००० रु० की पूंजी से एक बात किया । कुल पूंजी में क ने ३१००० रु० और ल ने २९००० रु० दिए परन्तु यह बात ठहरी कि कुल लाभ आपस में बराबर बराबर बँटता है कुल पूंजी की एक तिहाई पर ल १० प्रति सैकड़ा व्याज देगा और ग सामने का काम करने के बदले २१०० रु० साल में मिलेगा । यदि साल अन्त में कुल लाभ में से क, ल और ग के रुपये का अनुपात २१:२१ है तो बताओ ल को कुल कितने रुपये मिले ?

(२२) क, ल और ग ने क्रमशः २००० रु०, १००० रु० और ७००० रु० लगा कर एक साथ एक व्यापार किया । क काम का १० प्रति सैकड़ा और ल लाभ का १२ प्रति सैकड़ा व्यापार के प्रबन्ध करने के पाता है । शेष लाभ मूल धन में लगाये हुए रुपये के अनुसार बँटा जाता है । साल के अन्त में क को ल से ३३० रु० कम मिले तो कुल लाभ कितना हुआ ?

(२३) एक साल में क ने ४२०० रु०, ल ने ३२०० रु० और ग ने ४००० रु० लगाये । साल के अन्त में प्रत्येक को लाभ के रुपये हैं । उसके रुपये का २ प्रति सैकड़ा मिलने के बाद जो बचा उसका १२ प्रति सैकड़ा ल को सामने के काम करने के बदले मिला । शेष लाभ के रुपये के तीनों ने दिससे के अनुसार बाँटे , यदि कुल १८०० रु० का लाभ हुआ है तो बताओ क प्रत्येक को क्या मिला ?

(२४) क, ल और ग ने सामने का एक प्रेम करीदा । कर्मिण ने जिए क ने २२ और ल ने १२ सामान मूल्य की कर्मिणी दीं । ग ने कर्मिण के मूल्य के बदले ४० रु० दिये, तो बताओ इस रुपये का क और ल किस प्रकार बाँटे ?

(२५) कीजधारी, सुगन और अनन्त ने मिल कर एक मछल ख

२ उदाहरण — एक चीनी १२ रु० मन की और दूसरी १० रु० की है, तो बताओ इनको किस अनुपात से मिलावें कि मिश्रित चीनी भाव १२ रु० मन हो जाय ।

इस प्रश्न में लाभ या हानि की कुछ भी चर्चा नहीं है । हमजिद लाभ को न तो लाभ ही होना चाहिए और न हानि ही ।

अब दोनों प्रकार की चीनी एक ही में मिला दी जाती है तब १२ रु० मन के भाव की हो जाती है, और छराब चीनी के हर एक मन के भाव से (१२ - १२) या ३ रु० का लाभ होता है, और चरबी चीनी के एक मन के बँचने से (१० - १२) या २ रु० की हानि होती है । अब दोनों प्रकार की चीनी बराबर मात्रा में मिलाई जायें तो साफ़ बर्तार लाभ होने लगेगा । हमलिए छराब चीनी कम मिकानी चाहिए । अगर छराब चीनी दो मन लें तो ६ रु० लाभ होगा और अगर चरबी चीनी ३ मन लें तो ३ मन में ६ रु० हानि होगी । हमलिए छराब और चरबी चीनी १ के अनुपात से मिलाना चाहिए । ऐसे प्रश्नों के हल करने के लिए मिश्रित वस्तु के मूल्य को प्रत्येक में से घटा देना चाहिए और इन फल को उलट देना चाहिए और उम्मी उलटते हुए अनुपात में ही वस्तुओं को मिलाना चाहिए ।

३ उदाहरण — ३ चा० ६ पा० में और ४ चा० में के भावों के दूध को किस अनुपात में मिलावें कि मिश्रित दूध को १ चा० में के भाव ६, १ प्रति सैकड़ा लाभ हो ।

$$100 + \frac{2}{14} = \frac{2000}{14} \text{ रु०}$$

$$\frac{2000}{14} \text{ रु० पर क्रयमूल्य } 100 \text{ रु०}$$

$$1 \text{ रु० } \quad 12 \times 100 \text{ रु०}$$

$$1000$$

(२) १० रु० टन, १३ रु० टन, १६ रु० टन और २१ रु० टन कोयला किस हिसाब से मिलाया जाए कि मिश्रें हुए कोयले का मूल्य १० रु० टन हो ?

(३) १२ रु० गैलन, १८ रु० गैलन, ८ रु० गैलन की शराब में रंगे मिलाने से ३ रु० गैलन की शराब बनती है तो तीनों प्रकार की शराब को पानी किस अनुपात से मिलाया गया है ?

(४) १२ रु० तोले के सोने में कुछ भाग १६ रु० तोला, कुछ १८ रु० तोला, कुछ २३ रु० तोला और कुछ २४ रु० तोला का सोना मिलाया गया । अब मिश्रें हुए सोने की दर २० रु० तोला है तो मिलाए गए सोने का अनुपात बताओ ।

(५) १० रु० मन, १४ रु० मन, १८ रु० मन और २० रु० मन के चीनी मिला कर ४० मन चीनी १० रु० मन की तैयार की गई तो बनने वाली तरह की चीनी किस अनुपात से मिलाई गई और मिली हुई ४० मन चीनी में कौन कौनी मिलनी है ?

(६) पाँच आने सेर, ४ आने सेर और ३ आने सेर की चीनी किस हिसाब से मिलाई जाए कि मिली हुई चीनी की दर ६ आने सेर हो । १२ सेर मिश्रित चीनी में किस प्रकार की चीनी कितनी है ?

(७) किसी दुकान दार के पास १० चा०, १२ चा०, १६ चा० और १ रु० १ चा० प्रति सेर की दर का मसाला है । यदि पहले दो प्रकार के मसाले बराबर बराबर मिला लिए जाए और पिछले दोनों प्रकार के मसालों भी बराबर बराबर मिला लिए जाए तो अब मिश्रित मसाला १४ आने सेर का तैयार करने के लिए किस हिसाब से मिलाना चाहिए ?

(८) एक मनुष्य के पास १४ रु० प्रति गैलन की और २४ रु० प्रति गैलन की शराब थी । उसने दोनों प्रकार की शराबों को ३ : २ के अनुपात में लेकर मिला दिया । अब मिली हुई शराब में किस हिसाब से पानी मिलावे कि मिली हुई वस्तु १६ रु० प्रति गैलन की हो जावे ?

(१८) एक बर्तन में ३३ सेर दूध है । पाइले उस में से १ सेर निकाल लिया और तब ३ सेर पानी डाल दिया । अब उस मिश्रण में से १ सेर निकाल कर फिर ३ सेर पानी डाल दिया । यह प्रक्रिया बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध होगा ?

(१२) एक दूध में भरे हुए बर्तन में से १ मोर दूध निकाल
पानी में बर्तन को भर दिया । फिर मित्रों हुई वस्तु में से १ मोर पानी
कर फिर पानी में बर्तन को भर दिया । तां दूध और पानी का समान
१३ १ हा गया, तां बनाओ पड़से बर्तन में कितने मोर दूध थे ?

(२०) एक शराब में भरे पीपे में १० सेंटर शराब निकाल कर
को पानी में भर दिया । फिर मिट्टी हुई वस्तु में से १० मेर निकाल
फिर पानी में पीपे भर दिया । अब फिर मिट्टी हुई वस्तु में से १०
निकाल कर पीपे को पानी में भर दिया, शराब और पानी का सम
२१६ : १६० हों गये तो बनाओ पीपे में कितनी शराब थी ?

(११) एक सेल से भरे पांवे में से १६ सेर लेक निकाल कर दो पांनों में भर दिया । फिर मिथी हुई वस्तु में से १६ सेर निकाल कर दो पांनों में भर दिया । इसी प्रकार की क्रिया बार बार करने पर तेज़ पांनों का सम्बन्ध ५०१ १६६ रहा, तो बनामो पीरे में क्रिये में ' १ ' सेल थे ?

(५९) एक वर्तन में २२ गैर लूण हैं। उस में से ११ गैर निकाल कर वर्तन को पानी से भर दिया। अब उस मिश्रित वस्तु में ११ गैर निकाल कर फिर वर्तन को पानी से भर दिया। यह क्रिया दोहरा कर गड़ की बनायी चीज में लूण और पानी की मात्रा पड़ेगी।

(२३) लम्बद्वारा ११६ वर्षा में यदि निष्कासने तथा हाचने का
प्रकार वगैरह वृत्त नव छोड़ गानो ही सम्बन्ध २५३ ७२१ ही ही
३ वन ही ही ही ही ही

$$\therefore \frac{45000}{1} \text{ रु० " " " } = \frac{45000 \times 100}{1 \times 100} \text{ रु०}$$

$$= \frac{45000}{1} \text{ रु०}$$

$$\text{उत्तर} = 45000 \text{ रु० १ आ० १}$$

१ उदाहरण:—४ रु० लीकने स्टाक के स्टाक का भाग १०१ रु० १
१२००० रु० के स्टाक पर डिगिता विविडेंड मिलेगा ?

$$100 \text{ रु० के स्टाक से विविडेंड} = ४ रु०$$

$$\therefore 1 \text{ रु० " " " } = \frac{4}{100} \text{ रु०}$$

$$\therefore 12000 \text{ रु० " " } = \frac{12000 \times 4}{100} \text{ रु०}$$

$$= 480 \text{ रु० उत्तर}$$

२ उदाहरण:—१ रु० लीकने स्टाक में ४०१२ रु० लगाने से ११०
की आमदनी होगी है तो स्टाक का भाग क्या होगा ?

$$110 \text{ रु० आमदनी जिस भाग के लगाने से होगी है} = 4012 \text{ रु०}$$

$$1 \text{ रु० " " " } = \frac{4012}{110} \text{ रु०}$$

$$\therefore 1 \text{ रु० " " " } = \frac{1}{110} \text{ रु०}$$

$$= 101 \text{ रु०}$$

३ उदाहरण:—११० रु० के भाग के ३००० रु० के स्टाक के
क्या हुआ होगा यदि उदाहरण १ के लीकने हो ?

$$110 \text{ रु० } = \frac{3000}{110} \text{ रु०}$$

$$100 \text{ रु० के स्टाक के लीकने से भाग क्या होगा} = \frac{100}{110} \text{ रु०}$$

$$1 \text{ रु० के } = \frac{1}{110} \text{ रु०}$$

(८) २६०० रु० के बम्बई जुंगो के डिपेंडेंट १२ रु० सैबरा प्रीमियम से रेंटने से बिना २० मिलेगा यदि दलाली १ रु० सैबरा है ?

(९) २१ रु० सैबरे एगज के बम्बनी बगान का भाग दलाली जद कि २००० रु० का बगान रेंटने से २१२२ रु० मिलने है । दलाली प्रति सैबरा १ रु० है ।

(१०) एक मनुष्य के पास ४२०० पौण्ड के एगज है, यदि वह उन्हें ८०१ की दर से रेंट कर जो धन मिले उसमें ४१ प्रति सैबरा का भाग का पौण्ड की दर से मोज ले, तो उसके पास बिचने का भाग होगा ?

(११) एक मनुष्य ने ६६ की दर से ४१ रु० सैबरे एगज के बम्बनी बगान में २१०० रु० लगाये और दो महीने का डिपेंडेंट लेवा उसके ६४ की दर से रेंट दिया, तो बगानों जसे क्या लाभ हुआ ?

(१२) २१ रु० सैबरे के २००००० रु० के बगान का दो माही डिपेंडेंट क्या होगा ?

(१३) २१ रु० सैबरे के १४ २०० रु० के बगान का वार्षिक हजम किस बगानों ?

(१४) ४१ सैबरे एगज २२३२० रु० के बगान से २ रु० की भाग-दली प्रति रु० में ४ रु० हजम करने से के लाभ क्या होगा ?

(१५) २ रु० सैबरे एगज का ८२ के भाग से बिचने बगान का बंगली का बगान मोज लेने से १८० रु० का वार्षिक डिपेंडेंट मिलेगा ?

(१६) एक मनुष्य ने २००० रु० से ४ रु० प्रति सैबरे के बगानों बगान १११ की दर से मिला, तो बगानों कि ४ रु० में से रु० एगज से बिचने लाभ कितना होगा ? दलाली प्रति सैबरा १ रु० है

(१७) १ रु० सैबरा का १०१ की दर से बिचने रु० बगान बगान का बगान मिला जद १६ प्रति रु० । एक हजम करने रु० ४ रु० का रु० बगानों १८ रु० । रु० १ रु० रु० । रु० रु० सैबरा १ रु० है

(१८) एक आदमी ने २८०३२ से एक कंपनी का शेयर जो २५० सैकड़ा म्याज का है और १०२½ की दर से मिलता है खरीदा। तो आमदनी पर ५ पाई प्रति रुपये टैक्स देने पर उसे वार्षिक आमदनी क्या होगी? दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

(१९) ३५० सैकड़े और १०½ की दर के १००० के कंपनी कागज के बदले में ३½ ५० सैकड़ा म्याज का १२½ की दर का किन्ने का कंपनी कागज मिलेगा और वार्षिक आमदनी में इस बदले से क्या अन्तर पड़ेगा जब कि दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

(२०) एक मनुष्य ने ८००० ५० से ७२½ की दर से १½ ५० सैकड़े म्याज के स्टॉक खरीदे और जब उस की दर १८½ हो गई, तो बैंक का चिकी के रूप से ७२½½ की दर से ४५० सैकड़ा म्याज का स्टॉक खरीदा तो उसकी आमदनी में क्या लाभ या हानि हुई? दलाली प्रति सैकड़ा ½ है।

(२१) एक मनुष्य ने ८२½ ५० के भाव से ४५० सैकड़े म्याज का नोट खरीदा और १ वर्ष के बाद ८० ५० के भाव से बैंक खाला, तो बचाने ऐसा करने से उसे कितना लाभ या हानि हुई, जब नोट १००० ५० का था? दलाली प्रति सैकड़ा ½ देनी पड़ती है।

(२२) एक मनुष्य के पास १५० सैकड़े म्याज का ८१½ की दर पर १२०० ५० का नोट है। उसने इसे बैंक कर ४५० सैकड़े म्याज के १११½ की दर से कंपनी कागज मोल लिए, तो बचाने उसके खालाना म्याज में क्या अन्तर पड़ेगा? अब कि दलाली ½ प्रति सैकड़ा है।

(२३) एक मनुष्य ने १४०० पौण्ड का नोट ८८ पौण्ड के भाव से ४ पौण्ड सैकड़े म्याज का खरीदा और जब नोट का भाव बढ़ कर ११ पौण्ड हो गया तो नोट को बैंक कर ७० पौण्ड के रेलवे के हिस्से खरीदे तब पर ४½ प्रति सैकड़ा नफा मिलता था, तो बचाने उस की आमदनी में क्या अन्तर पड़ेगा?

(२४) एक मनुष्य को ४ रु० सैकदे ध्याज के बागज में ६३½ बी दर से बिलना खपया लगाना चाहिए, कि ४ पाई प्रति खपया हन्यमर्त्यवर देकर ६२८ रु० की वार्षिक आमदनी हो ?

(२५) एक मनुष्य ने कुछ धन ३½ प्रति सैकदा पाजे सरकारी बागज में जित बी दर ६०½ है लगाया, यदि वह उन को ६०½ बी दर से खरीदता तो उसे १०० रु० के सरकारी बागज अधिक मिलने लो बनाओ उसने बिलने खपया बागज लेने में लगाए ? दलाली ½ प्रति सैकदा है ।

(२६) ४½ सैकदे ध्याज का बागज खरीदने में २१४२२ रु० का आ० लगाने से २११ रु० १२ प्या० मासिक आमदनी होती है, तो उस बागज का भाव बताओ ।

(२७) एक मनुष्य १४१०० पौण्ड १ प्रति सैकदा के ६० के भाव के और ३½ प्रति सैकदा के ६० के भाव के स्टॉक में लगाता है, उस की सम्पूर्ण आमदनी २०० पौण्ड है, तो बिलने का प्रत्येक स्टॉक उसने खरीदा ?

(२८) एक मनुष्य ने कुछ धन में ३½ प्रति सैकदा के १८ के भाव से स्टॉक खरीदा । अगर वह ४ प्रति सैकदा के १०८ बी दर से उसने ही धन में दूसरे तरह का स्टॉक खरीदता, तो उस ध्याज में वार्षिक २० पौण्ड अधिक मिलता, तो बताओ उसने बिलना धन लगाकर स्टॉक खरीदा ?

(२९) एक आदमी ने कुछ रुपये में ४½ प्रति सैकदा ध्याज के बागज का १०४ बी दर से खरीदा और उस प्रत्येक स्टॉक का मूल्य १०१ रु० ही लगा, तो उसने केंच दिया । इसमें उसे ६०० रु० का ध्याज हुआ तो बताओ उसने बिलना रूप का स्टॉक खरीदा का ?

(३०) उस स्टॉक का भाव १०८ सैकदा है मर १३१० पौंड के बागज का १०८ भाव बताओ ?

(३१) १ पौंड ध्याज का बागज का भाव ८० है ३½ पौंड ध्याज के बागज का भाव ८४ है कि प्रति १०० रु० का बागज का भाव ८४ मिले ८० १०० पौंड रु० के बागज का भाव ८४ मिले ?

(३२) बनाया कौन से कागज में रखा लगाना भगवा है। २½ सैकड़े ग्यात्र के १८½ रु० के भाव के कागज में, अथवा १½ रुपये के ग्यात्र के १०२ रुपये के भाव के कागज में ।

(३३) १९४३० रु० से ४½ रु० सैकड़े ग्यात्र का १०१ रु० के ब का कम्पनी कागज जारी देने से कितने रुपये महीने की धामदनी होगी, व १० वर्ष पीछे सम मोल के हिसाब से रक्का फेर दिया जाय, तो रुपये ५ पर वार्षिक कितने सैकड़े का ग्यात्र मिलेगा ?

(३४) एक मनुष्य ने ३ रु० सैकड़े की ग्यात्र का कागज ४२ के ब से बेच कर २ रु० ग्यात्र का कागज जारी किया, परन्तु उस की धामद में कुछ घटार नहीं हुआ, बताओ उसने विपदा कागज किम मात्र जारी दया ?

(३५) २ पींड सैकड़ा ग्यात्र का २२½ पींड के भाव से २६१६ री ६ टि० का कम्पनी कागज बेच कर ४ पींड सैकड़ा ग्यात्र का ८१ पींड के दर का कागज मोल खेने में धामदनी में क्या घटार होगा ? दशाब्दी मादूर् देनी पक्की है ।

(३६) किम में रक्का लगाना लाभदायक है ? १० सैकड़े धामद के बेंच के भाग में ३१३ के भाव से, अथवा २ सैकड़े ग्यात्र का कागज ११ के भाव जारी करने में ।

(३७) ३ पींड सैकड़े ग्यात्र का १२०० पींड का कागज ८१½ री दर से जारी देने में क्या उत्पन्न होगा, और रुपये क्या दर ग्यात्र मिलेगा ? (दशाब्दी ½ प्रति सैकड़ा है) ।

(३८) एक मनुष्य ने ४½ सैकड़े के कम्पनी कागज को १०१ के ब से जारी देने में कुछ रुपये लगाये, जब कागज का भाव घट कर १०१ होगा तब उसको बेच दिया, रुपये उसको दशाब्दी लाभ कर ९०० रु० धारा हुआ, बताओ उसने कितने रुपये लगाये थे ?

(३६) हमारे पास १००० पौंड का ४ सैकड़े ब्याज का कंपनी कागज़ था; जब उस का भाव ८२½ हुआ तब हमारे दलाल ने ½ सैकड़ा दलाली ले कर उसे बेच दिया और फिर उस धन को उसने ४½ सैकड़े के ६८½ के भाव से कागज़ में ½ सैकड़ा दलाली लेकर खरीदने में लगा दिया, बताओ उस ने पिछला कागज़ कितना खरीदा ?

(४०) ४½ रु० सैकड़ा ब्याज का कंपनी कागज़ खरीदने में २६४२२ रु० ८ आ० लगाने में २१३ रु० १२ आ० नासिक आमदनी होती है; तो उस कागज़ का भाव बताओ ।

(४१) एक मनुष्य १६३००० रु० में से कुछ रुपया ४ प्रति सैकड़े के १०८ के भाव के गवर्नमेंट स्टॉक में लगाता है, और शेषधन को ५ प्रति सैकड़े के १०६½ के भाव के म्यूनिस्पल डिबेंचर में; बताओ प्रत्येक में कितना कितना धन लगावे, ताकि दोनों से समान आमदनी हो जाय ?

(४२) में १२८०५ रु० ४ प्रति सैकड़े वाले कागज़ में जिसकी दर ६८½ है लगाता हूँ; जब कि उनकी दर बढ़कर १०२½ हो जाती है तब बेचता हूँ और इस प्राप्ति को ४½ प्रति सैकड़े जाने में जिसकी दर १०५½ है लगाता हूँ; तो मेरी आय में क्या परिवर्तन हुआ ? (दलाली ½ प्रति सैकड़ा सम्पूर्ण व्यापारों में ली जाती है) ।

(४३) एक मनुष्य ने एक ही धन दो प्रकार के स्टॉक में व्यय किया; ३½ प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ में जिसकी दर १०३½ है और ८ प्रति सैकड़ा वाले म्यूनिमिपल डिबेंचर में जिसकी दर १०५ है; उसकी आय एक स्टॉक से दूसरे से ६३ रु० अधिक है, तो प्रत्येक स्टॉक में कितना धन लगाया गया था ?

(४४) एक मनुष्य के पास ३½ प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ का स्टॉक है जो २८५ रु० वार्षिक देता है । वह स्टॉक का आधा १०६½ का दर विव्रय करता है, और इस प्राप्ति को हवड़े की मिल के भागों में १५३

(५०) एक मनुष्य ने $१\frac{१}{२}$ सैकड़े का कम्पनी काराज ६२ $\frac{१}{२}$ के भाव से बेंच कर १८५०० रु० पाये; फिर उसने अपने रु० का $\frac{१}{२}$ भाग, ४ सैकड़े का काराज ६६ के भाव से खरीद करने में और शेष १ सैकड़े का काराज ६० के भाव से खरीद करने में लगा दिये; यताथो इस व्यापार से उसकी आमदनी में क्या अन्तर होगा ?

(५१) ४ प्रति सैकड़े के काराज का भाव ६८ रु० है और ५ प्रति सैकड़े के काराज का भाव १२० $\frac{१}{२}$; किसमें रुपया लगाना अच्छा है । एक प्रकार का काराज कितने का है, जब कि आमदनी में १० रुपये का अन्तर है ।

(५२) ४ प्रति सैकड़े के कम्पनी काराज को सममोल (पार) के भाव से मोल लेने में कितना रुपया लगाना चाहिए, कि उनकी आय उस प्राप्ति के समान हो; जो १०००० रु० देकर ४ $\frac{१}{२}$ प्रति सैकड़े व्याज के कम्पनी काराज को १०२ के भाव से मोल लेने से होती है ।

(५३) ३ सैकड़े के व्याज का काराज ८३ $\frac{१}{२}$ के भाव से मिलता है और ३ $\frac{१}{२}$ सैकड़े के व्याज का ३ सैकड़ा बट्टे (६७ के भाव) से काराज मोल लिया जाता है; यताथो इन दोनों में कौन सा काराज खरीद करने में रुपया लगाना अच्छा है ?

(५४) एक मनुष्य १४६७० पाँड ३ प्रति सैकड़ा के ६० के भाव के और १ $\frac{१}{२}$ प्रति सै० के ६७ के भाव के स्टॉक में लगाता है; उसकी सम्पूर्ण आमदनी ५०० पाँड है, तो कितने का प्रत्येक स्टॉक उसने खरीदा ?

(५५) एक मनुष्य के पास १०००० पाँड का ३ सैकड़े का स्टॉक है; वह उसे ६३ $\frac{१}{२}$ के भाव में बेंच देता है और जो कुछ आमदनी होती है, उसे ४ सैकड़े के १०१ $\frac{१}{२}$ के भाव के स्टॉक में लगा देता है, तो उसकी आमदनियों का अन्तर क्या हुआ ? [उलाली हर सौदेपर $\frac{१}{२}$ प्रति सैकड़ा]

(५६) क. लाख रुपया के ३ $\frac{१}{२}$ सैकड़ा व्याज के गवर्नमेंट प्रोमेसरी नोट में, जिसका भाव १०० $\frac{१}{२}$ है । मासिक क्या आमदनी होगी ?

(६४) २ रु० सैकड़े व्याज और १० १/२ रु० की दर के कागज में कितना लगाया जाए, कि आमदनी पर २ १/२ रु० सैकड़े का इन्कम टैक्स दे कर ११२ रु० की वार्षिक बचत हो ?

(६५) ४ १/२ रु० सैकड़े व्याज और १० ३/४ रु० की दर के कागज में कितना रुपया लगाया जाए, कि आमदनी पर ३ रु० सैकड़े का इन्कम टैक्स कर २६१२ रु० की वार्षिक बचत हो ?

(६६) जब ३ १/२ रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८२ रु० था, एक आदमी ने उसे बेच कर बिक्री के दामों में ४ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६२ रु० के भाव से ले लिया। इस से उस की वार्षिक आमदनी १२०० रु० बढ़ गई, तो बताओ उस के पास ३ १/२ प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

(६७) जब ४ १/२ रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८८ रु० था, एक आदमी ने उसे बेच कर बिक्री के दामों से २ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६६ के भाव से ले लिया। इस से उस की वार्षिक आमदनी २०० रु० बढ़ गई तो बताओ उस के पास ४ १/२ रु० प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

(६८) एक मनुष्य ने २ रु० सैकड़े व्याज के ७६०० रु० का कागज १ १/२ प्रति सैकड़े बट्टे से बेच कर बिक्री के रुपये से ६ १/२ रु० सैकड़े व्याज के कागज १० १/२ प्रति सैकड़े प्रीमियम से खिचे, तो बताओ इस से उस की वार्षिक आमदनी में क्या लाभ वा हानि होगी ?

(६९) मुझे कितना धन ४ १/२ प्रति सैकड़े व्याज के कागज में ८१ के भाव से लगाना चाहिये कि और ३००० रु० ३ प्रति सैकड़े के कागज में ७२ के भाव से लगा कर और कुल आमदनी पर ४ पाई प्रति रुपया इन्कम टैक्स देकर १७४ रु० मुझे वार्षिक बच रहे ?

(७०) किस में ४३१२ पी० लगाना अच्छा होगा ३ १/२ प्रति सैकड़ा व्याज और ६१ के भाव के कागज में या ६२ पाई प्रति हिस्से के भाव के उल्लेख 'मैच ४ हिस्से में जितने पैस' पर ४ प्रति सैकड़े का व्याज मिलना है ?

(७१) एक चरनी के २५ दिस्मों का मोल २१२२ बीर डिबिडेण्ड २ बी० मैकड़े की दूर में दिया जाए, तो डिने दिस्मों १४८० बीर होगा, अब डिबिडेण्ड २३ बी० मैकड़े की दूर में दिए

(७२) एक चरनी के ३८ दिस्मों का मोल १४२८ ३० ई. ३ डेण्ड ४३ ६० मैकड़े की दूर में दिया जाए, तो डिने दिस्मों १३४० ६० होगा, अब डिबिडेण्ड २ ६० मैकड़े की दूर में दिया जा

(७३) २ ६० मैकड़े व्याज के व्याज का मान ६० ६० बीर मैकड़े व्याज के व्याज का मान १०२ ई । एक अनुप में क्लोड ३१ ६०० ६० का व्याज मोल दिया और दूसरे में क्लोड प्रहार के ४ ६०० ६० आगारे । दोनों को चरनी व्याज के कलने पर जो व्याज हम की तरों का मिश्रण करें ।

(७४) २ ६० मैकड़े व्याज के व्याज का क्या मान होगा, जो व्याज के कलने का १,००० पाई प्रति कलने का इन्फार्मेशन देते हैं कार्मिक व्याज क्या रहे ?

(७५) ३३ ६० मैकड़े व्याज के व्याज का क्या मान होगा, जो व्याज के कलने का १,००० ३ पाई प्रति कलने का इन्फार्मेशन देते हैं कार्मिक व्याज क्या रहे ?

(७६) एक अनुप ३ प्रति मैकड़े व्याज का व्याज, डिने का मान १ मिश्रण है और डिने का कलने एक व्याज के व्याज में लाल मोल में पुनः आगारा, मान क्या करेगा है । यदि ६० ३ प्रति मैकड़े व्याज का है वह व्याज डिने मान का क्या कार्मिक ?

(७७) एक अनुप २ प्रति मैकड़े व्याज का व्याज डिने का ३ व्याज मिश्रण है व्याज मिश्रण कलने मान के बीच है क्लोड के ? व्याज कलने मान क्या करेगा है । यदि ६० ३ प्रति मैकड़े व्याज का है तो व्याज क्या मान का क्या कार्मिक ?

(७८) एक अनुसूच से ८५० रु०, ४५ रु० गैरसूच से ४५० रु० के भाव से लगाने । यह बागवत का भाव ३ रु० था तथा, जो कुछ बागवत रोव वाला थीं उस भाव ४ रु० था तथा, यह रोव को देना । इससे यदि कुछ ११ रु० का लाभ हो गया, तो बचावों से ही इस से शिखर का बचाव देना !

(७१) एक मनुष्य ने २००० रु०, २½ रु० मँदरे व्याज के ब्याज पर ८१½ रु० के अन्त में लगाया । यह व्याज का अन्त ४ रु० का मन्त का हृद व्याज होकर दिया और यह अन्त ३ रु० का मन्त का हृद होकर, एक मन्त का हृद २ रु० का अन्त हुआ । का व्याजों पर हृद व्याजों के ब्याज का अन्त होकर ४१½ रु० ।

1. 1940) 1941) 1942) 1943) 1944) 1945) 1946) 1947) 1948) 1949) 1950) 1951) 1952) 1953) 1954) 1955) 1956) 1957) 1958) 1959) 1960) 1961) 1962) 1963) 1964) 1965) 1966) 1967) 1968) 1969) 1970) 1971) 1972) 1973) 1974) 1975) 1976) 1977) 1978) 1979) 1980) 1981) 1982) 1983) 1984) 1985) 1986) 1987) 1988) 1989) 1990) 1991) 1992) 1993) 1994) 1995) 1996) 1997) 1998) 1999) 2000) 2001) 2002) 2003) 2004) 2005) 2006) 2007) 2008) 2009) 2010) 2011) 2012) 2013) 2014) 2015) 2016) 2017) 2018) 2019) 2020) 2021) 2022) 2023) 2024) 2025) 2026) 2027) 2028) 2029) 2030) 2031) 2032) 2033) 2034) 2035) 2036) 2037) 2038) 2039) 2040) 2041) 2042) 2043) 2044) 2045) 2046) 2047) 2048) 2049) 2050) 2051) 2052) 2053) 2054) 2055) 2056) 2057) 2058) 2059) 2060) 2061) 2062) 2063) 2064) 2065) 2066) 2067) 2068) 2069) 2070) 2071) 2072) 2073) 2074) 2075) 2076) 2077) 2078) 2079) 2080) 2081) 2082) 2083) 2084) 2085) 2086) 2087) 2088) 2089) 2090) 2091) 2092) 2093) 2094) 2095) 2096) 2097) 2098) 2099) 2100) 2101) 2102) 2103) 2104) 2105) 2106) 2107) 2108) 2109) 2110) 2111) 2112) 2113) 2114) 2115) 2116) 2117) 2118) 2119) 2120) 2121) 2122) 2123) 2124) 2125) 2126) 2127) 2128) 2129) 2130) 2131) 2132) 2133) 2134) 2135) 2136) 2137) 2138) 2139) 2140) 2141) 2142) 2143) 2144) 2145) 2146) 2147) 2148) 2149) 2150) 2151) 2152) 2153) 2154) 2155) 2156) 2157) 2158) 2159) 2160) 2161) 2162) 2163) 2164) 2165) 2166) 2167) 2168) 2169) 2170) 2171) 2172) 2173) 2174) 2175) 2176) 2177) 2178) 2179) 2180) 2181) 2182) 2183) 2184) 2185) 2186) 2187) 2188) 2189) 2190) 2191) 2192) 2193) 2194) 2195) 2196) 2197) 2198) 2199) 2200) 2201) 2202) 2203) 2204) 2205) 2206) 2207) 2208) 2209) 2210) 2211) 2212) 2213) 2214) 2215) 2216) 2217) 2218) 2219) 2220) 2221) 2222) 2223) 2224) 2225) 2226) 2227) 2228) 2229) 2230) 2231) 2232) 2233) 2234) 2235) 2236) 2237) 2238) 2239) 2240) 2241) 2242) 2243) 2244) 2245) 2246) 2247) 2248) 2249) 2250) 2251) 2252) 2253) 2254) 2255) 2256) 2257) 2258) 2259) 2260) 2261) 2262) 2263) 2264) 2265) 2266) 2267) 2268) 2269) 2270) 2271) 2272) 2273) 2274) 2275) 2276) 2277) 2278) 2279) 2280) 2281) 2282) 2283) 2284) 2285) 2286) 2287) 2288) 2289) 2290) 2291) 2292) 2293) 2294) 2295) 2296) 2297) 2298) 2299) 2300) 2301) 2302) 2303) 2304) 2305) 2306) 2307) 2308) 2309) 2310) 2311) 2312) 2313) 2314) 2315) 2316) 2317) 2318) 2319) 2320) 2321) 2322) 2323) 2324) 2325) 2326) 2327) 2328) 2329) 2330) 2331) 2332) 2333) 2334) 2335) 2336) 2337) 2338) 2339) 2340) 2341) 2342) 2343) 2344) 2345) 2346) 2347) 2348) 2349) 2350) 2351) 2352) 2353) 2354) 2355) 2356) 2357) 2358) 2359) 2360) 2361) 2362) 2363) 2364) 2365) 2366) 2367) 2368) 2369) 2370) 2371) 2372) 2373) 2374) 2375) 2376) 2377) 2378) 2379) 2380) 2381) 2382) 2383) 2384) 2385) 2386) 2387) 2388) 2389) 2390) 2391) 2392) 2393) 2394) 2395) 2396) 2397) 2398) 2399) 2400) 2401) 2402) 2403) 2404) 2405) 2406) 2407) 2408) 2409) 2410) 2411) 2412) 2413) 2414) 2415) 2416) 2417) 2418) 2419) 2420) 2421) 2422) 2423) 2424) 2425) 2426) 2427) 2428) 2429) 2430) 2431) 2432) 2433) 2434) 2435) 2436) 2437) 2438) 2439) 2440) 2441) 2442) 2443) 2444) 2445) 2446) 2447) 2448) 2449) 2450) 2451) 2452) 2453) 2454) 2455) 2456) 2457) 2458) 2459) 2460) 2461) 2462) 2463) 2464) 2465) 2466) 2467) 2468) 2469) 2470) 2471) 2472) 2473) 2474) 2475) 2476) 2477) 2478) 2479) 2480) 2481) 2482) 2483) 2484) 2485) 2486) 2487) 2488) 2489) 2490) 2491) 2492) 2493) 2494) 2495) 2496) 2497) 2498) 2499) 2500) 2501) 2502) 2503) 2504) 2505) 2506) 2507) 2508) 2509) 2510) 2511) 2512) 2513) 2514) 2515) 2516) 2517) 2518) 2519) 2520) 2521) 2522) 2523) 2524) 2525) 2526) 2527) 2528) 2529) 2530) 2531) 2532) 2533) 2534) 2535) 2536) 2537) 2538) 2539) 2540) 2541) 2542) 2543) 2544) 2545) 2546) 2547) 2548) 2549) 2550) 2551) 2552) 2553) 2554) 2555) 2556) 2557) 2558) 2559) 2560) 2561) 2562) 2563) 2564) 2565) 2566) 2567) 2568) 2569) 2570) 2571) 2572) 2573) 2574) 2575) 2576) 2577) 2578) 2579) 2580) 2581) 2582) 2583) 2584) 2585) 2586) 2587) 2588) 2589) 2590) 2591) 2592) 2593) 2594) 2595) 2596) 2597) 2598) 2599) 2600) 2601) 2602) 2603) 2604) 2605) 2606) 2607) 2608) 2609) 2610) 2611) 2612) 2613) 2614) 2615) 2616) 2617) 2618) 2619) 2620) 2621)

[illegible]

১৯৩৭ খ্রিঃ ১০ মাস ১০ তারিখ
 ১৯৩৭ খ্রিঃ ১০ মাস ১০ তারিখ
 ১৯৩৭ খ্রিঃ ১০ মাস ১০ তারিখ
 ১৯৩৭ খ্রিঃ ১০ মাস ১০ তারিখ

Figure 1. The effect of the concentration of the *Agrobacterium* strain on the transformation efficiency of *Agrobacterium* strain on *Agrobacterium* strain.

मोल लिया। उस की कुछ साखाना चामदनी २१६ ६० ८ पा०
तो बनावो उसने कुछ किने रुपये खगाये ?

(८४) एक मनुष्य को ३८८६ ५० स्टाक में खगाने हैं तो बनावो
प्रति सैकड़े व्यात्र के सरकारी कागज में त्रिय का भाव ०१ प्रति सैकड़ों
से हैं कराया खगाना अधिक लाभकारी होगा, या सम मोल पर
हिससा खेता, त्रिय पर प्रति दिन प्रति सैकड़ा २१ पाई व्यात्र
और दोनों का अन्तर बिकावो ?

(८५) एक मनुष्य ने ३१ प्रति सैकड़े व्यात्र के कानपुर ऊपर
रोपर २४०० ६० में लिया। उस की वार्षिक चामदनी १८० ६० ८
हुई, तो बनावो मोल खेते समय ३१ प्रति सैकड़े का रोपर त्रिय
में या ?

(८६) मैंने २१ प्रति सैकड़े व्यात्र के देखे रोपर ४३०६ ५०
लिये। मेरी वार्षिक चामदनी ०२६ ६० की हुई, तो बनावो मोल
समय मैंने रोपर किने कड़े से लिये थे ?

(८७) एक मनुष्य ने ४१ प्रति सैकड़े व्यात्र के कागज में २६
कुछ धन खगाया। जब उस का भाव २४१ हो गया तो १८०० ५०
कागज बच दिया और रोप को तब बेचा, जब उस का भाव ८६१ हो
कुछ बिक्री के रुपये उसने ६ प्रति सैकड़े व्यात्र के कागज में जो ८२१
रु का है, खगा दिये। इस प्रकार उस की चामदनी ८६१, ६०
गई तो बनावो पदखे उसने किने रुपये खगाये थे ?

(८८) एक मनुष्य ने ४१ प्रति सैकड़े व्यात्र के कागज में १११
रु से कुछ धन खगाया। जब उस का भाव २८१ हो गया, तो १२०६ ५०
का कागज बच दिया और रोप को कुछ दिनों के बाद ८१ की दर से बेच
कुछ बिक्री के रुपये उसने ४१ सैकड़े व्यात्र के कागज में सम मोल पर
दिया। इस प्रकार उस की चामदनी १२ ६० बढ़ गई, तो बनावो
किना धन खगाया था ?

खर्चाई के बाद जर्मनी के सिक्कों का भाव इतना गिर गया था कि पड़ने कई रु० की मिन्नती थी वे कुछ ही घानों की मिन्नते छग ग

भारत वर्ष में चींदी के सिक्कों का भाव नहीं बढ़ना, रा में का मौल बाजार भाव के अनुसार घटता बढ़ता रहता है और इस सार सरकार अपने खजाने से खेनदेन करती है। इस प्रकार भारत लाख रु० का घाटा होता है।

एक देश के सिक्कों को दूसरे देश के सिक्कों में बदलने के सिक्कों का बाजार भाव जानने की आवश्यकता होती है जो राजा व्यापारिक कारखों से संबंध घटते बढ़ते रहते हैं। कभी कभी इन बैंक भी सहायता देने हैं जिन्हें इससे बैंक बढ़ते हैं। इन बैंकों भी एक देश का सिक्का या घन दूसरे देश के सिक्कों में बढ़ता जाता भिन्न भिन्न देशों में भिन्न भिन्न सिक्कों का प्रयोग होता है और की धनायत शुद्ध धातु के विचार से भिन्न भिन्न होती है। इन स्थिती देश के सिक्कों में शुद्ध धातु की मात्रा अधिक होती है और कम कभी कभी इन सिक्कों की धातुओं के अनुसार इन का मूल किया जाता है जैसे मंगरेष्ठी साखरेन में सोना क्रामिमी में मैंगे १ २६१ गुना होता है, इसलिये बाजार में १ पाँच, १ २६१ मैंगे समान होना चाहिए परन्तु राजनैतिक और व्यापारिक कारखों के मान घटा बढ़ा करता है। अब एक देश का मुद्रा, शुद्ध धातु के सि दूसरे देश की मुद्रा के बराबर होता है तो उसे समान बढ़ता घट परन्तु ये भी बढ़ाने रहते हैं। और प्रायः बाजार भाव पर निर्भर रा

बहुत देशों में अन्य परिमायों की मीनि मिछे की १०, १००, १००० आदि भागों में विभाजित किए गए हैं क्योंकि ऐसे भागों के परिवर्तन स्थान्तर करने में बड़ी सामान्य पड़ती है और एक अंशो स दूसरा अंश रूप में केवल दशमशत का चिह्न लगाकर बढ़ा सकते हैं। अथ, १ वेजियम, स्विज्जर लैंड और यूनाइ के मिछे मौल परिमाय और ८०

१. अनादिकाल :—अगर १ शिनिग १२ घंटे के सामान हो
 तो - जि० = २५ के मिलने २० घण्टे के ।

४३ पा० १ मि० ८ पैस - १२० पीस

● **●** **●**

1. *For* 4. *are*

... ..

100

१२१०

१. दत्तात्रेय २००० इत्यादी के शिरो के बरखे के शिरो के
२. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
३. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
४. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
५. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
६. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
७. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
८. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
९. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के
१०. दत्तात्रेय के शिरो के बरखे के शिरो के

1 47 4 79

..... 144

• • • • •



1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

• • • • •

1997-1998

$$११ + १ = १२ \text{ और } २३ + १ = २४$$

$$\text{पहले मिचके से मोटा की मात्रा} = \frac{१२३ \times ११}{१२} \text{ ट्रेन}$$

$$\text{और " " चौड़ी " " } = \frac{१२३}{१२} \text{ ट्रेन}$$

$$\text{और } \frac{१२३}{१२} \text{ ट्रेन चौड़ी का मूल्य} = \frac{१२३}{१२ \times १२} \text{ ट्रेन मोटा है}$$

$$\begin{aligned} \therefore \text{पहले मिचके का मोल} &= \left(\frac{१२३ \times ११}{१२} + \frac{१२३}{१२३} \right) \text{ ट्रेन मोटा} \\ &= \frac{७२२०}{६४} \text{ ट्रेन मोटा} \end{aligned}$$

$$\text{द्वितीय मिचके से } \frac{२३ \times २३}{२४} \text{ ट्रेन मोटा है}$$

$$\text{और " " चौड़ी का मूल्य} = \frac{२३}{२४} \text{ ट्रेन चौड़ी है}$$

$$\text{पहले चौड़ी का मोल} = \frac{२३}{२४ \times २३} \text{ ट्रेन मोटा है}$$

$$\begin{aligned} \therefore \text{द्वितीय मिचके का मोल} &= \left(\frac{२३ \times २३}{२४} + \frac{२३}{२४ \times २३} \right) \text{ ट्रेन मोटा} \\ &= \frac{७२२०}{१२८} \text{ ट्रेन मोटा} \end{aligned}$$

$$\frac{७२२०}{६४} \text{ और } \frac{७२२०}{१२८} \text{ को सामान्य लुप्तका करने से का पता चलता है}$$

पहले मिचके का समस्त मोल द्वितीय से मिचके के समस्त मोल से कम है
 है इसका मतलब यह है कि पहला मिचका द्वितीय से कम
 महत्व है

(७१) शेंगरेडो मुद्रा अमेरिका में ५ प्रति सैंकड़ा बादे से हैं , जो यताशो समान भाव से ७५० डॉलर के लिए किन्ने पीछे देने की व्यवस्था है जब एव डॉलर ४ लि० ६ पेंस के समान हो ।

मीडरी प्रकाली या दशमलव पद्धति

[illegible]

और मिरिया मिटर = १०००० मीटर

इसी प्रकार और भी समझ लेना चाहिए ।

मीटरी प्रणाली के पैमाने

मीटरी प्रणाली में: —

(१) लम्बाई की इकाई = १ मीटर

(२) क्षेत्रफल की इकाई = १ एयर = १०० वर्ग मीटर

(३) घनफल की इकाई = १ स्टियर = १ घन मीटर

(४) तरल द्रव्यों की माप की इकाई = १ लिटर = $\frac{1}{1000}$ घन मीटर

(५) तौल की इकाई = १ ग्राम = $\frac{1}{1000000}$ घन मीटर स्वच्छ पानी की तौल ।

इकाई का परिमाण

१० मिली मीटर = १ सेंटी मीटर = २२३०००६ इंच

१० सेंटी मीटर = १ डेसी मीटर = ३९३७००६ इंच

१० डेसी मीटर = १ मीटर = ३९३७००६ इंच

१० मीटर = १ डेका मीटर = ३९३७००६ इंच

= ३९३७००६६२ फीट

१० डेका मीटर = १ हेक्टा मीटर = ३९३७००६६२ फीट

१० हेक्टा मीटर = १ किलो मीटर = ३९३७००६६२ फीट

= ३९३७००६६२ गज

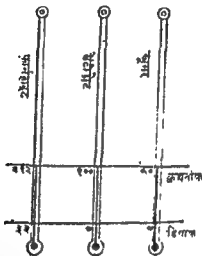
१ किलो मीटर = १ मिरिया मीटर = ३९३७००६६२ फीट

= ३९३७००६६२ गज

१ मीटर = ३९३७ इंच = ३ फीट ३, इंच के लगभग

कभी कभी ३, फीट

इन मधो में सेंटीग्रेड ही मीटरी प्रणाली के अनुकूल बनाया गया है, दूसरे नहीं।



ग्राम, हेमी ग्राम आदि का जोड़ना बटाना गुणा और भाग करने की तरह से ही होता है।

१ बड़ाकायः—८१ मीटर १ सेन्टी मीटर और २ मिमीमीटर ४ मिमी मीटर बनाओ।

$$८१ \text{ मीटर} \rightarrow ८१००० \text{ मिमी मीटर}$$

$$१ \text{ सेन्टी मीटर} = १० \text{ मिमीमीटर}$$

$$\text{कुल } ८१००० + १० + २ = ८१०१२ \text{ मिमी मीटर}$$

२ बड़ाकाय — ०.१ मीटर में विभक्त हुए होंगे, इन में १ मीटर = १ इंच

४१. डेसीमीटर = ४२ सेंटी मीटर

२.५४ सेंटी मीटर = १ इंच

$\therefore 1 \text{ मीटी मीटर} = \frac{1}{3.9} \text{ इंच}$

\therefore ४२ सेंटी नॉयर = $\frac{42}{100}$ इंच

पृष्ठ १७० पृष्ठ ७२ ईश्वर

१ उदाहरण:—२०१ वर्ग मीटर का वर्ग मिलीमीटर बनाओ ।

५७६ वर्गमीटर = ५७६ × १०० वर्ग डेमीमीटर

$$= 256 \times 100 \times 100 \text{ वर्ग सेंटी मीटर}$$

$$= 201 \times 100 \times 100 \times 100 \text{ वर्ग मीटर}$$

= ₹ ७६०००००० वषर् मिली मोटर

४ उदाहरण:—१६ वर्ग मिलीमीटर का वर्ग डेसी मीटर बनाओ

१६ वर्ग मिलानोटर = ११५ वर्ग सेंटी मीटर

$= \frac{1}{\sqrt{10}} \text{ वागं हेली नांदर}$

== १६६६ वर्ग हेमो मी०

==*00111 यगं देमी नांदा

२ महाहरणः— एक पीतल के दुबड़े की छम्हार, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से १० सेंटीमीटर, ८ सें० मी० और ६ सें० मीटर हैं और उन की लंबाई १००८ सान हैं तो एक घन सेंटी मीटर बिजला भारी है ?

जुड़ने का दम पद = 10 X 2 x 1 घन सेंटी मीटर

एक घन सेंटी मीटर का भार = १००० = ११ ग्राम

०२. धर्म के सब प्रकार का स्वीकार करने के बाद भी हमें अपने मन में जो कुछ है उसे प्रकट हो जाना है।

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

१०० रु० १०० रु०

१५५

१ उदाहरण :—११४१८ सेरीमान में से ११४१८ मान बताओ

११४१८ सेरीमान = ११४१८ मान

और ११४१८ मान = ११४१८ मान

इससे से १ मान बता

अभ्यासाय प्रश्न (१५१)

(१) ० विरोधीय के मान बताओ

(२) ४ विरोधीय २ सेरीमान ३ सेरीमान ८ मान ० सेरी-

मान २ सेरीमान और ३ विरोधीय के विरोधीय बताओ ।

(३) ११४१८ विरोधीय का विरोधीय बताओ ।

(४) ११४१८ सेरीमान के सेरीमान बताओ ।

(५) इस के मान में सेरीमान का मान बताओ ।

(६) ८१ ०२ मान का सेरीमान बताओ ।

(७) ११४१८ सेरीमान का मान बताओ ।

(८) ११४१८ सेरीमान का सेरीमान और मान बताओ ।

(९) १ मान २ सेरीमान ३ सेरीमान का मान बताओ

(१०) ११४१८ मान में ११४१८ सेरीमान सेरी ।

(११) ११४१८ सेरीमान में से ११४१८ मान बताओ ।

(१२) २ सेरीमान ३ विरोधीय के सेरीमान के मान बता

(१३) ८१ ०२ मान में सेरीमान के सेरीमान सेरी ।

(१४) १ मान २ सेरीमान ३ सेरीमान का विरोधीय का मान-

२ ०००

(१५) १ सेरीमान २ सेरीमान का मान बताओ

(१६) १ सेरीमान का मान बताओ

(१७) ८१ ०२ मान का मान बताओ, ८१ ०२ मान का मान बताओ

(१८) ८१ ०२ सेरीमान का मान बताओ

(११) अगर १०१ मीटर का दाम १२० ग्रॉक हो तो १ मीटर का दाम बताओ ।

(१०) अगर २७ घादमी ४ दिन में १४'४ स्टैयर जमीन खोद सकते हैं तो बिजने घामा १६ दिन में १२'८ मीटर खग्या १२'२ मीटर खीदी और १'६ मीटर गहरी खाई खोदेंगे ?

(४१) अगर १० घंटा प्रति दिन काम करके २२ दिन में २४ घादमी एव हीवार जो १० मीटर लम्बी, १ मीटर मोटी और १० मीटर ऊँची है बना सकते हैं तो बनाओ २० मीटर लम्बी, १ मीटर और २ हेमीमीटर मोटी तथा ६ मीटर ऊँची हीवार को क घंटा प्रति दिन काम करके २४ दिन में बिजने घादमी बनाएंगे ?

(४२) अगर ४२'०४ मिडिया घाम गेहूँ का दाम २२ ४० ग्रॉक हो तो २८'६ बिछो घाम गेहूँ का दाम क्या होगा ?

(४३) अगर २२'६ मीटर का दाम १४'४ ग्रॉक हो तो १२'६ मीटर के दाम क्या होंगे ?

(४४) २६ बिजोघाम २२ घाम में १६ का भाग हो ।

(४५) २२६ ग्रॉक = दामिन २ से टारन में २ ग्रॉक ० दामिन ४'३ का भाग हो

१. १० '४७० दाम २० दाम २ दामिन ६ से टारन में २२

२. १० '४७० दाम २० दाम

३. २२६ २ २० दाम २ दामिन ६ से टारन में २२

४. २२६ २ २० दाम २ दामिन ६ से टारन में २२

५. २२६

६. २२६ २ २० दाम २ दामिन ६ से टारन में २२

७. २२६ २ २० दाम २ दामिन ६ से टारन में २२

८. २२६ २ २० दाम २ दामिन ६ से टारन में २२

९. २२६

जोर भी प्रवर्धन देना चाहिए। रेतों तथा चरागाहों की धास भी बढ़ती रहती है। यदि मध्यमो क्रियाएँ नोचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेंगी।

१ उदाहरण:—एक अनायास की घाम की हृष्टि मरदा एक सी रहती है। इसमें पहले से भी घाम छाती हुई है। यदि २० फीट उस अनायास की घाम को ४ दिन में और ३५ फीट ६ दिन में खर नखते हों तो बताओ १० दिन में बिना २० फीट पर सखें ?

| | | | |
|-------|---------|-------------|--------------------------------------|
| | समय | दिन की दूरी | पाम को २ दिन में ४० घंटे चर लेते हैं |
| " " | - २ " | " " ३ " | " २०० घंटे " "(१) |
| घोड़ा | " - ६ " | " " ५ " | " ३२ घंटे " " |
| " " | - ८ " | " " ७ " | " २९ घंटे " "(२) |

(४) में में (१) को दलने में

(१—२) दिन की बनी हुई चाम को १ दिन में १० बेंड पर मचाने से इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बेंडों के चाने के बिन्दे पराने चाम पर काफी है ।

... २ दिन की छुट्टी २, १० या २० दिनों के लिए बर्बाद होगी।

(੧) ਤੇ ਮੇਰੇ ਦੁਆਰੇ ਤੇ ਖੜ੍ਹਾ ਹੈ ਕਿ

उदाहरण : मान लें कि $100 - 20$ का 12% है। तो
 माना x है कि $100 - 20$ का $(x\%)$ है तो $\{100 - (20 \times 10)\} = 120$
 है। तो $x = 120$ है।

१. यह भी ध्यान रखें कि १०-१०-६२ को ही
समाप्त है।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

[illegible]

घोर भी अवश्य ध्यान देना चाहिए। खेतों तथा चरागाहों की घास भी बढ़ती रहती है। वृद्धि सम्बन्धी क्रियाएँ नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायँगी।

१ उदाहरण:—एक चरागाह की घास की वृद्धि सदा एक सी रहती है। उसमें पहले से भी घास लगी हुई है। यदि ४० बैल उस चरागाह की घास को २ दिन में और ३२ बैल ६ दिन में चर सकते हों तो यथाश्रो १० दिन में कितने बैल चर सकेंगे ?

घसली घास + २ दिन की बढ़ी हुई घास को २ दिन में ४० बैल चर लेते हैं
 " " + २ " " " " १ " " २०० बैल " "(१)
 और " " + ६ " " " " ६ " " ३२ बैल " "
 " " + ६ " " " " १ " " २१० बैल " "(२)

(२) में से (१) को घटाने से

(६—२) दिन की बढ़ी हुई घास को १ दिन में १० बैल चर सकते हैं इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बैलों के चरने के लिये पर्याप्त घास बढ़ जाती है।

.. २ दिन की घास २×१० या २० बैलों के लिए पर्याप्त होगी

(१) में से इसे घटाने से स्पष्ट है कि

घसली घास के चरने के लिए २००—२० या १८० बैलों की आवश्यकता है यही बात (२) में से $[(२१० - (६ \times १०)) = १५०$ बैल] भी आ सकती है

१० दिन में घसली घास के लिए १२० - १० या ११ बैलों की आवश्यकता है

और बढ़ा हुई घास के लिए प्रति दिन १० बैलों की आवश्यकता है

१० ११ २१ बैल उत्तर

इस प्रकार से हम इस प्रकार से भी कर सकते हैं— एक हीड़ में पहले से ३५ पानी है और सोने से भी लगातार उसमें एकसा पानी आता

८०००

८४०० = एक वर्ष में मूत्रधन

८

४२००० तुमरे वर्ष का व्याज

८४००

८८२० = दो वर्ष में मिश्रधन

८

४४१०० तीसरे वर्ष का व्याज

८८२०

४२९१ तीसरे वर्ष में मिश्रधन

८०००

१२९१ तीसरे वर्ष के समस्त तब का व्याज

वृद्धि सम्बन्धी प्रश्न

(२०१) ऐकिक नियम. माधारण त्रैशिक, समानुपात का है। राशिक आदि में वृद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया। माधारण व्याज में भी वृद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया। परन्तु चक्रवृद्धि व्याज में इसकी ओर ध्यान दिया जाता है। इसी वृद्धि की ओर ध्यान देने से ही इसका नाम चक्रवृद्धि व्याज पड़ गया है। एतत् वृद्धि सम्बन्धी प्रश्नों की मूल बातों का वर्णन यहाँ नहीं हो सकता। मूल का वर्णन चक्रवृद्धि व्याज तथा चक्र राशि व्यवस्था में रहना है। यद्यपि सम्बन्धी मुगम बातों का वर्णन करना यहाँ भी आवश्यक है। वृद्धि के धर्म की धाम की दो गाय २ दिन में बढ़े तो रात है कि इष्टि के धर्म की धाम की १ गाय १० दिन में नहीं बढ़ सकती यदि धाम की वृद्धि का विचार किया जाय। इसी प्रकार कुर्दे में भी वृद्धि मूल धर्मों से बढ़ रहा है। यद्यपि कुर्दे के धर्मों को इष्ट करने में वृद्धि की वृद्धि।

और यह मालूम है कि १० दिन के बड़े पानी का १ दिन में २० मनुष्य गाली पर रखता है ।

∴ दोनों के घटाने से स्पष्ट है कि (६०—२०) मनुष्य ६००० घन फीट पानी गाली पर रखता है

∴ ४० मनुष्य ६००० " "

∴ १ मनुष्य $\frac{6000}{40}$ या १५० घन फीट " "

∴ ०५०० घन फीट पानी गाली करने के लिए $0500 \div 150 = 33$ मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ २ दिन में ३० + २ या ३२ मनुष्यों की आवश्यकता होगी

और बड़े पानी के लिए प्रति दिन दो मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ सब मिला कर $32 + 2$ या ३४ मनुष्यों की आवश्यकता होगी उत्तर ।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१५२)

(१) मान लो कि घास की वृद्धि मनुष्य की सी रहती है और पहले से भी कुछ घास उगी है तो उस क्षेत्र की घास को १० दिन में बिजने देर पर लेने शिमें २ क्षेत्र २० दिन में और २ क्षेत्र १५ दिन में पर लेने हैं ?

(२) यदि बिजने क्षेत्र की पहले से उगी हुई घास तथा इस समय का उगी हुई घास को १५ क्षेत्र १० दिन में और १० क्षेत्र २० दिन में पर लेने हैं तो कितनी उगी क्षेत्र में ३५ दिन तक बिजने देर पर लेंगे ? यदि घास का बढ़ना मनुष्य की सी है ।

३. यदि २ पक्षी की उगी हुई घास इस समय की पहले वाली घास का १० क्षेत्र १ दिन में और १० क्षेत्र १५ दिन में पर लेंगे हैं तो कितनी उगी क्षेत्र में १५ क्षेत्र बिजने देर पर लेंगे ? यदि घास का बढ़ना मनुष्य की सी है ।

१) यदि २ एकड़ जमीन की उम्र हुई तथा इस समय की ली जाती जाय तो ३० गाय ४ दिन में और ४० गाय ८ दिन में खा सकेंगी। तो बनाया जमीन का जमान का ४ दिन में कितनी गायें खा सकेंगी? तो सही का बंद करो सही जमान है।

‘ ५) बाँट १ एकड़ जमीन की जमी हुई तथा एक सप्ताह की
बाँटी घास की १३ लम्ब ४ दिन में खोद कर भैंसे १० दिन में का हँसी
ना बनाया’ इनकी ही जमीन की घास की १ दिन में हिली में
सज्जा’ घास की बदवारी मनु एक सा है ।

१) एक दोन में दूनु वाली धरा है और उसमें एक तीने से बगुन
या पानी आता भी रहता है। दोन को गार्जो कहने से सिध्द उससे तेरी
हम सामान आकार के छेद है। यदि एक छेद एक माप मोल दिव
ना हो ३ मिटर में, और एक छेद एक माप मोल दिवे जहाँ मोल
= मल में आना ही माप ना बनावता ३८ छेद एक माप मोल के
४) ना १८८ कलना दू में गार्जो हो आवेगा ?

१. २६ दूर से कुछ बानी आती है और कुछ सोते में उठता है।
२. ३५ १०० फीट की गहराई के पवित्र घर कुर्सी पर एक (मंत्र) है।
३. ४० १०० फीट की गहराई के पवित्र घर का मकान है जो बाहरी है।
४. ४५ १०० फीट की गहराई के पवित्र घर का मकान है जो बाहरी है।

॥ कृष्ण ! तूने मेरा हाथ क्यों छोड़ा ? ॥

[illegible]

तो हाँज २५ मिनट में भर जाता है। जब घ और स साथ साथ खोले जाते हैं तो वह २० मिनट में भर जाता है और जब तीनों एक साथ खोल दिए जाते हैं तो ३० मिनट में भरता है। यदि व और स नल एक साथ खोल दिए जाएँ और घ बंद रहे तो भरा हाँज कितनी देर में खाली हो जाएगा ?

✓ (७) उन दोनों संख्याओं को बताओ जिनका अन्तर ५ है और दोनों संख्या का तिगुना यही संख्या के दूने से १ अधिक है।

✓ (८) मैं कुछ दूर घोड़े पर प्रति घंटे १२ मील की चाल से गया और ५ मील प्रति घंटे की चाल से पैदल लौट आया। जाने आने में मुझे कुल ५ $\frac{१}{२}$ घंटे लगे तो बताओ मैं कितनी दूर गया था ?

(९) एक फैाज नियमानुसार पंक्तियों में जा रही थी। हर एक पंक्ति में सिराहियों की संख्या कुल पंक्तियों की संख्या से १० कम थी। सामने से शत्रुओं को आते हुए देख कर हर पंक्ति में २० सिराही बढ़ा दिए गए और इस तरह पूरी फौज केवल १० पंक्तियों में बँट गई। बताओ फौज में कुल कितने सिराही थे ?

(१०) एक खाई खोदने में ८० मज़दूरों ने काम करना प्रारम्भ किया। पहले १० दिनों तक सब ने मिल कर काम किया, फिर कुछ मज़दूरों ने काम करना छोड़ दिया। उन सबों की २४ दिन की मज़दूरी पहले की अपेक्षा २७:६४ के अनुपात में कम हो गई तो बताओ पिछले १४ दिनों में कितने मज़दूरों ने काम करना छोड़ दिया ?

(११) एक आदमी अपनी यात्रा का $\frac{१}{३}$ भाग ३ मील प्रति घंटा की चाल से पूरा करता है $\frac{१}{३}$ भाग ४ मील प्रति घंटा से, $\frac{१}{३}$ भाग ५ मील प्रति घंटा से और शेष ६ मील प्रति घंटा से। इस प्रकार सब यात्रा ५ घंटे ४२ मिनट में पूरा कर लेता है। तो बताओ उसे कुल कितनी दूर की यात्रा करनी थी ?

(१२) किसी धन का दो वर्ष का व्याज ७१ पौ० १६ शि० ७ $\frac{१}{२}$ पैसे

(१६) यदि १४०२ में किसी संख्या का भाग देते हैं तो २ शेष बचता है और यदि उसी संख्या से ७८४८ में भाग देते हैं तो ३ शेष बचता है । बताओ वह कौन सी संख्या है ?

(२०) वह घड़ी से घड़ी कौन सी संख्या है जिस से अगर ११२० को गुणा करें तो गुणनफल पूर्ण वर्ग हो ?

(२१) किसी लड़ाई में एक फौज ने शिकस्त खाई । इस में $\frac{1}{2}$ आदमी हथियार लिए हुए भागे । जितने बाकी बचे, उन में से $\frac{1}{3}$ ने अपना हथियार रख दिया । अब बाकी में से $\frac{1}{4}$ का पता न लगा कि क्या हुए और इतने पर बाकी १०० सिपाही घायल हुए और नारे गये तो बताओ फौज में कितने सिपाही थे ?

(२२) दो रेखगाड़ी एक ही समय—एक क स्थान से ख स्थान के लिए और दूसरी ख स्थान से क स्थान के लिए—घुट्ठी हैं ; पहली प्रति घंटे १० मील और दूसरी प्रति घंटे १० मील चलती है । जब दोनों गाड़ी आरम्भ में मिलती हैं तो यह ज्ञात होता है कि एक दूसरी से १०० मील अधिक चल चुकी, तो क मे ख तक की दूरी बताओ ।

(२३) एक आपनाकर खेत का क्षेत्रफल १ एकर ११० व० गज है और इस की लम्बाई चौड़ाई की तिगुनी है । तो एक कोर से ममाने तक के कोर तक की दूरी बताओ ।

(२४) राम और रघुन मिल कर एक दीवार को १० $\frac{1}{2}$ दिन में तैयार करते हैं । राम ७ दिन में जितना काम करता है, रघुन उसने को १० दिन में पूरा करता है तो बताओ दोनों अलग अलग कितने समय में करेंगे ?

(२५) एक मनुष्य पटना से राम नगर ३ मील प्रति घंटे की चाल से गया और ४ मील प्रति घंटे की चाल से लौट आया । यदि वह ४ मील प्रति घंटे की चाल से जाता और २ मील प्रति घंटे की चाल से लौटता तो उसे पहले की अपेक्षा $\frac{1}{2}$ घंटे कम लगते, तो पटना से राम नगर की दूरी बताओ ।

११ प्रति सैकड़े का लाभ हुआ, तो बताओ, उसने घोड़ा बिलने रुपये में माल लिया था ?

(१४) एक नाविक बहाव के साथ तीन मील उतनी ही दर में खेता है जितनी दर में २ मील बहाव के प्रतिफल । यदि नाव की चाल प्रति घंटा ११ मील होनी तो वह बहाव के साथ बहाव के प्रतिफल दिना से कौन चाल से खेता : तो स्थिर पानी में उस के खेने की ताकत और नदी का बहाव बताओ ।

(१५) एक आदमी पहारी के ऊपर २ मील प्रति घंटे की चाल से चढ़ता है और ३ मील प्रति घंटे की चाल से उतरता है । वह २ घंटे में ऊपर जा कर लौट आया, तो बताओ उसे कुल बिलनी दूर चलना पड़ा ?

(१६) मुझे कुछ रुपये कुछ लड़कों में बाँटना हैं । यदि मैं प्रत्येक लड़के को १ रु० देता हूँ तो ३ रु० बच जाते हैं और यदि प्रत्येक को ० रुपये देता हूँ तो ३ रु० बच हो जाते हैं, तो बताओ मुझे बिलने रुपये बाँटने हैं ?

(१७) मुझे एक निम्न स्थान पर एक निम्न समद पर पहुँचना है । यदि मैं ३ मील प्रति घंटे की चाल से चलता हूँ तो १५ निम्न समद में पहुँचना है और यदि १ मील प्रति घंटे की चाल से चलता हूँ तो समद से १० निम्न दूरी, पहुँचना है । तो मुझे बिलनी दूर जाना है ?

(१८) दो मजदूरों का मजदूरी मालवर्ग ३११ और एकल लघु-मज मालवर्ग १८०४४ है । यदि दोनों मजदूर १८०४४ है तो कौन मजदूर काम है ?

(१९) एक दान में चारों की बाँट मिलकर ४० है । जिनको में मिल कर प्रत्येक की बाँट को ४ दान ३ पहुँचिए । उन्को प्रत्येक दान को १ दान ३ पहुँचें तो को दानों की संख्या बताओ ।

(२०) कुछ रुपये ४ व ५ की बाँट में हम सबको दाने दाने वि ब ४ व ५ की बाँट : और १ दान ४ व ५ की बाँट : और ३ दान ४ व ५ की बाँट

यदि तुम मुझे १० घान दे दो तो मेरे पास तुम से दूने घान हो जाय । तो ब्रह्माभी प्रत्येक के पास कितने घान थे ?

(१७७) किन्तो निम्न के घान में ० जोड़ देने में बड़ २ हो जाती है और यदि उन के हर में से दो घटा दें तो बड़ १ हो जाती है । तो ब्रह्माभी, वह कौन सी निम्न है ?

(१७८) एक घोड़ी और दूनों बड़ी दो संख्याएं हैं । यदि घोड़ी संख्या में ० जोड़ दें तो योगफल बड़ी का दूना हो जाता है और यदि बड़ी संख्या में १ जोड़ दें तो योगफल घोड़ी संख्या का तिगुना हो जाता है । तो उन दोनों संख्याओं को ब्रह्माभी ।

(१७९) एक परीक्षा में १२ प्रति सैकड़ा परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए । यदि १० परीक्षार्थी और रहते और उनमें में १२ फीट हो जाते तो उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या १४८ प्रति सैकड़ा होती तो ब्रह्माभी कुछ कितने परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे थे ?

(१८०) एक सौदगर ने दो वस्तुओंको ४१ रु० में बेचा । उसे पहली पर १० प्रति सैकड़ा और दूसरी पर २० प्रति सैकड़ा लान हुआ । यदि प्रत्येक वस्तु पर वह १२ प्रति सैकड़ा लान उठाना, तो भी उठाना ही लाभ होगा तो ब्रह्माभी उतने कितने में प्रत्येक वस्तु को बेचा ।

(१८१) ८०४ को देने दो हिसाबों में बांटे कि पहले भाग का १० प्रति सैकड़ा दूसरे भाग के ४० प्रति सैकड़े में १० कम हो ।

(१८२) दो लड़के एक ही समय पढ़ना से इन्द्रपुर के चिर, जो पढ़ना से ११ मील की दूरी पर है, चले । पहला कितने समय में १२ मील चलता है, दूसरा उधने ही समय में ११ मील चलता है । यदि पहला लड़का इन्द्रपुर दूसरे लड़के से १ घंटा पहले पहुँच गया तो दोनों की चाल प्रति घंटा क्या है ?

(१८३) अन्ध और सुन्ध ने एक ही समय घन में पढ़ना से गया और गन में पढ़ना के लिए प्रस्थान किया । यदि वे परस्पर के निम्न के

(२०४) एक नाव १० घंटा में ३० मील धारा की धोर और ४४ मील धारा के विरुद्ध जाती है। वही नाव १३ घंटे में ४० मील धारा की धोर २२ मील धारा के विरुद्ध जाती है तो नाव तथा धारा की चाल बताओ।

(२०५) दो रेलगादियाँ जिनकी लम्बाई क्रम से ६० गज और ७२ गज है समानान्तर पटरियों पर एक ही धोर जा रही हैं। पहली (६० गज) गाड़ी दूसरे को १२ सेकंड में पार कर जाती है। यदि धीना चाल से चलने वाली गाड़ी की चाल दोगुनी होती तो यह उसे २४ सेकंड में पार कर जाती। तो दोनों गाड़ियों की चाल बताओ।

(२०६) एक शराब के दूकानदार के पास दो तरह की शराब है एक २ शि० प्रति बोतल की और दूसरी ३ शि० ४ पेंस प्रति बोतल की। तो बताओ हरेक तरह की शराब की कितनी कितनी बोतलें लेकर निजावे कि १०० बोतल मिली हुई शराब २ शि० ४ पेंस प्रति बोतल के हिसाब से बिक सके।

(२०७) एक मील की दौड़ में अ, ब को ४४ गज देठा है और तब भी उससे २१ सेकंड पहले ही निरत स्थान पर पहुँच जाता है। दूसरी बार फिर ये दौड़ते हैं। इस में अ, ब को १ निरत १२ सेकंड देता है, तो भी ब को ८८ गज हरा देता है। तो बताओ वे दोनों १ मील कितनी देर में दौड़ सकते हैं ?

(२०८) दो आदमी एक ही समय एक क स्थान से ख स्थान के लिए और दूसरा ख स्थान से क स्थान के लिए रवाना हुए। १४ दिन चलने के बाद दोनों एक दूसरे को मिले। मिलने की जगह से अपनी अपनी यात्रा पूरी करने में एक से दूसरे को ३½ दिन अधिक लगता है। यदि क स्थान से ख स्थान की दूरी ४६० मील है तो प्रत्येक की चाल अलग अलग बताओ।

$$\begin{aligned} & (\text{छोटी संख्या} - ६) : ६ :: ६ : (\text{बड़ी संख्या} - ६) \\ \therefore (\text{छोटी संख्या} - ६) (\text{बड़ी संख्या} - ६) &= ६ \times ६ \\ &= ३६ \end{aligned}$$

इन्हीं दोनों संख्याओं { (छोटी संख्या - ६) और (बड़ी संख्या ६) } का अन्तर भी १६ है

\therefore ये दोनों निकाली जा सकती हैं क्योंकि यह नियम है कि गुणनफल के चौरागने में अन्तर के वर्ग को जोड़ कर मूल लेने से योगफल आता है

$$\begin{aligned} \therefore \text{इनका योग} &= \sqrt{३६ \times ४ + (१६)^2} \\ &= \sqrt{१४४ + २५६} \\ &= \sqrt{४००} \\ &= २० \end{aligned}$$

अब संक्रमण की सहायता से दोनों संख्याएँ निकाल सकती हैं

$$\therefore \text{बड़ी संख्या} - ६ = \frac{२० + १६}{२}$$

$$= १८$$

दोनों और ६ जोड़ने से

$$\text{बड़ी संख्या} = १८ + ६$$

$$= २४$$

$$\text{छोटी संख्या} - ६ = \frac{२० - १६}{२}$$

$$= २$$

$$\text{छोटी संख्या} = २ + ६$$

$$= ८$$

एसे प्रश्नों के लिए निम्न निर्दिष्ट नियम निकालता है : - जिनने ज्ञान में दोनों निकाह काय करने हो उसके वर्ग के चौरागने में अन्तर का वर्ग जोड़ कर वर्गमूल लेो और नव हम वर्गमूल

हिए । य स = १०० के बराबरी और य स को २ बिन्दु पर दो तुल्य भागों विभाजित करो

$$\therefore \text{अ य}^2 \div 2 \times 20 \times \text{अ य} \div \text{य द}^2 = 14400 \div 20^2$$

$$\text{या अ य}^2 \div 2 \times \text{य द} \backslash \text{अ य} \div \text{य द}^2 = 14400$$

$$\therefore (\text{अ य} \div \text{य द})^2 = (120)^2$$

$$\text{या अ य} \div \text{य द} = 120$$

$$\text{या अ य} \div 20 = 120$$

२० दोनों ओर घटाने से

$$\text{अ य} = 20$$

$$\therefore \text{अ य मूल्य} = 20$$

इस क्रिया से निम्न लिखित नियम निरव्यता है —

बैची को सौगुन करदु, वगै पचाम मिलाय ।

वर्गमूल को ताहि कर, देहु पचाम घटाय ॥

इन क्रियाओं से यह नही समझना चाहिए कि ऐसे प्रश्नों का केवल यह एक नियम निरव्यता है वास्तव में ये नियम रखा के बराबरी पर निर्भर है रखा 'भक्त भिष्ट लम्बाई तक बराबर आ सकता है और उसी के अनुसार भिष्ट 'भिष्ट नियम' भी निकाल सकते हैं वास्तव में ऐसे प्रश्नों के अनन्त नियम 'नकाशे' आ सकते हैं उदाहरण के लिए इसी प्रश्न के कुछ और नियम यही दिए जाते हैं :—

दुसरा नियम

अधिन पर छोड़ा देखा आय उसमे २ का वर्ग जोड़े, योगफल का वर्ग-मूल लो वर्गमूल में से २ घटाओ और तब शेषफल को १० से गुणा कर दो ।

नवा नियम

विशेष मूल्य को १०००० से गुणा करो, गुणनफल में १०० का वर्ग जोड़ो, योगफल के वर्गमूल में से १०० घटाओ, और तब १० का भाग दो।

दशवा नियम

विशेष मूल्य को १ से गुणा करो, गुणनफल में ११ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो, वर्गमूल में से ११ घटाओ और तब $\frac{1}{10}$ से गुणा करो।

११ उदाहरण:—एक आदमी ने करने कहल के उसने दूने सैकड़े लाभ लेकर $12\frac{1}{2}$ रु० को बेच दिया, जितने पर उसने खरीदा था। वो कहल का दाम बताओ।

यह प्रश्न भी उक्त प्रश्न की तरह ही लग सकता है। उसी प्रकार से इस सवाल का एक यह नियम निकल सकता है:—जितने पर बेचा जाए उसमें १० से गुणा करो, गुणनफल में २१ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो और वर्गमूल में २१ घटा दो।

$$\begin{aligned}\text{इस नियम के अनुसार फल का दाम} &= \sqrt{12\frac{1}{2} \times 10 + 21} - 21 \\ &= 9\frac{1}{2} - 21 \\ &= 9\frac{1}{2} = 12\frac{1}{2}\end{aligned}$$

इसी प्रकार ऐसे सब प्रश्नों के निम्न निम्न नियम निकल सकते हैं।

नव न नियम

१० उदाहरण :—

$$\begin{array}{r} 1 \\ \hline 1 \\ \hline 1 \\ \hline 1 \\ \hline 11 - 1 \end{array}$$

नवा नियम

विशेष मूल्य को १०००० से गुणा करो, गुणनफल में २०० का वर्ग जोड़ो, योगफल के वर्गमूल में से २०० घटाओ, और तब १० का भाग दो ।

दशवा नियम

विशेष मूल्य को १ से गुणा करो, गुणनफल में १२ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो, वर्गमूल में से १२ घटाओ और तब $\frac{1}{4}$ से गुणा करो ।

११ उदाहरण: — एक आदमी ने अपने कमल को उससे दूने सँकड़े लाभ लेकर $१२\frac{1}{2}$ रु० को बेच दिया, जितने पर उसने खरीदा था । तो कमल का दाम बताओ ।

यह प्रश्न भी उक्त प्रश्न की तरह ही लग सकता है । उसी प्रकार से इस सवाल का एक यह नियम निरूपित सकता है:—जितने पर बेचा जाय उसमें २० से गुणा करो, गुणनफल में २२ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो और वर्गमूल में २२ घटा दो ।

$$\begin{aligned}\text{इस नियम के अनुसार कमल का दाम} &= \sqrt{१२\frac{1}{2} \times २० + २२^2} - २२ \\ &= २१ - २२ \\ &= २१ = १२\frac{1}{2}\end{aligned}$$

इसी प्रकार ऐसे सब प्रश्नों के निम्न निम्न नियम निरूपित करने हैं ।

संक्षेप नियम

१२ उदाहरण :—

$$\begin{array}{r} \frac{1}{1} \\ \frac{1}{1} \\ \frac{1}{1} \\ \frac{1}{1} \\ \frac{1}{1} \\ \hline 11 \frac{1}{2} \end{array}$$

में भी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ तथा सप्तम परिधिष्व ना
मान से

१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९ और १० हैं। संलग्न निम्न का मान
११११११ है। इस उदाहरण से भी दिखाया जा सकता है कि संलग्ननिम्न का
मान पहले, तीसरे और पाँचवें परिधिष्व के मान से कम और दूसरे, चौथे,
छठे परिधिष्व के मान से अधिक है।

इन उदाहरणों में यह भी स्पष्ट ही है कि ज्यों ज्यों इन परिधिष्वों की
संख्या बढ़ती जाती है त्यों त्यों, प्रत्येक परिधिष्व का मान, संलग्न निम्न के
मान के अधिक पास पहुँचता जाता है।

कल्याणित संख्याओं से संलग्न निम्न बनाने की रीति निम्न
लिखित क्रिया से स्पष्ट होगी:—

१४ उदाहरण:—मान को $\sqrt{14}$ को संलग्न निम्न के रूप में माना है

$$\sqrt{14} = 4 - (\sqrt{14} - 4) = 4 - \frac{1}{(\sqrt{14} + 4)}$$

$$\frac{\sqrt{14} + 4}{1} = 2 + \frac{\sqrt{14} - 2}{1} = 2 + \frac{1}{\sqrt{14} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{14} - 2}{2} = 1 + \frac{1}{\sqrt{14} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} - 2}{2} = 1 - \frac{\sqrt{14} - 4}{2} = 1 - \frac{1}{\sqrt{14} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} - 4}{2} = 1 - \frac{\sqrt{14} - 6}{2} = 1 - \frac{1}{\sqrt{14} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{14} - 6}{2} = 1 - \frac{\sqrt{14} - 8}{2} = 1 - \frac{1}{\sqrt{14} + 2}$$

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

इति महाभारतस्य पञ्चमोऽध्यायः ॥

कार्योन्मत्त लक्ष्मणों से मिलकर निम्न कानून का रचित करने
विशेष शक्ति से लक्ष्मणों—

१३ अङ्कुरः—मूलं को. २३ को. मङ्कुरः मित्रं को. मङ्कुरः मित्रं को. मङ्कुरः मित्रं को.

$$\bullet \quad z_2 = z - (\frac{z_1 - z}{\|z_1 - z\|^2})^2$$

$$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$$

[illegible]

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

$$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$$

मान लो और तब सुगमता से उनका मान निकाल लो । इन सब बातों का विस्तृतपर्यन्त हमारे भाग में किया जायगा ।

संख्याओं के निम्न निम्न आधार

१२ उदाहरण:-अङ्कगणित में प्रायः चिन्हों का प्रयोग होता है वे सब—
 के—मर भी इकाई के अंक और एक शून्य में प्रयोजित किए जाते हैं परन्तु ऐसा
 करना बेवजह सुगम मात्र ही है, आवश्यक नहीं । यदि हम लोग चाहें तो २,
 ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११ अथवा बारह या और अधिक अंक को भी
 इकाई मान सकते हैं और उनमें भी मर वर्णित कर सकते हैं । यदि कोई
 चाहती हो तब को ही इकाई माने लो उसे इस बात को बर्नी नहीं मूखता
 चाहिए कि उस दरा में कोई भी अंक हो से अधिक नहीं हो सकता । उस
 दरा में मात्र दराई होना और उसे २४२३ को लिखना पड़ेगा :—

$$२ \times १० + ४ \times १० - २ \times १० - ३$$

यदि कोई मनुष्य मात्र तब के चिन्हों को इकाई माने और ३ को दराई
 माने तो वह २३० २२२ में से ३०३२३२ को बखशूना :—

$$२३०२२२$$

$$३०३२३२$$

$$१३६४०३$$

इस दरा में १३६४०३ और २० का गुना को किया जायगा :—

$$१३६४०३$$

$$२०$$

$$१००३०३२$$

$$००२३६६$$

$$४२००३३२$$

यदि कोई चाहती बेवजह १ तब इकाई माने लो इन दोनों का परिणाम
 २२३३ उसको गुणक में ०३३२२ का रूप धारण करने और निम्न निम्न के
 उदाहरण में रखे हैं :—

७ ४२१३

७ ७४४ २

७ १०५ २

७ १२ १

२ १

$$२-१३ = २ \times ७ - १ \times ७ = १ \times ७ + २ \times ७ + २$$

२११२५

अकर्मणि का यह अक्षर बहुत ही सुन्दर तथा मनोरञ्जक है। विद्वान् इसमें बहुत भाग लीया जायगा। हम लोगों के गणित का यही प्रयोग हम लोग के नक़्क़ हराई मानने हैं और एका की परमा लिख लिख आयागा का आश्वास मान कर भी सब दिवारी सफलता के लिये कि अगर के उदाहरण से स्पष्ट है।

मन्त्रमातृ

१. मन्त्रमातृ का अक्षर करने सब भिन्न भिन्न स्तंभों के लिये मन्त्रमातृ के अक्षरों का प्रयोग है।

$$१ \times २ = २$$

$$१ \times ३ = ३$$

२

$$२ \times ३ = ६$$

$$२ \times ४ = ८ \text{ और } १२ \text{ है}$$

$$३ \times ३ = ९$$

२. १२ है जिसमें का बहुत ही सुन्दर है।

३. १२ है मन्त्रमातृ का अक्षर है यही

४. १२ है इसका अक्षर यही

फर्माट

न

१० उदाहरण :— $2^n + 1$ को फर्माट कहते हैं। फर्मा पाश्चात्य देश का एक बहुत ही अधिक प्रतिद्वन्द्व गणितज्ञ हो गया है। न को भिन्न भिन्न संख्या मानने से

न

$2^n + 1$ के अनन्त मान हो सकते हैं।

जैसे मानलो कि $n=1$

$$\begin{aligned} \text{तब } 2^n + 1 &= 2^1 + 1 \\ &= 2^1 + 1 \\ &= 2 + 1 \\ &= 3 \end{aligned}$$

इसे F_1 से प्रकटित करने की बात है $\therefore F_1 = 3$

न

इसी प्रकार $F_2 = 2^2 + 1$

$$\begin{aligned} &= 2^2 + 1 \\ &= 4 + 1 \\ &= 5 \\ &= 5 \end{aligned}$$

$\therefore F_2 = 5$

न

इसी प्रकार $F_3 = 2^3 + 1$

$$\begin{aligned} &= 2^3 + 1 \\ &= 8 + 1 \\ &= 9 \end{aligned}$$

परन्तु यदि चक्रवर्द्धि व्याज हो और दर १० प्रति सैकड़ा हो तो एक वर्ष में १०० का व्याज १० होगा यह व्याज साल के अन्त में अथवा दूसरे वर्ष के प्रारंभ में मूलधन में जोड़ दिया जायगा और दूसरे वर्ष के प्रारंभ में मूलधन ११० हो जायगा । ११० का सालाना दर ११ पौ व्याज होगा और तीसरे साल के प्रारंभ में उसका मूलधन १२१ हो जायगा । १२१ पौंड का १ वर्ष में १२ पौंड २ शि० व्याज होगा । इसी प्रकार यदि इस प्ररन को लगाया जाय तो पता चलेगा कि दसवें वर्ष के अन्त में उसका मूलधन २५६ पौंड ० शि० ६ पैसे हो जायगा । वास्तव में यह प्ररन दोनों भी लग सकता है :—

$$\frac{1}{10} \times \frac{1}{8} \times \frac{1}{6} \times \frac{1}{5} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{960}$$

$100 = (\frac{1}{10})^5 \times 100 = 256$ पाँ० शि० ६ पैस। परन्तु चक्रवृद्धि व्याज के लगाने का यह नियम ठीक नहीं जंचता क्योंकि इसमें तो यह बात मान ली गई है कि मूलधन सालभर तक कुछ नहीं बढ़ता और साल के अन्त में एक दिन बढ़ जाता है। यदि यह मानले कि छठे महीने मूल धन बढ़ जाता है तो इससे अधिक टोक होगा क्योंकि वास्तव में तो मूलधन साल के भीतर भी बढ़ता ही रहता है।

६ नहींने का व्यास = ५ फीट \therefore १ फीट का निरुधन = $(1 \div \frac{5}{2}) = \frac{2}{5}$

६. नहींने का एक चक्र है

∴ १० वर्षों में कुल २० पत्रक होंगे

$$\therefore 100 \text{ पैसे का निग्रहण} = \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \dots 20 \text{ बार यही} \times 100$$

$$= \left(\frac{1}{2}\right)^{20} \times 100$$

$$= 262 \text{ पैसे} = \text{रि०}$$

परन्तु वास्तव में यह नियम भी वलित नहीं है क्योंकि । नहीने हे
अन्त में भी कुछ-न-कुछ स्त्राव अवश्य हो हो जायगा । मान लिया कि वरं
में १० बार स्त्राव मूलधन में जोड़ा जाता है वरं में शब्द १०० द्रव्य होगे

गया । अब १० गैलन मिश्रित वस्तु निकाल कर उस में फिर १० गैलन पानी डाल दिया गया । यही क्रिया कई करोड़ बार की गई तथापि उस पीपे में कुछ—न—कुछ शराब का हिस्सा रह ही गया तो बताओ उस पीपे से शराब को मिल्कुल निकाल देने के लिए यह क्रिया कितनी बार और करनी पड़ेगी ? क्या इस क्रिया की सहायता से उस पीपे में कभी भी केवल पानी—ही—पानी रह आयागा ?

(३०) एक मनुष्य ५ और ६ बजे के बीच में अपने घर से बाहर गया और ६ तथा ७ बजे के बीच में लौटा । लौट कर उसने देखा कि घड़ी की सुइयों ने अपने स्थानों को परिवर्तन कर लिया है । तो बताओ वह कै बजे अपने घर से बाहर गया था ?

(३१) मैं चार और पाँच बजे के बीच में अपने घर से बाहर टहलने गया था और ५ तथा ६ बजे के बीच में लौटा । मैंने आकर देखा कि चलते समय जहाँ पर घंटे वाली सुई थी वहाँ पर अब निनट वाली सुई आ गई थी और निनट वाली सुई के स्थान पर घंटे वाली सुई आ गई थी तो बताओ मैं कै बजे अपने घर से बाहर टहलने के लिए गया था ?

(३२) एक जहाज़ १५ मील प्रति घंटा के हिसाब से पूर्व की ओर जा रहा है । यह एक विशेष स्थान पर बारह बजे पहुँचना है । एक दूसरा जहाज़ उत्तर की ओर से चला जा रहा है और यह जहाज़ उस विशेष स्थान पर दस बजे पहुँचता है तो बताओ कि वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे ? और तब उनके बीच की दूरी क्या होगी ?

(३३) एक जहाज़ १२ मील प्रति घण्टे के हिमाय से उत्तर की ओर जा रहा है । इस जहाज़ ने अपने से १० मील की दूरी पर अपने ठीक पूर्व की ओर एक दूसरे जहाज़ को जो १६ मील प्रति घंटे के हिमाय से ठीक पश्चिम की ओर जा रहा था देखा । तो बताओ कि इन दोनों जहाज़ों के पाँच का मय से कब दूरी क्या होगी ? वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे ?

(४८) प्रथममूल्य के तिगुने प्रति सैबड़े लाभ से एक मनुष्य ने अपने दैल को ३२ रु० में बेच दिया तो दैल का प्रथममूल्य क्या है ?

(४९) प्रथममूल्य के चौगुने प्रति सैबड़े लाभ से एक मनुष्य ने अपने दैल को ३६ रु० पर बेच दिया तो दैल का प्रथममूल्य क्या था ?

(५०) एक मनुष्य ने अपनी गाय को उमने ही सैबड़ा हानि उठाकर ३६ रु० पर बेच दिया जिने पर उमने खरीदा था तो गाय का दाम क्या था ? यदि उसे ३४ रु० पर बेचा होता तो गाय का दाम क्या होता ?

(५१) एक मनुष्य ने प्रथममूल्य के आधे प्रति सैबड़ा हानि उठा कर अपने माल को ३८ रु० में बेच दिया, जितने पर उमने खरीदा था । तो माल का प्रथममूल्य क्या था ?

(५२) एक संतदा के बाँसुल का दस गुना, उसी संतदा का आठवाँ भाग और ६ मित्रवर उस संतदा के समान हो जाने हैं तो उस संतदा को क्या था ?

(५३) किसी संतदा के दस का २ गुना और ३ मित्र वर उस संतदा के १३ गुने के समान हैं । तो वह संतदा की संतदा है ?

(५४) दस चौक को एक ऐसी संतदा बनाना जो जितने बनें, दसों, तथा सन्तुर्प दस बारि सन्तों में दस के दस चौक के ही हों तो उस संतदा में हो जितना बनें, वह यदि क्या था ?

(५५) क्या दस २४ को सन्त और भी बड़े चौक हो सकता है ? यदि हो सकता हो तो उन्हें क्या था ?

(५६) सन्त चौक को ऐसी संतदा को बनाओ जितने बनें दसों के दस के सन्त चौक भी दसों हो तो उस संतदा में हो जितना दसों दिया था ?

(५७) दो चौक को दस सन्त की संतदा है जितने सन्त दसों में एक एक सन्त दसों में भी दस सन्त—सन्त हो सन्त था ?



अनन्त मयः

(८१) (अ) ४३०२१ को २ के आधार पर प्रकटित करो ।

(व) ४३०२१ को १२ के आधार पर प्रकट करो ।

(८२) (अ) २५ के आधार पर १३२०२११ जिया है तो इसे २ के आधार पर जियो ।

(व) २ के आधार पर २४२ जिया है तो इसे १० के आधार पर जियो ।

(८३) ६ को आधार मान कर १००१२१२६ में ४६८२ को भाग

८४) ६ को आधार मानकर १३२२४ को वर्ग मूल निकालो ।

(८५) ६ को आधार मानकर १४१६ १४ को वर्ग मूल निकालो तथा १४ को ६ के आधार पर जियो ।

(८६) १०६ को आधार को २००४, २०१०४ में प्रकटित किया तो २००४ को २००४ को आधार मान लो ।

(८७) १०६ को आधार मान कि १३३१ को १००० को भाग दो ।

(८८) ६ को आधार मान कि ४६८२ को १००० को भाग दो ।

(८९) ६ को आधार मान कि १३३१ को १००० को भाग दो ।



अष्टम दिन

- (८१) (८२) ११०४१ को ६ के बायाँ पर प्रत्यक्ष करो ।
 (८३) ११०४१ को १२ के बायाँ पर प्रत्यक्ष करो ।
 (८४) (८५) दस के बायाँ पर ११२०४११ लिखा है तो इसे २ बायाँ पर लिखो ।
 (८६) ६ के बायाँ पर २४४ लिखा है तो इसे १० के बायाँ पर लिखो ।
 (८७) ६ के बायाँ पर १००१२१०६ में ४६०६ का भाग दो
 (८८) ६ के बायाँ पर ११२२४ का वर्ग मूल निकालो ।
 (८९) ६ के बायाँ पर १४१२ ४४ का वर्ग मूल निकालो
 (९०) ६ के बायाँ पर लिखो ।
 (९१) ६ के बायाँ पर १००४ १००४ में प्रत्यक्ष लिख दो
 (९२) ६ के बायाँ पर लिख दो ।
 (९३) ६ के बायाँ पर ११११ का १००० में
 (९४) ६ के बायाँ पर लिखो ।

(९५) ६ के बायाँ पर लिख दो । (९६) ६ के बायाँ पर लिख दो । (९७) ६ के बायाँ पर लिख दो । (९८) ६ के बायाँ पर लिख दो । (९९) ६ के बायाँ पर लिख दो ।

(नाभ , परिदृश्यों का मान, संक्षिप्त चित्रों के मान से कम होता है
 की मित्र कहा कि यहाँ यहाँ परिदृश्यों की समझ बढ़नी चाहती है। तो
 के मान संक्षिप्त चित्र के मान के समान होना पड़ता जाता है ।

(८३) १०० गीट का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(८४) २ प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(८५) १००० गीट का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(८६) १० प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(८७) मित्र कहा कि २ प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(८८) ६ प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(८९) २ गीट प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(९०) २ प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(९१) २ गीट प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(९२) २ गीट प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(९३) २ गीट प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

(९४) २ गीट प्रति मीटर का मिश्रण २० वर्ग में २ गीट प्रति मीटर का
 मात्र के दिग्गम से मिलना हो जाएगा ?

निल गये । तो बताओ कि उस पत्थर की प्रारंभिक गति क्या थी जो नीचे से ऊपर की ओर फेंका गया था । जब यह पत्थर ऊपर से आने वाले पत्थर से मिला था, तब इस की गति क्या थी ?

(१९) एक संख्या में ११ का भाग देने से १, बारह का भाग देने से ४ और १३ का भाग देने से १ बाकी बचता है तो उस छोटी-से-छोटी संख्या को बताओ ।

(१००) वह छोटो से छोटी कौन सी संख्या है जिसमें ५ का भाग देने से एक, ६ का भाग देने से ३ और ११ का भाग देने से ७ बाकी बचता है ।

(१०१) एक कुएँ में एक पत्थर गिरा दिया गया और संघर्ष (पानी तथा पत्थर के संयोग) का शब्द $0.1\frac{1}{2}$ सेकंड के बाद सुनाई पड़ा । यदि शब्द की गति ११२० फीट प्रति सेकंड हो, तो कुएँ की गहराई बताओ ।

(१०२) एक कुएँ में एक पत्थर गिरा दिया गया । जब इस पत्थर ने कुएँ के जल की सतह छिपा, तब उसकी गति १६ फीट प्रति सेकंड थी । जल तथा पत्थर के संघर्ष का शब्द पत्थर फेंकने के $1\frac{1}{2}$ सेकंड पीछे सुनाई पड़ता है तो शब्द की गति बताओ ।

(१०३) एक गुब्बारा ३२ फीट प्रति सेकंड की गति से ऊपर चढ़ रहा था । उससे एक पत्थर गिरा दिया गया जो १० सेकंड में पृथ्वी पर पहुँच गया तो बताओ जब गुब्बारे से पत्थर गिराया गया तब वह पृथ्वी से कितनी ऊँचाई पर था ?

मिडिल वर्गस्कूलर की परीक्षा के प्रश्न

सन् १९२० ई०

(१) १००२४ को २०३१२५ में भाग दो और नजनकत का शेष तक वर्गमूल दिखाओ ।

(२) मनुष्यों की एक पंक्ति को जिसकी लम्बाई ११०० फीट है, गली से निकलने में जो एक मील २० फीट लम्बी है कितनी देर लगेगी जब कि वह एक मिनट में २८ पद प्रत्येक २१ फीट का रखते हैं !

(३) एक काम को ११ आदमी ४० दिन में करते हैं। यदि ११ दसवें दिन ॥ आदमी कम होते जायें तो बताओ काम कितने दिन में समाप्त हो आवेगा ?

(४) एक मनुष्य ने कुछ नारङ्गियाँ ३ घाने की १ के भाव से बेच लीं और उतनी ही ३ घाने की २ के भाव से मोस लीं, सब नारङ्गियाँ अपने दो घाने की २ के भाव से बेच डालीं; तो बताओ उसको प्रति सैकड़ा का लाभ या हानि हुई ?

(५) अ और ब की अवस्थाओं का जोड़ इस समय ७० वर्ष है। ११ वर्ष बाद उनकी अवस्थाओं में ७ व २ की निरवत (अनुपात) रहे, तो बताओ अब उनकी अवस्थाएँ क्या हैं ?

(६) एक नगर की मनुष्य संख्या इस समय २००० है और १० वर्षों सेकड़ा प्रत्येक वर्ष बढ़ती जाती है; तो बताओ १ वर्ष उपरान्त उसकी मनुष्य संख्या क्या होगी ?

(७) अ, ब, स, एक खेल के चारों ओर ८, १० और १२ दिनों में पूरा सकते हैं; तो बताओ प्रथम बारम्भ करने के कितनी देर बाद फिर मिलेंगे ?

(८) १० व २० अ, ब और स में इस प्रीति बाँधो कि अ को ब से त्रिगुण मिले और स को ब से १० व २० कम मिलें ।

१६२१

अष्टागणित

समय—३ घण्टे

[प्रत्येक प्रश्न के नम्बर बितारे पर दिये हुये हैं । प्रत्येक प्रश्न की क्रिया स्पष्ट और विधि—सहित होनी चाहिये ।]

१—'०४२१ और '००२६ के योगफल और अन्तर का गुणा करो और उसके पगमूल के दसवें भाग का '०२, '०३, व '०४ के गुणनफल के दसगुने से भाग दो । ... ६

२—तीन मनुष्य जिन के ढगों की लम्बाई २३ फीट, २३ फीट और १ फीट है एक मील दहले तो बताओ कि उनके ढग (ढग) कितनी बार एक साथ पड़े ? ... ६

३—म्यग्दार गणित द्वारा २३ की ४१ गटरो का मील १४ २० १२ घा० ८ पा० प्रति मन की दर से निवालो जब कि एक गटरो ४ मन ३ सेर ८ द्रुमक की है । ... ०

४—दो मी. मिट्टी के एक ढेर में रखे, चटखी, व पाँचदियाँ मिली हुई हैं । और उनके मील में अनुगत २०, १२ और १ का है तो पाँचदियों की संख्या बताओ । ... ६

५—एक बमरे की लम्बाई पाँदाई से दूनी है और उसकी चटाई का लरुं ६ तिलिंग प्रति गज की दर से ४४ पाँ० २ सि० है और दीवारों की पुगाई का लरुं १ सि० ६ पै० प्रति वर्ग गज की दर से ८ पाँ० ८ सि० है तो बमरे की लम्बाई, पाँदाई व ऊँचाई निवालो । ०

६—६४ दीवारों में ८ पाँदे मी. मी. रखे की दोषे जिस में ०६ पा २० १ सि ४४ लाज और दूसरे पा २० प्रति मीटर दानि हुई तो बताओ कि इसका लाग हुआ का दानि और कितना ? ०

७—१४ पाँदाई दीवारों में एक बमरे लम्बाई कि जिसमें ०६ पा २० १ सि ४४ लाज और दूसरे पा २० प्रति मीटर दानि हुई तो बताओ कि इसका लाग हुआ का दानि और कितना ? ०

१२२१

अंकगणित

सनय—३ घण्टे

[प्रत्येक प्रश्न के नम्बर किनारे पर दिये हुये हैं । प्रत्येक प्रश्न की क्रिया स्पष्ट और विधि-सहित होनी चाहिये ।]

१—'०४२१ और '००२१ के योगफल और अन्तर को गुणा करो और उसके वर्गमूल के दसवें भाग को '०२, '०३, व '०७ के गुणनफल के दसगुने में भाग दो । ... ६

२—तीन मनुष्य ध्रुव के ढगों की लम्बाई २ $\frac{१}{२}$ फीट, २ $\frac{१}{२}$ फीट और ३ फीट हैं एक मील टहले तो बताओ कि उनके क्रम (ढग) कितनी बार एक साथ पड़े ? ... ६

३—व्यवहार गणित द्वारा रुई की ४१ गठरी का मोल १४ रु० १२ आ० = पा० प्रति मन की दर से निकालो जब कि एक गठरी ४ मन ३ सेर = दुटांक की है । ... ७

४—दो मैमिन्हों के एक ढेर में रुपये, अठ्ठियाँ, व चौअक्षियाँ मिली हुई हैं । और उनके मोल में अनुपात २०, १२ और १ का है तो चौअक्षियों की संख्या बताओ । ... ६

५—एक कमरे की लम्बाई चौड़ाई से दूनी है और उसका चटाई का खर्च ६ शिलिंग प्रति गज की दर से ४४ पाँ० २ शि० है और दीवारों की पुवाई का खर्च १ शि० ६ पै० प्रति वर्ग गज की दर से = पाँ० = शि० है तो कमरे की लम्बाई, चौड़ाई व ऊँचाई निकालो । ... ७

६—एक व्यापारी ने २ घोड़े मैमिन्हों रुपये की बेंचे जिस में एक पर २० प्रति सैकड़ा लाभ और दूसरे पर २० प्रति सैकड़ा हानि हुई । तो बताओ कि उसका लाभ हुआ या हानि, और कितना ? ... ७

७—एक व्यापारी व्यापारी ने ऐसी गन्ना बनवाई कि जिसका एक और १४ मन मन्ने से दूसरी और केवल ३८ सेर तुल्य मकं । उसने ४ रु० =

यदि एक एक फुट सड़की तीर में ११ पीठ हो तो समूह का बोझ बढ़ाये।

... ७

६०

मार्च सन् १९२१ ई०

(१) दलनखर गुला के इस हल किये हुए प्रश्न में कुछ प्रश्नों के स्थान पर जो निम्न गये हैं गुला का चिन्ह × दिया है, इन स्थानों में प्रश्न लिखो।

$$\begin{array}{r}
 ३८.०४२ \\
 \times १०६ \\
 \hline
 \times \times \times \times \times \times \\
 ३४ \quad \times \quad ६ \times \times \\
 २ \quad \times \quad ० \quad १ \quad १ \quad १ \times \\
 \quad \quad \quad \times \quad २ \quad ३ \quad २ \quad ४ \times \times \\
 \hline
 २३१ \quad \times \quad ४ \quad २ \quad २ \quad १ \quad ३ \quad २
 \end{array}$$

(२) किन्तो प्योराती ने १०००) १० के चायद मोल लिए उनमें से चौपाई पायल ४ प्रति सेंकड़ा हानि से बिके; अब किन्तो का भाव प्रति सेंकड़ा किन्ता बढ़ा दिया जाय कि दोन चायदों को उस भाव में बेचने से कुछ पर २१० प्रति सेंकड़ा लाभ हो।

(३) कृष्ण सन्ध ने एक दुकान निजी रूप बड़ी समग्र १९११ को १२०० रु० लगा कर खोली। उस दिन दो गाँव घोड़ी जोरा ४२ रु० प्रति गाँव के हिस्से में राधेमोहन की दुकान में, और ४० पाव नारमोन १० रु० प्रति पाव के भाव में धीराम के यहाँ से बेगाये। १० रु० को बाढ़ बिगड़ी हुई, और ११० रु० का नारमोन बढ़ती जाय हो गया और ६० रु० मरु हो गया, उस दिन का हिस्सा रोकर यहाँ और बागा यहाँ में बँटने लिखोगे !

१. १. एकद्वारा पायल का भाव में किन्तो एक का निम्न पाव ० बरं में

पश्चात् लड़के को उग्र से दुगुनी रह जावेगी । बताओ उसके साथी की उग्र कितनी थी ?

...६

६—एक दियासलाई का बक्स २.५ इंच लम्बा, १.७५ इंच चौड़ा और १.८ इंच उंचा है । यदि प्रत्येक दियासलाई का घन फल ०.३५ घन इंच हो तो इस बक्स में कितनी दियासलाईयाँ आ सकती हैं ?

...६

६०

अंकगणित १६२७

(समय - ३ घण्टे)

नोट—प्रत्येक प्रश्न की क्रिया साफ़ होनी चाहिये ।

- (१) ७८६२० को ७२६४८ से तीन पंक्तियों में गुणा करो ।
- (२) २७२.०४६ में ७ और ४ के स्थानीय मान का अन्तर निकालो ।
- (३) सेठ पूरुषचन्द ने मिर्ची पूस मुदी ५ सम्बन्ध १६८१ को ३० मन खना ४ रु० २ आ० मन की दर से और ४० मन चावल ७ रु० २ आ० मन की दर से गजाधर अनाज वाले से उधार खरीदे और १० मन चीनी १६ रु० ८ आ० मन की दर से नरुद मँगवाई । अन्तु आदित्य के यहाँ से १२० मन गेहूँ ८ मन से खरीदे । १ रु० ५ आ० किराया, १० आ० घादत और २ आ० रामलीला की यावत लगे, जिसमें से ३०० रु० नरुद दिये गए । शाम को ४४२ रु० ८ आ० नरुद बाकी बचे, । बताओ उस दिन पहली धी रोकड़ बाँकी क्या थी । रोकड़ वही का नमूना लिख कर विधि मिलाओ ।
- (४) किसी संख्या का वर्गमूल ५२.८२ है और दो स्थान दशमलव तक वर्गमूल निकालने के बाद ४०८ बाँकी बचे । उस संख्या का वर्गमूल ५ दशमलव स्थान तक क्या होगा ?

(५) एक दूकानदार ११ घाट १० रु० में खरीदता है और १० घाट ११ रु० में बेचता है, तो उसे प्रति बैकड़ा क्या लाभ होगा ?

४—घ, द और स ने मिलकर व्यापार किया। घ का ३००० रुपया, नहीने तक य का २००० रुपया, नहीने तक और स का १००० रुपया, नहीने तक व्यापार में लगा रहा। यदि ० नहीने के पीछे कुछ लाभ २० रुपया हो, तो हर एक को लाभ में कितना रुपया मिलेगा ?

५—कुछ मात्र ४२० रुपया में मोल किया गया और एक तिहाई मात्र जरीद के दानों पर बेचा गया। तो बताओ कि बाकी को कितने प्रति सैकड़ा लाभ पर बेचा जाये कि कुछ लागत पर २० प्रति सैकड़ा लाभ हो।

६—एक रकम के १ वर्ष के साधारण और चक्रवृद्धि व्याज में ११२ रुपये के अन्तर है तो रकम बताओ जब कि दर २ प्रति सैकड़ा प्रति वर्ष हो।

७—रिना की आयु पुत्र की आयु से २२ वर्ष अधिक है ५ वर्ष के परचाय रिना की आयु पुत्र की आयु से दूनी हो जायगी। बताओ पुत्र की वर्तमान आयु क्या है।

८—एक कार्दनी एक बाग के गिर्द (चारों ओर) ३ मील का पट्टर लगाया है यदि बाग २१ गज लम्बा और २० गज चौड़ा हो तो उसने कुछ कितने पट्टर लगाये।

९—११२११ और ११२१२ का गुणनफल दो पङ्क्तियों में दिखाओ।



रत्ननाभा

- [illegible]

- (२०) ७२ गाजा १ फ्रीट १ हंच (२१) ३४ रु० १ पा०
 (२२) १६ मन १० सेर १२ घुटांक (२३) १० पौ० ११ सि० ० पे०
 (२४) ११ मन ६ सेर ३ घुटांक (२५) १ दिन २० घंटे ११ मिनट
 (२६) ३ घंटा १२ मिनट ४३ सेकंड (२७) १३१ गाजा २ फ्रीट ३ हंच
 (२८) १ पौ० १८ सि० २ पे० २ फादिंद्र
 (२९) ४ पौ० ११ सि० १० पे० ३ फादिंद्र
 (३०) १२ घंटा २२ मिनट १ सेकंड
 (३१) २१ बांधा १० विरवा २ विरवांसी
 (३२) २१ बांधा २ वि० ११ विरवांसी
 (३३) ४ फादिंद्र ७ गाजा १ फ्रीट ११ हंच
 (३४) ७ फादिंद्र ८ गाजा २ फ्रीट ७ हंच

अभ्यासार्थ प्रश्न (२२) पृष्ठ १००

- (१) १४ घाने २ पैसे (२) १ रु० १२ घाने १ पैसा
 (३) २ रु० १३ घाने ३ पैसे (४) २ रु० ३ घाने २ पैसे
 (५) २ रु० १४ घाने (६) ० रु० ४ घाने
 (७) १ रु० १ पैसा (८) १२ रु० १३ घाने ३ पाई
 (९) २३ रु० ८ घा० १ पाई (१०) ३२ रु० १ घा० २ पाई
 (११) ७० रु० ३ घा० ११ पाई (१२) २२० रु० ८ घा० ८ पाई
 (१३) २३ रु० १४ घा० ६ पाई (१४) १ मन २२ सेर २ घुटांक
 (१५) २४ मन २१ सेर १२ घुटांक (१६) ८ मन १ सेर ३ घुटांक
 (१७) २८४ मन १४ सेर १० घुटांक (१८) ११ गाजा २ फ्रीट ८ हंच
 (१९) २४ गाजा २ फ्रीट २ हंच (२०) ११ गाजा १ हंच
 (२१) १८ गाजा १ फ्रीट १ हंच (२२) १३ पौ० ११ शिलिंद्र ० पे०
 (२३) ४० पौंड १० शिलिंद्र (२४) २८ पौंड ३ शिलिंद्र ० पे०
 (२५) १४ पौंड २ शिलिंद्र २ पे० (२६) २२ घंटे ४६ मिनट १

- [illegible]

अभ्यासार्थं प्रश्न (२४) पृष्ठ ११५

- (१) ११ रु० १४ आ० (२) २१ रु० ८ आ० २ पा०
 (३) १८ रु० ३ आ० ३ पा० (४) १४१ रु० ७ पा०
 (५) २३७ रु० ११ आ० ६ पा० (६) २४६ रु० ११ आ० ८ पा०
 (७) २६७ रु० १० आ० ६ पा० (८) १००१ रु० १६ आ० ६ पा०
 (९) २३२३ रु० ६ पा० (१०) ३०७७ रु० १ आ० ३ पा०
 (११) २२६६ रु० ६ आ० ६ पा० (१२) ३०६२० रु० ३ आ०
 (१३) ७६६१ रु० १४ आ० २ पा० (१४) ७०२० रु० १४ आ० २ पा०
 (१५) ४६ मन १० सेर १६ चैं० (१६) १४०० मन ६ सेर ६ चैं०
 (१७) २४७०० मन २४ सेर ११ चैं०
 (१८) ३०६ पी० १६ मि० ३ पै० (१९) ४८ पी० १० मि० १० पै०
 (२०) ११६३ पी० १० मि० (२१) ३०० पी० १६ मि०
 (२२) १२१२२० पी० १४ मि० (२३) १६२२६ ग० ३ ई०
 (२४) १४२६ ग० ग० १ ग० प्री० ७२ ग० ई०
 (२५) ३४ मी० २२८ ग० (२६) ३६६ रु० १० आ० ६ पा०
 (२७) ३६१ रु० १ आ० ६ पा० (२८) १४६ रु० ६ आ० ११ पा०
 (२९) २२६६ रु० ७ आ० ६ पा० (३०) २२४१८ रु० २ आ०
 (३१) ६००० रु०
 (३२) १००६ पी० १० मि० १ मि० १० मि० १० मि० १० मि०
 (३३) ७२६ मन १४ सेर (३४) ३२२ ग० २ प्री०
 (३५) ८३ मन १२ सेर १३ चैं०
 (३६) ४२ वर्ष ६ महीना ६ दिन २२ घंटा २२ मिनट
 (३७) १६२६ रु० १० आ० ६ पा० (३८) १३११ रु० ११ आ० ६ पा०
 (३९) २० मन ३८ सेर १२ चैं० (४०) ३६६६ रु० ७ आ० ६ पा०
 (४१) ३४६ रु० ७ आ० ८ पा० (४२) २२१४ रु० ६ आ०
 (४३) ८ रु० ६ आ० ६ पा० (४४) ६० रु० २ आ० ८ पा०

- (२) १०६ पादंल (१०) ६१०० गीट, रोप द मन
(११) ६६० (११) ६१ टोला
(१२) ६ गज १२ गिरह (१२) १६ सेर
(१३) ६६६ (१३) १६२० दुबड़े
(१४) ११ गज (१४) ६६६ ६० ६ दान ४ पाई
(१५) १६ ६० ६ दान ६ पाई (१५) ६६६ ६० ६ दान ६ पाई
(१६) ६ ६० ६ दान ६ पाई (१६) ६६६ ६० ६ दान ६ पाई
(१७) १ ६० १ मि० ११ पैसा (१७) ६६ ६० ६ दान ६ पाई
(१८) ६६६६०१० दान ६ पा० (१८) ६ ६० ६ पैसा
(१९) ६६ दान ६ महीना १ दिन (१९) ६६६ दान, रोप, १० दान
(२०) ११ (२०) ६ प्रीति
(२१) ६६६६ (२१) ६६ ६० ६ दान ६ पाई
(२२) १० गज १ प्रीति ६ दान (२२) ६६६ ६० १० दान
(२३) ०६ दान (२३) ६६०
(२४) ६६ (२४) ६६ ६० ६ दान ६ पाई
(२५) ६६ दान (२५) ६६ दान
(२६) ६६६६६ गीट १६६ ६० १ प्रीति ६ दान
(२७) १० दान १ महीना ६ दिन (२७) १० सेर ६ दान
(२८) १० दान (२८) १६ दान
(२९) १० दान १० दान (२९) १० दान
(३०) १० दान (३०) १० दान
(३१) १० दान (३१) १० दान
(३२) १० दान (३२) १० दान
(३३) १० दान (३३) १० दान
(३४) १० दान (३४) १० दान
(३५) १० दान (३५) १० दान
(३६) १० दान (३६) १० दान
(३७) १० दान (३७) १० दान
(३८) १० दान (३८) १० दान
(३९) १० दान (३९) १० दान
(४०) १० दान (४०) १० दान
(४१) १० दान (४१) १० दान
(४२) १० दान (४२) १० दान
(४३) १० दान (४३) १० दान
(४४) १० दान (४४) १० दान
(४५) १० दान (४५) १० दान
(४६) १० दान (४६) १० दान
(४७) १० दान (४७) १० दान
(४८) १० दान (४८) १० दान
(४९) १० दान (४९) १० दान
(५०) १० दान (५०) १० दान

- २०) मोटे ११२ मन २८ सेर १२ दण्ड, चटा २११ मन १६ सेर १० दण्ड
 २१) २० २० १ कागा
 २२) गम २११ मन १० सेर २ दण्ड, ग्याम २१२ मन १४ सेर ११ दण्ड
 २३) १६ दिन (२३) १६१ मन १६ सेर १४ दण्ड
 २४) २२४ मोड़ (२४) ८१४८ मन १२ सेर
 २५) ~~२२४ मोड़~~ २२४ (२५) २२४ १ दण्ड ५५५०
 २६) ४११४ (२६) २८ दण्ड
 २७) २११ २० ४ कागा १ पार् (२७) २८ सहा
 २८) २११ मन १ सेर १४ दण्ड
 २९) ग्याम १०० २० ८ कागा मोड़ ११८ २० १२ कागा
 ३०) २०० (३०) २२० कागा
 ३१) २०२ कागा (३१) १० २० ४ कागा
 ३२) ४ ७२ २० १ कागा १ पार्, ४ ४२ २० १ कागा १ पार्
 ३३) ११ २० ११ कागा १ पार् (३३) ११८ मन २ सेर
 ३४) १११ २० १ कागा (३४) १०१०१६ २० ८ कागा
 ३५) ११२ २० (३५) २ ८० ८ दि० २ दण्ड
 ३६) ११३ २०

अभ्यासार्थं प्रश्न (२८) दृष्ट १३९

- (१) १०० दण्ड (१) १०० मन १२ सेर
 (२) १०० दण्ड (२) १०० मन १२ सेर
 (३) १०० दण्ड १०० (३) १०० मन १२ सेर
 (४) १०० दण्ड १०० (४) १०० मन १२ सेर
 (५) १०० दण्ड १०० (५) १०० मन १२ सेर
 (६) १०० दण्ड १०० (६) १०० मन १२ सेर
 (७) १०० दण्ड १०० (७) १०० मन १२ सेर
 (८) १०० दण्ड १०० (८) १०० मन १२ सेर
 (९) १०० दण्ड १०० (९) १०० मन १२ सेर
 (१०) १०० दण्ड १०० (१०) १०० मन १२ सेर



उत्तरनामा

- (०) १ शिल्पि (८) २ शिल्पि (६) २ हंघ
(१०) ११ हंघ (११) १ निनट (१२) २६ निनट

अभ्यासार्थ प्रश्न (३९) पृष्ठ १९०

- | | | | |
|--------|--------|--------|--------|
| (१) १ | (२) १ | (३) १ | (४) १ |
| (२) १ | (६) १ | (७) १ | (८) १ |
| (३) १ | (१०) १ | (११) १ | (१२) १ |
| (१३) २ | (१४) १ | (१५) १ | (१६) १ |
| (१७) १ | (१८) १ | (१९) १ | (२०) १ |
| (२१) १ | (२२) १ | (२३) १ | (२४) १ |
| (२५) १ | (२६) १ | (२७) १ | (२८) १ |
| (२९) १ | (३०) १ | (३१) १ | (३२) १ |
| (३३) १ | (३४) १ | (३५) १ | (३६) १ |
| (३७) १ | (३८) १ | (३९) १ | (४०) १ |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४०) पृष्ठ १९३

- | | |
|------------------------------|-------------------------------|
| (१) १, १, १ और १ | (२) १, १, १ और १ |
| (३) १, १, १, १ और १ | (४) १, १, १, १ और १ |
| (५) १, १, १, १, १ और १ | (६) १, १, १, १, १ और १ |
| (७) १, १, १, १, १, १ और १ | (८) १, १, १, १, १, १ और १ |
| (९) १, १, १, १, १, १, १ और १ | (१०) १, १, १, १, १, १, १ और १ |

उत्तरमात्रा

- (११) १, १, १, १
(१२) १, १, १, १
(१३) १, १, १, १
(१४) १, १, १, १
(१५) १, १, १, १
(१६) १, १, १, १

- (१७) १, १, १, १
(१८) १, १, १, १
(१९) १, १, १, १
(२०) १, १, १, १
(२१) १, १, १, १
(२२) १, १, १, १

अभ्यासार्थ प्रश्न (४४) पृष्ठ १९८

- (१) १
(४) १
(७) १
(१०) १
(१३) १
(१६) १
(१९) १
(२२) १

- (२) १
(५) १
(८) १
(११) १
(१४) १
(१७) १
(२०) १
(२३) १

- (३) १
(६) १
(९) १
(१२) १
(१५) १
(१८) १
(२१) १
(२४) १

अभ्यासार्थ प्रश्न (४५) पृष्ठ १९९

- (१) १
(४) १
(७) १
(१०) १
(१३) १
(१६) १
(१९) १
(२२) १

- (२) १
(५) १
(८) १
(११) १
(१४) १
(१७) १
(२०) १
(२३) १

- (३) १
(६) १
(९) १
(१२) १
(१५) १
(१८) १
(२१) १
(२४) १

- (४) १
(७) १
(१०) १
(१३) १
(१६) १
(१९) १
(२२) १
(२५) १

अभ्यासार्थ प्रश्न (४६) पृष्ठ २०१

- (१) १
(४) १
(७) १
(१०) १
(१३) १
(१६) १
(१९) १
(२२) १

- (२) १
(५) १
(८) १
(११) १
(१४) १
(१७) १
(२०) १
(२३) १

- (३) १
(६) १
(९) १
(१२) १
(१५) १
(१८) १
(२१) १
(२४) १

- (४) १
(७) १
(१०) १
(१३) १
(१६) १
(१९) १
(२२) १
(२५) १

| | | |
|-------------|-------------|-----------|
| (७) १४१८ | (८) २११ | (९) २१ |
| (१०) ११८१ | (११) २११११ | (१२) ११११ |
| (१३) १११११ | (१४) १११११ | (१५) ११११ |
| (१६) २१११११ | (१७) २१११११ | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (५०) पृष्ठ २०५

| | | | |
|--------------|----------------|------------|--------|
| (१) २१ | (२) १११ | (३) १०११ | (४) ११ |
| (५) १०१११ | (६) ११११ | (७) १०१११ | |
| (८) ११०१११११ | (९) २१११११११११ | (१०) १०११ | |
| (११) ११११ | (१२) २१११ | (१३) २१११ | |
| (१४) १११ | (१५) ११११ | (१६) ११ | |
| (१७) १११ | (१८) १११११ | (१९) १११११ | |
| (२०) ११११ | (२१) १०११११ | (२२) २१११ | |
| (२३) ११११ | (२४) २११ | (२५) २११ | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (५१) पृष्ठ २०९

| | | |
|---------------|-------------|-------------|
| (१) २१ | (२) ११ | (३) ११ |
| (४) १०११ | (५) २१११११ | (६) ११०१११ |
| (७) १०११ | (८) ११११ | (९) ११०१११ |
| (१०) ११११११११ | (११) १०१११ | (१२) १०११११ |
| (१३) ११११११ | (१४) १०११११ | (१५) १११११ |
| (१६) १११११ | (१७) ११११११ | (१८) १११११ |
| (१९) १११११ | (२०) ११११११ | (२१) १११११ |
| (२२) १११११ | (२३) १११११ | (२४) १११११ |
| (२५) १११११ | (२६) १११११ | (२७) १११११ |

| | | |
|---------------------------------------|---------------------------------------|---------------------------------------|
| (७) ११ ^१ / _२ | (८) ११ | (९) ६ ^१ / _२ |
| (१०) ११ ^१ / _२ | (११) ४ ^१ / _२ | (१२) २१ ^१ / _२ |
| (१३) २१ ^१ / _२ | (१४) ३१ ^१ / _२ | (१५) ६१ ^१ / _२ |
| (१६) ११ ^१ / _२ | (१७) २१ | (१८) २१ |
| (१९) २१ | (२०) २१ ^१ / _२ | (२१) ११ ^१ / _२ |
| (२२) ३१ | (२३) ४१ ^१ / _२ | (२४) १४ ^१ / _२ |
| (२५) ११ | (२६) २१ | (२७) ३० ^१ / _२ |
| (२८) ११ | (२९) १२ | (३०) २० ^१ / _२ |
| (३१) ६१ ^१ / _२ | (३२) १३ | (३३) १२ ^१ / _२ |
| (३४) ११ ^१ / _२ | (३५) ११ ^१ / _२ | |

अभ्यासाय प्रश्न (६४) पृष्ठ २३९

(१)

(२)

(३)

(४)

| | | |
|--------------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------------|
| (२८) १ | (२९) ७ | (३०) ९ |
| (३१) २ ^१ / _२ | (३२) ३ | (३३) २ ^१ / _२ |
| (३४) ७ | (३५) १ ^१ / _२ | (३६) १ |
| (३७) २ | (३८) ११ ^१ / _२ | (३९) १ |
| (४०) १ ^१ / _२ | (४१) २ | (४२) ११ |
| (४३) १ | (४४) २० | (४५) १ ^१ / _२ |

अभ्यासाय प्रश्न (६६) पृष्ठ २४४

- (१) २ ए० ६ पा० (२) २ ए० १२ पा० २ पा०
 (३) १४ ए० १० पा० २^१/_२ पा० (४) ३ ए० ७ पा०
 (५) ४ ए० १३ पा० १ पा० (६) १ ए० २ पा० १०^१/_२ पा०
 (७) ३ ए० ८ पा० १०^१/_२ पा० (८) ७३ ए० २ पा०
 (९) ७२ ए० ७ पा० ७ पा० (१०) १ ए० १४ लि० ७ से०
 (११) २२ ए० १७ लि० ११^१/_२ से० (१२) १२ ए० ६ लि० ८ से०
 (१३) ३३ ए० १६ लि० ४ से० (१४) २ ए० ८ लि० १^१/_२ से०
 (१५) ६ ए० १२ लि० २ से० (१६) १२ ए० १७ लि० ८ लि०
 (१७) १३ ए० १ से० २ ए० (१८) २०१ ए० ८ ए०
 (१९) ४ लि० १६ से० ४२ लि० २४^१/_२ से०
 (२०) १२ ए० १० से० २ ए०
 (२१) १० ए० ७ ए० २^१/_२ से० २ ए०
 (२२) १० ए० १० ए० १ पा० १२ ए०
 १. १० ए० १० ए० ७ पा० १० ए० १४ पा० २^१/_२ पा०
 २. १ ए० १ ए० १ ए० १४ ए० ७ ए० ११ ए० १६ ए०
 ३. १. ए० १ ए० १ ए० १० ए० १०^१/_२ ए०
 ४. १२ ए० १२ ए० १२ ए० २ ए०
 ५. १२ ए० १२ ए० १२ ए० १२ ए० १२ ए० १२ ए० १२ ए० १२ ए०

- (६) ६१^१/_२ (७) ६^१/_२ (८) १^१/_२
 (९) १^१/_२ (१०) १^१/_२ और १^१/_२ (११) १^१/_२
 (१२) १^१/_२ (१३) १^१/_२ (१४) १^१/_२
 (१५) १^१/_२ (१६) २४^१/_२ (१७) १२
 (१८) २०२ रु० (१९) ११२ पी० (२०) ११
 (२१) १^१/_२ (२२) ४१^१/_२ (२३) १४०
 (२४) १^१/_२ (२५) १०२ हाथ (२६) ७८० गज
 (२७) ३००, ४२ (२८) ८४ रु०
 (२९) ४१६६ रु० १० आ० ८ पा० (३०) २३२० पी०
 (३१) २० मिनट (३२) ४ (३३) १^१/_२
 (३४) २४०, १३ (३५) २४० (३६) २४०
 (३७) ३६ (३८) ६० रु० (३९) ६०० रु०
 (४०) १ (४१) १ (४२) १
 (४३) ३ घंटे (४४) १६६^१/_२ (४५) ७, ४^१/_२
 (४६) १^१/_२, २^१/_२ (४७) घ १ पी० ३ सि० ८ पे०,
 घ १ पी० ३ सि० ४ पे०, स १ पी० ८ सि० ४ पे०
 (४८) १२६०६० रु० (४९) ८२ रु० १२ आ०
 (५०) घ ४० रु० २ आ०, घ ४२ रु० १२ आ०, स १८ रु० १२ आ०
 (५१) १२२ रु० ८ आ० (५२) ३३^१/_२
 (५३) १^१/_२ (५४) १ (५५) २^१/_२, २^१/_२
 (५६) ४ पी० ४ सि० (५७) ३^१/_२ (५८) २^१/_२
 (५९) ६०० रु० (६०) ३१ घंटे (६१) १^१/_२
 (६२) १^१/_२, २^१/_२ और ३^१/_२ (६३) १^१/_२
 (६४) १^१/_२ (६५) ० पी० ८ सि०
 (६६) २६ पी० ३ सि० ६ पे०, २१ पी० १६ सि० २^१/_२ पे०
 (६७) ४ पी० १८ सि० १^१/_२ पे०

- | | |
|-------------------------------|-----------------------------|
| (११) ७१ रु० | (२०) २४२ रु० ११ पा० |
| (१२) १८० पा० | (२१) ११६ रु० ८ पा० |
| (१३) १२६६ रु० | (२२) १४१ रु० ८ पा० |
| (१४) ७४१ रु० | (२३) ८०६ रु० १० पा० ८ पा० |
| (२५) १३८१ रु० १६ पा० ११ पा० | |
| (२६) ४६६ रु० १४ पा० ७ पा० | (२७) ११०६ रु० ४ पा० |
| (२८) २१११ रु० ६ पा० ६ पा० | (२९) २१० पा० ६ दि० १० पै० |
| (३०) ११०० रु० १४ पा० | (३१) १२०२ पा० ६ दि० ४ पै० |
| (३२) ७८० पा० १४ दि० ८ पै० | |

अभ्यासाय नमः । ७१ । पृष्ठ २६४

- [illegible]

- (७) २० तीः १२ तीः २१ तीः (=) ३ तीः = तीः = तीः
 (८) २२२ तीः १६ तीः २१ तीः (१०) २२२ = २० १२ तीः २१ तीः
 (११) २२२ तीः १२ तीः २१ तीः
 (१२) २२२ तीः १२ तीः २१ तीः
 (१३) २० तीः २ तीः २ तीः २ तीः (१४) २ तीः ३ तीः = तीः तीः
 (१५) १२२ तीः = तीः तीः तीः
 (१६) २० तीः १२ तीः २१ तीः (१७) २ तीः ३ तीः २ तीः १२ तीः
 (१८) २२ तीः १२ तीः २१ तीः तीः
 (१९) २२२ तीः २ तीः ३ तीः तीः तीः तीः
 (२०) १२२ तीः १२ तीः २१ तीः (२१) २२२ तीः २ तीः ३ तीः २ तीः
 (२२) १२२ तीः १२ तीः २१ तीः (२३) १२२ तीः १२ तीः २ तीः
 (२४) १२२ तीः २ तीः ३ तीः (२५) २२२ तीः २ तीः ३ तीः

अन्यानां चतुर्षु (७२) चतुर्षु २५३

- | | |
|--------------------|---------------------------|
| (१) १ तीः १० तीः | (२) १२ तीः २ तीः |
| (३) २ तीः | (४) १२ तीः |
| (५) २ तीः | (६) १२ तीः |
| (७) १२ तीः | (८) २ तीः २ तीः |
| (९) २ तीः २ तीः | (१०) १२ तीः १ तीः = तीः |
| (११) २ तीः | (१२) २ तीः |
| १३ २ तीः | (१४) २ तीः |
| १५ २ तीः | (१६) १२ तीः २ तीः |
| १७ २ तीः | १८ २ तीः |
| १९ १२ तीः | २० २ तीः |
| २१ १२ तीः | (२२) १२ तीः २ तीः |
| (२३) १२ तीः | (२४) १२ तीः |

- | | |
|---------------------------|-----------------------------|
| (७७) २ आदमी | (७८) २६ दिन |
| (७९) २४ दिन | (८०) १० दिन |
| (८१) १ मन १६ मेर | (८२) ३२ मन |
| (८३) २ शि० ४ पेंस | (८४) ३० घोड़े |
| (८५) ३६ घोड़े | (८६) २६० पौ० १० शि० |
| (८७) ३६० आदमी | (८८) ८ १/२ दिन |
| (८९) ८ लैन्ग | (९०) २ १/२ दिन |
| (९१) ४२ १/२ १/२ दिन | (९२) ८०० आदमी बढ़ाए गये । |
| (९३) ४० आदमी बढ़ाए गए । | (९४) २० दिन |
| (९५) १० दिन | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (७५) पृष्ठ २८६

- | | |
|---------------------------------------|--------------------------------------|
| (१) ६ १/२ दिन | (२) ६ १/२ दिन |
| (३) ४ १/२ दिन | (४) ३० दिन |
| (५) २२ १/२ घं० | (६) क १२ दिन, ख १८ दि० और ग २४ दि० |
| (७) क १० दिन, ख १२ दिन और ग १२ दिन. | |

तीनों मिलकर ४ दिन में

- | | |
|---------------------|-------------------------|
| (८) २ मिनट | (९) १२ दिन |
| (१०) ८ १/२ दिन | (११) १६ १/२ दिन |
| (१२) ६ १/२ दिन | (१३) ६ १/२ दिन |
| (१४) २ १/२ दिन | (१५) १२ १/२ मिनट |
| (१६) २४ १/२ दिन | (१७) ६ १/२ दिन |
| (१८) ३ १/२ दिन | (१९) ११ १/२ दिन |
| (२०) १० और २० दिन | (२१) ४० दिन और ७२ दिन |
| (२२) ११ घण्टा | (२३) २४ दिन |
| (२४) ६ दिन | (२५) १० दिन और १२ दिन |

| | | |
|--|-----------------------|----------------------|
| (७) ३:१४ | (८) ७:१८ | (९) ३:२ |
| (१०) ४:२ | (११) $\frac{४}{५}$ | (१२) $\frac{४}{५}$ |
| (१३) $\frac{४}{५}$ | (१४) $\frac{४}{५}$ | (१५) $\frac{४}{५}$ |
| (१६) $\frac{४}{५}$ | (१७) $\frac{४}{५}$ | (१८) $\frac{४}{५}$ |
| (१९) $\frac{४}{५}$ | (२०) $\frac{४}{५}$ | (२१) $\frac{४}{५}$ |
| (२२) $\frac{४}{५}$ | (२३) १७:१३ | (२४) ३:२ |
| (२५) २:११ | (२६) १२ आना:७ रुपया | |
| (२७) ३:४ | (२८) ७:११ | |
| (२९) ३:४ | (३०) १:२ | |
| (३१) ११:४० | (३२) १३:११ | (३३) २४ और ३६ |
| (३४) ६२ रु० १३ आ० ८ पा० और ४६ रु० ६ आ० ३ पा० | | |
| (३५) २७ रु० ११ आ० ४ पा० | (३६) ६०:४८ | |
| (३७) २४:७२ | (३८) १३२:१२४ | |
| (३९) ८:२१ यद्वा है | (४०) ६:७ | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (७९) पृष्ठ ३०७

| | | |
|-------------|-----------------|----------------|
| (१) हैं | (२) हैं | (३) नहीं |
| (४) हैं | (५) नहीं | (६) हैं |
| (७) ६ | (८) २ | (९) ६ |
| (१०) ३१३६ | (११) १६६४० | (१२) २०४ |
| (१३) १० | (१४) २७६ | (१५) ४२२४ |
| (१६) ७१४ | (१७) १४७७ | (१८) २१७७ |
| (१९) ७७७ | (२०) २२ | (२१) २११ |
| (२२) ३० | (२३) १३१ | (२४) १३३ |
| (२५) ३ | (२६) २६ ननुम् | (२७) ६ निजिह |
| (२८) ६ | (२९) १० | (३०) २६ |

अध्यामार्थ प्रश्न (८१) शृङ्ख ३२२

- | | | |
|----------------|---------------|---------------|
| (१) १०० रु० | (२) ४० रु० | (३) ३६ रु० |
| (४) १३ रु० | (५) ७० पीड | (६) १० पै० |
| (७) ७२ रु० | (८) ११० रु० | (९) ११० पै० |
| (१०) १२८ रु० | | |

अध्यामार्थ प्रश्न (८२) शृङ्ख ३२४

- | | |
|-----------------------------|--------------------------|
| (१) ३६० रु० | (२) ६० रु० १ पा० १ पै० |
| (३) १४६२ रु० ११ पा० ४ पै० | (४) ३११६० १३ पा० ४ पै० |
| (५) १० रु० | (६) ४ रु० |
| (७) ६६ रु० | (८) ११ रु० |
| (९) १०० रु० | (१०) ४४३ पै० |

अध्यामार्थ प्रश्न (८३) शृङ्ख ३

- | | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| (१) १०० रु० | (२) ३३० रु० | (३) १००० |
| (४) २०० रु० | (५) ३४० रु० | (६) २१० रु० |
| (७) ११६३ पीड | (८) ११०० पीड | (९) १००० पै० |
| (१०) १२०० पै० | (११) २१० पीड | (१२) १०० पै० |

अध्यामार्थ प्रश्न (८४) शृङ्ख ३२७

- | | |
|----------------------------|-----------------------------|
| (१) ३११ रु० | (२) ४१० रु० |
| (३) ४१११ रु० ४ पा० ४ पै० | (४) ४११ रु० |
| (५) २१११ रु० ४ पा० ४ पै० | (६) ४३०१ रु० १० पा० ४ पै० |
| (७) ४१४३ रु० १० पा० | (८) ४११३ रु० ११ पा० |

अभ्यासार्थ प्रश्न (८५) पृष्ठ ३२८

- (१) २० रु०; ३०० रु० (२) २४ रु०; ३२४ रु०
 (३) ६० रु०; २४० रु० (४) ८४ रु०; ७८४ रु०
 (५) १२० रु० १ आ० ३३६ पा०; २७३ रु० १ आ० ३३६ पा०
 (६) १२८ पाँ० १ शि० ७१ पैस; १६८० पाँ० ११ शि० ७१ पैस
 (७) ३६६ रु० २ आ० ४ पा०; २३७८ रु०
 (८) ८८१ रु० १४ आ० १० पाई
 (९) १७६३ रु० १३ आ० ७ पा० (१०) ४०२ रु० २ आ० ८ पा०
 (११) ८१६८ रु० १२ आ० (१२) ११०७ रु० ८ आ०
 (१३) २६३२ रु० ६ आ० ११ पा० या २६३२ रु० ६ आ० १० पा०
 (१४) २६२८ रु० २१ आ० २ पाँ०

अभ्यासार्थ प्रश्न (८६) पृष्ठ ३३०

- (१) ४ (२) ६ (३) ३१ (४) ४३ (५) ३३
 (६) ४ (७) २ (८) २ (९) ८१

अभ्यासार्थ प्रश्न (८७) पृष्ठ ३३१

- (१) २३ (२) २ (३) ४ (४) ४३ (५) ३३३

अभ्यासार्थ श्र (८८) पृष्ठ ३३३

- (१) ३ वर्ष (२) २ वर्ष (३) २ वर्ष (४) २ वर्ष
 (५) ६४ वर्ष (६) ४ वर्ष (७) ३ वर्ष (८) ८० वर्ष

अभ्यासार्थ प्रश्न (८९) पृष्ठ ३३४

- (१) १००० रु० (२) ७२०० रु० (३) २३००० रु०
 (४) ३०० रु० (५) २०० रु०

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| (१८) २४३६ | (१९) २६६० | (१००) २८८० |
| (१०१) १२२०० | (१०२) ४१२१ | (१०३) २१२० |
| (१०४) २६००० | (१०५) १२२०२० | |
| (१०६) ११६०३६० | (१०७) १६४० | (१०८) १६०० |
| (१०९) ४८०० | (११०) १८४६ | (१११) ६२४१ |
| (११२) २६४६ | (११३) २४०२६ | (११४) ११६०२६ |
| (११५) ०१०४०६ | (११६) ४०२६ | (११७) २२०० |
| (११८) २११०४ | (११९) ४६२०४ | (१२०) ११६०२६ |
| (१२१) २४०२६ | (१२२) १२०४०६ | (१२३) ११६०० |
| (१२४) २०१२०४१ | | |

अभ्यासार्थ प्रश्न । १२३) पृष्ठ ४८९

- १) २० व० प्र० (२) ११२ व० प्र०
 २) १२० व० प्र० (४) ११० व० प्र०
 ३) ४१ व० प्र० १८ व० ह० (६) २१० व० प्र० १८ व० ह०
 ४) ०० व० ग० २ व० प्र०
 ५) ६ व० ग० २ व० प्र० २४ व० ह०
 ६) ०१४ व० ग० ० व० प्र० १०६ व० ह०
 ७) १२६० व० ग० २ व० प्र०
 ८) १६१० व० ग० ३ व० प्र० १०८ व० ह०
 ९) १०८ व० ग० २ व० प्र० २६ व० ह०
 १०) ११ व० ग० २ व० प्र०
 ११) ०० व० ग० ३ व० प्र० २६ व० ह०
 १२) ०० व० ग० ३ व० प्र० ३० व० ह०
 १३) २६ व० ग० ६ व० प्र० ३० व० ह०
 १४) ०० व० ग० ३ व० प्र० ३० व० ह०
 १५) १२ व० ग० ३ व० प्र० ३० व० ह०





अनुगणित

मूल के दूसरे शंक का वर्ग रखो और इन तीनों को जोड़ो तब २४२२
 था। इससे घनमूल के दूसरे शंक २ से गुणा किया और गुणनफल
 का २०१२२ में से घटाया। शेष कुछ नहीं बचा और ४२ उत्तर हुआ।
 २ उदाहरण :— १२८१३२२१ का घन मूल निकालो।

इसकी क्रिया अत्यन्त संक्षेप में दी गई है।

$$२^३ =$$

$$१२८१३२२१$$

$$२४१$$

$$२^३ \times १०० = १२००$$

$$२ \times १० \times २ = ४००$$

$$\begin{array}{r} १२८१३२२१ \\ २ \\ \hline ०८१३ \end{array}$$

$$२^३ = \begin{array}{r} २४ \\ १२२२ \end{array}$$

$$\begin{array}{r} ०६२२ \\ १८८२२१ \end{array}$$

$$२४^३ \times १०० = १८०२००$$

$$२४ \times १० \times १ = ०२०$$

$$१^३ = \begin{array}{r} १ \\ १८८२२१ \end{array}$$

$$१८८२२१$$

इसी प्रकार दशमलव भिन्न, माध्याम्य भिन्न आदि का भी घनमूल
 निकाल सकता है। इस में कोई विशेष बटिनाई नहीं है इसलिए उनपर
 ध्यान नहीं बिताया जाता।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१००)

इनका घनमूल निकाल —

$$(१) १०००$$

$$(२) १३३६८४$$

$$(३) १०१३३$$

$$(४) १३३६८४$$

$$\begin{aligned}
 (18)^2 &= (10+8)^2 \\
 &= 10^2 + 2 \times 10 \times 8 + 8 \times 10 \times 8 + 8^2 \\
 &= 2088
 \end{aligned}$$

इन सिद्धान्तों की सहायता से अब घनमूल का नियम भी निकल जता है। परन्तु यहाँ पर घनमूल निकालने का अत्यन्त संक्षेप में वर्णन किया जायगा। क्योंकि यह वर्गमूल के समान ही है। मान लो कि २११२२ घनमूल निकालना है।

$$\begin{array}{r}
 \begin{array}{r} 21122 \\ 20000 \\ \hline 1122 \end{array} & \begin{array}{l} 42 \\ 20000 \\ 20000 \\ 20000 \end{array} \\
 2 \times 200 = 400 & \\
 2 \times 20 \times 2 = 80 & \\
 2 = 2 & \\
 \hline 2022 & 20122
 \end{array}$$

स्पष्ट है कि उत्तर में दो अंक आवेंगे। यह भी स्पष्ट है कि इसका उत्तर ४० और २० के बीच में आवेगा क्योंकि $40^3 = 64000$ और $20^3 = 128000$ है। इससे पता चल गया कि पहला अंक ४ है क्योंकि हमी का घन २११२२ में से घट सकता है २० का नहीं। ४० का घन करके घटाया तो २०१२२ बचा अब प्रथम अंक ४ के वर्ग को २०० से गुणा करो और गुणनफल ४००० रख दो। यही ४००० साथ भाजक है। इसका २०१२२ में भाग देने से २ आया। यही घनमूल दूसरा अंक है अब घनमूल के प्रथम अंक ४ को २० से गुणा करो और २४ गुणनफल को, घनमूल के दूसरे अंक से गुणा करके साथ भाजक के नीचे रखो और यहाँ पर आच लो कि २ वस्तुतः घनमूल का दूसरा अंक है या नहीं। यहाँ २ घनमूल का दूसरा अंक है। अब यह न होना तो घनमूल का दूसरा अंक ४ मानने और तब किया करते। इस गुणनफल के नीचे

घनमूल के दूसरे अंक का वर्ग रखो और इन तीनों को जोड़ो तब २४२२ हुआ। इससे घनमूल के दूसरे अंक २ से गुणा किया और गुणनफल को २०१२२ में से घटाया। शेष कुछ नहीं बचा और ४२ उत्तर हुआ।

२ उदाहरण :— १२८१२२१ का घन मूल निकालो।

इसकी क्रिया अत्यन्त संक्षेप में दी गई है।

| | | |
|---------------------------|---------|--------|
| $2^3 =$ | १२८१२२१ | २४१ |
| $2^2 \times 300 =$ | १२०० | |
| $2 \times 30 \times 2 =$ | १०० | |
| | ०८१३ | |
| $2^3 =$ | २४ | |
| | १२२४ | |
| | ०६२४ | |
| | १८८२४१ | |
| $२४^3 \times 300 =$ | १८७२०० | |
| $२४ \times 30 \times १ =$ | ७२० | |
| $१^3 =$ | १ | |
| | १८८२४१ | १८८२४१ |

इसी प्रकार दशमलव भिन्न, साधारण भिन्न आदि का भी घनमूल निकल सकता है। इस में कोई विरोध कठिनाई नहीं है इसलिए उनका वर्णन नहीं किया जाता।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१००)

इनका घनमूल निकालो —

(१) १०२८

(२) १०१००

३ । ३६.०४

(४) १३२६४१

अष्टगणित

घनमूल के दूसरे शंक का वर्ग रखो और इन तीनों को जोड़ो तब २४२२
हुआ। इससे घनमूल के दूसरे शंक २ से गुणा किया और गुणनफल
को २७१२२ में से घटाया। शेष कुछ नहीं बचा और ४६ उत्तर हुआ।
२ उदाहरण :- १२८१२२२१ का घन मूल निकालो।

इसकी क्रिया अत्यन्त संक्षेप में दी गई है।

| | | |
|---------------------------|----------|-----|
| $2^3 =$ | १२८१२२२१ | २२१ |
| $2^3 \times 300 =$ | १२०० | |
| $2 \times 30 \times 2 =$ | ३०० | |
| $2^2 =$ | २२ | |
| | १२२२ | |
| $22^3 \times 300 =$ | १८७२०० | |
| $22 \times 30 \times 2 =$ | ७२० | |
| $2^3 =$ | १ | |
| | १८८२२१ | |

इसी प्रकार दशमलव भिन्न, साधारण भिन्न आदि का भी घन
निकल सकता है। इस में कोई विशेष कठिनाई नहीं है इसलिए उ
वर्णन नहीं किया जाता।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१२०)

इनका घनमूल निकालो —

(१) १०२८

(२) ३६३०४

(३) १२१६७

(४) १२२६२१

नीचे लिखे हुई भिन्नों का घनमूल निकाला :—

$$(४६) २३\frac{१}{३}$$

$$(४७) २३\frac{२}{३}$$

$$(४८) १२८८३\frac{१}{३}$$

$$(४९) २२३१\frac{१}{३}$$

$$(५०) २६१३३\frac{१}{३}$$

नीचे लिखे हुई भिन्नों का घनमूल ३ दशमलव अंकों तक निकालो

$$(५१) १.०८$$

$$(५२) १.२२$$

$$(५३) १२$$

$$(५४) ०.२२$$

$$(५५) १०००१२२$$

$$(५६) १\frac{१}{३}$$

$$(५७) १३$$

$$(५८) २३$$

$$(५९) २१\frac{१}{३}$$

$$(६०) १८१\frac{१}{३}$$

$$(६१) १\frac{१}{३}$$

पंचमूल

(१४०) कोई संख्या घनने पंच घन का पंचमूल कहलाती है । इन चिन्ह $\sqrt[५]{\quad}$ का $(\quad)^{\frac{१}{५}}$ है । जिन तरह वर्गमूल तथा घनमूल

नियमों का बरतन हुआ है ठीक उसी तरह से पंचमूल के सिद्धान्तों का भी मूल बरतन हो सकता है । परन्तु जिन लोगों ने उन्हें समझ लिया है वे तो इन सिद्धान्तों को निकाल सकते हैं । अतएव यहाँ पर पंचमूल । अष्टांग संहिता बरतन दिया जायगा ।

पंचमूल निकालने का नियम

• उदाहरण :—३१२२ का पंच मूल निकालो

$$३१२२ = २ \times १५६१$$

८

उदाहरणः—७२०५७५६४०३७६२७६३६ का सप्तमूल निकालो

७२०५७५६४०३७६२७६३६

७२०५७५६४०३७६२७६३६

७२०५७५६४०३७६२७६३६

७२०५७५६४०३७६२७६३६

$$2 =$$

$$72057564037627636 \quad | \quad 246$$

$$122$$

$$4424046403$$

$$4424046403$$

$$1000000000 = 4424046403$$

$$100000 \times 2 = 200000000$$

$$10000 \times 2 = 20000000$$

$$1000 \times 2 = 2000000$$

$$100 \times 2 = 200000$$

$$0 \times 2 = 0$$

$$2 = 2$$

$$4424046403$$

$$1000000000 = 4424046403$$

$$100000 \times 2 = 200000000$$

$$10000 \times 2 = 20000000$$

$$1000 \times 2 = 2000000$$

$$100 \times 2 = 200000$$

$$0 \times 2 = 0$$

$$2 = 2$$

$$122403 - 4424046403$$

नष्ट अंक को एक ही सम में

४२००००६२७६३६ समझना चाहिए ।

$$11022437$$

$$11022437$$

$$442403$$

तब उसके पाँचों को २१०० और दूसरे शंक के चतुर्थ पात से, और दूसरे शंक के पंचपात से गुणा करना चाहिए और शंक के छठे पात को इन गुणनफलों में जोड़ देना चाहिए। उपरोक्त की भाँति किया करनी चाहिए जैसा कि नीचे के उदाहरणों से

१ उदाहरण—१४१२१०१८१८ का सप्तमूल निकालो

| | | |
|------------|---|--------------------|
| १ | १ = | १४१२१०१८१८
२१८७ |
| १ | १ × ०००००० = २१०२०००००० | |
| १ | १ × ११००००० × २ = १०२०६००००० | १२४८१४८१८ |
| ४ | ४ × १२०००० × २ ^१ = १११४००००० | |
| १ | १ × १२००० × २ ^३ = ०२६०००० | |
| १ | १ × २१०० × २ ^४ = १०२४०० | |
| १ | १ × ०० × २ ^५ = ६०२० | |
| | २ ^६ = ६४ | |
| १२४४८६६१८४ | | १२४८१४८१८ |

सप्तमूल = ३२

गहते हर एक गुणवत्त्व को १ मान कर इनकी संख्या से गिन लेना चाहिए :—

इस संख्या में एक बार एक जोड़ो और दूसरी बार दो जोड़ो और इन तीनों अर्थात् संख्या, (संख्या + १) और (संख्या + २) को भाग में गुणा करो और गुणवत्त्व में तीन का भाग दो

१ उदाहरण:— $१ \times १ + २ \times ३ + ३ \times ४ + ४ \times ५ \dots + ६ \times १०$ का मान ज्ञात

इस प्रश्न में गुणवत्त्वों की संख्या = ६

$$६ + १ = ७$$

$$\text{और } ६ + २ = ८$$

७, ८ और ९ के गुणवत्त्व में ६ का भाग देने से हमारे

$$\text{हमारे } \frac{६ \times ७ \times ८}{६}$$

$$= ७८$$

(७८) $१ \times २ \times ३ + २ \times ३ \times ४ + ३ \times ४ \times ५ + ४ \times ५ \times ६ + ५ \times ६ \times ७ + ६ \times ७ \times ८$
 , अर्थात् के मान निश्चय करने का नियम :—

हरके हुए गुणवत्त्वों की संख्या गिन लो । फिर इस संख्या में प्रथम १, २ और ३ जोड़ो । इस प्रकार तीन संख्याएँ मिलेंगी । अब इन तीनों अर्थात् संख्या, (संख्या + १) (संख्या + २) और (संख्या + ३) के गुणवत्त्व गुणा करो और गुणवत्त्व में पाँच का भाग दो ।

१ उदाहरण — $१ \times २ \times ३ + २ \times ३ \times ४ + ३ \times ४ \times ५$

$+ ४ \times ५ \times ६ + ५ \times ६ \times ७ + ६ \times ७ \times ८$ का मान निश्चय

इसमें गुणवत्त्वों की संख्या = ६

$$६ + १ = ७$$

$$६ + २ = ८$$

$$\text{और } ६ + ३ = ९$$

$$\therefore \text{उत्तर} = \frac{2 \times 10 \times 11 \times 12}{2}$$

$$= 1320$$

(१२०) दो संख्याओं का हार्मोनिक अन्तर दोन चौ अन्तर के गुणनफल के बराबर होता है ।

१ उदाहरण—४२-२२ का अन्तर निकालो

$$\begin{aligned} 42-22 &= (42-22)(42-22) \\ &= 20 \times 20 \\ &= 400 \end{aligned}$$

(१२१) अगर कुछ संख्याओं के अन्तरों के हार्मोनिक अन्तर का गुणनफल दोन चौ अन्तर के गुणनफल के बराबर हो, तो वे दोन चौ अन्तर के गुणनफल के बराबर होते हैं ।

१ उदाहरण—दो संख्याओं के अन्तरों के हार्मोनिक अन्तर का गुणनफल दोन चौ अन्तर के गुणनफल के बराबर हो

$$(42)^2 = (20 - 2)^2$$

$$42^2 = 20^2 - 2 \times 20 \times 2$$

$$1764 = 400 - 80$$

$$1764$$

१२१. दो संख्याओं के अन्तरों के हार्मोनिक अन्तर का गुणनफल दोन चौ अन्तर के गुणनफल के बराबर हो

दो

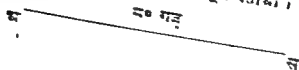
$$1764 = 400 - 80$$

३. द्वितीय अर्ग

१. इस प्रकार का जोर लगाया कि सभी तरह की हत्याएं भी होती रहें।
 २. जो लोग नहीं मर पाए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 ३. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 ४. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 ५. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 ६. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 ७. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 ८. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 ९. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।
 १०. जो लोग बच गए, वे भी बहुत बुरा हाल में रहने लगे।

[illegible]

२ उदाहरण :- एक घाट की लम्बाई २० गज और चौड़ाई ६० गज है तो उनके एक कोने से दूसरे कोने तक की दूरी बताओ ।



६०

१०० गज

६०

$$दल^2 = अज^2 + घल^2$$

$$\therefore दल^2 = ६०^2 + २०^2$$

$$= ३६०० + ४००$$

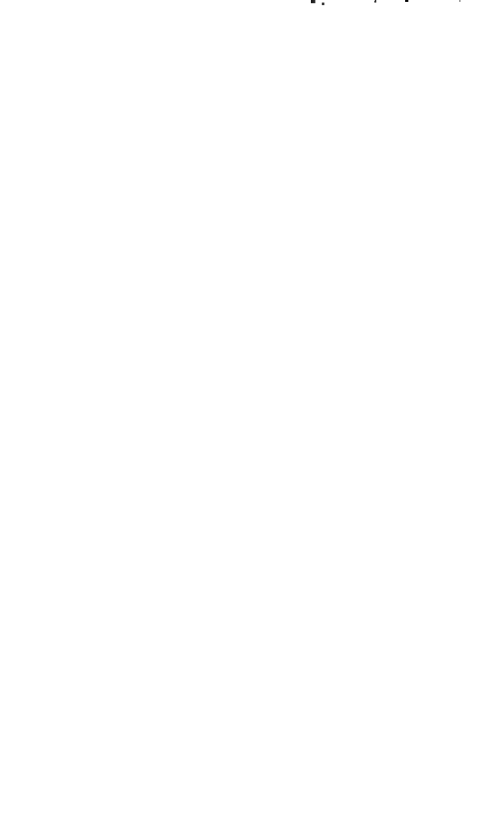
$$= ४०००$$

$$\therefore दल = \sqrt{४०००}$$

$$= १०० गज उत्तर$$

३ उदाहरण : एक वर्ग की एक भुजा १२१ गज और दूसरे वर्ग की भुजा ६६ गज है तो उन वर्ग की भुजा क्या होगी किन का क्षेत्रफल हमारे दोनों वर्गों का क्षेत्रफल नियत कर धरा देना चाहिए । यही धन्यता क भुजा निकल आएगी ।

हमारे वर्ग का क्षेत्रफल = १२१ वर्ग गज



३. गुरु - "तब तक कि एक भुजा ■ तय्याह क्या होगी त्रिपदा से
■ की दी ?" क. ज्ञान का के योग है समाज ही ?

॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

(५) का सुत्रक व दार्जील

1. $\frac{1}{2}$ 2. $\frac{1}{3}$ 3. $\frac{1}{4}$ 4. $\frac{1}{5}$ 5. $\frac{1}{6}$ 6. $\frac{1}{7}$ 7. $\frac{1}{8}$ 8. $\frac{1}{9}$ 9. $\frac{1}{10}$ 10. $\frac{1}{11}$ 11. $\frac{1}{12}$ 12. $\frac{1}{13}$ 13. $\frac{1}{14}$ 14. $\frac{1}{15}$ 15. $\frac{1}{16}$ 16. $\frac{1}{17}$ 17. $\frac{1}{18}$ 18. $\frac{1}{19}$ 19. $\frac{1}{20}$ 20. $\frac{1}{21}$ 21. $\frac{1}{22}$ 22. $\frac{1}{23}$ 23. $\frac{1}{24}$ 24. $\frac{1}{25}$ 25. $\frac{1}{26}$ 26. $\frac{1}{27}$ 27. $\frac{1}{28}$ 28. $\frac{1}{29}$ 29. $\frac{1}{30}$ 30. $\frac{1}{31}$ 31. $\frac{1}{32}$ 32. $\frac{1}{33}$ 33. $\frac{1}{34}$ 34. $\frac{1}{35}$ 35. $\frac{1}{36}$ 36. $\frac{1}{37}$ 37. $\frac{1}{38}$ 38. $\frac{1}{39}$ 39. $\frac{1}{40}$ 40. $\frac{1}{41}$ 41. $\frac{1}{42}$ 42. $\frac{1}{43}$ 43. $\frac{1}{44}$ 44. $\frac{1}{45}$ 45. $\frac{1}{46}$ 46. $\frac{1}{47}$ 47. $\frac{1}{48}$ 48. $\frac{1}{49}$ 49. $\frac{1}{50}$ 50. $\frac{1}{51}$ 51. $\frac{1}{52}$ 52. $\frac{1}{53}$ 53. $\frac{1}{54}$ 54. $\frac{1}{55}$ 55. $\frac{1}{56}$ 56. $\frac{1}{57}$ 57. $\frac{1}{58}$ 58. $\frac{1}{59}$ 59. $\frac{1}{60}$ 60. $\frac{1}{61}$ 61. $\frac{1}{62}$ 62. $\frac{1}{63}$ 63. $\frac{1}{64}$ 64. $\frac{1}{65}$ 65. $\frac{1}{66}$ 66. $\frac{1}{67}$ 67. $\frac{1}{68}$ 68. $\frac{1}{69}$ 69. $\frac{1}{70}$ 70. $\frac{1}{71}$ 71. $\frac{1}{72}$ 72. $\frac{1}{73}$ 73. $\frac{1}{74}$ 74. $\frac{1}{75}$ 75. $\frac{1}{76}$ 76. $\frac{1}{77}$ 77. $\frac{1}{78}$ 78. $\frac{1}{79}$ 79. $\frac{1}{80}$ 80. $\frac{1}{81}$ 81. $\frac{1}{82}$ 82. $\frac{1}{83}$ 83. $\frac{1}{84}$ 84. $\frac{1}{85}$ 85. $\frac{1}{86}$ 86. $\frac{1}{87}$ 87. $\frac{1}{88}$ 88. $\frac{1}{89}$ 89. $\frac{1}{90}$ 90. $\frac{1}{91}$ 91. $\frac{1}{92}$ 92. $\frac{1}{93}$ 93. $\frac{1}{94}$ 94. $\frac{1}{95}$ 95. $\frac{1}{96}$ 96. $\frac{1}{97}$ 97. $\frac{1}{98}$ 98. $\frac{1}{99}$ 99. $\frac{1}{100}$ 100. $\frac{1}{101}$ 101. $\frac{1}{102}$ 102. $\frac{1}{103}$ 103. $\frac{1}{104}$ 104. $\frac{1}{105}$ 105. $\frac{1}{106}$ 106. $\frac{1}{107}$ 107. $\frac{1}{108}$ 108. $\frac{1}{109}$ 109. $\frac{1}{110}$ 110. $\frac{1}{111}$ 111. $\frac{1}{112}$ 112. $\frac{1}{113}$ 113. $\frac{1}{114}$ 114. $\frac{1}{115}$ 115. $\frac{1}{116}$ 116. $\frac{1}{117}$ 117. $\frac{1}{118}$ 118. $\frac{1}{119}$ 119. $\frac{1}{120}$ 120. $\frac{1}{121}$ 121. $\frac{1}{122}$ 122. $\frac{1}{123}$ 123. $\frac{1}{124}$ 124. $\frac{1}{125}$ 125. $\frac{1}{126}$ 126. $\frac{1}{127}$ 127. $\frac{1}{128}$ 128. $\frac{1}{129}$ 129. $\frac{1}{130}$ 130. $\frac{1}{131}$ 131. $\frac{1}{132}$ 132. $\frac{1}{133}$ 133. $\frac{1}{134}$ 134. $\frac{1}{135}$ 135. $\frac{1}{136}$ 136. $\frac{1}{137}$ 137. $\frac{1}{138}$ 138. $\frac{1}{139}$ 139. $\frac{1}{140}$ 140. $\frac{1}{141}$ 141. $\frac{1}{142}$ 142. $\frac{1}{143}$ 143. $\frac{1}{144}$ 144. $\frac{1}{145}$ 145. $\frac{1}{146}$ 146. $\frac{1}{147}$ 147. $\frac{1}{148}$ 148. $\frac{1}{149}$ 149. $\frac{1}{150}$ 150. $\frac{1}{151}$ 151. $\frac{1}{152}$ 152. $\frac{1}{153}$ 153. $\frac{1}{154}$ 154. $\frac{1}{155}$ 155. $\frac{1}{156}$ 156. $\frac{1}{157}$ 157. $\frac{1}{158}$ 158. $\frac{1}{159}$ 159. $\frac{1}{160}$ 160. $\frac{1}{161}$ 161. $\frac{1}{162}$ 162. $\frac{1}{163}$ 163. $\frac{1}{164}$ 164. $\frac{1}{165}$ 165. $\frac{1}{166}$ 166. $\frac{1}{167}$ 167. $\frac{1}{168}$ 168. $\frac{1}{169}$ 169. $\frac{1}{170}$ 170. $\frac{1}{171}$ 171. $\frac{1}{172}$ 172. $\frac{1}{173}$ 173. $\frac{1}{174}$ 174. $\frac{1}{175}$ 175. $\frac{1}{176}$ 176. $\frac{1}{177}$ 177. $\frac{1}{178}$ 178. $\frac{1}{179}$ 179. $\frac{1}{180}$ 180. $\frac{1}{181}$ 181. $\frac{1}{182}$ 182. $\frac{1}{183}$ 183. $\frac{1}{184}$ 184. $\frac{1}{185}$ 185. $\frac{1}{186}$ 186. $\frac{1}{187}$ 187. $\frac{1}{188}$ 188. $\frac{1}{189}$ 189. $\frac{1}{190}$ 190. $\frac{1}{191}$ 191. $\frac{1}{192}$ 192. $\frac{1}{193}$ 193. $\frac{1}{194}$ 194. $\frac{1}{195}$ 195. $\frac{1}{196}$ 196. $\frac{1}{197}$ 197. $\frac{1}{198}$ 198. $\frac{1}{199}$ 199. $\frac{1}{200}$ 200. $\frac{1}{201}$ 201. $\frac{1}{202}$ 202. $\frac{1}{203}$ 203. $\frac{1}{204}$ 204. $\frac{1}{205}$ 205. $\frac{1}{206}$ 206. $\frac{1}{207}$ 207. $\frac{1}{208}$ 208. $\frac{1}{209}$ 209. $\frac{1}{210}$ 210. $\frac{1}{211}$ 211. $\frac{1}{212}$ 212. $\frac{1}{213}$ 213. $\frac{1}{214}$ 214. $\frac{1}{215}$ 215. $\frac{1}{216}$ 216. $\frac{1}{217}$ 217. $\frac{1}{218}$ 218. $\frac{1}{219}$ 219. $\frac{1}{220}$ 220. $\frac{1}{221}$ 221. $\frac{1}{222}$ 222. $\frac{1}{223}$ 223. $\frac{1}{224}$ 224. $\frac{1}{225}$ 225. $\frac{1}{226}$ 226. $\frac{1}{227}$ 227. $\frac{1}{228}$ 228. $\frac{1}{229}$ 229. $\frac{1}{230}$ 230. $\frac{1}{231}$ 231. $\frac{1}{232}$ 232. $\frac{1}{233}$ 233. $\frac{1}{234}$ 234. $\frac{1}{235}$ 235. $\frac{1}{236}$ 236. $\frac{1}{237}$ 237. $\frac{1}{238}$ 238. $\frac{1}{239}$ 239. $\frac{1}{240}$ 240

• 4 • 1997 年 12 月 1 日

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1. *What is the purpose of the study?*

[illegible]

— *Journal of the American Medical Association*

100 100 100 100 100

Abstract

[illegible]

Figure 1 consists of two bar charts, (a) and (b), showing the percentage of respondents for different levels of agreement with the statement 'The government should do more to protect the environment'.

Chart (a) shows the percentage of respondents for different levels of agreement with the statement 'The government should do more to protect the environment'.

| Level of Agreement | Percentage of Respondents |
|--------------------|---------------------------|
| Strongly agree | 15% |
| Agree | 45% |
| Disagree | 25% |
| Strongly disagree | 15% |

Chart (b) shows the percentage of respondents for different levels of agreement with the statement 'The government should do more to protect the environment'.

| Level of Agreement | Percentage of Respondents |
|--------------------|---------------------------|
| Strongly agree | 25% |
| Agree | 55% |
| Disagree | 15% |
| Strongly disagree | 5% |

नीचे लिखी बातें बड़ी आसानी से साधित हो सकती हैं:—

$$\text{अरीष} \times \text{अरीष} = \text{बीषा}$$

$$\text{अरीष} \times \text{गट्टा} = \text{विस्वा}$$

$$\text{गट्टा} \times \text{गट्टा} = \text{विस्वांसी}$$

$$\text{अरीष} \times \text{विस्वांसी} = \text{विस्वांसी}$$

$$\text{विस्वांसी} \times \text{गट्टा} = \text{कचवांसी}$$

$$\text{विस्वांसी} \times \text{विस्वांसी} = \text{अनवांसी}$$

$$\text{गट्टा} \times \text{विस्वांसी} = \text{कचवांसी}$$

१ उदाहरण:—एक आयताकार खेत का क्षेत्रफल बताओ जो ८ अरीष

७ गट्टा लम्बा तथा ३ अरीष ५ गट्टा चौड़ा है।

$$= \text{अरीष} \times ३ \text{ अरीष} = २४ \text{ बीषा}$$

$$= \text{अरीष} \times ५ \text{ गट्टा} = ४० \text{ विस्वा}$$

$$३ \text{ अरीष} \times ७ \text{ गट्टा} = २१ \text{ विस्वा}$$

$$७ \text{ गट्टा} \times ५ \text{ गट्टा} = ३५ \text{ विस्वांसी}$$

∴ सब मिल कर = २० बीषा २ विस्वा १५ विस्वांसी उत्तर

२ उदाहरण:—एक आयताकार खेत ८ गट्टा लम्बा और १२ गट्टा चौड़ा है तो उसका क्षेत्रफल बताओ।

$$७ \text{ गट्टा} \times १२ \text{ गट्टा} = ८४ \times \frac{१}{४} \text{ बीषा}$$

$$= २१ \frac{३}{४} \text{ बीषा}$$

$$= २१ - \text{विस्वा} = ४ \text{ विस्वा } ४ \text{ विस्वांसी}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१२४)

नीचे के आयताकार खेतों का क्षेत्रफल निकालो:—

(१) ३ अरीष लम्बा, २ अरीष चौड़ा

(२) १ अरीष १० गट्टा लम्बा, १५ गट्टा चौड़ा

- (३) = जमीन १२ गट्टा लम्बा १ जमीन २ गट्टा चौड़ा
 (४) ४ जमीन १२ गट्टा लम्बा, २ जमीन ८ गट्टा चौड़ा
 (५) २ जमीन १० गट्टा लम्बा ४ जमीन ६ गट्टा चौड़ा
 (६) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा, १२ गट्टा चौड़ा
 (७) ६ जमीन १८ गट्टा लम्बा, १ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (८) ६ जमीन ४ गट्टा लम्बा ३ जमीन १० गट्टा चौड़ा
 (९) ० जमीन १० गट्टा लम्बा ४ जमीन १० गट्टा चौड़ा
 (१०) ८ जमीन १० गट्टा लम्बा, १ जमीन १२ गट्टा चौड़ा
 (११) ३ जमीन ४ गट्टा लम्बा, २ जमीन ६ गट्टा चौड़ा
 (१२) १ जमीन ४ गट्टा लम्बा १६ गट्टा चौड़ा
 (१३) १० गट्टा लम्बा, १२ गट्टा चौड़ा
 (१४) १८ गट्टा लम्बा १३ गट्टा चौड़ा
 (१५) २४ गट्टा लम्बा २० गट्टा चौड़ा
 (१६) २० गट्टा लम्बा, २१ गट्टा चौड़ा
 (१७) १२ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन ११ गट्टा चौड़ा
 (१८) १ जमीन २ गट्टा लम्बा १० गट्टा चौड़ा
 (१९) २ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ गट्टा चौड़ा
 (२०) २ जमीन १० गट्टा लम्बा, २ जमीन १० गट्टा चौड़ा
 (२१) २ जमीन १० गट्टा लम्बा ३ जमीन ४ गट्टा चौड़ा
 (२२) ३ जमीन ४ गट्टा लम्बा, २ जमीन ६ गट्टा चौड़ा
 (२३) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा १२ गट्टा चौड़ा
 (२४) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (२५) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (२६) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (२७) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (२८) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (२९) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन १३ गट्टा चौड़ा
 (३०) ४ जमीन २ गट्टा लम्बा ३ जमीन १३ गट्टा चौड़ा

- (२६) ४ जरीब १२ कड़ी लम्बा, ४ जरीब २ कड़ी चौड़ा
 (२७) ७ जरीब १२ कड़ी लम्बा, २ जरीब ६२ कड़ी चौड़ा
 (२८) ४ जरीब २२ $\frac{१}{२}$ कड़ी लम्बा, २ जरीब २० कड़ी चौड़ा
 (२९) ७ जरीब ४० $\frac{१}{२}$ कड़ी लम्बा, २ जरीब ६३ $\frac{१}{२}$ कड़ी चौड़ा

कमरे की दीवारों का क्षेत्रफल, दीवारों में चटाई आदि लगाना

(१६०) यह बात सब को मालूम है कि कमरे में चार दीवारें होती हैं। इनमें से दो दीवारें बड़ी होती हैं और दो छोटी। दोनों बड़ी दीवारें आपस में बराबर होती हैं और दोनों छोटी दीवारें भी आपस में बराबर होती हैं। यह भी स्पष्ट ही है कि प्रत्येक दीवार आयत है। इसलिये आयत के क्षेत्रफल निकालने के नियमों की सहायता से ही कमरे की दीवारों का क्षेत्रफल निकल सकता है।

सब से पहले बड़ी दीवार को ले लिया। यह एक आयत है जिसकी लम्बाई कमरे की लम्बाई है और जिसकी चौड़ाई कमरे की ऊँचाई है।

∴ इसका क्षेत्रफल = कमरे की लम्बाई × ऊँचाई

∴ दोनों बड़ी दीवारों का क्षेत्रफल = २ × (कमरे लम्बाई × ऊँचाई)

अब छोटी दीवारों को लिया और इसका भी उसी प्रकार से क्षेत्रफल निकाला।

∴ दोनों छोटी दीवारों का क्षेत्रफल = २ × (कमरे की चौड़ाई × ऊँचाई)

∴ चारों दीवारों का क्षेत्रफल = २ × (कमरे की लम्बाई × ऊँचाई) +

२ × (कमरे की चौड़ाई × ऊँचाई)

= २ × (लम्बाई + चौड़ाई) × ऊँचाई।

इस सूत्र की सहायता से चारों दीवारों का क्षेत्रफल ज्ञात हो गया। परन्तु यह भी स्मरण रखना चाहिये कि इस क्षेत्रफल में द्वारों और खिड़कियों आदि का क्षेत्रफल भी शामिल है। इस लिये अगर किसी प्ररम में दरवाजें, तथा खिड़कियाँ आदि दी हुई हों तो इनका क्षेत्रफल निकाल

कर उस क्षेत्रफल में से घटा देना चाहिये । परन्तु त्रिज प्रश्नों में सिर्फि या दरवाजे आदि न हों, वन में इनका क्षेत्रफल नहीं घटाया जा सका यह भी नहीं भूलना चाहिये कि कमरे की लम्बाई और चौड़ाई के ॥ कर देने से कमरे की भीतरी छत का क्षेत्रफल निकल आता है क्योंकि दरवा में भीतरी छत का क्षेत्रफल कमरे के फर्श के क्षेत्रफल बराबर है ।

१ उदाहरणः—एक कमरे की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमशः २१, २० और १२ गज है तो चारों दीवारों का क्षेत्रफल बताओ ।

$$\begin{aligned}\text{चारों दीवारों का क्षेत्रफल} &= 2 \times (\text{लम्बाई} + \text{चौड़ाई}) \times \text{ऊँचाई} \\ &= 2 \times (21 + 20) \times 12 \text{ वर्ग गज} \\ &= 2 \times 41 \times 12 \text{ वर्ग गज} \\ &= 984 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

२ उदाहरणः—एक लम्बाई २० गज लम्बी, १६ गज चौड़ी और ११ गज गहरी है । उसके भीतर की ओर पुताई करने में १ रु० प्रति वर्ग गज के हिसाब से क्या खर्च लगेगा ?

$$\begin{aligned}\text{अमकी लकी का क्षेत्रफल} &= 2 \times 16 \text{ वर्ग गज} \\ &= 320 \text{ वर्ग गज} \\ \text{दीवारों का क्षेत्रफल} &= 2 \times (20 + 16) \times 11 \\ &= 784 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{पुताई कराने का क्षेत्रफल} &= 320 + 784 \text{ वर्ग गज} \\ &= 1104 \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{खर्च} &= 1104 \times 1 \text{ रु०} \\ &= 1104 \text{ रु० उत्तर}\end{aligned}$$

३ उदाहरणः—एक सन्दूक बाहर से ६ फीट लम्बा, ४ फीट चौड़ा और ४ फीट ऊँचा है । यह सन्दूक ६ इंच मोटे तख्तों से बना हुआ है तो बताओ उसमें कितना वर्ग फीट तख्ता लगा होगा ।

यह प्रश्न कई तरह से लग सकता है। पहले किसी एक ओर की लकड़ियों का क्षेत्रफल निकालना चाहिए और तब उसने की मुगई का दूना घटा कर दूसरी ओर के तलों का।

$$६ \times २ \text{ इंच} = १२ \text{ फुट}$$

पहले सबसे ऊपर अर्थात् टहन और तली का क्षेत्रफल निकाल लिया।
तली और टहन का क्षेत्रफल $= ६ \times २ \times २$

$$= २४ \text{ वर्ग फीट}$$

$$\text{संयुक्त के चारों ओर की भीतरी लम्बाई} = (६ - १) \times २ + २ \times २ \\ = २० \text{ फीट}$$

$$\text{और चारों ओर की ऊँचाई} = ४ - १ \text{ फीट} \\ = ३ \text{ फीट}$$

$$\therefore \text{चारों ओर का क्षेत्रफल} = २० \times ३ \text{ वर्ग फीट} \\ = ६० \text{ वर्ग फीट}$$

$$\therefore \text{कुल क्षेत्रफल} = २४ + ६० \text{ वर्ग फीट} \\ = ८४ \text{ वर्ग फीट}$$

अभ्यासाय प्रश्न (१२५)

(१) एक कमरे की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २०, १२ और १२ फीट है तो चारों दीवारों का क्षेत्रफल बताओ।

(२) एक खाई का लम्बाई चौड़ाई और गहराई क्रम से २०, २२ और १० फीट है तो खाई का दीवारों का क्षेत्रफल निकालो।

(३) एक खाई की लम्बाई, चौड़ाई और गहराई क्रम से १८, १४, और ६ फीट है। उसके भीतर की ओर पुताई करने में ६ भा० प्रति गज के दर से क्या खर्च पड़ेगा।

(४) एक कमरा २० फीट लम्बा १८ फीट चौड़ा और १६ फीट ऊँचा

घोर बनी हुई है। मैदान की खम्बाई २०० फीट है और सड़क का तल १ पैस प्रति वर्ग फीट है। अगर सड़क बूनी चौड़ी होती तो उसमें २५ पौण्ड और अधिक खर्च होता तो मैदान की चौड़ाई बताओ।

✓ (१०) एक कमरा ५ गज लम्बा है। उसमें प्रकाश कराने की लागत ८० रु० और आगल मढ़वाने की लागत १५ रु० ८ पाना है। यदि कमरे की चौड़ाई ३ गज कम होती और ऊँचाई आधा गज अधिक, तो प्रकाश कराने की लागत पहले से २० रु० कम परन्तु आगल मढ़वाने की लागत वही रहती, तो कमरे की चौड़ाई और ऊँचाई बताओ।

घनफल

(११८) जिनमें खम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई हो उन्हें घन या पिंड कहते हैं। इनके उदाहरण संदूक, घर का कमरा आदि हैं। इन के ऊपरी भाग को पृष्ठ या घरातल या तल कहते हैं। अगर कोई संदूक है तो उसमें ६ पृष्ठ होंगे और हर पृष्ठ का हर एक कोण सम कोण होगा। ऐसे घनों को जिनके हर पृष्ठ के हर एक कोण समकोण हों आयताकार घन कहते हैं और अगर लम्बाई चौड़ाई और ऊँचाई प्रत्येक आपस में बराबर हों तो उसे सम घन कहने हैं। पिंडों के नापने की इकाई भी कोई पिंड हो जाना चाहिये और तब किसी पिंड के घनफल से यह मानलव होगा कि इसमें पिंड की इकाई कितनी बार शामिल है। पिंडों के नापने की इकाई वह पिंड या घन है जिसकी हर एक भुजा इकाई के समान होनी है चाहे ये इकाईयाँ इंच, फुट, गज या और कोई वस्तु हो।

अगर कोई वस्तु एक गज लम्बी, एक गज चौड़ी और एक गज ऊँची हो और उसके हर एक पृष्ठ का हर एक कोण समकोण हो तो उसे घन गज कहेंगे और उससे जिनको जगह घिरी हुई है वह घन फल कहलाती है। पिंडों के नापने की यह इकाई बरखा सकती है। पिंडों के नापने की इकाई समचन है। परन्तु वर्ग गज और गज वर्ग की भाँति घन गज और

में होंगी। ऊँई १० गज चौड़ी और २ गज गहरी होगी। तो बरतपो ४ सुदवाने में २ ६० घन गज के हिमाव से क्या प्रचर्च होगा ?

$$\begin{aligned}\text{ऊँई की खम्बाई} &= 2 \times 100 + (20 + 10 + 10) \times 2 \text{ गज} \\ &= 240 \text{ गज}\end{aligned}$$

साफ जाहिर है कि १० का दूना या तो खम्बाई में या चौड़ाई जोड़ना चाहिए।



$$\begin{aligned}\therefore \text{ऊँई का घनफल} &= 240 \times 10 \times 2 \text{ घनगज} \\ &= 4800 \text{ घन गज}\end{aligned}$$

१ घनगज में २ ६०

$$\begin{aligned}\therefore 4800 \text{ घन गज में } &4800 \times 2 60 \\ &= 124800 \text{ ६० उत्तर}\end{aligned}$$

४ उदाहरण :- एक संदूक की बाहरी खम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २ फीट ७ इंच और ३ फीट है। संदूक एक ऐसे तले बना हुआ है जो ३ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट लकड़ों का दाम १ ४ ८ प्रा० हो तो बरतपो उस संदूक में जगी हुई लकड़ी का दाम क्या होगा।

संदूक का ऊपरी परिमाण मानून है। इसलिए लकड़ों की मोटाई के हिसाब से एक परिमाण में घटाने से संदूक का भीतरी परिमाण मानून जायगा।

संदूक की
संदूक की
और संदूक

फीट
फीट
१ फीट

में होंगी। सोई १० गज चौकी और २ गज गहरी होगी। तो बनाये गये खुदवाने में २ ट० घन गज के हिमाश से क्या व्यय होगा ?

$$\begin{aligned}\text{सोई की सम्पाई} &= 2 \times 100 + (20 + 10 + 10) \times 2 \text{ गज} \\ &= 340 \text{ गज}\end{aligned}$$

साफ़ जाहिर है कि १० का दूना या तो सम्पाई में या चौकई में जोड़ना चाहिए।



$$\begin{aligned}\therefore \text{सोई का घनफल} &= 340 \times 10 \times 2 \text{ घनगज} \\ &= 13600 \text{ घन गज}\end{aligned}$$

१ घनगज में २ ट०

$$\begin{aligned}\therefore 13600 \text{ घन गज में } &13600 \times 2 \text{ ट०} \\ &= 27200 \text{ ट० उत्तर}\end{aligned}$$

४ उदाहरण : - एक संदूक की बाहरी सम्पाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २ फीट ४ इंच और २ फीट १ इंच है। संदूक एक ठोके लगे है बना हुआ है जो २ इंच मोटा है। अगर १ घनफुट लकड़ों का दाम १ रु० ८ आ० हो तो बनाये गये संदूक में खरी हुई लकड़ों का दाम क्या होगा ?

संदूक का कतरी परिमाण मान्य है इसलिए लकड़ों की मोटाई के हिसाब से इस एक परिमाण में बढ़ाने से संदूक का भीतरी परिमाण मान्य हो जायगा।

$$\text{संदूक की भीतरी सम्पाई} = 2 - \frac{2}{12} = 1\frac{10}{12} \text{ फीट}$$

$$\text{संदूक की भीतरी चौड़ाई} = 2 - \frac{2}{12} = 1\frac{10}{12} \text{ फीट}$$

$$\text{और संदूक की भीतरी ऊँचाई} = 2 - \frac{2}{12} = 1\frac{10}{12} \text{ फीट}$$

क्षिती हुई खोंगी यदि गारे की उड़ाई में उस दीवार का १ भाग वैसा हो जाता है ?

(१४) एक संवृष्ट में जो बाहर से १ फुट खम्बी, ४ फुट चौड़ी और ३ फुट ऊंची है और जो १ इंच मोटे लकड़े से बनाई गई है, क्षिती के लकड़ों से खोंगी है ?

(१५) एक दीवार २० गज खम्बी २ १/२ फुट चौड़ी और १२ फुट लंबी है उसके बनवाने में २ इंच खम्बी, १ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी क्षिती हुई खोंगी जब कि दीवार में १ फीट ऊंचा और ३ फीट चौड़ा एक दरवाजा है ।

(१६) ११ फीट खम्बी और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊंचाई बताओ जब कि कमरे में ११६३ घन फीट ८१४ घन इंच हवा समाती है ।

(१७) २ गज खम्बी और १ १/२ चौड़े होठ की गहराई बताओ जब कि इन होठ में उतना ही पानी आता है जितना कि ४ गज खम्बी १ गज चौड़े और १ फीट ३ इंच गहरे होठ में आता है ।

(१८) यदि एक घन फुट पर्यन्त की लंबाई १६९ सेर है तो ४ फीट खम्बी, ३ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पथर की लंबाई बताओ ।

(१९) एक होठ १६ फीट खम्बी, १२ फीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक मछ जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी खाता है उसे क्षिती केर में भर सकेगा ?

(२०) एक, १० फीट १ इंच खम्बी और २ फीट ३ इंच चौड़े, लोह में पानी भरा है । पानी १ १/२ इंच नीचा करने के लिए क्षिती घन फुट पानी निकालना पड़ेगा ?

(२१) यदि एक आदमी के जिघ्र १० घन फीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बताओ उस कमरे में जिसकी खम्बी, चौड़ाई और ऊंचाई क्रम से २२, १८ और २२ फीट है क्षिती मनुष्य रह सकते हैं ?

झिनी हटें जगेंगी यदि गारे की छपाई में कम दीवार का $\frac{1}{4}$ भाग देना आता है ?

(१४) एक संयुक्त में जो बाहर से ६ फुट ऊँची, ३ फुट चौड़ी १ १ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकने से बनाई गई है, जिसे वह खचनी होगी है ?

(१५) एक दीवार २० गज ऊँची २ $\frac{1}{2}$ फुट चौड़ी और १२ फुट है है समूचे बनवाने में २ इंच ऊँची, ६ इंच चौड़ी और ३ इंच मोटी जि हटें जगेंगी अब कि दीवार में २ फीट ऊँचा और ३ फीट चौड़ा दरवाजा है ।

(१६) ११ फीट ऊँचे और ७ फीट चौड़े कमरे की छपाई बन अब कि कमरे में ११२२ अब फीट ८२४ अब इंच हवा मरानी है ।

(१७) २ गज ऊँचे और १ $\frac{1}{2}$ चौड़े होठ की गहराई बनाओ अब हम होठ में डगना ही पानी आता है जिनका कि ४ गज ऊँचे १ गज चौ और १ फीट ३ इंच गहरे होठ में आता है ।

(१८) यदि एक कम ५ फुट ऊँचा की लोख १९९ से है ४ फीट ऊँचे, ३ फीट ६ इंच चौड़े और १ फीट लंबे ऊँचा की न बनाओ ।

(१९) एक होठ १६ फीट ऊँचा, १२ फीट चौड़ा और २ ६ गहरा है, एक कम जो प्रति मिनट में ३० अब फीट पानी डालता है ३ झिनी दर में वह मरेगा ?

(२०) एक, १० फीट ६ इंच ऊँचे और २ फीट २ इंच चौड़े, में पानी भरा है । पानी १ $\frac{1}{2}$ इंच नीचा ऊँचे के बिन्दु जिनका अब फुट का दिखावना रहेगा ?

(२१) यदि एक आदमी के बिन्दु १० अब फीट हवा की सतह पर पानी है तो बनाओ अब कमरे में जिनकी ऊँचाई, चौड़ाई और ईर्षा ८ से २२, १८ और २२ फीट है जिसे समुच्च १८ मजदोरे है ?

कितनी हटें खोंगी यदि गहरे की छद्दाई में उस दीवार का $\frac{1}{2}$ भाग ठेका तो जाता है ?

(१४) एक संतुल्य में जो बाहर से १ फुट लम्बी, ४ फुट चौड़ी जो ३ फुट ऊँची है और जो १ इंच मोटे लकड़े से बनाई गई है, कितने घन फुट लकड़ी खरी है ?

(१५) एक दीवार २० गज लम्बी २ $\frac{1}{2}$ फुट चौड़ी और १२ फुट ऊँची है उसके बनवाने में २ इंच लम्बी, १ इंच चौड़ी और २ इंच मोटी प्लिंथें हटें खोंगी जब कि दीवार में १ फीट ऊँचा और २ फीट चौड़ा एक दरवाजा है ।

(१६) ११ फीट लम्बे और ७ फीट चौड़े कमरे की ऊँचाई बताओ जब कि कमरे में ११६१ घन फीट ८९४ घन इंच हवा समाती है ।

(१७) २ गज लम्बे और १ $\frac{1}{2}$ चौड़े होज की गहराई बताओ जब कि इस होज में उतना ही पानी आता है जितना कि ४ गज लम्बे १ गज चौड़े और १ फीट ३ इंच गहरे होज में आता है ।

(१८) यदि एक घन फुट पत्थर की तौल १११ सेर है तो ४ फीट लम्बे, ३ फीट १ इंच चौड़े और १ फीट मोटे पत्थर की तौल बताओ ।

(१९) एक होज १६ फीट लम्बा, १२ फीट चौड़ा और २ फीट गहरा है, एक नल जो प्रति मिनट में ३० घन फीट पानी बहाता है उसे कितनी देर में भर सकेगा ?

(२०) एक, १० फीट १ इंच लम्बे और २ फीट ३ इंच चौड़े, होज में पानी भरा है । पानी १ $\frac{1}{2}$ इंच नीचा करने के लिए कितना घन फुट पानी निकालना पड़ेगा ?

(२१) यदि एक घादमी के लिए १० घन फीट हवा की आवश्यकता पड़ती है तो बताओ उस कमरे में जिसकी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से २२, १८ और २२ फीट है कितने मनुष्य रह सकते हैं ?

निकलेगी २ फुट २ इंच ऊँचा करना चाहता है । यदि खाई की गहराई ज जगह बराबर हो तो खाई की गहराई बताओ ।

(१०) एक भायताकार गड १८० गज लम्बा और ११० गज चौड़ा है । उसके चारों ओर एक खाई खुदवानी है जिसकी दीवारें लम्बे हैं रहेंगी । खाई की चौड़ाई २४ फीट और गहराई १८ फीट होगी तो बताओ खुदाई का खर्च ८ पाने प्रति घन गज की दर से क्या होगा ।

(११) एक होज २० फीट लम्बा और ४० फीट चौड़ा है जो पानी बाझने की माछी से २ दिन में भर जाता है; परन्तु यदि उसमें १००० घन फीट पानी बाज दिया जाए तो माछी होज २ दिन १८ घंटे में माछों से भर जाता है तो होज की गहराई बताओ ।

(१२) एक कमरा बाहर से २० फीट लम्बा २० फीट चौड़ा और १८ फीट ऊँचा है । उस की दीवारें २ फीट चौड़ी हैं । कमरे में २ दरवाजा, जिनमें ८ फीट ऊँचा और ४ फीट चौड़ा और २ खिड़कियाँ २ फीट ऊँची और ११ चौड़ी हैं तो (१) दिवार बनाने का खर्च २ २० १० भा० प्रतिघन फीट की दर से और (२) उन दीवारों में लगाने वाली ईंटों की संख्या जब कि प्रत्येक ईंट २ इंच लम्बी, २ इंच चौड़ी और ४ इंच मोटी हो बताओ ।

(१३) एक होज १ इंच मोटे तख्ते का बना हुआ है और बाहर की ओर २१ फीट लम्बा, ७ फीट ८ इंच चौड़ा और ११ फीट १ इंच गहरा है तो बताओ उस में कितने घन पानी आयागा । (एक घनफीट पानी = १००० गैलन)

(१४) एक सन्तूक की बाहरी लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमशः ४ फीट, २ फीट और १२ इंच है और यह सन्तूक १ इंच मोटे तख्ते से बनाया गया है तो बताओ उस सन्तूक में कितने घन इंच लकड़ी जगी । और १ भा० प्रति वर्ग फुट के हिसाब से सन्तूक के रेंगने में क्या खर्च पड़ेगा । (सन्तूक डकनदार है)

वेसे ही किया करो जैसा ममानुषान में किया जाता है अर्थात् प्रत्येक में वे मन्त्रालियों को लेकर देव को कि इस में कौन प्रथम राशि के स्थान पर लिखा जायगा और कौन दूसरी राशि के स्थान पर। इसके बाद दूसरी और तीसरी राशियों के स्थान के अंशों के गुणनफल में पहली राशि के स्थान के अंश का भाग दे दो को उत्तर था जायगा। यह नियम नीचे के उदाहरणों द्वारा स्पष्ट हो जायगा।

१ उदाहरण — २ आदमी १२ दिन में ३० रु० कमाते हैं तो ३ आदमी १० दिन में कितना कमावेंगे ?

$$\begin{array}{rcl} २ \text{ आदमी} & = & १२ \text{ दिन} \\ १२ \text{ दिन} & = & १० \text{ दिन} \end{array} \quad \left. \begin{array}{l} \\ \end{array} \right\} \quad ३० \text{ रु० उत्तर}$$

$$\text{उत्तर } \times १२ = १० \quad ३०$$

$$\begin{array}{rcl} \text{उत्तर} & = & ३० \quad ३० \\ & \times & १२ \end{array}$$

$$= ३२४०$$

इस प्रश्न में पहले उत्तर राशि के स्थान पर रख दिया है उत्तर ३० में आवेगा इस विषये तीसरी राशि के स्थान पर उसी का एक तीस ३० २० रख दिया। अब २ आदमी और २ आदमी को और अधिक करने में म साधा कि यदि २ आदमी ३० रु० कमाते हैं तो ३ आदमी कितना कमावेंगे अगर जाना हो अथवा वे समय एक ही हो। साधने में पता चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० से अधिक होगा। इस विषये २ की दूसरी राशि ६ जोख लिखा और २ को सबेरे राशि ६ राख इसके बाद १२ दिन और १० दिन को। और साधा कि अगर १२ दिन में ३० रु० कमाने हैं तो १० दिन में कितना कमावेंगे अगर जाना हो अथवा वे समय एक ही हो। इसमें पता चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० से कम रहेगी। इससे पता चला कि उत्तर तीसरी राशि ३० रु० से अधिक होगा।

४२० गेहदार ३ घंटा प्रति दिन काम करके ३० गज खम्बी, १४ गज चौरी और १२ गज गहरी खोदें किन्तु दिनों में खोदेंगे ?

(३८) एक रेख गाड़ी जितने समय में ११ मोख जाती है, उतने समय में दूसरी रेख गाड़ी ८ मोख जाती है, यदि दूसरी गाड़ी १३ दिन में १०८० मोख जाए तो पहली गाड़ी १३ दिन में कितनी जाएगी ?

(३९) ८ मर्द और ६ खड्के १२ एकड़ धान २ दिन में काटते हैं तो १० मर्द ४ खड्के १२ दिन में कितने एकड़ धान काटेंगे ? अब नि यह ज्ञात है कि २ खड्कों का काम १ मर्द के काम के बराबर है ।

(४०) यदि ४ मर्द और १० खड्के एक काम को ८ दिन में पूरा दिन ६ घंटे काम करके पूरा करें तो ३ मर्द और ६ खड्के उसमें दूने काम को प्रति दिन ८ घंटे काम करके कितने समय में पूरा करेंगे ? १५४ मर्द का काम एक खड्के से कृता होता है ।

(४१) यदि २१० मजदूर प्रति दिन १० घंटे काम करके ० दिन में एक नहर १ मोख खम्बी ६ फीट चौड़ी और २ फीट गहरी खोदें तो प्रति दिन ० घंटे काम करके कितने दिनों में ३२ मजदूर एक नहर ११० फीट खम्बी ० फीट चौड़ी और २ फीट गहरी खोदेंगे ?

(४२) एक बने के खेत को २० मर्द या २५ खड्के ८ घंटे प्रति दिन काम करके ११ दिन में काटते हैं तो १६ मर्द और २० खड्के उसमें दूने खेत को प्रति दिन ६ घंटे काम करके कितने दिनों में काटेंगे ?

(४३) यदि गेह के ८ खेतों में जो प्रति दिन ४ घंटे उठते हैं, ६ दिन में १० ह० खाने हैं तो १२ ह० में १५ तक दिन कितने खेतों में प्रति दिन ६ घंटे उठाये जा सकेंगे ?

(४४) एक काम को ४० मर्द या २५ खड्के १० घंटे प्रति दिन आराम करके १२ दिन में पूरा करने हैं तो कनापो १६ मर्द और २५ खड्के मिल कर उस काम के ६० को ० घंटे प्रति दिन काम करके कितने दिनों में पूरा करेंगे ?

भीरत भीर ३२० खड़के मिल कर कितने दिनों में ४ घंटे प्रति दिन काम करके १९ मीछ ले जाएंगे ?

(२१) एक विद्यार्थी ४ घंटे में २० पृष्ठ लिखता है, जब कि अन्य पृष्ठ में ५० पंक्तियाँ होती हैं। तो बनाओ उसे ४० पृष्ठ लिखने में बिना समय खोएगा, जब प्रत्येक पृष्ठ में २५ पंक्तियाँ हों ?

(२२) ३२ मर्द एक दीवार को, जो ७०० फीट लम्बी, २ फीट गेजी भीर ७ फीट ऊँची है, १८ घंटा प्रतिदिन काम करके ९५ दिन में बनाते हैं तो ४९ मनुष्य भीर ४९ छियाँ मिलकर १००० फीट लम्बी, १½ फीट गेजी भीर ७ फीट ऊँची दीवार को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके ४९½ दिन में पूरा करेंगे ? जब कि यह ज्ञात है कि २ मर्दों के काम ७ छियों के काम के बराबर है।

(२३) २ मनुष्य या ३ भीरत या ४ खड़के प्रतिदिन २० मी छान करके २१ दिन में ५ पेड़ काटते हैं तो बनाओ २१ मनुष्य ३९ भीरत को ९० खड़के मिलकर १२५० पेड़ों को प्रतिदिन कितने घंटे काम करके ७० दिनों में काटेंगे ?

(२४) १ मर्द या २ भीरत या ३ खड़के २ घंटे में ५०० मीटर लम्बी खींचते हैं तो बनाओ १८०५०० मीटर लम्बी २० मर्द ३० भीरत को १४ खड़के मिलकर कितने घंटे में खींचेंगे ?

(२५) ९ घोड़े भीर १५ बैल के बिलाने का लम्बे २० दिन में २०० है तो बनाओ ८ घोड़े भीर १५ बैलों के १५ दिन बिलाने में क्या लम्बा होगा ? यह मान्य है कि २ घोड़े इतनी ही काम करते हैं जितनी १० बैल।

(२६) एक अश्व पर ३० मनुष्य थे। इनके लिए १० दिनों में अन्न का सामान, २० अश्व प्रति मनुष्य प्रति दिन के लिए था, और या ३५ दिन घोड़े इत्यादि के कारण अन्न का १ मर्द एक दिन खड़ा कर धराना पड़ा और इनके घोड़े ५ पादमी मर गये तो शेष अन्न प्रचार बँटा जाए कि सामान खाना दिनों के लिए पूरा हो जाए ?

(७१) ८ मनुष्य या १२ खड्के १५ बाँधे धान ६ घंटे प्रति दिन काम करके १० दिनों में काटते हैं तो बताओ कितने खड्के ६ मनुष्यों साथ काम करके १० बाँधे खेत के धान २ घंटे प्रति दिन काम में ४ दिन में काट लेंगे ?

(७२) एक चोर चोरी करके भागा । घर से निकलते समय एक ने उसे पकड़ लिया और उससे चोरी के ६० रु० का १ और १ अधिक बंडा घोड़ दिया । फिर उसे सतरी ने फाटक पर पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १ ६० अधिक लेकर घोड़ दिया । आगे बढ़ने पर उसे कोतवाल ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १ ६० अधिक लेकर घोड़ दिया । आगे बढ़ने पर फिर चौक पर दूसरे सिपाई ने पकड़ा और जो कुछ उसके पास था उसका १ और १० अधिक बंडा घोड़ दिया और अन्त में शहर के बाहरी फाटक के कोतवाल ने पकड़ा और उसके पास के रुपये का १ और ८ अधिक लेकर घोड़ दिया । इस प्रकार उसका कुछ रुपया समाप्त हो गया तो बताओ उसने कुछ रुपये चोरी की थी ?

(७३) ६ मनुष्य पूरे दिन काम करके एक काम को ३३ दिन में पूरा कर सकते हैं । लेकिन उन में से एक मनुष्य दूसरे काम के कारण सिर्फ आधे समय काम करता है और दूसरा सिर्फे तिहाई समय और तीसरा सिर्फे चौथाई समय, तो बताओ काम कितने दिनों में पूरा होगा ?

(७४) यदि १२ मनुष्य एक पुरता, जो २० गज लम्बा है, ८ घंटे प्रति दिन काम करके २५ दिन में बना सकते हैं तो १२० गज लम्बे पुरते को कितने मनुष्य ६ घंटे प्रति दिन काम कर के २४ दिन में बना लेंगे ? जब कि अन्त के तीन दिनों में २० मनुष्य और बढ़ा लिये जायें ।

(७५) १० घंटे प्रति दिन काम करके एक पुरता, जो ८० गज लम्बा है, १६ आदमी ६ दिन में बनाते हैं तो ६० गज लम्बे पुरते बनाने के

लिये = घंटे प्रति दिन करने वाले कितने मजदूर लगाने चाहिये कि काम १३ दिन में समाप्त हो जाए ? जब कि अन्त के दो दिनों में ६ मनुष्य और बढ़ा दिये जाएँगे ।

(८०) २० मनुष्य एक पुरता जो, ७५ गज लम्बा है १२ घंटे प्रति दिन काम कर के, ६ दिन में बना सकते हैं । उसी प्रकार के एक दूसरे पुरते में जो ६० गज लम्बा है ६ घंटे प्रति दिन काम करनेवाले ६ मनुष्य लगाये गये । दो दिन के बाद कुछ और आदमी लगाये गये और काम कुछ ६ दिनों में पूरा हो गया तो यथाश्रो पीछे और कितने मनुष्य लगाये गये थे ?

(८१) १२ रात्र एक भीत को, जो २५ फीट लम्बी, ३ फीट मोटी और = फीट ऊँची है, = घंटे प्रति दिन काम करके ६ दिन में बनाते हैं तो यथाश्रो ६ घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जाँय कि ३० फीट लम्बी, ३ १/२ फीट मोटी और १० फीट ऊँची भीत ६ दिन में तैयार हो जाये ? जब कि पीछे के तीन दिनों में ११ आदमी काम नहीं करते हैं ।

(८२) ४ पौण्ड चाय और = पौण्ड चीनी का दाम १३ शिल्लिङ्ग है ? यदि चाय का दाम २५ प्रति सैकड़ा बढ़ जाय और चीनी का दाम १५ प्रति सैकड़ा घट जाए तो उन का दाम २ १/२ पेंस बढ़ जाता है तो एक पौण्ड चाय और एक पौण्ड चीनी का मूल्य यथाश्रो ।

(८३) १० आदमी एक खाई, जो १५ फीट लम्बी, १० फीट चौड़ी और ५ फीट गहरी है, १४ घंटा प्रति दिन आराम करके १५ दिन में खोदते हैं तो १६ फीट लम्बी, = फीट चौड़ी और ४ फीट गहरी खाई खोदने के लिए = घंटे प्रति दिन काम करने वाले कितने आदमी लगाये जायें कि काम १० दिन में अन्त हो जाये । यह भी मालूम है कि अन्त के दो दिन में ६ मजदूर काम नहीं करेंगे ?

(८४) ३ पौण्ड चाय और २ पौण्ड चीनी का मूल्य ७ शिल्लिङ्ग है ।

प्रश्नोत्तर

(१०) एक ठीकेदार के पास दो तरह के आदमी हैं। पहले के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी ३२ सि० ४ पेंस और दूसरे के प्रत्येक के एक सप्ताह की मजदूरी २१ सि० ४ पेंस है। दोनों के काम में ४ : ३ का समान्य है। यदि वह अपना काम पहली तरह के आदमी से कराता है तो काम दूसरी तरह के आदमी जितने समय में करते हैं उससे ३ सप्ताह पहले हो जाता है और खर्च १०२ पौण्ड अधिक पड़ता है तो बताओ दोनों तरह के बराबर बराबर आदमी रखने से कुल कितना खर्च होगा ?

(११) एक किसान के पास दो प्रकार के मजदूर हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी १ आ० ८ पा० और दूसरे प्रकार के प्रत्येक के प्रति दिन की मजदूरी ० आ० ४ पा० है। दोनों के कामों में ० : १ का समान्य है। पहले प्रकार के मजदूर से काम कराने में दूसरे प्रकार के मजदूर से काम कराने के समय की अपेक्षा ३ दिन कम लगता है किन्तु खर्च ८० रु० अधिक होता है। तो दोनों प्रकार के बराबर बराबर मजदूर रखने से क्या खर्च होगा ?

(१२) ११ नम्बर के प्रश्न में यह भी बताओ दोनों प्रकार के कितने कितने मनुष्य रखेंगे ?

(१३) एक ठीकेदार के पास दो तरह के कुली हैं। पहले प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २८ सि० २ पेंस और दूसरे प्रकार के प्रत्येक की मजदूरी प्रति सप्ताह २२ सि० १ पेंस है। दोनों के कामों में ४ : ३ का समान्य है। पहले प्रकार के कुली से काम करवाने में दूसरे प्रकार के कुली से काम करवाने के समय का अपेक्षा २ सप्ताह की बचत है किन्तु खर्च २४० पौण्ड अधिक होता है तो बताओ दोनों प्रकार के बराबर बराबर कुल रखने से क्या खर्च होगा ?

∴ १ घादनी और १ लड़का १ दिन में $\frac{9 \times 1}{9 \times 12}$ या $\frac{1}{12}$ काम कर सकते हैं।

∴ १ घादनी और १ लड़का उसे १२ दिन में कर सकते हैं।

१ उदाहरण:—= मनुष्य और ६ लड़के २० एकड़ १ दिन में और ६ मनुष्य = लड़के २४ एकड़ ४ दिन में काट सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और तीन लड़के ३० एकड़ को कितने दिन में काटेंगे ?

= मनुष्य और ६ लड़के १ दिन में $\frac{1}{4}$ एकड़ काट सकते हैं और ६ मनुष्य और = लड़के १ दिन में ६ एकड़ काट सकते हैं

= मनुष्य और ६ लड़के १ दिन में $\frac{1}{4}$ एकड़ काटते हैं }

और ६ मनुष्य और = लड़के १ दिन में ६ एकड़ काट सकते हैं }

इन दोनों को जोड़ने से

∴ १४ मनुष्य और १४ लड़के $\frac{3}{2}$ एकड़ एक दिन में काट सकते हैं

∴ १ मनुष्य और १ लड़का $\frac{1}{2} \times \frac{1}{14}$ एकड़ " " "

∴ ३ मनुष्य और ३ लड़के $\frac{3 \times 1}{2 \times 14}$ एकड़ " " "

या $\frac{1}{10}$ एकड़ " " "

३० एकड़ $\frac{3}{2} \times 10$ दिन या १४ दिन में काट सकते हैं

१४ दिन उत्तर

अभ्यासाय प्रश्न . १२८)

१. यदि ३ गाय और ३ बैल का मूल्य २०० रु. और २ गाय तथा २ बैल का मूल्य २०० रु. हो तो एक गाय का मूल्य बताओ।

(२) यदि १ बैल और ४ गाय का मूल्य ४४० रु० और ७ बैल तथा १ गाय का मूल्य ४६६ रु० हो तो एक गाय का मूल्य बताओ ।

(३) यदि ७ मन चावल और १ मन सरसों का मूल्य १२६ रु० १ आ० तथा ६ मन चावल और ७ मन सरसों का मूल्य ११८ रु० ७ आ० हो तो एक मन चावल और १ मन सरसों का मूल्य बख़्क १ बताओ ।

(४) १ मनुष्य और ४ खदके एक सेत को २ दिन में तथा १ मनुष्य और १ खदके उसी सेत के $\frac{१}{३}$ को २ दिन में काट सकते हैं तो एक १ मनुष्य और १ खदका मिल कर उस सेत को कितने दिनों में काट सकेंगे ?

(५) १ मनुष्य और ८ स्त्रियाँ मिल कर एक काम के $\frac{१}{३}$ को १ दिन में और १ मनुष्य और १ स्त्री मिल कर उसी काम के $\frac{१}{३}$ को १ दिन में पूरा कर सकते हैं तो बताओ १ मनुष्य और १ स्त्री बख़्क बख़्क उस काम को कितने दिनों में पूरा करेंगे ?

(६) ४ मनुष्य और ६ खदके ११ बीघा २ दिन में, तथा ७ मनुष्य और ६ खदके ११ बीघा ४ दिन में काट सकते हैं तो १ मनुष्य और १ खदके मिल कर १० बीघा कितने दिनों में काटेंगे ?

(७) १ मनुष्य और १ खदके मिल कर एक काम को $२\frac{१}{३}$ दिन में और १ मनुष्य तथा २ खदके मिल कर उसी काम को $२\frac{१}{३}$ दिन में कर सकते हैं तो एक मनुष्य और १ खदका मिल कर उस काम को कितने दिनों में समाप्त करेंगे ?

(८) यदि ४ मनुष्य और १ खदकों की ४ दिन की मजदूरी १६ रुपया तथा ७ मनुष्य और ६ खदकों की २ दिन की मजदूरी २८ रु० ८ आना हो तो २ मनुष्य और २ खदके कितने दिनों में ८१ रु० पायेंगे ?

(९) एक वर्त्तन, जिसमें १०१ छोल पानी आता है दो नलों से भरा जाता है । यदि पहिला नल ४ घंटे और दूसरा नल ३ घंटे सुझा रहता है तो वर्त्तन में ८६ छोल पानी भर जाता है और जब पहिला नल १ घंटे

। और दूसरा नख ४ घंटे तक खुला रहता है तो वर्तन में २६ होकर आ जाता है तो दोनों नखों से कितने घंटे में वर्तन आधा भर जाएगा।

शुद्ध नियम

(१०४) शुद्ध नियम समलम्ब समानुपात या ऐंठिक नियम विलुप्त प्रयोग हो है। शुद्ध नियम को निम्न अनुपात, परिवर्तन (बदल) भी कह सकते हैं। इसकी और भी कई तरह से परिभाषायें दी जा सकती हैं। ग्रैसार्थिक से भी इसका धनिष्ठ सम्बन्ध है। इसमें कई राशिपों हुई रहती हैं और दो दो से सम्बन्ध भी दिया रहता है। अथ इस में क्या सम्बन्ध निश्चयना पड़ता है कि पहली राशि और धन्तिन राशि में क्या सम्बन्ध है। इससे यह पता चल जाता है कि पड़ली राशि की एक दो हुई संख्या धन्तिन राशि को किस संख्या के समान है। जिन लोगों ने ग्रैसार्थिक भली भाँति समझ लिया है, उन्हें ऐसे प्रश्नों के लगाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो सकती जैसा कि नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा।

१ उदाहरण: - यदि ४ भेड़ का मूल्य ५ बकरी के बराबर, १० बकरी का मूल्य ३ गाय के बराबर, १ गाय का मूल्य ४ बैल के बराबर और ६ बैल का मूल्य ३ घोड़े के बराबर है तो २ घोड़े का मूल्य कितनी भेड़ के मूल्य के बराबर है ?

$$\left. \begin{array}{l} ४ \text{ भेड़} = ५ \text{ बकरी} \\ १० \text{ बकरी} = ३ \text{ गाय} \\ १ \text{ गाय} = ४ \text{ बैल} \\ ६ \text{ बैल} = ३ \text{ घोड़े} \\ ३ \text{ घोड़ा} = ६ \text{ बैल} \end{array} \right\}$$

$$\therefore \begin{array}{l} १ \text{ घोड़ा} = ६ \text{ बैल} \\ ४ \text{ बैल} = १ \text{ गाय} \\ १ \text{ बैल} = \frac{१}{४} \text{ गाय} \end{array}$$

$$\therefore \frac{1}{4} \text{ पैदा} = \frac{1 \times 1}{2 \times 4} \text{ गाय}$$

$$1 \text{ गाय} = 10 \text{ बकरी}$$

$$\therefore 1 \text{ गाय} = \frac{1}{10} \text{ बकरी}$$

$$\therefore \frac{1 \times 1}{2 \times 4} \text{ गाय} = \frac{1 \times 1 \times 10}{2 \times 4 \times 1} \text{ बकरी}$$

$$1 \text{ बकरी} = 4 \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ बकरी} = \frac{1}{4} \text{ भेड़}$$

$$\therefore \frac{1 \times 1 \times 10}{2 \times 4 \times 1} \text{ बकरी} = \frac{1 \times 1 \times 10 \times 4}{2 \times 4 \times 1 \times 1} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ घोड़ा} = \frac{1 \times 1 \times 10 \times 4}{2 \times 4 \times 1 \times 1} \text{ भेड़}$$

$$\therefore 1 \text{ घोड़ा} = \frac{1 \times 1 \times 1 \times 10 \times 4}{2 \times 4 \times 1 \times 1} \text{ भेड़}$$

$$= 10 \text{ भेड़ उत्तर}$$

ऊपर की क्रिया को ध्यान पूर्वक देखने से पता चलता है, पहले तो राशियों को पहले और दूसरे दो भागों में बाँटना चाहिए जैसा कि ऊपर किया गया है। एक भाग को बाईं ओर रखना चाहिए और दूसरे को दाहिनी ओर। अब बाईं ओर की सब संख्याओं को परस्पर गुणा करके, इस संज्ञक गुणक फल से, दाहिनी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में भाग देना चाहिए। इस प्रकार बाईं ओर की प्रथम संख्या का और दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या का संबंध मालूम हो जायगा और इसमें बाईं ओर की प्रथम संख्या की हकाई का मान, दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या के पदों में निकलेगा। अगर बाईं ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल में, दाहिनी ओर की सब संख्याओं के संज्ञक गुणनफल से भाग दें तो भी उक्त संबंध निकल आया परन्तु ऐसा करने से दाहिनी ओर की अन्तिम संख्या से,

इच्छा का मान, बाईं ओर की प्रथम संख्या के पदों में आवेगा। पहले ही देख लेना चाहिए कि किस का मान देने से आसान होनी। शक्ति राशि की इच्छा का मान निश्चयना ही आसान होता है।

२ उदाहरण :— १ घोड़ों का नोज १६ गायों के नोज के समान, १२ गायों का नोज १० भैंसों के नोज के समान, २० भैंसों का नोज १२ ऊँटों के नोज के समान, १ ऊँट का नोज २४ भेड़ों के नोज के समान और १ भेड़ों का नोज २० रु० तो १२ घोड़ों का नोज क्या होगा और १ घोड़े की कितनी भेड़ों के समान होंगे?

$$१ \text{ घोड़ा} = १६ \text{ गाय}$$

$$१२ \text{ गाय} = १० \text{ भैंस}$$

$$२० \text{ भैंस} = १२ \text{ ऊँट}$$

$$१ \text{ ऊँट} = २४ \text{ भेड़}$$

ऊपर के नियम के अनुसार

$$१ \text{ घोड़ा} = \frac{१६ \times १० \times १२ \times २४}{१ \times १२ \times २० \times १} \text{ भेड़}$$

$$\therefore १ \text{ घोड़ा} = \frac{१ \times १६ \times १० \times १२ \times २४}{१ \times १२ \times २० \times १} \\ = २२४ \text{ भेड़ें}$$

$$\therefore १२ \text{ घोड़ा} = \frac{१२ \times २२४}{१} \text{ भेड़ें}$$

$$\text{और एक भेड़ का नोज} = \frac{२०}{१} \text{ रु०}$$

$$१२ \text{ घोड़ों का दान} = \frac{१२ \times २२४}{१} \text{ भेड़ों का दान} \\ = १२ \times २२४ \times २० \\ १ \times १ \\ = २६८८०$$

अध्यासार्थ प्रश्न (१२९)

(१) यदि १२ गाय ११ घोड़े के बराबर, १२ घोड़े ४ मोटर के बराबर और ११ मोटर ३ हाथी के बराबर हैं तो ४ हाथी का मूल्य कितनी गाय के मूल्य के बराबर होगा ?

(२) यदि ७ मेर चाय का मूल्य ४ सेर चन्ने के मूल्य के बराबर, १ सेर चन्ने का मूल्य २ मेर चीनी के मूल्य के बराबर और १२ मेर चीनी का मूल्य १० मेर चाटे के मूल्य के बराबर हो तो २२ सेर चाटे का मूल्य कितने मेर चाय के मूल्य के बराबर है ?

(३) यदि ४ मछान का मूल्य ६ वेड के बराबर, २ वेड का मूल्य १२० बकरी के मूल्य के बराबर, १२ बकरी का मूल्य २ गाय के बराबर, १० गाय का मूल्य २ बैंग के बराबर और २ बैंग का मूल्य ८ वेड के मूल्य के बराबर है तो १० वेड का मूल्य कितने मछान के मूल्य के बराबर होगा ?

(४) यदि १२ घोड़ों का मूल्य ७ बैंग के मूल्य के बराबर, ११ बैंग का मूल्य १४ गाय के मूल्य के बराबर, १४ गाय का मूल्य ६ बकरी के मूल्य के बराबर और १२ बकरी का मूल्य ११ नेह के मूल्य के बराबर है। तो १६ नेह का मूल्य कितने घोड़ों के मूल्य के बराबर होगा ?

(५) यदि ८ घोड़े = ६ बैंग, १२ बैंग = १४ गाय, ६ गाय = ११ बकरी और १६ बकरी = १२ नेह तो ६२ नेह के मूल्य में कितने घोड़े कितने आ सकते हैं ?

(६) यदि २० श्रीची बराबर है १२ आमरु के, ६ आमरु बराबर है ४ आम के और १२ आम बराबर है २० मुसरी के मूल्य के तो ११ श्रीची, २ आमरु, १० आम और २० मुसरी का मूल्य कितना होगा ?

१. १० आमरु के १०० रू० हैं। वेदों का सम्बन्ध इस प्रकार है कि

२. १० आमरु के १०० रू० हैं। वेदों का सम्बन्ध इस प्रकार है कि

३. १० आमरु के १०० रू० हैं। वेदों का सम्बन्ध इस प्रकार है कि

नारियल के, २ पेड़ ताड़ के तो ११ पेड़ आम के और ७ पेड़ निम्ब के तो २ पेड़ ताड़ के हैं तो हर तरह के पेड़ों की संख्या बताओ ।

(८) १६ अनुष्य उतने काम को कर सकते हैं जितने को २२ छिपों; और २ छिपों उतने काम को कर सकते हैं जितने को ८ लड़के । एक काम को १२५ बड़कों ने निज कर पूरा किया तो बताओ उसी काम को कितने अनुष्य कर सकते हैं ?

(९) यदि ७२ रु० = ७ पौण्ड, २ पौण्ड = ६३ छत्रोति और १४ छत्रोति = २ डाकर के होता है तो ७० डाकर में कितने रुपये मिलेंगे ?

(१०) क ७ दिन में उतना काम कर सकता है जितना ख २ दिन में, ख ८ दिन में उतना काम कर सकता है जितना ग ७ दिन में और ग ६ दिन में उतना काम कर सकता है जितना घ १० दिन में; तो बताओ जिस काम को घ १२ दिन में कर सकता है सब निज कर उसे कितने दिनों में करेंगे ?

(११) जितने समय में क एक काम कर करता है ख उतने समय में करता है और ख जितने समय में करता है ग उतने समय में; यदि घ उस काम को १२ दिन में कर सकता है तो सब निज कर कितने दिनों में कर सकेंगे ?

समानुपाती भागों में विभाग

७५ । किसी दी हुई संख्या या राशि को समानुपाती भागों में विभाग करना है यह आशय होता है कि उनको देने भागों में विभाजित करना है । मरुदाओं के समानुपाती हो । जैसे ३० रु० को देने भागों में एक दूसरे का दूना हो स्पष्ट है कि इनका उत्तर २० रु०, १० रु०

अनुपात

$$\therefore \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} = \frac{अ}{स} = \frac{3}{4} \times \frac{4}{2} = \frac{3}{1}$$

$$\text{और } \frac{अ}{ब} \times \frac{ब}{स} \times \frac{स}{द} = \frac{अ}{द} = \frac{3}{4} \times \frac{4}{2} \times \frac{2}{1} = 3$$

$$\therefore अ : ब : स : द = 3 : 4 : 2 : 1$$

$$\therefore 3 + 4 + 2 + 1 = 10$$

$$120 \div 10 = 12$$

$$\therefore 12 \times 3 = 36 \text{ रु० अ का भाग}$$

$$\therefore 12 \times 4 = 48 \text{ रु० ब का भाग}$$

$$\text{और } 12 \times 2 = 24 \text{ रु० स का भाग}$$

$$\text{और } 12 \times 1 = 12 \text{ रु० द का भाग}$$

(४) 120 गैलन मिश्रित वस्तु में शराब और पानी में 3:2 का संबंध है तो बताओ उसमें कितना और पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में 2:1 का संबंध हो जाय

$$2 + 1 = 3$$

$$\therefore \text{शराब} = \frac{120}{3} \times 2 = 80 \text{ गैलन}$$

$$\text{और पानी} = \frac{120}{3} \times 1 = 40 \text{ गैलन}$$

इस प्रश्न से साफ जाहिर है कि उसमें केवल पानी ही बढ़ाया जाता है इसलिए शराब की मात्रा वही रहती है

$$2 : 1 :: 80 \text{ गैलन} : \text{उत्तर}$$

$$\therefore 2 \times \text{उत्तर} = 80 \times 1 \text{ गैलन}$$

$$\therefore \text{उत्तर} = \frac{80}{2} = 40 \text{ गैलन}$$

$$120 - 40 = 80 \text{ गैलन पानी और मिलाना चाहिए}$$

(५) एक पाँपे में 10 गैलन शराब और पानी मिला हुआ भरा है।
 उसे शराब और पानी का अनुपात 3 : 1 है। तो बताओ पाँपे में से कितनी

मिश्रित वस्तु निकाल कर उतना ही पानी भर आब कि उस पीरे में शराब और आधा पानी हो जाय ।

$$१ + २ = ३$$

उस पीरे में शराब = $\frac{१}{४} \times ३ = १$ मैकन

और पानी = $\frac{१}{४} \times २ = १$ मैकन

पीरे में आधी शराब रह जानी चाहिए अर्थात् उसमें $१ + १$ या २ मैकन ही शराब रहनी चाहिए ।

$\therefore १ - १ = ०$ मैकन शराब निकाल देना चाहिए ।

परन्तु १ मैकन शराब निकालने में २ मैकन पानी भी निकल जाय इस लिए $१ + २$ या ३ मैकन मिश्रित वस्तु निकालना चाहिए ।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३०)

(१) १० रु० को ऐसे दो भागों में विभाजित करो कि ५ रु० बूना हो ।

(२) १० को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उन के भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

(३) १०० रु० को अ, ब और स में इस प्रकार बाँटो कि ब के का बूना और स को अ तथा ब के भागों के योग के समान मिले ।

(४) ८१ को ऐसे तीन भागों में बाँटो कि उनके भाग १, २, ३ के समानुपाती हों ।

(५) ११ रु० १२ पैसे को ऐसे चार भागों में बाँटो जो $\frac{१}{२}, \frac{१}{३}, \frac{१}{४}$ और $\frac{१}{५}$ के समानुपाती हों ।

(६) ३४ पाँच ११ सि० ४ पैसे को दो ऐसे भागों में जिनमें दूसरा पहले का $\frac{१}{२}$ हो ।

(७) ४५ रु० को ऐसे ५ भागों में विभक्त करो कि उनके भाग $\frac{१}{२}, \frac{१}{३}, \frac{१}{४}, \frac{१}{५}$ और $\frac{१}{६}$ के समानुपाती हों ।



(३३) १८ हो दो लेख भागों में विभक्त करो कि पहले अर्ध
गुना और दूसरे का चौगुना मिला कर १०३ हो ।

(३४) ११ का का पय भाता में बँटो कि पड़े का ? और
का ? दिया का १२ हो ।

(३२) क. म. म. दूना बड़ा भौंदा म. से ४ वर्ष बड़ा है। सीरी (३३)
भा. का योगफल ६६ एवं है तो प्रत्येक की भा. बतायी ।

(३५) इस समय के लक्ष्य और ग की आयु का योगफल ३८ वर्ष है
५ वर्ष पहले लक्ष्य की आयु का सम्बन्ध x : y : ३ था, तो इस समय
तीनों की आयु क्रमशः क्या है ?

तो एक लोखे चाँदी के दाम क्या दाना चाहिये, जब उसकी और सोने के

(३८) एक मनुष्य के पास ५ पीछ १० शि० की पूँजी है, जिससे सावरेन, अर्द्ध ब्राउन और शि० के सिगरेट २ : १ : ११ के अनुपात में हैं, प्रत्येक की संख्या बताइए ।

(३६) १०० पौ० को १५ पुरुष, २० स्त्री और १० बालकों में
प्रकार बाँटे कि एक पुरुष और एक बालक का भाग मिल कर दो स्त्रियों
का भाग से समान हो और सब स्त्रियों को कुछ ६० पौंड मिले ।

(४०) एक कारखाने में काम करने वाले पुरुष, स्त्री और बच्चों की संख्या कम से १ : ० : ३ के सम्बन्ध में है, और एक पुरुष, एक स्त्री, और १ लड़के का मजदूरी कम से ६ : ३ : ० के सम्बन्ध में है। जब कारखाने में कुल २० पुरुष हैं और मासिक मजदूरी ४२० रु० है तो बताओ। पुरुष, स्त्री और लड़के का मजदूरी प्रत्येक प्रत्येक क्या है ?

(४१) एक सन्तान न होने पर धर्मार्थ का है अपने पुत्र के लिए
 फिर भी अपनी जान मित्र या वर को देना नाम है । २ । क अनुसार
 सभी लक्ष्मी के हैं । ३ । यथा स्वयं भवति तथैव भवति सर्वे । ४ ।

दिये और पाकी को व और स में ४ : १ के अनुपात से बाँट दिया। अगर स का हिस्सा ६५०० रु० हो तो बताओ व और स को कितना मिला ?

(४२) २०० को ऐसे दो भागों में विभाजित करो कि पहले का दुना, दूसरे के तिगुने के बराबर हो।

(४३) कुछ रुपये क, स और ग में बाँटे गये; क को स से तिगुना और स को ग से दुना मिला। यदि क ने ग से २० रु० अधिक पाये तो बताओ कुल कितने रुपये बाँटे गये ?

(४४) ६० गैलन मिश्रित द्रव्य में शराब और पानी में ३ : २ का सम्बन्ध है तो बताओ उसमें कितना पानी मिलाया जाय कि शराब और पानी में ४ : ३ का सम्बन्ध हो जाय ?

(४५) एक वर्तन में ४० सेर दूध और पानी मिला हुआ भरा है जिसमें दूध और पानी का अनुपात ३ : २ है तो बताओ वर्तन में से कितने सेर मिश्रित द्रव्य निकाल कर उतना ही पानी भरा जाय कि वर्तन में आधा दूध और आधा पानी हो जाय।

(४६) एक वर्तन में २४ सेर दूध भरा हुआ है। पहले उसमें से ४ सेर दूध निकाल लिया और वर्तन को पानी से भर दिया, अब उस मिश्रित द्रव्य में से ४ सेर निकाल कर फिर पानी से भर दिया, यह क्रिया तीन बार की गई तो बताओ अन्त में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध रहेगा ?

(४७) एक वर्तन में कुछ दूध रखा है। पहले उसमें से २ सेर दूध निकाल कर फिर २ सेर पानी घोड़ दिया गया। फिर २ सेर मिश्रित द्रव्य निकाल कर उसमें २ सेर पानी भर दिया गया। अब उसमें दूध और पानी में १६६ : २६ का सम्बन्ध है। तो बताओ पहले उस वर्तन में कितना दूध था ?

दम्नरा या कमीजन

(४८) दम्नरा या कमीजन वह धन है जो व्यवस्थापक के दम्नरा व लाभ जन की लागत पर प्रति सैकड़ा दिया जाय

स्टॉक, प्रामिसरी नोट या कम्पनी के कागज़ों के बँचवाने वाले बण्
को प्रायः दलाल कहते हैं और उनकी दलाली कहलाती है।

बोमा कराई उस दलाली को कहते हैं जो किसी कम्पनी के नि
विशेष दशा में वस्तुओं के सुरक्षित रखने तथा हानि की दशा में उसे र
की प्रतिज्ञा के लिए हो जाय। इससे स्पष्ट है कि कमीशन, दलाली, दलाल
और बोमा कराई चाहे सब प्रति सैकड़ के हिसाब से दिया जाता है।

पालिसी एक प्रतिज्ञा पत्र है। बोमा कराई की प्रीमियम भी कहते हैं।

१ उदाहरण :—एक दलाल के द्वारा एक मकान १२०० रु. में
बिका। तो बताओ दलाल को कितना मिला। दलाली प्रति सैकड़ १
रु. है।

$$१०० रु. : १२०० रु. :: २ : उत्तर$$

$$\therefore १०० \times उत्तर = १२०० \times २ रु.$$

$$उत्तर = \frac{१२०० \times २}{१००} रु.$$

$$= २४ रु.$$

२ उदाहरण — १ रु. प्रति सैकड़ बोमा कराई की दर है तो बताओ
एक मनुष्य को १००० रु. की बोमा कराई में कितना वार्षिक प्रीमियम
देना पड़ेगा।

$$१०० रु. में प्रीमियम = १ रु.$$

$$\therefore १ रु. = \frac{१}{१००}$$

$$१००० रु. में प्रीमियम = \frac{१००० \times १ रु.}{१००}$$

$$= १० रु.$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३१)

(१) एक दलाल ने ३५५५ रु. का समान बेचा, तो उसे २
प्रति सैकड़ की दर से दलाली में कितने रुपये मिले ?

(२) ६१२ पौण्ड १० शि० ४ पेंस पर ४ सिजिक्क प्रति सैकड़ा की दर से दजाली क्या होगी ?

(३) यदि किसी दजाल की १½ पौण्ड प्रति सैकड़ा की दर से जिसी मकान के खंभे के जिप् १६ पौण्ड ६ शि० ८ पेंस दजाली मिली हो तो मकान का मूल्य बताओ ।

(४) एक दजाल ने ४ रु० ८ आने प्रति घेरे की दर से ४२५ जोरे पारख मौज लिये । उने प्रति सैकड़ा २½ रु० की दर से कमीशन मिला तो बताओ खरीदने वाले को कुछ कितने रुपये खर्च पड़े ?

(५) क जहाज के माल के असली मूल्य के ½ का बीमा कराया गया । यदि प्रीमियम १½ रु० प्रति सैकड़ा की दर से २३ रु० १२ आ० ६½ पाई लगा तो जहाज की असली कीमत बताओ ।

(६) एक ली पौण्ड के बीमा कराने में २१ शि० प्रीमियम, १ शि० ६ पेंस प्रतिशत पत्र कर (स्टाम्प) और १० शि० दजाल की कमीशन देना पड़ता है । यदि २५२५ पौण्ड का बीमा कराया जाय तो कुछ कितना खर्च पड़ेगा ?

(७) १५३८ पौण्ड कीमत के माल का बीमा ३½ पौण्ड प्रति सैकड़ा प्रीमियम की दर से कितने का कराया जाए कि यदि माल किसी कारण से नष्ट हो जाए तबही उस माल का मूल्य और बीमा कराई दोनों वसूल हो जाएँ ?

(८) १५५६ पौण्ड के माल का बीमा कितने का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर माल और बीमा कराई दोनों वसूल हो सकें ? जब कि प्रत सैकड़ा प्रीमियम २० शि० ३ पेंस, स्टाम्प १ शि० ६ पेंस और दजाली १० शि० ८ पेंस

(९) १०० रु० का माल का बीमा कितने रुपये का कराया जाए कि माल नष्ट होने पर भी माल और बीमा का खर्च वसूल हो सके । बीमा

कलान के प्रति वैयक्तिक प्रीतिवश ११, स्याम ११, और रमण ४ ।
११, अर्थात् ३४५५ है ।

ओमन (मलयम मान)

(१००) साकारक वाच्यता से ही मन्वाप्यं ही ही दुई मन्वा
वाच्य ही के मन्वा कदवागो है । मन्वा ओमन या मन्वा मन्वा
मन्वा से अन्त ही ही अन्त ही ही दुई मन्वाप्यं के अन्त या मन्वा ही ही
मन्वा मन्वाप्यं के अन्तकक एक ही ही । मन्वा मन्वा कि १, २ ओम
दुई मन्वाप्यं है । इनका काम ३२ है । अन्त इन मन्वाप्यं के अन्त
मन्वा ही ही १, २, ३ अन्त ३२ ही ही मन्वा । इन कि १, २ ओम
अन्त मन्वा मन्वा या ओमन ३ है ।

११ ही ओम मन्वाप्यं ही मन्वा मन्वाप्यं मन्वा मन्वाप्यं
ही ही मन्वाप्यं के अन्तकक से मन्वा ही मन्वाप्यं अन्त मन्वा ही ही
मन्वा मन्वा मन्वा मन्वा मन्वा

१ मन्वाप्यं - १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

मन्वाप्यं = १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

१

१ मन्वा

१ मन्वाप्यं - १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
मन्वाप्यं १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
मन्वाप्यं १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
मन्वाप्यं १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

मन्वा, मन्वाप्यं १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

मन्वा मन्वाप्यं १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

१२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

मन्वा मन्वाप्यं १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

१२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

पानु हाथी का दान = २२०० रु०

∴ बैल और गाय का दान = २४०० - २२००
= २०० रु०

∴ घोड़ा का दान = ३०० - २००
= १०० रु० उत्तर

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३२)

निम्न लिखित संख्याओं की श्रृंखलाओं का निकाजः—

(१) २, ६, १०, १४, १८

(२) ११, १२, १६, १३, २३

(३) २०, २४, १६, १३, ३

(४) २, ११, १३, ६, १०

(५) ३२, ३२, १४, १३, ३२, ६

(६) २१, ४१, २१, २१

(७) ११, २१, ३१, ४१, ५१, ६१

(८) पांच बैलों का मूल्य क्रम से २२, ४२, २१, ३२ और २४ रु० हैं तो उनके मूल्य की श्रृंखला निम्नलिखित है।

(९) ४ बकरों की उपस्थिति क्रम से २०, २४, २१ और २३ दिन हैं तो उनकी उपस्थिति की श्रृंखला बताओ।

(१०) एक अनुप्र ने अपनी पाँच गाँवों के क्रम से २०, २२, ४३, ४२ और ३२ रु० में बैलों को प्रत्येक गाँव का श्रृंखला मूल्य क्या हुआ?

(११) एक बटई ने ४ कुत्तों पाँच पाँच रुपये में, ६ कुत्तों चार रुपये में और दो कुत्तों २ रु० = आने का दान से बैलों को प्रत्येक कुत्तों का श्रृंखला मूल्य बताओ।

१०. ४ बैल और ३ गाँवों के मूल्य का श्रृंखला ३२ रु० है

गायों के मूल्य की औसत ४२ ६० है तो बैलों के मूल्य की औसत बताओ ।

(१३) चार मनुष्यों के रुपये की औसत १४२ ६० है । इसमें एक मनुष्य के पास ४२२ ६० है तो शेष तीनों के रुपये की औसत बताओ ।

(१४) ८ घोड़े, १० बैल, ५ गाव और २ भैंस के मूल्य का औसत २५ ५० है । घोड़ों के मूल्य की औसत ६२ ६०, बैलों के मूल्य की औसत ६५ ६० और गावों के मूल्य की औसत २५ ६० है तो भैंस के मूल्य की औसत बताओ ।

(१५) ६ मनुष्यों की आय की औसत २० वर्ष है । इसमें से १ मनुष्य की आय कम से ११ और २५ वर्ष है, तो शेष चार मनुष्यों की आय की औसत बताओ ।

(१६) ५ कार मारों की लीज की औसत ६ सन १२ से है । यदि ४ कार मारों की लीज की औसत ५ सन है तो शेष तीन कार मारों की लीज की औसत बताओ ।

(१७) एक शाय्यादा से १२ अड़क है । इनकी आय की औसत ४ वर्ष है, यदि चार अड़क और या अधिक जिनकी आय की औसत ५ वर्ष है तो एक शाय्यादा के अड़क की आय की औसत बताओ ।

(१८) एक गाव, एक जोड़ा और एक बैल के समूह की औसत ४ ६० है और वही गाव वही जोड़ा और एक भैंस के समूह की औसत ५ ६० है । यदि भैंस की आय १३ ६० है तो बैल का आय बताओ ।

(१९) एक जोड़ा, एक गाव और १ भैंस के मूल्य का औसत १२ ६० है और वही जोड़ा वही गाव और एक हाथी के मूल्य का औसत १२ ६० है । यदि हाथी का मूल्य २३ ०२ ६० है तो भैंस का मूल्य बताओ ।

(२०) किसी एक गाँव की कुल ५०० से ४०० बगलवासी की औसत आय २५ ६० है और किसी दूसरे गाँव की ३०० से २०० बगलवासी का औसत आय १५ ६० है तो दोनों गाँवों की औसत आय बताओ ।

इस प्रश्न का उत्तर १० दिया हुआ है, तो बताओ वे दो संख्याएँ कौन कौन सी हो सकती हैं ?

(२१) १० से लेकर २०० तक की संख्याओं की औसत बताओ ।

(२२) एक नेस में ४० आदमियों की रसोई बनती थी । उसने १२ आदमियों के और बड़े जूने पर नेस का प्रबंध प्रति मास ६८० रु० बढ़ा दिया, परन्तु औसत खर्च प्रति आदमी १ रु० कम हो गया तो बताओ पहले मासिक खर्च क्या था ?

(२३) सम्मेलन की प्रथमा परीक्षा के १ परीक्षार्थियों ने कुछ नम्बरों का १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १, १ परीक्षार्थियों ने १ और शेष परीक्षार्थियों ने १ प्राप्त किया । कुछ परीक्षार्थियों के प्राप्त नम्बरों की औसत २६६ है तो बताओ कुछ नम्बर कितने हैं ?

(२४) राम ने पर साख ८० बीघे में गेहूँ बोया था । इस वर्ष उसने २० बीघे अधिक गेहूँ बोया और पर साख से कुछ १० मन अधिक गेहूँ पैदा हुआ । परन्तु गेहूँ की औसत पैदावार पर साख से इस वर्ष प्रति बीघा १ १/२ मन कम हो गई तो बताओ पर साख उसे कुछ कितने मन गेहूँ पैदा हुआ था ?

तत्कालधन और नितीकाटा

(१०८) मान लिया कि किसी आदमी ने कुछ धन उधार लिया और महाजन को ब्याज और नूजधन निवाकर कुछ नियत समय के बाद देने का वादा किया । अब कितनी कारण से वह नियत समय के पहले ही रुपया चुका देना चाहता है । ऐसी दशा में वह महाजन को कुछ रुपया नहीं देगा वरन् उतने समय का जितने समय पहले वह रुपया देगा ब्याज कट जेगा । इन रुपये के जो नियत समय के पहले ब्याज कट कर दिया जाता है । वह ज्ञान धन और जिनका ब्याज कट लिया जाता है उन्हे निती काटा

करते हैं और जितना धन के देने का वह पहले वादा करता है देय धन करते हैं। अतएव देय धन में व्याज और मूल धन दोनों मिले रहते हैं।

इन परिभाषाओं से स्पष्ट है कि लक्ष्यधन = मूलधन

मिनीकारा = व्याज [वालु यह भी

स्मरण रखना चाहिये कि व्याज और मिनी कारा दो भिन्न २ धन के हैं, एक ही धन के नहीं।

और देयधन = लक्ष्यधन + मिनी कारा

उपर के समीकरणों का प्रयोग स्पष्टतः के लिए दिया जा मिला है।

१ उदाहरण :— १ मैकदा व्याज की दर से ४ वर्ष के अन्त में देयधन ४८० रु० का लक्ष्यधन बनाओ।

१ वर्ष में १ रु० व्याज है।

४ वर्ष में $४ \times १ = ४०$ रु०

• मिनीधन = $१०० + ४० = १४०$ रु०

• १४० रु० का लक्ष्यधन = १०० रु०

• १ रु० " " = $\frac{१००}{१४०}$ रु०

• ४८० रु० " " = $\frac{४८० \times १००}{१४०}$ रु०
= ३४० रु०

• उत्तर = ३४० रु०

अन्यासार्य प्रश्न (१३३)

लक्ष्यधन बनाओ :—

(१) ६ महीने के अंत में देय ३६० रु० = जाने का, १ प्रति मैकदा व्याज की दर से।

(२) ३ वर्ष के अन्त में देय ३८१६ रु० का, ४ प्रति मैकदा व्याज की दर से।

अङ्गद्वयित

(३) १½ वर्ष के अंत में देय १२२६ रु० ४ आने का, २½ सैकड़ा न्याज की दर से।

(४) ३ वर्ष ६ नहीने के अंत में देय १६१६१ रु० २ आ० ४ प का ४ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से।

(५) २ वर्ष के अंत में देय ४२१२ रु० का, ३½ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से।

(६) २ नहीने के अंत में देय ३४३ पौ० ६ शिल्लिंग = पैसे का ४½ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से।

(७) ६ नहीने के अंत में देय ४१ = पाँचद का, १ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से।

(८) ४½ वर्ष के अंत में देय ४२३ पाँचद १२ शिल्लिंग का, २ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से।

(९) २ वर्ष के अंत में देय २४ पाँचद १० शिल्लिंग का, ४ प्रति सैकड़ा चक्र वृद्धि न्याज की दर से।

(१०) २१ नहीने के अंत में देय ६२७ पौ० १ = शिल्लिंग ४ पौ० का, ३½ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से।

(११) १६ नहीने के अंत में देय धर २२६१ रु० = आ० का, ४½ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से।

२ उदाहरण :— २ प्रति सैकड़ा न्याज की दर से २ वर्ष के अंत में देयधन १००० रु० का निती काय बताओ।

$$\begin{aligned} 1 \text{ वर्ष में न्याज} &= 2 \text{ रु०} \\ 2 \text{ वर्ष में न्याज} &= 2 \times 2 \text{ रु०} \\ &= 4 \text{ रु०} \end{aligned}$$

$$\begin{aligned} 1000 \text{ रु० का निधन} &= 1000 + 4 = 1004 \text{ रु०} \\ 1004 \text{ रु० का नितीकाय} &= 2 \text{ रु०} \end{aligned}$$

$$\therefore 1 \text{ " " " " } = \frac{22}{122} \text{ व०}$$

$$\therefore 1000 \text{ व० " " } = \frac{1000 \times 22}{122} \text{ व०}$$

$$= 180 \text{ व०}$$

$$\therefore \text{ उत्तर} = 180 \text{ व०}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३४)

मिलीकाटा निकालां:—

(१) २½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ महीने के चाल देवधन २०० व० का ।

(२) ०½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ०२ दिन के चाल में देवधन ०१० व० का माना का ।

(३) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ महीने के चाल में देवधन १२० व० का ।

(४) ३½ प्रति मैकदा व्याज की दर से २½ वर्ष के चाल में देवधन ४१५ व० का ।

(५) ३½ प्रति मैकदा व्याज की दर से ४ महीने के चाल में देवधन ०१ पीस १२ मिश्रित का ।

(६) ४ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३½ वर्ष के चाल में देवधन १२० व० १२ पा० का ।

(७) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से ३ वर्ष के चाल में देवधन १२३ पी० १२ मिश्रित का ।

(८) २ प्रति मैकदा व्याज की दर से १२ महीने के चाल में देवधन १२२ व० २ पा० का ।

अनुगतित

(१) २ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १० वर्ष के अन्त में
 २१६ रु० १० आ० न पाई का ।

(१०) $3\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १० वर्ष के अन्त में
 देय धन २५३ पौण्ड २ शिल्लिंग ६ पेंस का ।

(११) $2\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से $2\frac{1}{2}$ वर्ष के अन्त में
 देय ३२० पौण्ड १० शिल्लिंग ६ पेंस का ।

३ उदाहरण :—६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से २१० रु० का २१०
 रु० नितीकाया है तो समय निकालो ।

$$२१० रु० का निती काया = २१० रु०$$

$$\therefore \text{तत्काल धन} = (२१० - २१०) रु०$$

$$= ००० रु०$$

$$००० रु० का व्याज = २१० रु०$$

$$\therefore १ रु० " = \frac{२१०}{०००} रु०$$

$$\therefore १०० रु० " = \frac{१०० \times २१०}{०००} रु०$$

$$= २१ रु०$$

$$६ रु० व्याज होता है = १ वर्ष में$$

$$\therefore १ रु० " = \frac{1}{6} वर्ष में$$

$$\therefore २० रु० " = \frac{20}{6} वर्ष में$$

$$= ३ वर्ष ४ मा.$$

उत्तर ३ वर्ष ।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३५)

नीचे लिखे हुए प्रश्नों में समय बताओ जब कि :—

(१) $4\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा की दर से ६०२ रु० १२ आने का निती काया
 रु० १२ आना है ।

(१) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३१२ वन का मिनी आटा ११२ वन है :

(२) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३१० पीन १५ सिन ६ वन का मिनी आटा ३२ पीन १० सिन ६ वन है ।

(३) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३२१ पीन १ सिन ११ वन का मिनी आटा ३ पीन १ सिन ११ वन है ।

(४) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३०२ पीन ४ सिन का मिनी आटा १२ पीन ४ सिन है ।

(५) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३०४ वन ४ आन ४ पाई का मिनी आटा ३३ वन ४ आन ४ पाई है ।

(६) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३०२ वन ४ आन ४ पाई का मिनी आटा ३० वन ४ आन ४ पाई है ।

(७) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३०४ पीन ४ सिन ३ पीन का मिनी आटा ३०४ पीन है ।

(८) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३१६ पीन ३ सिन ४ पीन का मिनी आटा ३०४ पीन ३ सिन है ।

(९) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३०३ वन ३ आन ३ पाई का मिनी आटा ३०४ वन ३ आन ३ पाई है ।

(१०) ४ प्रति मैकड़ की दर से ३०३ पीन ३ सिन ३ पीन का मिनी आटा ३०४ पीन है ।

४ प्रति मैकड़ की दर से ३०३ वन ३ आन ३ पाई का मिनी आटा ३०४ वन ३ आन ३ पाई है ।

३०४ वन का मिनी आटा - ३०४ वन

३०४ वन - ३०४ वन

- ३०४ वन

३०४ वन का मिनी आटा - ३०४ वन

$$\therefore 1 \text{ रु० } 11 \text{ " } = \frac{140}{100} \text{ रु०}$$

$$\therefore 100 \text{ रु० } 11 \text{ " } = \frac{140 \times 140}{100} \text{ रु०}$$

$$= 196 \text{ रु०}$$

$$\therefore \text{ दर } = \frac{1}{100} = 0 \text{ प्रति सैकड़ा}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३६)

प्याज की दर बताकर ज्ञेय कि :—

(१) १ वर्ष के अन्त में ४३६० रु० देय धन पर ३६० रु० निती काटा है ।

(२) ४ वर्ष के अन्त में २२६ पौण्ड देय धन पर तत्काल धन ६०२ पौण्ड है ।

(३) ४ वर्ष के अन्त में ३६० पौण्ड २ शिलिङ्ग २ पेंस देय धन पर निती काटा ७१ पौण्ड १२ शिलिङ्ग २ पेंस है ।

(४) ३½ वर्ष के अन्त में ३८२ पौण्ड १२ शिलिङ्ग देय धन पर निती काटा ४८ पौण्ड ४ शिलिङ्ग है ।

(५) ६½ वर्ष के अन्त में देय धन ११०४६ रु० १० आ० = पाई पर निती काटा ३०२४ रु० १० आ० = पाई है ।

(६) ३ वर्ष के अन्त में ८३३ पी० १२ शिलिङ्ग देय धन पर निती काटा १०८ पौण्ड १२ शिलिङ्ग है ।

(७) ६ महीने के अन्त में देय धन ४१८ पौण्ड पर तत्काल धन ४०० पौण्ड है ।

(८) २½ वर्ष के अन्त में देय धन २३८ पौण्ड १० शि० ० १½ पें० पर तत्काल धन २०० पौण्ड १३ शि० ४ पेंस है ।

(९) २ वर्ष के अन्त में १४६६२ रु० = आ० देय धन पर निती काटा २३६२ रु० = आना है ।

• व्यवहारिक बढ़ा $\Rightarrow २०$

और हुंसी भुनाने वाले को $२०० - २$ या ४४२ २० मित्रे ।

✓ उदाहरण — एक हुंसी का असली मित्रिका २० २० है ।

बैकर का लाभ २० है तो मिलने २० की हुंसी थी ।

व्यवहारिक बढ़ा \Rightarrow बैकर का लाभ + असली मित्रिका

$$\Rightarrow २ + २०$$

$$\Rightarrow २२$$

• असली मित्रिका के व्याज \Rightarrow व्यवहारिक बढ़ा - असली मित्रिका

$$\Rightarrow २२ - २०$$

$$\Rightarrow २$$

.. २० २० का व्याज $\Rightarrow २$ २०

२ २० व्याज पर सूझधन $\Rightarrow २०$ २०

$$\therefore १०० = १००$$

$$\therefore २२० = \frac{२२ \times २०}{२} = २२०$$

$$\Rightarrow १००$$

१ उदाहरण :— २०० २० की एक हुंसी १० मार्च को १ महीने के मुरत पर लिखी गई और २० की अमेज़ को ४ है सेक्रे व्याज की ए से भुनाई गई । तो बैकर का लाभ बताओ ।

बैकर का लाभ \Rightarrow व्यवहारिक बढ़ा - असली मित्रिका

$$\text{व्यवहारिक बढ़ा} = \frac{२०० \times २}{१०० \times २} \times \frac{१४६}{३६५} = २$$

$$\text{और असली मित्रिका} = \frac{२}{२०६} \times \frac{२०० \times २}{२} = \frac{४०००}{२०६}$$

$$\text{बैकर का लाभ} = २ - \frac{४०००}{२०६} = \frac{८१}{२०६}$$

जाये जिससे लौदागर अपने माहकों को १२ प्रति सैकड़ा इस्ली दे प्रति सैकड़ा के लाभ में रहे ।

(१०) एक व्यापारी अपने माल को क्रय मूल्य से १० प्रति लाभ छेहर बेंचता है और अपने माहकों को १० प्रति सैकड़ा इस्ली है तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होगा ?

(११) १००० रु० को एक दुपट्टी २४ मार्च को १ महीने की पर जितनी गई और १० अप्रैल को ४ प्रति सैकड़ा व्याज की १ भुनाई गई तो बताओ दुपट्टी बेंचने वाले को क्या मित्रा और क व्यवहारिक बड़ा क्या हुआ ?

(१२) २०० रु० को एक दुपट्टी १ जनवरी को १ महीने की पर जितनी गई और ११ मई को २½ सैकड़े व्याज की दर से भुनाई तो बैंकर का लाभ बताओ । और यह भी बताओ कि भुनाने वाले कितना मित्रा ?

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३८)

(१) क्रय मूल्य से प्रति सैकड़ा कितने अधिक लाभ में मीठा है जाये जिससे व्यापारी अपने माहकों को २ प्रति सैकड़ा कमीशन दे प्रति सैकड़ा लाभ में रहे ?

(२) यदि किसी पुस्तक की २ प्रतियों के आधार का मूल्य उसी पुस्तक की १० प्रतियों के नकर मूल्य के बराबर हो, तो डिस्कांट की प्रति सैकड़ा दर बताओ ।

(३) यदि ३ सैकड़े व्याज की दर से १०० रु० का माल २४२ रु० के मित्रा-मित्रा के बराबर हो तो बताओ, २४२ रु० किस समय के अन्त में देय है ?

(४) यदि ३½ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ७०० रु० का माल ७२८ रु० के मित्रा-मित्रा के बराबर है तो बताओ, ७२८ रु० किस समय के अन्त में देय है ?

घटनान्वित

- (१) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से किसी समय में किसी धन व्याज २६ रु० और (उसी समय के लिए उसी व्याज दर से) निर्विवाद १२ रु० हैं तो वह धन और समय बताओ।
- (२) ६ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से किसी समय में किसी धन व्याज ४८ पौण्ड और निर्विवाद ४२ पौण्ड हैं तो वह धन और समय बताओ।
- (३) किसी पुस्तक की २० प्रतियों के आधार मूल्य उनकी २१ प्रतियों के नकद मूल्य के बराबर हैं, तो प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ।
- (४) किसी समय के लिए २४६ पौण्ड पर २१ पौण्ड निर्विवाद हैं तो उसने ही धन पर उस समय से दूने समय के लिए क्या निर्विवाद होगा?
- (५) एक मनुष्य ने ४३२ रु० में एक पोशा नौक ख़रीदा और उसी समय साठ भार के चांदे पर ८८० रु० में बेच दिया। यदि व्याज की दर प्रति सैकड़ा साठाना हो तो पता चले इस समय वह प्रति सैकड़ा ख़ियने लाभ में रहा?
- (६) नाथाराय व्याज और निर्विवाद कटे में क्या फ़रक होगा है?
- (७) २ वर्ष में मूल धन और व्याज निम्न दर ६१२ रु० होते हैं और व्याज मूलधन का ११ हैं तो मूलधन और वार्षिक प्रति सैकड़ा व्याज की दर बताओ।
- (८) ४ वर्ष के बाद देने वाले धन का निर्विवाद १४१ रु० का = लार्ड और उसी का धन वर्ष का व्याज १३० रु० होता है तो मूलधन और व्याज की दर बताओ।
- (९) १ वर्ष में सैकड़ा व्याज की दर में व्याज और निर्विवाद ३६ रु० है तो मूलधन और व्याज की दर बताओ।

(१४) ११२ पौण्ड का तन्त्रालापन क्या होगा जो उसे इस प्रकार मिश्रने को है—४२ पौण्ड १ वर्ष में, १६ पौण्ड २ वर्ष में और १०१ १/२ में। व्याज की दर २ प्रति सैकड़ा है ?

(१५) व्याज कितना धन चुकाने से १२० रु० ८ आ० का ११ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से १ वर्ष ६ महीने के पश्चात् देने यात्रे कष्ट का सुखता हो जायेगा ?

(१६) व्याज कितना धन चुकाने से ११६० पौण्ड का ११ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से २ वर्ष ८ महीने के पश्चात् देने यात्रे कष्ट का सुखता हो जायेगा ?

(१७) एक सौदानगर नकद १० रुपये पाने से ६० रु० के बिल का खर्चा भर पाता है, तो बताओ वह कितना प्रति सैकड़ा दरदारी देता है ?

(१८) ४ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से कितना धन उधार दिया २ वर्ष में उससे दूना व्याज मिले जितना १ प्रति सैकड़ा व्याज की दर से ८०० रु० का १ वर्ष में मिलता है ?

(१९) ६०० रु० को दो भागों में इस प्रकार बाँटो कि पहले भाग का ११ प्रति सैकड़े व्याज की दर से १ वर्ष में व्याज की चामदारी दूसरे भाग के व्याज की चामदारी से, जो ३ प्रति सैकड़े व्याज की दर से ४ वर्ष में मिलती है निगुनी हो ।

(२०) यदि देय धन ३०० रु० और पुनः समय में किसी व्याज की दर से उस का साधारण व्याज ३६ रुपया है तो उतने ही समय का उसी व्याज की दर से मिली कटा बताओ ।

(२१) यदि ३१/२ वर्ष में किसी व्याज की दर से देय धन ७२० रु० और उसका साधारण व्याज १२६ रु० है तो उतने ही समय का उसी व्याज की दर से मिली कटा और तन्त्रालापन बताओ ।

(२२) एक व्यापारी अपनी चीजें कष्ट मूल्य से २२ प्रति सैकड़ा

अधिक पर बैठता है। परन्तु अपने प्राइमरी को १२ प्रति सैकड़ा कमी देता है तो बचाओ उसे कितना प्रति सैकड़ा खान होता है?

(२३) कितने को कुंठा १३ वरं को निपाद पर बिखो जावे कि न खाना प्रति सैकड़ा नाइपारी निर्जोसाय काट कर इत्ती समय खपा लेने से ४१० रु० १० आ० निबे ?

(२४) २ प्रति सैकड़ा ब्याज को दर से कित्ती समय में कुं धन का निग्रधन १०२० रु० होता है। ब्याज नूखधन का १ है तो नूखधन और समय बचाओ।

(२५) यदि ब्याज को दर २ प्रति सैकड़ा हो तो कितना धन बैंक में जमा कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में कम से २१० रु०, ४२० रु०, ६३० रु० तथा ८४० रु० निबते रहें ?

(२६) यदि ब्याज को दर १ प्रति सैकड़ा साखाना हो तो कितना खपा बैंक में जमा कर दिया जाय कि चार वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में १२०० रु० निबता रहे ?

(२७) कौजधारी ने अपने रुपये का २२ प्रति सैकड़ा, १ प्रति सैकड़ा ब्याज को दर से अन्त को कर्ज दिया और ऐसे खपा बैंक में जमा कर दिया। बैंक में २ प्रति सैकड़ा ब्याज निबता है। यदि ४ वर्षों के अन्त में कौजधारी को कुं ब्याज के २१० रु० निबे तो बचाओ उसके पास पहले कुं कितने रुपये थे ?

(२८) यदि ब्याज को दर १० प्रति सैकड़ा है तो कितने रुपये इत समय कित्ती बैंक में जमा कर दिये जायें कि ३ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में कम से १३० रु०, ४२० रु० और ६२० रु० निबते रहें ?

(२९) यदि ब्याज को दर ४ प्रति सैकड़ा है तो कितने रुपये इत समय कित्ती बैंक में जमा कर दिये जायें कि ४ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष के अन्त में १००० रु० निबते रहें ?

(३०) कुं ब्याज रुपये में १ पाई इन्कन बैंक देता है परन्तु

प्रति पहरा में १ प्रति बीछा व्याज दूर हो जाने के कारण अभी यह शुद्ध गान पढ़ने की अपेक्षा ६३० रु० कम हो गई तो बनाओ ३३ मूल्य १५० या १

(३७) । यह सन्तुष्ट स्वयं से ही पाई हुआ है ईश्वर देता है । भक्त
कहे जाते हैं। जो प्रतीति से कदा भी प्रतीति से कदा ही जाने के साथ-साथ
भक्ति के अर्थ प्राप्ति वह ही की अवस्था कहें वही हम हो गई तो ही सन्तुष्ट
सम्पूर्ण बनना था

[illegible]

१३ 'क्यों हमें क्या है जिन गिरफ्तार आक्रान्ता स्वातंत्र्य के लिए हैं
 वही के लिए आक्रान्ता स्वातंत्र्य के लिए हमें क्या है हमें स्वातंत्र्य है या न स्वतंत्रता है
 के अन्तर्गत न १४ या न १५' यह है जो वह धन क्या है ? स्वातंत्र्य के
 लिए हमें न केवल न 'सर्वोच्च' विद्या आना है

१. गीत बल्लभान्न भ्याः का वरु क प्रति वैकृता साधना ॥
इति मन्त्रे बल्लभे भवत्या अथा चर विद्या मायु हि सर्वज्ञा ही अथवा श्री
अथ नो . . . भवत्या 'अथवा इति'

[illegible][illegible]

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

(३८) एक सौदागर अपनी वस्तुओं को नगद और छः महीने के उधार दोनों तरह से बेचता है । यदि व्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो बताओ इन दोनों दानों में वह क्या सर्वध रखेगा ?

(३९) लगभग ३२ वर्ष में कोई धन चक्रवृद्धि व्याज से तिगुना हो जाता है तो सूद की दर बताओ ।

(४०) कोई धन १४ $\frac{1}{2}$ वर्ष में चक्रवृद्धि व्याज से दूना होजाता है तो सूद की दर बताओ

(४१) कुछ दिनों में दिये धन ₹३२ पौंड का तत्कालधन १२६ पौंड है । यदि चक्रवृद्धि सूद की दर ४ $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा हो तो समय निकालो ।

(४२) कितने दिनोंमें १०० पौंड का निधधन २ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि व्याज की दर से ११४६ पौंड १४ रि० १० पैसे हो जायगा ?

(४३) आठ वर्ष में दिये धन १०००० पौंड का २ प्रति सैकड़ा चक्रवृद्धि व्याज की दर से कितना तत्काल धन होगा ?

(४४) ६ $\frac{1}{2}$ वर्ष में चक्रवृद्धि व्याज की हित दर से १००० रु० का २५०० रु० हो जायगा ?

(४५) यदि व्याज की दर २ प्रति सैकड़ा हो तो इस समय बैंक में कितना जमा कर दिया जाय कि पहले वर्ष के धन में १० पौंड दूसरे वर्ष के धन में २० पौंड, तीसरे वर्ष के धन में ३० पौंड और चौथे वर्ष के धन में ४० पौंड, आदि (धन धन तक इसी प्रकार १० रु० प्रति वर्ष अधिक) निजते रहें ? (इतने चक्रवृद्धि व्याज लगाया गया है) ।

(४६) नाबलौ कि व्याज प्रतिशत दिया जाता है तो २० वर्ष में २ प्रति सैकड़ा की दर से कित धन का १ पौंड हो जायगा ?

समय समीकरण

(१८०) भिन्न भिन्न समयों में चुम्बक जाने वाले भिन्न भिन्न वर्षों में चुम्बक जाने के ऐसे एक समय के जानने की रीति को समय समीकरण को है जिसमें देने से महाजन या ज्ञेय होने वाले किसी को प्राप्त हो जायि व हो। इसे समीकृत समय कहते हैं ।

समीकृत समय जानने के नियम

प्रत्येक ज्ञेय को समय से गुणा करो और इन गुणनफलों के योग ज्ञेय के योग का भाग दे दो तो समीकृत समय निश्चय आएगा ।

१ उदाहरण:—१०० व० ४ वर्ष के बाद, २०० व० चार वर्ष के बाद और ४०० व० २ वर्ष बाद में मिलने वाला है तो समीकृत समय निश्चय है।

$$\text{समीकृत समय} = \frac{१०० \times ४ + २०० \times ४ + ४०० \times २}{१०० + २०० + ४००}$$

$$= \frac{२२००}{१६००}$$

$$= \frac{११}{८} \text{ वर्ष}$$

$$= १ \frac{१}{८} \text{ वर्ष}$$

२ उदाहरण :—२०० व० कुछ वर्ष बाद मिलने वाला है, १०० व० २ वर्ष बाद और २०० व० १ १/८ वर्ष बाद मिलने वाला है। इन का मनोनि समय ४ वर्ष है तो बताओ कि २०० व० कितने वर्षों के बाद मिलने वाला है ?

$$२०० + १०० + २०० = ५०० व०$$

$$५०० \times ४ = २०००, \text{ यह } २०० \text{ और वर्षों के गुणनफल का योग है।}$$

$$\text{फलतः } २०० \times २ = ४०००$$

[illegible]

(२) तबले के बजाव के १०० गीत के साथ ही गाना
५० गीत के साथ ही गाना १०० गीत के साथ ही गाना
१०० गीत के साथ ही गाना १०० गीत के साथ ही गाना
गाना:

बोर्ड ऑफ़ ट्रेडिंग

(१२२) अब सोचें आत्मा का स्वभाव
 परी कर्मों के फल हैं वे उन कर्मों के फल हैं जो
 आत्मा के लक्ष्य हुआ कर्मों को देता है कि वह
 कर्मों को मात्र, मात्र, मात्र कर्मों के फल हैं कि वह
 कर्मों के फल हैं।

बौद्ध धर्म का मूल

नमो नमः विनिर्गुणाय
उल्लस्य नमस्तस्मै

[illegible]

१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

आयः साहस्रक जाग वस्तुधों के लरीदने के समय ही राम वहीं और बार में दृष्टानदार उनके पास एक सागत्र लेखता है जिसमें हुई वस्तुधों के नाम, जो भिन्न भिन्न निधियों पर हो गई है, लिखा है और उनका मूल्य भी दर्ज रहता है। इसे हिमाच कहते हैं जब में प्रत्येक वस्तु का नाम तथा राम आदि लिखा हो ना इसे छोटा हिमाच कहते हैं।

हिमाच का नमूना

२० जनवरी सन् १९२०

संयुक्त प्रांतीय चर्खा मंड का लरर भंडार

प्रमाण (पौक)

| सन् १९२० ई० | | | | १ | २ |
|-------------|-----------------------------------|---|---|----|----|
| १ जनवरी " | सागत्र साहस्र के बीघक में लिखा है | | | १० | ० |
| २ जनवरी " | " | " | " | १२ | १० |
| ३ जनवरी " | " | " | " | १० | २ |
| ४ जनवरी " | " | " | " | १० | २ |

छोटा बार हिमाच का नमूना

२१ जनवरी सन् १९२०

संयुक्त प्रांतीय चर्खा मंड का लरर भंडार

प्रमाण

| सन् १९२० | | | | १ | २ |
|------------|-----------------------------------|--|--|---|---|
| १ सन् १९२० | १ सन् १९२० मंडल ११ सा० अर्द्ध मंड | | | १ | १ |
| २ सन् १९२० | २ सन् १९२० लरर ० सा० अर्द्ध मंड | | | १ | १ |
| ३ सन् १९२० | ३ सन् १९२० लरर २ सा० अर्द्ध मंड | | | १ | १ |
| | | | | १ | ० |

अभ्यासार्थ प्रश्न (१४१)

नीचे लिखे प्रश्नों का वांछक नाम और तिथि के सहित
बनाया:—

(१) २ गज २ फीट कर्पाट २ ६० २ आ० ३ पाई प्रति गज,
३ गज जीन कपड़ा १ ६० १२ आ० प्रति गज; २० गज चीन की चटाई
१ आ० २ पाई प्रति गज; ३ गज खरर १ ६० ४ आ० प्रतिगज; ४८ गज
फोर्ट ४ आ० १ पाई प्रति गज ।

(२) गंगा-पुस्तक-माळा की ३ पुस्तकें २ ६० ४ आ० प्रति पुस्तक,
साहित्य पुस्तक माळा की २२ पुस्तकें १ ६० १ आ० प्रति पुस्तक, कौटिल्य
माळा की ३० पुस्तकें १२ आ० प्रति पुस्तक ।

(३) मज माळा की २२ पुस्तकें १ ६० २ आ० प्रति पुस्तक; गंगा
माळा की २२ पुस्तकें २ ६० १ आ० प्रति पुस्तक, २२ ग० कपड़ा १२ आ०
प्रति गज, २ मोटर गाड़ी ० हजार ६० प्रति मोटर, २२ साइकिल २२०
रुपया प्रति साइकिल ।

(४) २ बापुचान १० लाख ६० प्रति बापुचान, ३ नक़्क़ ० लाख
६० प्रति नक़्क़, ३ मोटर साइकिल ० हजार ६० प्रति मोटर साइकिल ।

(५) १०० दर्जन रेसिड १२ आ० प्रति दर्जन, २० कोरी होल्डर १
६० १ आ० प्रति कोरी, १०० धान रेसिड कपड़ा १२० २० २ आ० प्रति
धान, १२० दर्जन दूध ४ ६० १० आ० प्रति दूध ।

(६) २२ सूखे दर्जन दूध ४२० ६० प्रति सूखे दर्जन दूध, २ सूखे दर्जन
दूध २२ ६० प्रति दूध, २० दूध २ २० प्रति दूध, १० दूध २ २० प्रति
दूध ।

(७) २० बोरा कपड़ा १२ ६० २ आ० प्रति बोरा, २ बोरा कपड़ा
१० ६० प्रति बोरा, १ लाख बोरा कपड़ा १२ ६० ४ आ० प्रति बोरा, १०
लाख बोरा कपड़ा १० ६० प्रति बोरा ।

उदाहरण के लिए नाम तो कि दो समानान्तर वक्रियों पर दो रेखादिखी
एक हो दिया मैं और एक हो जा रही है। यह एक रेखादिखी की
दोनों दूसरी की कोई गति हो नहीं जायेंगे। इसे सापेक्ष गति
कहते हैं क्योंकि एक समान गति परार्थ की गति दूसरे गतिशील की गति
की विशेष सापेक्ष गति कहलाती है। समान गति परार्थों की निरपेक्ष-गति
दूसरी और सापेक्ष-गति दूसरी होती है। भावः = गति के प्रभों में निरपेक्ष
गति और सापेक्ष गति के न समझने में लोग भ्रम कर जाते हैं। शीत-ध्वज
में भी निरपेक्ष और सापेक्ष गति का अन्तर उदाहरण मिलता है। वहाँ के
प्रभों में भी इन गतियों का अन्तर पता जाता है।

सापेक्ष-गति

(१८४) अब दो परार्थ एक ही क्षणी रेखा में चलने हो तो जिन गति
में एक दूसरे के पास जाते हैं या एक दूसरे से दूर होते हैं सापेक्ष गति
कहलाती है।

अब है कि अब के दोनों एक ही दिशा की ओर जाते हो तो सापेक्ष
गति, अब के विरुद्ध विरुद्ध गति की ओर है और अब के विरुद्ध
दिशा में जा रहे हो तो सापेक्ष-गति, अब दोनों की विरुद्ध विरुद्ध
गति के बीच के समान होती है। उदाहरण के लिए यदि दो समान रेखा
में होतो है या एक दूसरे के। अन्य प्रभों : जैसे समान गति, सापेक्ष-
(१८५) की गतिशीलता के अन्तर का अनुभव होता जाता है।

(१) शीत और ध्वज

अब दो दो परार्थ समान गति में हैं और दोनों की गति
एक ही दिशा में है। अब दोनों की गति एक ही दिशा में है।
अब दोनों की गति एक ही दिशा में है।

दौड़-सेल की क्रियाएं नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट होंगी।

१ उदाहरण :—२६० गज की दौड़ में अ, ब से ६० गज आगे निकल जाता है और स से १२० गज। बताओ ४८० गज की दौड़ में ब और स से कौन जीतेगा और कितना ?

$$२६० - ६० = २०० \text{ गज}$$

$$२६० - १२० = १४० \text{ गज}$$

जितनी दूर में अ २६० गज दौड़ता है व २०० गज दौड़ता है

और " " अ १४० " " स १४० " "

∴ " " ब १०० " " स १४० " "

∴ " " ब १ " " स $\frac{१४०}{१००}$ " "

∴ " " ब ४८० " " स $\frac{४८० \times १४०}{१००}$ " "

∴ " " ब ४८० " " स ४४८ " "

४८० गज की दौड़ में ब, स से (४८० - ४४८) गज अ ३२ गज आगे निकल आयागा।

२ उदाहरण:—एक मील की दौड़ में अ, ब से १२२ गज और स से ४८० गज आगे निकल जाता है। अगर अ और स दौड़ें तो अ तीन मिनट की मील की दौड़ में जीत जाता है। तो बताओ एक मील दौड़ने में कितना समय लगेगा।

$$१०६० - १२२ = १०४८ \text{ गज}$$

$$१०६० - ४८० = १२८० \text{ गज}$$

दो मील की दौड़ में अ, स से तीन मिनट जीत जाता है

तो १ मील की " १ १/२ मिनट " "

और १ मील की " ४८० गज " "

इससे साफ जाहिर है कि स, ११ निमट में ४८० गज दौड़ सकता है ।

स को ४८० गज चलने में समय = १ निमट

∴ स को १ गज " " " = $\frac{1}{480}$ निमट

∴ स को १२८० गज " " " = $\frac{1280 \times 1}{480 \times 2}$ निमट
= ४ निमट

एतन्मु जब तक स १४०८ गज दौड़ता है तब तक स १२८० गज दौड़ता है ।

१४०८ गज के दौड़ने में स को ४ निमट लगता है

∴ १ " " " १११२ नि० " "

∴ १०९० गज " " स को $\frac{4 \times 1090}{1408}$ निमट लगता है

या २ निमट लगता है ।

३ उदाहरण:—एक खेल में १२० प्याण्ट में स, व से १० प्याण्ट जीत जाता है और स, स से ८० प्याण्ट में ६ प्याण्ट जीतता है तो बताओ कि अगर व और स ४४४ प्याण्ट खेलें तो कौन जीतेगा और कितना ?

१२०—१०—११० प्याण्ट

८०—६—७४ प्याण्ट

जितनी दूर वे स १२० प्याण्ट खेला है व ११० प्याण्ट खेला है

और " " स ८० " " स ७४ " "

" " स १ " " स $\frac{1}{80}$ " "

स ११० " " स $\frac{110 \times 1}{80 \times 2}$ " "

या स १११ प्याण्ट खेला है

अब हम देखेंगे कि स १११ प्याण्ट खेला है

स स से १११ प्याण्ट खेला है तो स जीत जाएगा ।

(१०) एक मीत्र २ मिनट में शीघ्र सकता है और ख, ब के २१२ गज की शीघ्र में ३२ गज से दृग्गता है तो यथाशो ६२० गज शीघ्र में क को कितना समय छेगेगा ?

(११) एक श्लोक में क १२ प्याण्ड में ख को १ प्याण्ड, ब २५ प्याण्ड में ग को ३ प्याण्ड और ग १० प्याण्ड में घ को १ प्याण्ड देता है तो यथाशो २२० प्याण्ड में क, ग को और ख, घ को कितना प्याण्ड देगा ?

(१२) एक मीत्र की शीघ्र में क ने ख को ४० गज धागे रखा और १० गज उस से धागे निकल गया . ख ने ग को २० गज धागे रखा और ३० गज धागे निकल गया । तो यथाशो क और ग उनगई शीघ्रों को क, ग से कितने गज से जीयेगा ?

(१३) एक मीत्र की शीघ्र में क, ख को ८८ गज और ख, ब को ८० गज धागे रखा है । क, ग को एक मीत्र की शीघ्र में १ दिन पहलें बजने दे सकता है तो प्रत्येक को १ मीत्र शीघ्रने से कितना समय छेगेगा ?

(१४) एक मीत्र की शीघ्र में क ने ख को ८० गज धागे रखा और १० गज उस से धागे निकल गया । ख ने ग को १० गज धागे रखा और ६० गज धागे रह गया । यदि क और ग उनगई शीघ्रों को क कितने गज से जीयेगा ?

(१५) एक मीत्र की शीघ्र में क, ख से १० गज, ग, घ से १२ गज और ख, घ से ७२ गज धागे निकल जाता है । यदि क और घ शीघ्रों को और कितने गज से जीयेगा ?

(१६) एक श्लोक में ८० प्याण्ड में ख, ब को १ प्याण्ड और ब, ग २० - प्याण्ड दे सकता है तो यथाशो १०० प्याण्ड में ख, ग को कितना दे दे ?

८ यज्ञ के $७\frac{1}{2}$ मिनट पर स को २४१ गज दौड़ना बाकी था तो बराबे दौड़ की लम्बाई क्या थी और क की चाल प्रति घंटा क्या थी ?

(२४) क और स ने $1\frac{1}{2}$ मील की दौड़ की । पहले जितने मिन में स ६ गज दौड़ता था उतने में क ६ गज, परन्तु साधी दूरी चढ़ते जा थक गया और जितने समय में पहले ६ गज चढ़ता था उतने में कर १ गज चलने लगा और ॥ अपनी पदछाी चाल से बढ़ा, गया तो कौन जीतेगा और कितने अन्तर से जीतेगा ?

(२५) एक मील की दौड़ में क, स से २४० गज आगे था । उतनी ही दूरी की दौड़ में क, ग को १८ मिनट से और स, व से ६ मिनट से जीतता है । तो बनाओ, क कितने समय में १ मील दौड़ता है ?

(२६) $1\frac{1}{2}$ मील की दौड़ में क, स को ४४० गज और स, व से ११२ गज से जीतता है तो बनाओ यदि क और ग दौड़ें ॥ क कितने गज से जीतेगा ?

गोल-चक्र

(१८९) १ उदाहरण:—अ, ब और स एक ही स्थान से एक गोला (बुलबुल) रास्ते पर, त्रिभुज के ४० मील है, क्रम से ६, ८ और ६ मील प्रति घं की चाल से चले । अ और ब एक दिशा में और स विपरीत दिशा में बढ़ करता है । तो बनाओ कितने घंटों के बाद ये फिर एक जगह पर होंगे ?

ब, स से २ मील प्रति घंटा अधिक चढ़ता है अतएव वह $\frac{1}{2}$ घं या ३० घंटे में ब ने एक पूरा चक्र अधिक कर लेगा । अतएव अ और ब प्रत्येक १ घंटे के अन्त में मिलेंगे ।

अ और स मिल कर एक घंटे में १२ मील के अन्त में होंगे । अतएव प्रत्येक $\frac{1}{2}$ या ३ घंटे के बाद मिलेंगे ।

मानों के मिलने का समय - ४० और ३ का लघुतम समापक

नीचे के उदाहरणों से ये विचार स्पष्ट होंगे।

१ उदाहरण :—एक मनुष्य रेल की पटरियों के समानान्तर त्रय पटरियों के पास के रास्ते पर २ मील प्रतिघंटा की चाल से जा रहा था। उसके पीछे से एक रेलगाड़ी आई और उस मनुष्य को पकड़ लिया। रेलगाड़ी के साथ साथ कुछ दूर तक मनुष्य भी चलता रहा, किन्तु १२ सेकंड में रेलगाड़ी उसे पार कर गई। अगर रेलगाड़ी की लम्बाई ८८ गज हो तो रेलगाड़ी की चाल बताओ।

१ घंटा में मनुष्य २ मील जाता है

∴ १२ सेकंड में वह $\frac{2}{3600} \times 12$ मील या $\frac{1}{150}$ मील जायगा।

८८ गज = १०६० फीट मील

∴ १२ सेकंड में रेल $\frac{1}{150} - \frac{1}{150}$ या $\frac{1}{150}$ मील जाती है।

स्पष्ट है कि रेलगाड़ी को उस मनुष्य के पार करने में उस मनुष्य की १२ सेकंड में तै की हुई दूरी और अपनी लम्बाई दोनों को पार करना पड़ेगा। इस लिए दोनों को जोड़ना चाहिए।

१२ सेकंड में रेलगाड़ी की चाल = $\frac{1}{150}$ मील

१ सेकंड में रेलगाड़ी की चाल = $\frac{1}{12 \times 150}$ मील

∴ ८८ में

$\frac{1}{12 \times 150} \times 88$ मील

= २० मील

उदाहरण - २ रेलगाड़ी ८८ गज और १०६ गज लम्बाई है, २० मील प्रतिघंटा की चाल से चल रही है। उस रेलगाड़ी के पास से एक मनुष्य जा रहा है। उस मनुष्य को पकड़ने में रेलगाड़ी को १२ सेकंड की आवश्यकता पड़ेगी। रेलगाड़ी की चाल बताओ।

अगर वे विपरीत दिशा में जाता हो (२)

प्रमाणित

एक ही दिना में

मुष्प पहली गाड़ी में रखा है इन बिज उले सांख्य गति में
ही बन्वाई पार करनी पड़ेगी।

एक ही दिना में सांख्य गति = २ नौज

घर १३६ गज = ११ नौज

२ नौज १ घंटा में

१ नौज १ घंटा में

१ नौज १ घंटा या ३२ सेकंड में

विपरीत दिना

इस दिना में सांख्य गति = २२ नौज

२२ नौज १ घंटा में

१ नौज १ घंटा में

१ नौज १ घंटा में

१० x २२ घंटा या ११ सेकंड में

(४) नमुष्प हुनरी गाड़ी में

नमुष्प हुनरी गाड़ी में रखा है इन बिज उले सांख्य गति में रहना
ही हो बन्वाई पार करनी पड़ेगी।

इसी एक ही दिना में

इस दिना में सांख्य गति = २ नौज

घर १३६ गज = ११ नौज

२ नौज १ घंटा में

१ नौज १ घंटा में

१ नौज १ घंटा या ३२ सेकंड में

विपरीत दिशा में

इस दशा में सापेक्ष गति = ११ मील

११ मील १ घंटा में

∴ १ मील $\frac{1}{11}$ घंटा में• $\frac{1}{11}$ मील $\frac{1 \times 1}{20 \times 22}$ घंटा या $2\frac{1}{11}$ सेकंड में

✓ उदाहरण : एक कीड़ा एक बॉल पर दिन में ११ गज आता है परन्तु रात में १ गज फिन्सल आता है, तो बताओ वह दिनने घंटों में पहुँच आयगा अर्थात् बॉल की लम्बाई १० गज हो

$$१० - ११ = १८ गज$$

$$११ - १ = १० गज$$

कीड़ा २४ घंटे में १ गज चढ़ता है। यह भी तरह है बिलकुल ऊपर चढ़ आयगा तब फिन्सलने का कोई प्रश्न ही नहीं रह जाय १ से १८ पूरा गज नहीं बढ़ता है, इसलिए अन्तिम दिन कीड़े चढ़ने का नहीं मिशेगा। अन्दाज से मालूम हुआ कि १ दिन तक १ गज चढ़ आयगा।

• $१० - ४२ = ८ गज$ । इस आठ गज को वह १२ गज प्रति दिशा में चढ़ेगा।

$$१२ गज १२ घंटे में$$

$$∴ १ गज $\frac{1}{12}$ घंटा में$$

$$∴ ८ गज $\frac{8 \times 12}{१२}$ या ८ घंटे में$$

$$कुल १२ \times २४ = ८ या १२२ घंटे लगेंगे$$

४ उदाहरण. दो तोपें एक ही स्थान पर १ मिनट के अन्तर पर होती हैं, परन्तु एक मनुष्य ने जो इस स्थान की ओर आ रहा था, उन्हें आग १ मिनट ४० सेकंड के अंतर से मारी। यदि आग १ ११०० यार्ड प्रति सेकंड हो तो इस मनुष्य को पाक बनाओ।

के बहाव के साथ खेने की अपेक्षा दूना समय लगता है। तो नदी का रद्दा प्रति मील बताओ।

स्पष्ट है कि नाव की चाल + नदी का बहाव = $2 \times$ (नाव की चाल - बहाव)

$$(\text{नाव की चाल} + \text{बहाव}) + (\text{नाव की चाल} - \text{बहाव}) = 1 \times (\text{नाव की चाल} - \text{बहाव})$$

$$\therefore 2 \text{ नाव की चाल} = 1 \times (\text{नाव की चाल} - \text{बहाव})$$

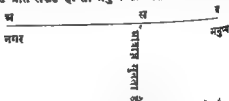
$$\therefore 2 \times 4 = 1 \times (\text{नाव की चाल} - \text{बहाव})$$

$$\therefore \text{नाव की चाल} - \text{बहाव} = \frac{2 \times 4}{1} = 8$$

$$\text{बहाव} = 4 - 8$$

$$= -4 \text{ मील}$$

१ उदाहरण:—दो तोपें एक ही स्थान से १२ मिनट के अन्तर में छूटती हैं। एक मनुष्य ने, जो उस स्थान की ओर आ रहा था, तोपें गूँजे की आवाज़ ११ मिनट २० सेकंड के अन्तर से सुनी। यदि आवाज़ की चाल ११२० फीट प्रति सेकंड हो तो मनुष्य की चाल बताओ।



मान लो कि अ स्थान पर तोपें १२ मिनट के अन्तर से छूटती हैं और स्थान से मनुष्य अ स्थान की ओर आ रहा है। यदि वह मनुष्य ब स्थान पर खड़ा रहता तो वह तोपों की आवाज़ १२ मिनट के अन्तर से ही सुनता क्योंकि अ से ब स्थान तक पहुँचने में आवाज़ को प्रत्येक बार समान समय लगता, परन्तु मनुष्य अ स्थान की ओर आ रहा है। इसलिए वह प्र

पीछे पहुँचना है और यदि ५ मील प्रति घंटा चलता है तो समय से १५ मिनट पहिले पहुँचना है, तो उसे बिल्ली दूर जाना है।

(२९) मुझे एक निश्चित स्थान पर एक निश्चित समय पर पहुँचाना है प्रति घंटा ५ मील की गति से चलता है तो १० मिनट देर। यदि प्रति घंटा ५ मील की गति से चलता है तो १० मिनट पहले जाना है तो उस स्थान की गति बताओ।

(३०) एक निश्चित स्थान पर पहुँचने के लिए अब मैं ५ मील घंटा की गति से चलता है तो ५ मिनट देर से और अब ५ मील घंटा की गति से चलता है तो १० मिनट पहले पहुँचना है तो स्थान की गति बताओ।

(३१) दो गाँव एक ही स्थान से १० मिनट के अंतर से हूँ, एक मनुष्य ने जो एक स्थान की ओर जा रहा था, मोर दूधने की ११ मिनट २० मिनट के अंतर से गुनी। यदि आवाज ११२० ई० मिनट चलती है तो उस मनुष्य की गति प्रति घंटा बताओ।

(३२) दो गाँव एक ही स्थान से १० मिनट के अंतर से। एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर जा रहा था तो वह दूधने की ११ मिनट २० मिनट के अंतर से गुनी। यदि आवाज ११२० ई० मिनट चलती है तो उस मनुष्य की गति प्रति घंटा बताओ।

(३३) दो गाँव एक ही स्थान से ५ मिनट के अंतर से हूँ। एक मनुष्य ने जो उस स्थान से दूर जा रहा था तो वह दूधने की ११ मिनट २० मिनट के अंतर से गुनी। यदि आवाज ११२० ई० मिनट चलती है तो उस मनुष्य की गति प्रति घंटा बताओ।

(३४) दो गाँव एक ही स्थान से ५ मिनट के अंतर से हूँ।

(३५) दो गाँव एक ही स्थान से ५ मिनट के अंतर से हूँ।

(३६) दो गाँव एक ही स्थान से ५ मिनट के अंतर से हूँ।

(३७) दो गाँव एक ही स्थान से ५ मिनट के अंतर से हूँ।

११ मिनट १२ सेकंड के अन्तर से मूनी । यदि मनुष्य की आयु १० व
यदि ११ वीं या आठवां की आयु प्रति सेकंड बताओं ।

(११) १० वां एक ही जगह से १२ $\frac{1}{2}$ मिनट के अन्तर से दूरी
गन्तु एक मनुष्य न, जो इस जगह से दूर जा रहा था, तो उसे दूरी
आठवां १० मिनट १२ सेकंड के अन्तर से मूनी । यदि आठवां प्रति १०
११ वीं की आयु की आयु बताओं ।

(१२) १० वां एक ही जगह से १२ $\frac{1}{2}$ मिनट के अन्तर से दूरी
गन्तु एक मनुष्य न, जो इसी जगह की ओर आ रहा था, तो उसे दूरी की आयु
१० मिनट के अन्तर से मूनी । यदि आठवां की आयु प्रति सेकंड ११
१२ वीं की आयु की आयु बताओं ।

१३ १० वां एक ही स्थान से १२ $\frac{1}{2}$ मिनट के अन्तर से दूरी
गन्तु एक मनुष्य जो इस स्थान से दूर जा रहा था तो उसे दूरी की आयु
१० मिनट १२ सेकंड के अन्तर से मूनी । यदि आठवां प्रति सेकंड ११
१२ वीं की आयु की आयु बताओं ।

(१४) १० वां एक ही स्थान से दूरी अन्तर से दूरी । एक व्यक्ति
जो इस जगह से ११ $\frac{1}{2}$ मिनट की आयु से इस स्थान से दूर जा रहा था
तो उसे दूरी की आयु १० मिनट १२ सेकंड के अन्तर से मूनी, जो
आठवां प्रति सेकंड ११ वीं की आयु बताओं ।

(१५) १० वां एक ही स्थान से दूरी अन्तर से दूरी । एक व्यक्ति
जो इस जगह से ११ $\frac{1}{2}$ मिनट की आयु से इस स्थान से दूर जा रहा था
तो उसे दूरी की आयु १० मिनट १२ सेकंड के अन्तर से मूनी, जो
आठवां प्रति सेकंड ११ वीं की आयु बताओं ।

(१६) १० वां एक ही स्थान से दूरी अन्तर से दूरी । एक व्यक्ति

जो इस जगह से ११ $\frac{1}{2}$ मिनट की आयु से इस स्थान से दूर जा रहा था

तो उसे दूरी की आयु १० मिनट १२ सेकंड के अन्तर से मूनी, जो

३ उदाहरण :—४ घीर १ बजे के बीच में कब घड़ी की सुइयों में १८ दर्जे का अन्तर होगा ?

वास्तव में यह अवस्था दो बार होगी । पहले उस अवस्था में जब कि की सुई दूसरी सुई से ($20-12$) या ८ दर्जे अधिक घूम लेगी और जब यह वही सुई छोटी सुई से $20 + 12$ या ३२ दर्जे अधिक घूम लेगी तब मिनट की सुई १२ दर्जे ६० मिनट में घागे निकल जाती है

| | | | | | |
|------|---|-----------------------------------|----------|---|---|
| .. " | " | १ दर्जा $\frac{5}{4}$ | मिनट में | " | " |
| .. " | " | २ दर्जे $\frac{5}{2}$ | मिनट में | " | " |
| | | या $2\frac{1}{2}$ | मिनट में | " | " |
| " | " | ३२ दर्जे $\frac{32 \times 5}{60}$ | मिनट में | " | " |
| | | या $26\frac{2}{3}$ | मिनट में | " | " |

४ उदाहरण :—एक घड़ी मात्र १२ बजे ठीक कर दी गई । समय इस घड़ी में जब १ बज कर ११ मिनट हुए थे तब ठीक समय बजे थे । तो बताओ कि जब घड़ी में ११ बज कर १२ मिनट चले पड़ेगा तो ठीक समय क्या होगा ?

जब घड़ी में $11\frac{1}{2}$ बजता है तब ठीक समय १ बजे है

" " १ " " " " $1\frac{1}{2}$ "

" " $11\frac{1}{2}$ " " " $1\frac{1}{2}$ या १२ बजे है

५ उदाहरण :—दो घड़ियों में हम समय १ बजता है, परन्तु उनमें एक प्रति दिन (२४ घंटे में) १ सेकंड गुल चखती है और दूसरी सेकंड तेज । तो बताओ कि कितनों दिनों के बाद उनमें १ घंटे का अन्तर हो जायगा ?

१ - २ = १ सेकंड

१ सेकंड का अन्तर १ दिन में

१ सेकंड का अन्तर $\frac{1}{2}$ दिन में

$1 \div \frac{1}{2}$ सेकंड का अन्तर $1 \div \frac{1}{2} = 2$ दिन में

या ४८ घंटे में

(१०) एक जेब घड़ी एक दिन में ३ मिनट तेज़ चलती है तो दूसरी ४ मिनट सुस्त । पहली घड़ी सोमवार के १० बजे और दूसरी उसी दिन चार बजे दिन में ठीक की गई तो बताओ शुक्रवार के १० दिन में दोनों घड़ियों में क्या समय होगा ?

(११) एक घड़ी १६ घंटे में ३० सेकेंड सुस्त और दूसरी १८ में ३० सेकेंड तेज़ चलती है । पहली घड़ी शुक्रवार के ८ बजे दिन में और दूसरी उसी दिन ४ बजे रात में ठीक कर दी गई । तो बताओ ज्येष्ठ शुक्रवार के १२ बजे दिन में दोनों में कितने समय का अंतर होगा ?

(१२) एक घड़ी एक दिन में १ मिनट तेज़ चलती है और दूसरी १ मिनट सुस्त । दोनों में सोमवार के दिन में १२ एक साथ बजे तो बताओ रविवार की रात में जब दूसरी घड़ी में १० बजे के ४१.१६ मिनट का समय है तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

(१३) रविवार के ४ बजे दिन में एक घड़ी ३ मिनट तेज़ थी और दूसरी २ मिनट सुस्त । यदि शुक्रवार की ८ बजे संध्या समय पहली घड़ी १ मिनट सुस्त और दूसरी ३ मिनट तेज़ हो गई तो बताओ उनमें ठीक होना क्या समय था ?

(१४) दो घड़ियों में रविवार के सवेरे ७ एक साथ बजे । मंगल के सवेरे जब पहली घड़ी में ३ बजे तब दूसरी घड़ी में ४ बजने में १२ मिनट बाकी थे । तो बताओ कुरुल घड़ी को कितना तेज़ वा तेज़घड़ी को कितना सुस्त करें कि दोनों में बुध के दिन में १२ एक साथ बजे ?

(१५) दो घड़ियाँ जिसमें पहली प्रति दिन २ मिनट सुस्त और दूसरी १ मिनट तेज़ चलती है, २ बजे सवेरे ठीक कर दी गई । तो बताओ जब उसी दिन दूसरी घड़ी में ३ बजे कर ४८ मिनट होंगे तो पहली घड़ी में क्या समय होगा ?

(१६) एक घड़ी प्रति दिन ४ मिनट तेज़ और दूसरी ३ मिनट सुस्त चलना है । शुक्रवार के ६ बजे सवेरा ठीक की गई तो बताओ जब उसी दिन

बताओ उस समय प्रायेण घड़ी में क्या बजेगा जब एक घड़ी दूधों के १ मिनट पोछे हो ?

(३१) एक घड़ी में जो ६ बजे मधेरे डीक की गई, १ घंटा संझा में डीक समय पर २ बजने में ६ मिनट बाकी थे, तो बताओ उसमें २ बजेगे, तब डीक समय क्या होगा ?

(३२) एक घड़ी में जो ६ बजे मधेरे डीक की गई, २ बज आने डीक समय पर २ बज कर ६ मिनट हुए थे, तो जब उसमें २ बज २ घंटा समय क्या था ?

(३३) एक घड़ी की सुइयों प्रायेण ११ मिनट पचास एक दूधों के आच्छादिन करता है, तो बताओ घड़ी २० बजते में कितनी तेज है ?

(३४) एक घड़ी में २ बजे ३ बजे के बीच में जब दोनों सुइयों का स्थान पर भी डीक समय था, वह प्रति घंटे ६ मिनट मुक्त करता की ? बताओ दोनहर के १२ बजे उसमें क्या समय था ?

(३५) एक घड़ी में १० बजे ११ बजे के बीच में जब दोनों मधेरे एक स्थान पर भी डीक समय था, वह प्रति घंटे १६ मिनट तेज करता है तो बताओ मधेरे डीक ६ बजे उसमें क्या समय था ?

(३६) एक घड़ी दिन के ६ बज मधेरे डीक की गई, वह प्रति घंटा १, मिनट मुक्त करता है, तो बताओ डीक समय क्या होगा जब दोन दोन दोन ६ बजे के बीच लागता तब एक मीट में ही ?

(३७) एक घड़ी दिन के ६ बजे संझा में डीक की गई, १६ घंटा २ मिनट तेज करता है, तो बताओ डीक समय क्या होगा जब दोन दोन दोन १० बज के बीच में लागता तब एक मीट में ही ?

१. एक घड़ी में ६ बजे मधेरे डीक की गई, २ बज आने डीक समय पर २ बज कर ६ मिनट हुए थे, तो जब उसमें २ बज २ घंटा समय क्या था ?

गई और १०१० रु० पर बेंची गई तो भी १० रु० लाभ हुआ। अर्थात् १०० में १० रु० लाभ हुआ। इसे निरपेक्ष लाभ कहते हैं। परन्तु १४वीं १४ में सापेक्ष लाभ दूसरी दशा से कहीं अधिक है उसे १० रु० पर १० रु० लाभ हुआ और दूसरी दशा में १००० रु० पर १० रु०। हमजिद दोरी के सापेक्ष लाभों में बड़ा अन्तर है। हर्ना किए लाभ और हानि के उदाहरणों में बहुत प्रति सैकड़ा हानि या लाभ लगाया जाता है। लाभ हानि के उदाहरण नियम, वैरागिक या समानुपात किमी की भी सहायता से व्यवस्था से करा सकता है। हानि और लाभ के लगाने का नियम नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायगा :—

१ उदाहरण :—एक व्यापारी ने एक घोड़ा ८० रु० में खरीदा और ६० रु० पर बेच दिया तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

$$८० \rightarrow ६० \Rightarrow १० \text{ रु० लाभ}$$

$$८० \text{ रु० पर उमड़ा लाभ} = १० \text{ रु०}$$

$$१ \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{१०}{८०} \text{ रु०}$$

$$१०० \quad ८० \quad " \quad " \quad " \quad = \frac{१०० \times १०}{८०} \text{ रु०}$$

$$= १२\frac{१}{२} \text{ प्रति सैकड़ा लाभ}$$

२ उदाहरण :—एक घोड़े को ७२ रु० पर बेचने में १० प्रति सैकड़ा हानि होना है तो बताओ उसे कितने पर खरीदे कि २० प्रति सैकड़ा लाभ हो ?

मान लिया कि मूल १०० रु० पर खरीदा गया

१०० - १० = ९० रु० पर बेचने में १० रु० प्रति सैकड़ा हानि होगा और २० प्रति सैकड़ा लाभ होने के लिए उसे १०० - २० = ८० रु० पर खरीदा जाय

$$८० \quad १२० \quad " \quad " \quad " \quad = ५०$$

अनुसूची

१११

१. १०० टका = १०० X ०२ ५०

२. १०० = १०० X ०० ५०

३. १०० टका

यह अनुसूची का बड़े तरह से एक ही सन्देश है।
 १. अनुसूची — एक अनुसूची के द्वारा यह १०० टका में देखा गया
 है कि यह १०० टका में देखा गया है कि यह १०० टका में देखा गया है
 कि यह १०० टका में देखा गया है कि यह १०० टका में देखा गया है

२. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

३. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

४. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

५. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

६. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

७. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

८. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

९. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

१०. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

११. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

१२. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

१३. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

१४. अनुसूची का नाम — १०० - १०० - १०० टका

(३) एक घोड़ा ८२ रु० को मोल लिया गया और १४ रु० में बेचा गया । तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?

(४) एक दुर्गा ४ रु० १२ पाने में प्रतीति गई और १ रु० १२ पाने में बेच दी गई तो प्रति सैकड़ा क्या हानि हुई ?

(५) एक दुर्गा १ रु० १२ पाने को बेचने से १० प्रति सैकड़ा लाभ हुआ । तो वह दुर्गा जितने में बेची जाए कि २० प्रति सैकड़ा लाभ हो ?

(६) एक घड़ी २० प्रति सैकड़ा लाभ से २२ रु० में बिना कागज का प्रत्य मूल्य बताओ ?

(७) जितने रुपये में २४ वस्तु प्रतीति जाती हैं उनमें ही २४ में १८ वस्तु बेची जाती हैं तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ होगा ?

(८) एक वृक्षानदार एक बोरा में ४ रु० १२ पाने में मोल देता है और १२ प्रति सैकड़ा लाभ से बेचना है तो प्रत्य मूल्य बताओ ?

(९) एक घोड़ा २२ रु० में बेचने से प्रति सैकड़ा १२ की हानि हुई तो घोड़े का मूल्य बताओ ?

(१०) एक पुस्तक विक्रेता ने एक पुस्तक २ रु० १२ पाने में बेचा वह ८ की सैकड़ा हानि उठाई तो पुस्तक का प्रत्य मूल्य क्या था ?

(११) एक वृक्षानदार ने एक बोरा चादर १२ रु० में बेचे और १५ प्रति सैकड़ा लाभ उठाया तो चादर का मूल्य क्या था ?

(१२) एक वस्तु ३२ रु० १२ पाने में मोल दी गई । यदि वह बेचने से ४ प्रति सैकड़ा लाभ पड़े तो जितने में बची जाए कि प्रति सैकड़ा १२ लाभ हो ?

(१३) एक प्रयोग का दुर्गा १०२ रु० १० पाने में बेचने से ८ की सैकड़ा लाभ हुआ तो वस्तु का मूल्य क्या था ?

(१४) एक घड़ी १३ रु० में बेची गई । यदि वह बेचने से १२ रु० १२ पाने में विक्रेता १० प्रति सैकड़ा लाभ उठाई होता ?

(१५) किसी वस्तु को ४४४ रु० में बेंचने से ११ प्रति सैकड़ा लाभ होता है तो कितने में बेंचने से ७ प्रति सैकड़ा हानि होगी ?

(१६) किसी वस्तु को ३१५ रु० में बेंचने से ८ प्रति सैकड़ा अधिक लाभ होता है, जितना ३०० रु० में बेंचने से होता है, तो उस वस्तु का क्रय मूल्य क्या था ?

(१७) एक टेबुल को ४५ रु० में बेंचने से १५ प्रति सैकड़ा हानि होती है तो उसे ५५ रु० में बेंचने से प्रति सैकड़ा क्या लाभ या हानि होगी ?

(१८) १ रु० ३ आ० प्रति पुस्तक की दर से पुस्तकें बेंची गईं । यदि १८½ प्रति सैकड़ा के हिसाब से कुल लाभ ३७½ रु० हुआ तो कितनी पुस्तकें बेंची गईं ?

(१९) कुछ आम ४ रु० प्रति सैकड़ा की दर से बेंचा गया तो ६ रु० १२ आ० लाभ हुआ । यदि इसमें ३३½ प्रति सैकड़ा लाभ हुआ हो तो कितने आम बेंचे गए ?

(२०) एक घोड़ा को ४०० रु० में बेंचने से ५ प्रति सैकड़ा हानि हुई तो २० प्रति सैकड़ा लाभ के लिए उसे कितने में बेंचना चाहिए ?

✓ (२१) एक बनिया सौदा खरीदने समय १० प्रति सैकड़ा अधिक तालना है और बेंचने के समय १० प्र० सैकड़ा कम तालता है तो इस व्यापार से उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होता है ?

✓ (२२) एक बनिया सौदा खरीदने के समय ५ सेर में ८ छंटाक अधिक ले लेता है और बेंचने के समय ५ सेर में ८ छंटाक कम देता है, तो उसे प्रति सैकड़ा कितना लाभ होता है ?

(२३) एक कजड़े ने २०० आन भोल लिए ; उन में से २० आन बच गए और शेष को उम ने ६ पाई के ५ आन का दर ने बच दिया तो ३ : २ में सैकड़ा लाभ हुआ तो बताओ कि उमने कितने में १ कोड़ी का लाभ किया था ?

अव्ययव्यय

को एक में मिला कर २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेच दिया। यदि गरीब किसी ने मुझे ३६००० देने का लाभ हुआ हो तो मैंने कितनी खरीदी थी और उन्हें मैंने किस दर में बेचा?

(४०) एक तरानू ऐसी है कि उसके एक परचे में जितना घात रहता है उससे १२ प्रति सैकड़ा अधिक रखने में डंडी सीधे होती है। इस तरानू ने एक बनिया सौदा खरीदने और बेचने दोनों ही में कमाई की तो बताओ अपनी पैड़ाना से वह कुछ लाभ पर कितना प्रति सैकड़ा लाभ उठाता है?

(४१) मोहन ने अपना घोड़ा कुछ घटा सह कर ३४००० में बेचा, यदि वह घोड़ा ४२००० में बिना तो उससे घटे का १/२ लाभ होता तो उस में घोड़े का मूल्य बताओ।

(४२) एक नवान कुछ लाभ पर ६६००० में बेच दिया गया। यदि नवान ६४००० में बिना तो लाभ का १/२ हानि होती। तो नवान का मूल्य बताओ।

(४३) किसी बनिया ने अपने बड़े बानी को १२ प्रति सैकड़ा लाभ पर बेचने का निश्चय किया। परन्तु उस बड़े बानी ने १/२ घटिया बानी, जिसका मूल्य बड़े बानी का १/२ था मिला दिया। तो बताओ बनिये को प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ?

(४४) बनिया अपनी बहिया चाय को २० प्रति सैकड़ा लाभ पर बेचना चाहता है। परन्तु उस बहिये चाय में १/२ घटिया चाय जिसका मूल्य बहिये चाय का १/२ है, मिला दिया। तो बताओ अब उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होगा?

(४५) मोहन ने एक जमीन का टुकड़ा २२१/२ प्रति सैकड़ा लाभ पर मोहन के हाथ बेच दिया। मोहन ने उसे ७१/२ प्रति सैकड़ा लाभ लेकर गधे के हाथ बेच दिया। गधे ने २२६७००० देने में जमीन खरीदी थी। तो बताओ मोहन ने कितने रुपये में जमीन खरीदी थी?



का लाभ या हानि उनके मूलधन के अनुगुण ही में होगी। यह बात उदाहरण में स्पष्ट होगी :—

१ उदाहरण —अ, ब और ग एक व्यापार में भागी हैं। अ म १००० रु का २०० रु और ग का २०० रु लगा है। अगर कुल १००० लाभ हुआ हो तो हर एक का अपना अनुगुण लाभ क्या होगा।

$$२०० + २०० + २०० = ६०० \text{ रु}$$

$$१००० \text{ रु पर लाभ } २०० \text{ रु}$$

$$१ \text{ रु } " " = \frac{२००}{६००} \text{ रु}$$

$$१००० \text{ रु } " = \frac{२०० \times १०००}{६००} \text{ रु}$$

$$= ३३३ \text{ रु का लाभ}$$

$$१००० \text{ रु } " = \frac{२०० \times १०००}{६००} \text{ रु}$$

$$= ३३३ \text{ रु का लाभ}$$

$$१००० \text{ रु } " = \frac{२०० \times १०००}{६००} \text{ रु}$$

$$= ३३३ \text{ रु का लाभ}$$

विशेष गाना

(१३०) हमने व्यापारियों के मूलधन तथा अपने द्वारा किए हुए रुक के अन्तर्गत के मूलधन और अपने द्वारा किए हुए रुक के अन्तर्गत के मूलधन के अनुगुण लाभ या हानि का गाना किया है।

उदाहरण — अ १००० रु, ब २००० रु, ग ३००० रु का मूलधन है। अगर कुल ६००० रु का लाभ हुआ हो तो हर एक का अपना अनुगुण लाभ क्या होगा।



$$\begin{aligned}
 \text{इसी प्रकार } x &= 3 \times 8 + (3 - 2\frac{1}{3}) \times 2 \\
 &= 24 + 1\frac{2}{3} \\
 &= 25 \text{ पीड}
 \end{aligned}$$

$$\therefore \text{ दोनों का मिश्रकर} = 2\frac{1}{3} \times 2 + 25 = 2\frac{1}{3} \text{ पीड}$$

$$2\frac{1}{3} \text{ पीड पर } k = 2\frac{1}{3} \text{ पीड}$$

$$\therefore 1 \text{ पीड पर } k \text{ का काम} = \frac{2 \times 100}{2\frac{1}{3} \times 2} \text{ पीड}$$

$$\begin{aligned}
 \therefore 22\frac{1}{3} \text{ पीड " " } &= \frac{22\frac{1}{3} \times 2 \times 100}{2\frac{1}{3} \times 2} \text{ पीड} \\
 &= 100 \text{ पीड}
 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned}
 \therefore k \text{ का काम} &= 22\frac{1}{3} - 100 \text{ पीड} \\
 &= 12\frac{1}{3} \text{ पीड}
 \end{aligned}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१४७)

(१) क, ख और ग ने मित्र कर व्यापार करना प्रारम्भ किया। क ने ४२० रु०, ख ने ६०० रु० और ग ने ३२० रु० लगाया। माघ के मध्य में ३०० रु० लाभ हुआ तो प्रत्येक को कितना कितना लाभ का लब्ध मिश्रना चाहिए ?

(२) घ, च और म ने मित्र कर एक खेल खोला। घ ने १० रु०, च ने ७५ रु० और म ने ८५ रु० दिया। वर्ष के मध्य में ४० रु० का लाभ तैयार हुई, तो कनाछो प्रत्येक को कितने कितने रुपये का अंश मिले ?

(३) राम, रघुम और मुरेश ने मित्र कर व्यापार किया। राम ने १२०० रु०, रघुम ने १८०० रु० और मुरेश ने ८०० रु० लगाया। वर्ष के मध्य में ४२५ रु० का लाभ हुआ। तो कनाछो सब तीनों क कितने रुपये व्यापार में लगे रहे ?

(४) मनेश, दिनेश और मुरेश ने मित्र कर व्यापार किया। मनेश ने मुरेश से २०० रु० अधिक, दिनेश ने मनेश से ३०० रु० अधिक और मुरेश

के रुपये देइ गुने थे । १ महीने के बाद अ ने अपने रु० को दूना और देवड़ा कर दिया । ३ महीने के बाद स उठने हो रुपये देकर दूकान में आ हो गया जितने उस समय अ और स के रुपये मिल कर थे । साल के १ में १३३१ रु० ४ आ० लाभ हुआ, तो बताओ लाभ के रुपये में से कितने कितने रुपये मिले ?

(११) एक चरागाह में अ ने १८ घोड़े ५ महीने तक, ब ने ११ ४ महीने तक और स ने १४ में ३ महीने तक चराया । बैल को ४ भेड़ की चराई से तीन गुणो और घोड़े की चराई बैल की चराई से ४ है । कुल चराई के ५३ रु० ७ आ० देने पड़े, तो बताओ तीनों को कितने रुपये देने पड़े ?

(१२) एक व्यापार में तीन भागुमियों ने रुपये लगाये । पहले अ १० रु० ५ महीने तक, दूसरे का ४०० रु० ४ महीने तक और तीसरे का १० रु० ३ महीने तक रहा । तीनों के लाभ मिल कर ३८ रु० हैं, तो ११ को क्या मिलना चाहिए ?

(१३) क और स ने मिल कर एक व्यापार किया । क ने पहले २० रु० और स ने ६०० रु० दिए । व्यापार प्रारम्भ करने के दो महीने बाद ने १००० रु० और ३ महीने बाद स ने १२०० रु० और दिए । लाभ अंश में ६४० रु० लाभ हुआ, तो बताओ लाभ के रुपये का उन्हें किस-किस बाँटना चाहिए ?

(१४) मोहन और सोहन ने एक चरागाह ७ महीने के लिए लिया । मोहन ने २४ भैंस ४ महीने तक चराई, तो बताओ कि बाकी तीन महीने में सोहन कितनी भैंसे चरावे कि उस को मोहन का १ देना पड़े ?

(१५) राम और श्याम ने एक घरी का खेज ५ महीने के लिए लिया । राम ने २४ गाँव ३ महीने तक चराई । शेष दो महीने में श्याम ने धरत गाँव चराई । यदि श्याम को चराई के लिए राम का चराई का १ देना पड़े तो श्याम ने कितने गाँव चराई ?

कुल लाभ में क और ख में रुपये का अनुपात २:३ है तो बताओ क में लाभ के कुल कितने रुपये मिले ?

(२१) क, ख और ग ने ६०००० रु० की पूंजी से एक व्यापार किया। कुछ पूंजी में क ने ३३००० रु० और ख ने २६००० रु० दिए। परन्तु यह बात उदरी कि कुल लाभ आपस में बराबर बराबर बँटता हो। कुल पूंजी की एक तिहाई पर ग १० प्रति सैकड़ा व्यापार देता और ख के सामने का काम करने के बदले २३०० रु० साल में मिलेंगे। यदि साल के अन्त में कुल लाभ में से क, ख और ग के रुपये का अनुपात २३:२१:१६ है तो बताओ ल को कुल कितने रुपये मिले ?

(२२) क, ख और ग ने क्रमशः २००० रु०, १००० रु० और ४००० रु० लगा कर एक साथ एक व्यापार किया। क लाभ का १० प्रति सैकड़ा और ख लाभ का १२ प्रति सैकड़ा व्यापार के प्रबन्ध करने के हक पाता है। शेष लाभ मूल धन में लगाये हुए रुपये के अनुसार बँटा है। साल के अन्त में क को ल से १३० रु० कम मिले हो कुल कितना हुआ ?

(२३) एक साझे में क ने ४२०० रु०, ख ने १२०० रु० और ग ने ४००० रु० लगाये। साल के अन्त में प्रत्येक को लाभ के रुपये हैं तो उसके रुपये का २ प्रति सैकड़ा मिलने के बाद जो बचा उसका १२ प्रति सैकड़ा ख को साझे के काम करने के बदले मिला। शेष लाभ के रुपये के तीनों ने हिस्से के अनुसार बाँटे, यदि कुल ३८०० रु० का लाभ हुआ है तो बताओ अब प्रत्येक को क्या मिला ?

(२४) क, ख और ग ने साझे का एक ग्रेस खरीदा। परिवर्द्ध के लिए क ने २२ और ख ने १२ मामान मूल्य की कुर्मिर्षी दीं। ग ने कुर्मिर्षी के मूल्य के बदले ४० रु० दिये, तो बताओ हम रुपये को क और ख किस प्रकार बाँटे ?

(२५) बीजपारी, धुगन और अनन्त ने मिल कर एक मकान

२ उदाहरण — एक चीनी १२ ६० मन की और दूसरी १० ६० की है, तो बताओ इनको किस अनुपात से मिलावें कि मिश्रित चीनी का भाव १२ ६० मन हो जाय ।

इस प्रश्न में लाभ या हानि की कुछ भी शर्त नहीं है । इसलिए भावों को न तो लाभ ही होना चाहिए और न हानि ही ।

अब दोनों प्रकार की चीनी एक ही में मिला दी जाती है तब यह ॥ ६० मन के भाव की हो जाती है, और प्रत्येक चीनी के ॥ एक मन के बँचने से (१२ - १२) या १ ६० का लाभ होता है, और अच्छी चीनी के ॥ एक मन के बँचने से (१० - १२) या २ ६० की हानि होती है । अब दोनों प्रकार की चीनी बराबर मात्रा में मिलाई जायें तो साफ़ ज़रूर लाभ होने लगेगा । इसलिए प्रत्येक चीनी का मिलावनी चाहिए । अगर प्रत्येक चीनी दो मन लें तो १ ६० लाभ होगा और अगर अच्छी चीनी १ ॥ लें तो १ मन में १ ६० हानि होगी । इसलिए प्रत्येक और अच्छी चीनी १२ के अनुपात से मिलाना चाहिए । ऐसे प्रश्नों के हल करने के लिए यदि मिश्रित वस्तु के मूल्य को प्रत्येक में से घटा देना चाहिए और इन भावों को उल्टा देना चाहिए और उसी उल्टे हुए अनुपात से ही वस्तुओं को मिलाना चाहिए ।

३ उदाहरण — १ आ० ६ पा० में और २ आ० में के भावों के दूध का किस अनुपात से मिलावें कि मिश्रित हुए दूध का १ आ० में बँचने २, ३ प्रति सैकड़ा लाभ हो ।

$$100 + 2 = \frac{200}{14} \times 100$$

$$\frac{200}{14} \times 100 \text{ पर क्रयमूल्य } 100 \text{ म०}$$

$$120$$

$$12 \times 100 = 1200$$

$$1000$$

(२) १० रु० टन, १३ रु० टन, १६ रु० टन और २१ रु० तक कोयला किस हिसाब से मिलाया जाए कि मिले हुए कोयले का मूल्य १० रु० टन हो ?

(३) १३ रु० गैलन, १८ रु० गैलन, ८ रु० गैलन की शराब में दम मिश्राने से ३ रु० गैलन की शराब बनती है तो तीनों प्रकार की शराब से पानी किस अनुपात से मिलाया गया है ?

(४) १६ रु० तोले के सोने में कुछ भाग १६ रु० तोला, कुछ १८ रु० तोला, कुछ २३ रु० तोला और कुछ २४ रु० तोला का सोना मिलाया गया । अब मिले हुए सोने की दर २० रु० तोला है तो मिलाया गए धर का अनुपात बताओ ।

(५) १० रु० मन, १४ रु० मन, १८ रु० मन और २० रु० मन के चीनी मिला कर ४० मन चीनी १० रु० मन की तैयार की गई तो क्वाणों ॥ तरह की चीनी किस अनुपात से मिलाई गई और मिली हुई चीनी में कौन कौनो मिलती है ?

(६) पाँच आने सेर, ४ आने सेर और ७ आने सेर की चीनी कि हिसाब से मिलाई जाए कि मिली हुई चीनी की दर ६ आने सेर हो । ११ सेर मिश्रित चीनी में किस प्रकार की चीनी कितनी है ?

(१०) किसी दूकान दार के पास १० आ०, १२ आ०, १२ आ० और १ रु० १ आ० प्रति सेर की दर का मसाला है । यदि पहले दो प्रकार के मसाले बराबर बराबर मिला लिए जाए और पिछले दोनों प्रकार के मसालों भी बराबर बराबर मिला लिए जाए तो अब मिश्रित मसाला १४ आने सेर का तैयार करने के लिए किस हिसाब से मिलाना चाहिए ?

(११) एक मनुष्य के पास १४ रु० प्रति गैलन की और २४ रु० प्रति गैलन की शराब थी । उसने दोनों प्रकार की शराबों को १ . २ के अनुपात में छेकर मिला दिया । अब मिली हुई शराब में किस हिसाब से पानी मिलाये कि मिली हुई वस्तु १६ रु० प्रति गैलन की हो जाये ?

(१८) एक वर्तन में ३६ सेर दूध है। पड़जे उस में से ३ से निकाल लिया और तब ३ सेर पानी डाल दिया। अब उस मिश्रित में से ३ सेर निकाल कर फिर ३ सेर पानी डाल दिया। यह क्रियार की गई तो बताओ घन में दूध और पानी में क्या सम्बन्ध रहेगा ?

(१९) एक दूध में भरे हुए वर्तन में से ६ सेर दूध निकाल पानी में वर्तन को भर दिया। फिर मिज्जी हुई वस्तु में से ६ सेर निकाल फिर पानी में वर्तन को भर दिया। तां दूध और पानी का सम्बन्ध ११ : ६ हो गया, तो बताओ पड़जे वर्तन में कितने सेर दूध थे ?

(२०) एक शराब में भरे पीपे में १० सेर शराब निकाल कर पानी में भर दिया। फिर मिज्जी हुई वस्तु में से १० सेर निकाल फिर पानी में पीपे भर दिया। अब फिर मिज्जी हुई वस्तु में से १० निकाल कर पीपे को पानी में भर दिया, शराब और पानी का सम्बन्ध २११ : १२० हो गया तो बताओ पीपे में कितनी शराब थी ?

(२१) एक तेल में भरे पीपे में से १६ सेर तेल निकाल कर पानी में भर दिया। फिर मिज्जी हुई वस्तु में से १६ सेर निकाल कर पानी में भर दिया। इस प्रकार का क्रिया चार बार करने पर तेल और पानी का सम्बन्ध ४२६ : ३६३ रहा, तो बताओ पीपे में कितने सेर तेल थे ?

(२२) एक वर्तन में २६ सेर दूध है। उस में से ११ सेर निकाल कर वर्तन को पानी में भर दिया। अब उस मिश्रित वस्तु में से ११ सेर निकाल कर फिर वर्तन को पानी में भर दिया। यह क्रियार बार की गई तो बताओ घन में दूध और पानी का सम्बन्ध क्या रहेगा ?

(२३) एक दूध में ३६ सेर दूध में वर्तन निकालने तथा डालने की क्रिया ४ बार करने पर तब दूध और पानी का सम्बन्ध २४३ : ४०१ हो गया तो वर्तन में कितना दूध था ?

$$\therefore \frac{४८०००}{१} \text{ रु० " " " } \rightarrow \frac{४८००० \times १००}{१ \times १८८}$$

$$\rightarrow \frac{४८०००}{१} \text{ रु०}$$

उत्तर= १९१११ रु० १ पा०।

१ उदाहरण.—४ रु० लैकने ग्वात्र के स्टाक का भाव १०१ रु०।
११००० रु० के स्टाक पर बिना डिविडेंड मिशेगा ?

१०० रु० के स्टाक से डिविडेंड=४ रु०

$$\therefore १ \text{ रु० " " " } \rightarrow \frac{४}{१००} \text{ रु०}$$

$$\therefore ११००० \text{ रु० " " } \rightarrow \frac{११००० \times ४}{१००} \text{ रु०}$$

= ४४० रु० उत्तर

२ उदाहरण:—१ रु० लैकने स्टाक में १०११ रु० लगाने के ११०
की घामदनी होनी है तो स्टाक का भाव क्या होगा ?

११० रु० घामदनी जिस पर के लगाने से होनी है = १०११ रु०

$$१ \text{ रु० " " " } \rightarrow \frac{१०११}{११०} \text{ रु०}$$

$$\therefore १ \text{ रु० " " " } \rightarrow \frac{१ \times १०११}{११०} \text{ रु०}$$

= १०१ रु०

३ उदाहरण:—११० रु० के भाव के १००० रु० के स्टाक के
का रत्ना बहुत बड़ी देखाओं ? अति मेधावा ह ?

$$११० = \frac{१}{१} = \frac{१००}{१} \text{ रु०}$$

$$१०० \text{ रु० के भाव के रत्ना को रत्ना देना चाहिए} = \frac{१००}{१} \text{ रु०}$$

$$१ \text{ रु० के } \rightarrow \frac{१००}{१ \times १००} \text{ रु०}$$

$$128\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 129$$

$$129 \text{ व० के खाने से साबाना घासनी} = 2 \text{ व०}$$

$$1 \text{ व० " " " " } \rightarrow 1\frac{1}{2} \text{ व०}$$

$$24000 \text{ व० " " " } \rightarrow 24000 \times \frac{1}{129} \text{ व०}$$

$$= 186 \text{ व०}$$

अभ्यासार्थ प्रश्न (१४९)

(१) एक मनुष्य ने १२०० व० से कम माल के खेप प्रतीत की और जब एक खेप ११२ व० में बिछने लगा तो बच बाकी, तो क्वाथो में बिछना बाकी हुआ ?

(२) एक मनुष्य ने १२० व० की दर का १००० व० का खेप बाकी और जब खेप खेप का नाम ११० व० हो गया तो बच बाकी, तो क्वाथो में बिछना बाकी हुआ अब कि द्वाकी प्रति बैकरी ? है ?

(३) २ व० बैकरी माल के १२०० व० के खेप के नाम ११ व० हो गए, अब कि द्वाकी प्रति बैकरी ? है ?

(४) ४ व० बैकरी माल के १२० व० का खेप १ बाए बैकरी से माल खेप में बिछना बाकी पड़ता अब कि द्वाकी ? है ?

(५) एक दिन ५५५ मित्र क्वाथो के खेपों का नाम १०० का हो क्वाथो एक मनुष्य १२०० व० में बिछने खेपों का बाकी पड़ता है ?

(६) १२०० खेप १२० मि० व० १२ व० खेप का दर ६ मि० के खेप प्रतीत हो पड़ते हैं, अब कि द्वाकी २ मि० १२० प्रति बैकरी ?

(७) एक मनुष्य ने १००० व० का १ व० बैकरी माल का खेप १२० व० का दर से बाकी हो खेप का नाम ११०, अब कि द्वाकी प्रति बैकरी ? है ?

(८) १६०० रु० के समस्त चुंगो के डिबिटर १२ रु० मैकहा प्रीमियम से बचने से कितना रु० मिलेगा यदि दबावो १ रु० मैकहा है ?

(९) ११ रु० मैकहा ब्याज के समस्त ब्याज का भाग बसाओ जब कि २००० रु० का ब्याज बचने से २१२२ रु० मिलने है । दबावो प्रति मैकहा १ रु० है ।

(१०) एक मनुष्य के पास ४२०० पौण्ड के स्टॉक है, यदि वह उन्हें ८० रु० की दर से बेच कर जो धन मिले उसमें ४१ प्रति मैकहा का स्टॉक ८१ पौण्ड की दर से जोड़ ले, तो उसके पास कितने का स्टॉक होगा ?

(११) एक मनुष्य ने ६६ की दर के ४१ रु० मैकहा ब्याज के समस्त ब्याज में २१०० रु० लगाये और जो महीने का डिबिटर लेकर उसमें ६४ की दर से बेच दिया, तो बसाओ उसे क्या लाभ हुआ ?

(१२) २१ रु० मैकहा के १००००० रु० के ब्याज का जो माहो डिबिटर क्या होगा ?

(१३) २१ रु० मैकहा के १४ २०० रु० के ब्याज का वार्षिक हनपन कैसा बसाओ ?

(१४) ४१ मैकहा ब्याज २२१२० रु० के ब्याज से २ वर्ष की अवधि तक प्रति रु० में ४ पार्ल हनपमें देवे के बाद क्या होगी ?

(१५) १ रु० मैकहा ब्याज का ८२ के भाग से बचने बाद का समस्त ब्याज जोड़ देवे से १८० रु० का वार्षिक डिबिटर मिलेगा ?

(१६) एक मनुष्य ने २००० रु० में ४ रु० प्रति मैकहा के ब्याज का ब्याज १११ की दर से लगाया, तो बसाओ कि ६ रु० में २०० रु० का ब्याज क्या बसाओ होगा ? दबावो प्रति मैकहा है

(१७) १ रु० मैकहा का १०१ की दर से बचने रु० ब्याज का ब्याज १०१ की दर से लगाया, तो बसाओ कि ६ रु० में २०० रु० का ब्याज क्या बसाओ होगा ? दबावो प्रति मैकहा है

(१८) एक आदमी ने २८०१५ से एक कंपनी का शेयर जो २५ सैकड़ा म्यात्र का है और १०२½ की दर से मिलता है खरीदा। तो आमदनी पर ५ पाई प्रति रुपये टैक्स देने पर उसे वार्षिक आमदनी क्या होगी दलाखी प्रति सैकड़ा ½ है।

(१९) १ रु० सैकड़े और १०½ की दर के १००० के कंपनी कागज के बदले में १½ रु० सैकड़ा म्यात्र का ११½ की दर का डिजने का कंपनी कागज मिलेगा और वार्षिक आमदनी में इस बदले से क्या अन्तर पड़ेगा जब कि दलाखी प्रति सैकड़ा ½ है।

(२०) एक मनुष्य ने ८००० रु० से ७२½ की दर से १½ रु० सैकड़े म्यात्र के स्टाक खरीदे और जब उस की दर १८½ हो गई, तो बेंच कर विप्री के रूप से ७५½ की दर से ४ रु० सैकड़ा म्यात्र का स्टाक खरीदा तो उसकी आमदनी में क्या लाभ या हानि हुई ? दलाखी प्रति सैकड़ा ½ है।

(२१) एक मनुष्य ने ८१½ रु० के भाव से ४ रु० सैकड़े म्यात्र का नोट खरीदा और १ वर्ष के बाद ८० रु० के भाव से बेंच डाला, तो बराबर पैसा करने से उसे कितना लाभ या हानि हुई, जब नोट १००० रु० का था ? दलाखी प्रति सैकड़ा ½ देनी पड़ती है।

(२२) एक मनुष्य के पास १ रु० सैकड़े म्यात्र का ८१½ की दर का ११०० रु० का नोट है। उसने इसे बेंच कर ४ रु० सैकड़े म्यात्र के १११½ की दर से कंपनी कागज माल लिए, तो बताओ उसके साजाना म्यात्र में क्या अन्तर पड़ेगा ? जब कि दलाखी ½ प्रति सैकड़ा है।

(२३) एक मनुष्य ने १४०० पीरड का नोट ८८ पीरड के भाव से ४ पीरड सैकड़े म्यात्र का खरीदा और जब नोट का भाव बढ़ कर ९१ पीरड हो गया तो नोट को बेंच कर ७० पीरड के रेलवे के हिस्से खरीदे जिन पर ४½ प्रति सैकड़ा नफा मिलता था, तो बताओ उस की आमदनी में क्या पड़ेगा ?

(२४) एक मनुष्य को ४ रु० सैकड़े ग्याज के कम्पनी कागज में १३½ की दर से बिलाना रुपया लगाना चाहिये, कि ४ पाई प्रति रुपया इन्वमटेबल देकर १५८ रु० की वार्षिक आमदनी हो ?

(२५) एक मनुष्य ने कुछ धन ३½ प्रति सैकड़ा पाछे सरकारी कागज में जित की दर १७½ है लगाया, यदि वह उन को १७½ की दर से खरीदता तो उसे १०० रु० के सरकारी कागज अधिक मिलते तो बताओ उसने कितने रुपए कागज खेने में लगाए ? दजाली १ प्रति सैकड़ा है ।

(२६) ४½ सैकड़े ग्याज का कम्पनी कागज खरीदने में ११४२२ रु० ८ आ० लगाने से २१३ रु० १२ आ० मासिक आमदनी होती है, तो उस कागज का भाव बताओ ।

(२७) एक मनुष्य १४१०० पौण्ड ३ प्रति सैकड़ा के १० के भाव के और ३½ प्रति सैकड़ा के १० के भाव के स्टॉक में लगाता है, उस की समस्त आमदनी २०० पौण्ड है, तो बिलाने का प्रत्येक स्टॉक उसने खरीदा ?

(२८) एक मनुष्य ने कुछ धन से ३½ प्रति सैकड़ा के १८ के भाव से स्टॉक खरीदा । अगर वह ४ प्रति सैकड़ा के १०८ की दर से उसने ही धन से दूसरे तरह का स्टॉक खरीदता, तो उस ग्याज में वार्षिक २० पौण्ड अधिक मिलता, तो बताओ उसने कितना धन लगाकर स्टॉक खरीदा ?

(२९) एक आदमी ने कुछ रुपये से ४½ प्रति सैकड़ा ग्याज के सरकारी कागज १०४ की दर से खरीदा और जब प्रत्येक स्टॉक का मूल्य १०१ रु० हो गया, तो उसने बेच दिया । इससे उसे ६०० रु० का लाभ हुआ तो बताओ उसने कितना रुपए का स्टॉक खरीदा था ?

(३०) जब स्टॉक का भाव १०८ सैकड़ा है तब १२१० पौंड के कागज का मूल्य ज्ञात हुआ ?

(३१) १ पौंड ग्याज का कागज का भाव ८० है ३½ पौंड ग्याज के कागज का भाव ८३ हुआ चाहिये तो एक कागज का भाव ग्याज मिले ८० १०० पौंड तब कितना कागज का भाव है १००० ग्याज मिले ?

(३२) बताओ कौन से व्याज में रुपये लगाना सही है? १। सैकड़े व्याज के ६८१ रु० के भाव के व्याज में, यथवा १। रुपये के व्याज के १०६ रुपये के भाव के व्याज में ?

(३३) १६४१० रु० से ४१ रु० सैकड़े व्याज का १०१ रु० के भाव का कम्पनी व्याज प्ररीदने से कितने रुपये महीने की आमदनी होगी, यदि १० वर्ष पीछे सम मोल के हिसाब से दरवा फेर दिया जाय, तो हमने इस पर वार्षिक कितने सैकड़े का व्याज मिटेगा ?

(३४) एक मनुष्य ने ३ रु० सैकड़े की व्याज का व्याज ४२ के भाव से बेंच कर २ रु० व्याज का व्याज प्ररीद किया, परन्तु उस की आमदनी में कुछ घन्तर नहीं हुआ, बताओ उसने विपुला व्याज किस भाव से प्ररीदा था ?

(३५) २ पींड सैकड़ा व्याज का १६१ पींड के भाव से ११११ रु० ५ पि० का कम्पनी व्याज बेंच कर २ पींड सैकड़ा व्याज का ८१ पींड के भाव का व्याज मोल खेने से आमदनी में क्या घन्तर होगा ? दबाजी मारने सेनी पवनी है ।

(३६) किस में रुपये लगाना लाभदायक है ? १० सैकड़े व्याज के बेंच के भाग में १११ के भाव से, यथवा २ सैकड़े व्याज का व्याज ११ के भाव प्ररीद करने में ।

(३७) ३ पींड सैकड़े व्याज का १६०० पींड का व्याज ८१। के भाव से प्ररीदने में क्या प्रार्थ होगा, और इससे क्या दर व्याज मिटेगा ? (दबाजी ; यदि सैकड़ा है) ।

(३८) एक मनुष्य ने ४१ सैकड़े के कम्पनी व्याज को १०१ के भाव से प्ररीदने में कुछ रुपये लगाये, जब व्याज का भाव घट कर १०१ होगा तब उसको बेंच दिया, हमने उसको दबाजी पौड कर १०० रु० बाय हुआ, बताओ उसने कितने रुपये लगाये थे ?

(३६) हमारे पास ३००० पाँड का ४ सैकड़े व्याज का कम्पनी कागज़ था; जब उस का भाव ८२½ हुआ तब हमारे दलाल ने ½ सैकड़ा दलाली ले कर उसे बेच दिया और फिर उस धन को उसने ४½ सैकड़े के ६८½ के भाव से कागज़ में ½ सैकड़ा दलाली लेकर खरीदने में लगा दिया, बताओ उस ने पिछला कागज़ कितना खरीदा ?

(४०) ४½ रु० सैकड़ा व्याज का कम्पनी कागज़ खरीदने में ५६४२२ रु० = आ० लगाने से २१३ रु० १२ आ० नासिक आमदनी होती है; तो उस कागज़ का भाव बताओ ।

(४१) एक मनुष्य १६३००० रु० में से कुल रुपया ४ प्रति सैकड़े के १०८ के भाव के गवर्नमेंट स्टॉक में लगाता है, और शेषधन को ५ प्रति सैकड़े के १०६½ के भाव के म्यूनिस्पल डिबेंचर में; बताओ प्रत्येक में कितना कितना धन लगावे, ताकि दोनों से समान आमदनी हो जाय ?

(४२) मैं १२८०५ रु० ४ प्रति सैकड़े वाले कागज़ में जिसकी दर ६८½ है लगाता हूँ; जब कि उनकी दर बढ़कर १०२½ हो जाती है तब बेचता हूँ और इस प्राप्ति को ४½ प्रति सैकड़े वाले में जिसकी दर १०५½ है लगाता हूँ; तो मेरी आय में क्या परिवर्तन हुआ ? (दलाली ½ प्रति सैकड़ा सम्पूर्ण व्यापारों में ली जाती है) ।

(४३) एक मनुष्य ने एक ही धन दो प्रकार के स्टॉक में ध्यय किया; ३½ प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ में जिसकी दर १०३½ है और ८ प्रति सैकड़ा वाले म्यूनिमिपल डिबेंचर में जिसकी दर १०५ है; उसकी आय एक स्टॉक से दूसरे से ६३ रु० अधिक है, तो प्रत्येक स्टॉक में कितना धन लगाया गया था ?

(४४) एक मनुष्य के पास ३½ प्रति सैकड़ा वाले सरकारी कागज़ १ स्टॉक है जो २८२६ रु० वापिक देता है । वह स्टॉक का आधा १०६½ १ दर बिद्वय करता है, और इस प्राप्ति को हवडे की मिल के भागों में १५३

(५०) एक मनुष्य ने $3\frac{1}{2}$ सैकड़े का कम्पनी कागज़ $12\frac{1}{2}$ के भाव से ३ फर १८५५०० रु० पाये; फिर उसने अपने रु० का $\frac{1}{2}$ भाग, ४ सैकड़े कागज़ 11 के भाव से खरीद करने में और शेष 1 सैकड़े का कागज़ 10 के भाव से खरीद करने में लगा दिये; यताथो इस व्यापार से उसकी आमदनी में क्या अन्तर होगा ?

(५१) ४ प्रति सैकड़े के कागज़ का भाव 12 रु० है और ५ प्रति सैकड़े के कागज़ का भाव $12\frac{1}{2}$; किसमें रुपया लगाना अच्छा है । क प्रकार का कागज़ कितने का है, जब कि आमदनी में 30 रुपये का अन्तर है ।

(५२) ४ प्रति सैकड़े के कम्पनी कागज़ को सममोल (पार) के भाव से मोल लेने में कितना रुपया लगाना चाहिए, कि उनकी आय उस प्रति के समान हो; जो 100000 रु० देकर $4\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़े व्याज के कम्पनी कागज़ को 102 के भाव से मोल लेने से होती है ।

(५३) 3 सैकड़े के व्याज का कागज़ $12\frac{1}{2}$ के भाव से मिलता है और $3\frac{1}{2}$ सैकड़े के व्याज का 3 सैकड़ा बट्टे (10 के भाव) से कागज़ मोल लिया जाता है; यताथो इन दोनों में कौन सा कागज़ खरीद करने में रुपया लगाना अच्छा है ?

(५४) एक मनुष्य 14100 पाँड 1 प्रति सैकड़ा के 10 के भाव के और $1\frac{1}{2}$ प्रति सै० के 10 के भाव के स्टॉक में लगाता है; उसकी सम्पूर्ण आमदनी 500 पाँड है, तो कितने का प्रत्येक स्टॉक उसने खरीदा ?

(५५) एक मनुष्य के पास 10000 पाँड का 1 सैकड़े का स्टॉक है; वह उसे $11\frac{1}{2}$ के भाव में बँच देता है और जो कुछ आमदनी होती है, उसे 4 सैकड़े के $101\frac{1}{2}$ के भाव के स्टॉक में लगा देता है, तो उसका आमदनियों का अन्तर क्या हुआ ? [टलाली हर सौदेपर $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा]

(५६) क लाख रुपया के $1\frac{1}{2}$ सैकड़ा व्याज के गवर्नमेंट प्रीमियरी नोट में, जिसका भाव $100\frac{1}{2}$ है । मासिक क्या आमदनी होगी ?

(६४) २ रु० सैकड़े व्याज और ६७½ रु० की दर के कागज में कितना रु० लगाया जाए, कि आनदनी पर २½ रु० सैकड़े का इन्कम टैक्स दे कर २२१२ रु० की वार्षिक बचत हो ?

(६५) ४½ रु० सैकड़े व्याज और १०३½ रु० की दर के कागज में कितना रुपया लगाया जाए, कि आनदनी पर ३ रु० सैकड़े का इन्कम टैक्स देकर २६१६ रु० की वार्षिक बचत हो ?

(६६) जब ३½ रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८२ रु० था, एक आनदनी ने उसे बेच कर बिज्जी के दानों से ४ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६२ रु० के भाव से खे लिया। इस से उस की वार्षिक आनदनी १२० रु० बढ़ गई, तो बताओ उस के पास ३½ प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

(६७) जब ४½ रु० सैकड़े व्याज के कागज का भाव ८८ रु० था, एक आनदनी ने उसे बेच कर बिज्जी के दानों से २ रु० सैकड़े व्याज का दूसरा कागज ६६ के भाव से खे लिया। इस से उस की वार्षिक आनदनी २० रु० = छा० बढ़ गई तो बताओ उस के पास ४½ रु० प्रति सैकड़े व्याज का कितने का कागज था ?

(६८) एक मनुष्य ने २ रु० सैकड़े व्याज के ७६०० रु० का कागज ७½ प्रति सैकड़े बढ़े से बेच कर बिज्जी के रुपये से ६½ रु० सैकड़े व्याज के कागज १७½ प्रति सैकड़े प्रीमियम से लिये, तो बताओ इस से उस की वार्षिक आनदनी में क्या लाभ वा हानि होगी ?

(६९) मुझे कितना धन ४½ प्रति सैकड़े व्याज के कागज में ८१ के भाव से लगाना चाहिये कि और ३००० रु० ३ प्रति सैकड़े के कागज में ७२ के भाव से लगा कर और कुछ आनदनों पर ४ पाई प्रति रुपया इन्कम टैक्स देकर ३७४ रु० मुझे वार्षिक बच रहे ?

(७०) हिस्से में ४३१२ पी० लगाना अच्छा होगा ३½ प्रति सैकड़ा व्याज और ६१ के भाव के कागज में वा ६२ पाई प्रति हिस्से के भाव के उतने 'मच क हिस्से में कितने पैस' पर ४ प्रति सैकड़े का व्याज मिलना । !

(०१) एक कंपनी के २५ हिस्सों का मूल्य २१२२ पौंड है, डिविडेण्ड २ पौ० मैकडे की दर से दिया जाय, तो छिने हिस्सों का १४८० पौंड होगा, जब डिविडेण्ड २½ पौ० मैकडे की दर से दिया जा

(०२) एक कंपनी के १८ हिस्सों का मूल्य १०२८ ८० है, ३५ डिण्ड २½ ८० मैकडे की दर से दिया जाय, तो छिने हिस्सों का १३२० ८० होगा, जब डिविडेण्ड २ ८० मैकडे की दर से दिया जाय

(०३) २ ८० मैकडे व्याज के ब्याज का भाव १० ८० और १ मैकडे व्याज के ब्याज का भाव १०२ है । एक मनुष्य ने प्रत्येक ३५५ २०० ८० का ब्याज मूल्य दिया और दूसरे ने प्रत्येक ३५५ के २०० ८० लगाये । दोनों का कंपनी ब्याज के बचने पर जो व्याज हम को दों का मिश्रण करो ।

(०४) २ ८० मैकडे व्याज के ब्याज का भाव होगा, जो ब्याज के बचने का १,०० ० पाई प्रति बचने का इन्क्यू देना देने के बार्निङ व्याज कर रहे ?

(०५) १½ ८० मैकडे व्याज के ब्याज का भाव होगा, जो ब्याज के बचने का १,०० ० पाई प्रति बचने का इन्क्यू देना देने के बार्निङ व्याज कर रहे ?

(०६) एक मनुष्य २ प्रति मैकडे व्याज का ब्याज, जिस का व्याज मिश्रण है और जिस का बचता एक साठ के ब्याज से बचता है जो १५५५, साठ बना बचता है । यदि ८० १ प्रति मैकडे व्याज का व्याज जिस ब्याज से बना बचता है ?

(०७) एक मनुष्य २ प्रति मैकडे व्याज का ब्याज जिस का व्याज मिश्रण है और जिस बचता साठ के बचने से बचता है १५५५ साठ बना बचता है । यदि ८० १ प्रति मैकडे व्याज का व्याज जिस ब्याज से बना बचता है ?

(७८) एक अनुपम वे ८२० १०, ४१ १० लैकड़े ग्यात्र के कागज से ८२१ १० के भाव से लगाये । जब कागज का भाव २ १० बट गया, तो कुछ कागज बेच दिया और जब भाव ४ १० बट गया, तब दोब को बेचा । दूसरे उसे कुछ ११ १० का भाव हो गया, तो बगानो लगे उस से खिजवे का कागज बेचा ?

(७९) एक अनुपम वे २०८० १०, २१ १० लैकड़े ग्यात्र के कागज से ८२१ १० के भाव से लगाया । जब कागज का भाव ४ १० बट गया तो कुछ कागज बेच दिया और जब भाव २ १० बट गया तब दोब को बेचा । एक प्रचार उसे कुछ २ १० का भाव हुआ तो बगानो लगे उनवेकिजवे का कागज बेचा था ?

(८०) एक अनुपम वे कुछ ११०० १० हो प्रचार के कागजों से लगाये । प्रचार प्रचार का कागज ४१ १० लैकड़े ग्यात्र का ८२१ के भाव का और दूसरे प्रचार का कागज २१ १० लैकड़े ग्यात्र के ११२ के भाव का है । उसे कुछ कागज के ४४ वा २ १० लैकड़ा ग्यात्र बट, तो बगानो लगे एक प्रचार के कागजों से खिजवे लगे लगाये ?

(८१) एक अनुपम कुछ ११०० १० हो प्रचार के कागजों से लगाया जा रहा है । प्रचार प्रचार का कागज २ १० लैकड़ा ग्यात्र का ८२१ के भाव का और दूसरे प्रचार का कागज २१ १० लैकड़े ग्यात्र का ८२१ के भाव का है । वह प्रचार प्रचार के कागजों से खिजवे लगे लगाये, 'क' कुछ कागज के ४४ वा २ १० लैकड़े ग्यात्र का ११ है ?

८२ । एक अनुपम लैकड़ा ग्यात्र का कागज ८२१ के भाव से खिजवे लगे लगाया । प्रचार प्रचार का कागज २ १० लैकड़ा ग्यात्र का ८२१ के भाव का और दूसरे प्रचार का कागज २१ १० लैकड़े ग्यात्र का ८२१ के भाव का है । वह प्रचार प्रचार के कागजों से खिजवे लगे लगाये, 'क' कुछ कागज के ४४ वा २ १० लैकड़े ग्यात्र का ११ है ?

८३ । एक अनुपम लैकड़ा ग्यात्र का कागज ८२१ के भाव से खिजवे लगे लगाया । प्रचार प्रचार का कागज २ १० लैकड़ा ग्यात्र का ८२१ के भाव का और दूसरे प्रचार का कागज २१ १० लैकड़े ग्यात्र का ८२१ के भाव का है । वह प्रचार प्रचार के कागजों से खिजवे लगे लगाये, 'क' कुछ कागज के ४४ वा २ १० लैकड़े ग्यात्र का ११ है ?

८४ । एक अनुपम लैकड़ा ग्यात्र का कागज ८२१ के भाव से खिजवे लगे लगाया । प्रचार प्रचार का कागज २ १० लैकड़ा ग्यात्र का ८२१ के भाव का और दूसरे प्रचार का कागज २१ १० लैकड़े ग्यात्र का ८२१ के भाव का है । वह प्रचार प्रचार के कागजों से खिजवे लगे लगाये, 'क' कुछ कागज के ४४ वा २ १० लैकड़े ग्यात्र का ११ है ?

मोज लिया। उस की कुल साजाना आमदनी २१२ रु० = पा०
तो बताओ उसने कुल कितने रुपये खगाये ?

(८४) एक मनुष्य को १८८२ रु० स्टाफ में खगाने है तो स्टाफ
प्रति सैकड़े प्यात्र के सरकारी कागज में जिस का भाव ० $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़े
से है करना खगाना अधिक लाभकारी होगा, या सम मोज पर
हिसा लेना, जिस पर प्रति दिन प्रति सैकड़ा २ $\frac{1}{2}$ पाई प्यात्र मिल
और दोनों का अन्तर निकालो।

(८५) एक मनुष्य ने २ $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़े प्यात्र के कानपुर
रोपर १४०० रु० में लिया। उस को वार्षिक आमदनी १८० रु० प
हुई, तो बताओ मोज लेते समय २ $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़े का रोपर प्य
से था ?

(८६) मैंने २ $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़े प्यात्र के लेखे रोपर ४१०२ रु०
लिये। मेरी वार्षिक आमदनी २२२ रु० की हुई, तो बताओ मोज
समय मैंने रोपर कितने रुपये से लिये थे ?

(८७) एक मनुष्य ने ४ $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़े प्यात्र के कागज में ११
कुछ धन खगाया। जब उस का भाव १४ $\frac{1}{2}$ हो गया तो १८०० रु०
कागज बेच दिया और रोप को सब बेचा, अब उस का भाव ८२ $\frac{1}{2}$ हो
कुछ दिनों के रुपये उसने २ प्रति सैकड़े प्यात्र के कागज में जो ८२ $\frac{1}{2}$
पर का है, खगा दिये। इस प्रकार उस को आमदनी ८ $\frac{1}{2}$ रु० मिल
गई तो बताओ पहले उसने कितने रुपये खगाये थे ?

(८८) एक मनुष्य ने ४ $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़े प्यात्र के कागज में ११ $\frac{1}{2}$
रु० से कुछ धन खगाया। जब उस का भाव १८ $\frac{1}{2}$ हो गया, तो १४०० रु०
का कागज धन दिया और रोप को कुछ दिनों के बाद ८२ की दर से बेच
कुछ दिनों के रुपये उसने ४ $\frac{1}{2}$ सैकड़े प्यात्र के कागज में सम मोज पर
लिया। इस प्रकार उस को आमदनी १२ रु० पड़ गई, तो बताओ उस
कितना धन खगाया था ?

जदाह के बाद जर्मनी के सिक्कों का भाव इतना गिर गया था कि वे पहले रुई रु० की मित्रती थी वे कुछ ही भागों की मित्रने लग गयीं।

भारत वर्ष में चाँदी के सिक्कों का भाव नहीं बढ़ता, पर सोने का मोबा बाजार भाव के अनुसार घटता बढ़ता रहता है और उसी के सार सरकार अपने छजाने से लेनदेन करती है। हम प्रकार भाव । छात्र रु० का पाया होता है।

एक देश के सिक्कों को दूसरे देश के सिक्कों में बदलने के सिक्कों का बाजार भाव जानने की आवश्यकता होती है जो राय के व्यापारिक कार्यों से संबंध रखते रहते हैं। कभी कभी एक ही देश भी सहायता देते हैं जिन्हें इकमचैक देकर रहते हैं। इन देशों में भी एक देश का सिक्का या धन दूसरे देश के सिक्कों में बदला जाता है भिन्न भिन्न देशों में भिन्न भिन्न सिक्कों का प्रयोग होता है और भी की बनावट शुद्ध धातु के विचार से भिन्न भिन्न होती है। किसी देश के सिक्कों में शुद्ध धातु की मात्रा अधिक होती है और कम कभी कभी इन सिक्कों की धातुओं के अनुसार इन का मोबा किया जाता है जैसे अंगरेजी सावरेन में सोना का सिक्का में मैंगेनि १ २९१ गुना होता है, इसलिए वास्तव में १ पाँच, १ २९१ मैंगेनि समान होना चाहिए परन्तु राजनैतिक और व्यापारिक कारणों से मान बढ़ा बढ़ा करता है। अब एक देश का मुद्रा, शुद्ध धातु के सिक्के दूसरे देश की मुद्रा के बराबर होता है तो उसे समान बदला करे परन्तु वे भी बढ़ते रहते हैं। और प्रायः बाजार भाव पर निर्भर रहते हैं।

बहुत देशों में अन्य परिमाणों की धातु सिक्के की १०, १००, १००० आदि भागों में विभाजित किए गए हैं क्योंकि ऐसे भागों के परिवर्तन स्पष्ट करने में बड़ी आसानी रहती है और एक धातु से दूसरा धातु रूप में केवल इकमचैक का चिह्न लगाकर बदल सकते हैं। अथ, १-२-३-४-५-६-७-८-९-१०-१००-१००० के सिक्के और धातु के सिक्के और धातु के सिक्के

१ उदाहरण :- अगर १ शिखर १२ जाने के माध्यम से
 पीर - गिर - वस के छिने ६० आयेगे ।

४२ वा० १ शि० ८ वस - १२० पीर
 १

१२ वा० ३ ६०
 १

१ शि० ६ ६०
 १

४२ शि० ४० १ ६०
 १

१२० वा० १२० २० ३
 १ १ १

१२० १०

२ उदाहरण :- २०० इंचों के छिने के बड़े से छिने १०
 ६ उदाहरण :- २०० १ शिखर = १२० वस और १२०
 २० १२०

१ शि० १ १२०

४२ २०० १२० १२०
 १

४२ १२० १२० १२०

४२ १२० १२० १२०

४२ १२० १२० १२०
 १ १ १

४२ १२०

४२ १२० १२० १२० १२० १२०

४२ १२० १२० १२० १२० १२०

$$11 + 1 = 12 \text{ और } 22 + 1 = 23$$

$$\text{पहले सिक्के में मोटा की मात्रा} = \frac{122 \times 11}{12} \text{ ग्राम}$$

$$\text{और " " चाँदी " " } = \frac{122}{12} \text{ ग्राम}$$

$$\text{और } \frac{122}{12} \text{ ग्राम चाँदी का मूल्य} = \frac{122}{12 \times 11} \text{ ग्राम मोटा है}$$

$$\begin{aligned} \therefore \text{पहले सिक्के का मोटा} &= \left(\frac{122 \times 11}{12} + \frac{122}{12 \times 11} \right) \text{ ग्राम मोटा} \\ &= \frac{15074}{12} \text{ ग्राम मोटा} \\ &= 1256 \frac{1}{3} \end{aligned}$$

$$\text{द्वि तूमेरे सिक्के में } \frac{22 \times 11}{22} \text{ ग्राम मोटा है}$$

$$\text{और " " } \frac{22}{22} \text{ ग्राम चाँदी है}$$

$$\text{तान्त्र } \frac{22}{22} \text{ ग्राम चाँदी का मोटा} = \frac{22}{22 \times 11} \text{ ग्राम मोटा है}$$

$$\begin{aligned} \text{दूसरे सिक्के का मोटा} &= \left(\frac{22 \times 11}{22} + \frac{22}{22 \times 11} \right) \text{ ग्राम मोटा} \\ &= \frac{2422}{22} \text{ ग्राम मोटा} \\ &= 110 \frac{1}{11} \end{aligned}$$

$\frac{15074}{12}$ और $\frac{2422}{22}$ की गणनात्मक गुणना करने से प्राप्त होता है।

यदि सिक्के का समस्त मोटा सिक्के में सिक्कों के समस्त मोटा है तो

2. इस प्रकार समस्त मोटा है यहाँ तक कि सिक्के सिक्के से सिक्के

(२१) घेंगरेहो मुद्रा अमेरिका में १ प्रति सेंकड़ा बादे से ई, लो
रताथो समान भाव से ७१० डाक्टर के लिपू कितने पौड देने को अवरपक्या
ई जब एक डाक्टर ४ शि० ६ पेंस के समान हो ।

मांटरी प्रणाली या दशमलव पद्धति

(१४७) मीटरी प्रणाली में सब द्रव्यों के नापने की इकाई मापः मीटर होता है । संसार के अधिकतर मन्त्र देशों में मीटरी प्रणाली का अब प्रयोग होने लगा है । पहले संसार के निम्न निम्न देशों में मात्र की प्रणालियों की निम्न निम्न होता थी, इसलिये अन्तर्जातीय व्यापार में बड़े कठिनाइयों पड़ती थी इसलिये अन्तर्राष्ट्रीय शताब्दी के अन्त में सब लोग एक ऐसी इकाई के निश्चय करने का विचार करने लगे जो सब देशों में समान भाव से प्रयोजित हो सके । इस प्रयत्न में प्राप्त देश के निवासियों की सहजता हुई । इसप्रकार के निश्चयबोधों से हिन्दू हो ई और यह मीटरी प्रणाली इसप्रकार के निश्चय से बहुत कुछ समानता रखती है परन्तु मीटरी प्रणाली के आधिकार करने का लोभाग्र्य अंत देश ही को प्राप्त है, भारत वर्ष को नहीं । अब १८८३ ई० में फ्रांस की सरकार ने विरहम किया कि मुझसे देश से इसकी प्रचलन को दूसरे के एक कोसरे भाग को नाप की इकाई मानने से सब को एक ही सुझाव रहेगा । इस दूसरे का नाप मात्र सदा व नाप रहेगा । ऐसा सोचा गया कि यह नाप सदा एक ही रहेगा । फ्रांस में मीटर एक सर्वत्र कार्य है । अतिरिक्त आनु बहुत अधिक शिक्षक । १८८३ ई० में आनु पर इस नाप की इकाई का अधिक करने से सारा मीटर प्रणाली इकाई प्रयोग की जाए इससे ही ही इस का प्रयोग का नाप मानने की ही प्रथा है । परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में ना इकाई प्रयोग प्रयोग के कारण प्रणाली में यह कार्य होना है । (१) इस में १८८३ ई० में एक एक एक एक है । (२) प्रणाली में प्रयोजित होना है । (३) प्रणाली में प्रयोजित होना है ।

घौर निरिया मिटर = १०००० मीटर
इसी प्रकार घौर भी समझ लेना चाहिए ।

मीटरों प्रणाली के पैमाने

मीटरों प्रणाली में: —

- (१) लम्बाई की इकाई = १ मीटर
- (२) क्षेत्रफल की इकाई = १ एयर = १०० वर्ग मीटर
- (३) घनफल की इकाई = १ स्टीयर = १ घन मीटर
- (४) तरल द्रव्यों की माप की इकाई = १ लिटर = $\frac{1}{1000}$ घन मीटर
- (५) तौल की इकाई = १ ग्राम = $\frac{1}{1000000}$ घन मीटर स्वच्छ पानी की तौल ।

इकाई का परिमाण

१० मिली मीटर = १ सेंटी मीटर = ३६३००० इंच

१० सेंटी मीटर = १ डेसी मीटर = ३६३००३ इंच

१० डेसी मीटर = १ मीटर = ३६३००३ इंच

१० मीटर = १ डेका मीटर = ३६३००३ इंच

= ३२०००६६२ फीट

१० डेका मीटर = १ हेक्टा मीटर = ३२०००६६२ फीट

१० हेक्टा मीटर = १ किलो मीटर = ३२०००६६२ फीट

= १०६३ ६३२०२२ गज

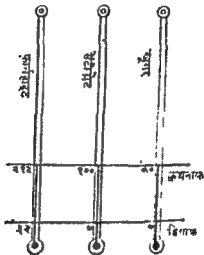
१ किलो मीटर १ निरिया मीटर = ३२०००६६२ फीट

= १०६३ ६३२०२२ गज

१ मीटर ३६३० इंच = फीट ३, इंच ३ जगन्ना

कभी कभी ३, फीट

इन सबों में सेंटीग्रेड १० मीटर की प्रणाली के अनुसृत बनाया गया है।



प्राम, देगी प्राम आदि का जोड़ना करना गुदा की भाग की भाग की भाग में ही होता है।

१ उदाहरण:—८३ मीटर १ से'री मीटर की १ मि'री मीटर बनाया।

८३ मीटर \rightarrow ८३००० मि'री मीटर

१ से'री मीटर = १० मि'री मीटर

इस ८३००० \div १० = ८३०० मि'री मीटर

२ उदाहरण — ८३ मीटर के बिना हुए हों, ८३ से'री मीटर = १ इंच

$$४१ \text{ डेसीमीटर} = ४१ \text{ सेंटी मीटर}$$

$$२.५४ \text{ सेंटी मीटर} = १ \text{ इंच}$$

$$\therefore १ \text{ सेंटी मीटर} = \frac{१}{२.५४} \text{ इंच}$$

$$\therefore ४१ \text{ सेंटी मीटर} = \frac{४१}{२.५४} \text{ इंच} \\ = १०' ०२ \text{ इंच}$$

३ उदाहरण:—२०६ वर्ग मीटर का वर्ग निखीमीटर बनाओ ।

$$\begin{aligned} २०६ \text{ वर्गमीटर} &= २०६ \times १०० \text{ वर्ग डेसीमीटर} \\ &= २०६ \times १०० \times १०० \text{ वर्ग सेंटी मीटर} \\ &= २०६ \times १०० \times १०० \times १०० \text{ वर्ग मिमी मीटर} \\ &= २०६०००००० \text{ वर्ग मिमी मीटर} \end{aligned}$$

४ उदाहरण:—१६ वर्ग निखीमीटर का वर्ग डेसी मीटर बनाओ

$$\begin{aligned} १६ \text{ वर्ग निखीमीटर} &= \frac{१६}{१००} \text{ वर्ग सेंटी मीटर} \\ &= \frac{१६ \times १००}{१०० \times १००} \text{ वर्ग डेसी मीटर} \\ &= \frac{१६ \times १००}{१०० \times १००} \text{ वर्ग डेसी मीटर} \\ &= ०.००१६ \text{ वर्ग डेसी मीटर} \end{aligned}$$

५ उदाहरण:— एक पोटल के टुकड़े की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रम से १० सेंटीमीटर, ८ सें. मी. और ६ सें. मीटर हैं और उस की वजन १००० ग्राम है तो एक घन सेंटी मीटर कितना भारी है ?

$$\text{टुकड़े का घन पत्र} = १० \times ८ \times ६ \text{ घन सेंटी मीटर}$$

$$\text{एक घन सेंटी मीटर का भार} = \frac{१०००}{१० \times ८ \times ६} = २१ \text{ ग्राम}$$

इस उदाहरण से स्पष्ट है कि पोटल की लम्बाई, चौड़ाई, एक का घन-पत्र और वजन के मध्य सम्बन्ध का ज्ञान हमारे सामने है।

१. घन १००० ग्राम है कि जहाँ जहाँ है।

$$१००० \text{ ग्राम} = १००० \text{ ग्राम}$$

$$१००० \text{ ग्राम} = १००० \text{ ग्राम}$$

१ उदाहरण :—१९४१= ईश्वरदास में से १९४१= प्राप्त धराया

१३४६ = ईशानाश्विन - १३४६ = मान

धीर १२-४१८ प्रश्न — १२-४१८ प्रश्न

ਦਫ਼ਤਰੇ ਨੰ ੧ ਦਫ਼ਤਰ ਹਲਕਾ

अन्वयात्मायं दशन (१५१)

(१) * विद्युत्-मोटर के मांसे दवाघी

(२) ४ कि.ग्रामोत्तर + ५५५ग्रामोत्तर = ५५९ग्रामोत्तर = नोत्तर = दक्षिण.

१. गंगा नदी का जल सफाई के लिए उपयोग किया जा रहा है।

(१) ११३४१० निदेशनः सः डिसेम्बर दशमे ।

(३) १२० (२३) देवदत्त के लिये बना गया ।

(२) ५९१ के ५५५ के टैक्स-जोड़ का नाम बताओ ।

(१) यह २२ मीटर का डेढ़ लाख रुपये का

(०) १२२६ संवत् ८५ पुष्य संवत् ।

(८) १९४०-४१-४२ में जिन की जित्त बराबरी ।

(१) १ ५३ ६ ४२.४ • रंभ च मय्य वरुणी

(१०)

— 22 —

(11) १. निम्नलिखित वाक्यों में कर्तृ-वचन लिखिए।

[illegible]

1. The first group of people who are not in the labor force are those who are not in the labor force because they are not in the labor force.

1. 2. 3.

14. The Government of the United States of America, by and through the Secretary of State, hereby certifies that the foregoing is a true and correct copy of the original document on file in the Department of State.

[illegible][illegible]

1. *Chlorophyll a* (Chl *a*)

(१६) अगर १०½ नींदर का दाम १६० प्रॉक हो तो १ नींदर का दाम क्या होगा ?

(४०) अगर २० घादनां ४ दिन में १४'४ स्टेंडर जमीन छोड़ सकते हैं तो कितने घादनां १६ दिन में १२'८ नींदा चम्पी १२'६ नींदा चौड़ी और १'६ नींदा गहरी जाईं खोदेंगे ?

(४१) अगर १० घंटा प्रति दिन काम करके ३२ दिन में २४ आदमी एक हावार जो ३० मोटर जखो, २ मोटर मोटी धीर १० मोटर ऊँची है बना सकते हैं तो बताओ २० मोटर जखो, १ मोटर धीर ५ डेसीमीटर मोटा तथा ६ मोटर ऊँची हावार को ८ घंटा प्रति दिन काम करके २४ दिन में बनाने आदमी बनाएंगे ?

(४२) अगर १२*७४ निरिया धान गेहूं का दान २२ ४७ ग्रंथ हो तो २८*६ दिखो धान गेहूं का दान क्या होगा ।

(४३) जगर २५ व मीटर का दाम १४'४ प्रत्येक हो तो १२'६ मीटर के दाम क्या होंगे ?

(४४) २६ डिग्रिमान २२ मान में १६ क्ष भाव हो ।

(४२) ११२ भांक = दशमि १ सं. पां. ३० ५ भांक ७ दशमि २०३
११३ भांक ३० ५ भांक ३०

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

• 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1

[illegible]

• • •

— 2 —

1. *Journal of the American Medical Association*, 1997; 277: 1033-1037.

• • • • •

1992

और भी प्रवृत्त ध्यान देना चाहिए। सेतों तथा चरागाहों की घास भी बढ़ती रहती है। यदि सम्बन्धी क्रियाएँ नाँचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेंगी।

१ उदाहरण:—एक घरागाह की घास की वृद्धि सदा एक सी रहती है। उसमें पहले से भी घास खानी हुई है। यदि ४० बैल उस घरागाह की घास को २ दिन में खीर १२ बैल ६ दिन में खर सकते हों तो बताओ १० दिन में कितने बैल खर सकेंगे ?

दसवां घात ७५ दिन की घात हुई घात को ५ दिन में ४० पैर चर लेते हैं

" " ५ २ " " " " " ३ " " २०० ईसवी " "(१)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

" " +६ " " " " १३९ " २१० बंधू " "(२)

(२) ने से (१) से पदने से

(१—२) दिन को पचा दूई घास को १ दिन में १० बैल चर सकते हैं इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बैलों के चराने के लिये पर्याप्त घास बढ़ जाती है ।

* प्रिन्सिपलस * १० वा २० पेजों के लिए पर्याप्त होनी

(१) मे भे भूमे ह्यदे मे सत्य है कि

माना मान के बरमे के दिनु २००—२० वा १२० ईशो की
 मानवता है यहा मान (२) के से $\{(२० - (२ \times १०))\} = १२०$
 ईशो का मान है

1. The first step is to identify the problem or goal. This involves understanding the current situation and what needs to be achieved.

ਦੇਸ਼: ਭਾਰਤ, ਰਾਜ: ਪੰਜਾਬ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ: ਮੁਕਤਸਰ, ਪਿੰਡ: ਮੁਕਤਸਰ, ਪਿੰਡ ਦੇ ਨਾਮ: ਮੁਕਤਸਰ

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

[illegible][illegible]

घोर भी आवश्यक ध्यान देना चाहिए। खेतों तथा चरागाहों की घास भी बढ़ती रहती है। वृद्धि सम्बन्धी क्रियाएँ नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायँगी।

१ उदाहरण.—एक चरागाह की घास की वृद्धि सदा एक सी रहती है। उसमें पहले से भी घास लगी हुई है। यदि ४० बैल उस चरागाह की घास को २ दिन में और ३२ बैल १ दिन में चर सकते हों तो बताओ १० दिन में कितने बैल चर सकेंगे ?

असली घास — २ दिन की बढ़ी हुई घास को २ दिन में ४० बैल चर लेते हैं

" " १२ " " " " १ " " २०० बैल " "(१)

और " " १२ " " " " १ " " ३२ बैल " "

" " १२ " " " " १ " " २१० बैल " "(२)

(२) में से (१) को घटाने से

(१—२) दिन की बढ़ी हुई घास को १ दिन में १० बैल चर सकते हैं इस प्रकार स्पष्ट है कि १ दिन में १० बैलों के चरने के लिये पर्याप्त घास बढ़ जाती है।

.. २ दिन की घास २ १० या २० बैलों के लिये पर्याप्त होगी

(१) में से इसे घटाने से स्पष्ट है कि

असली घास के चरने के लिये २००—२० या १२० बैलों की आवश्यकता है यही घास (२) में से $\{ (२१० - (१ \times १०)) = १२०$ बैल भी चर सकते हैं

१० दिन में असली घास के लिये १२० १० या १२ बैलों की आवश्यकता है

और वही बढ़ी घास के लिये प्रति दिन १० बैलों की आवश्यकता है

१० १० २० बैल उनका

इस प्रकार ३० बैल इस प्रकार से भी चर सकते हैं पर हाँड़ में पड़ने

पर १० बैल पानी के लिये खेतों में भी लताना इससे पकना पानी घास

मह०० = एक वर्ष में मूलधन



४२०'०० दूसरे वर्ष का व्याज

570

प्रश्न २० :- दो वर्गों में मिश्रण



४४१ •• तीसरे दर्जे का पत्र

574

५२६३ लोन बर्रे में मिथथन

504

१२९१ तीमरे घरे के समुद्र तट का प्यार

शुद्धि सम्बन्धी प्रश्न

(२०१) ऐहिक नियम. साधारण वैरागिक, समानुमान एवं
रागिक आदि में बुद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा
साधारण व्याज में भी बुद्धि की ओर कुछ भी ध्यान नहीं दिया
परन्तु चक्रबुद्धि व्याज में इसकी ओर ध्यान दिया जाता है। इसी से
ओर ध्यान देने से ही इसका नाम चक्रबुद्धि व्याज पड़ गया है।
बुद्धि सम्बन्धी घरनों की साथ बातों का बर्खन नहीं बरों हो प्रकाश
मय का बर्खन चक्रन-चक्रन तथा चक्र राशि चक्रन में रहता है तबले में
सम्बन्धी सुगम बातों का बर्खन करना नहीं भी चाख्यक है। इसी से
खेन की धाम की दो माय २ दिन में चरे तो रात है कि द्यो हो
धाम को ३ माय १० दिन में नहीं चर मन्त्री यदि धाम की ईद का
विचार किया जाय। इसी प्रकार कुर्से में भी चानी मन्त्री लोगों में
रहता है। अतएव कुर्से के घरनों को दूर करने में चानी से ईद

और यह मालूम है कि १० दिन के बड़े पानी को १ दिन में २० मनुष्य खाड़ी कर सकता है ।

∴ दोनों के पटाने से स्पष्ट है कि (६०—२०) मनुष्य ६००० घन फीट पानी खाड़ी कर सकता है

∴ ४० मनुष्य ६००० " "

∴ १ मनुष्य $\frac{6000}{40}$ या १५० घन फीट " "

७५०० घन फीट पानी खाड़ी करने के लिए ७५०० ÷ १५० = ५० मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ २ दिन में ५० ÷ २ या २५ मनुष्यों की आवश्यकता होगी

और बड़े पानी के लिए प्रति दिन दो मनुष्यों की आवश्यकता होगी

∴ सब मिला कर २५ + २ या २७ मनुष्यों की आवश्यकता होगी उत्तर ।

अभ्यासार्थ प्रश्न (१५२)

(१) मान लो कि घास की वृद्धि मर्रा एक ही भी रहती है और पहजे से भी वृद्ध घास उगी है तो उस घेत की घास को १२ दिन में किसने देखा पर जेने जिने ३ देखा १० दिन में और ५ देखा १५ दिन में पर जेने है ?

(२) यदि किसी घेत की पहजे से उगी हुई घास तथा इस समय का बनी हुई घास को १५ देखा १० दिन में और १० देखा २० दिन में पर जेने है तो उसाधी उगी घेत में २५ दिन तक किसने देखा पर जेने ? यदि घास की वृद्धि मर्रा एक ही है ।

१. यदि ३ पशु की उगी हुई तथा इस समय की बढ़ने वाली घास को १० देखा १ दिन में और १० देखा १५ दिन में पर जेने है तो उसाधी उगी घेत में १५ देखा किसने देखा पर जेने ? यदि घास की वृद्धि मर्रा एक ही है ?



१) यदि २ एकड़ जमीन की उम्रों हुई तथा हम समय से सही पाप का ३० पाप ४ दिन में और ५० पाप ८ दिन में या उन्नीस बत्ताया उमरों का जमान का ६ दिन में छिती मार्च पर हुयी? ऐसी पाप का बद साथी क्या समान है।

'२' वायु के एकत्र जमने का उदाहरण हमें अक्सर इस समय से मिलता है। वायु का यह चमकते हुए तंतु में और २५ घंटे तक १० दिनों में पड़ जाता है। इनका ही जमाने का वायु का ६ दिनों में झिलझिला करता है। वायु का बदलाव ऐसा एक सा है।

१) एक हीज से कुछ पानी भरा है और उसमें एक ताँबे के बरतन या तानी आना भी रहता है। हीज को आधी करने के लिए इसमें दो ३५ ग्राम का दो टुकड़े हैं। यदि एक छेद एक साथ होता दिखे तो हीज ३ ग्राम से, और ४ छेद एक साथ होता दिखे तब हीज ३ ग्राम से आधी हो जायेगी। यदि ५ छेद एक साथ होता दिखे तो हीज ३ ग्राम से आधी हो जायेगी। यदि ६ छेद एक साथ होता दिखे तो हीज ३ ग्राम से आधी हो जायेगी।

१. १६ फुट से कुछ बारी भरा है और एक सेंटीमीटर आयतन
 २. १६ फुट आयतन का आयतन है यदि वह कुर्सी से एक (मीटर) है।
 ३. १६ फुट आयतन का आयतन है यदि वह कुर्सी से एक (मीटर) है।
 ४. १६ फुट आयतन का आयतन है यदि वह कुर्सी से एक (मीटर) है।

[illegible][illegible]

॥ होव २५ मिनट में भर जाता है। जब अ और स साथ साथ खोले जाते हैं तो वह २० मिनट में भर जाता है और जब तीनों एक साथ खोल दिए जाते हैं तो ३० मिनट में भरता है। यदि व और स नल एक साथ खोल दिए जाएँ और अ बंद रहे तो भरा होव कितनी देर में खाली हो जाएगा ?

✓ (७) उन दोनों संख्याओं को बताओ जिनका अन्तर ५ है और दोनों संख्या का तिगुना बड़ी संख्या के दूने से १ अधिक है।

✓ (=) मैं कुछ दूर घोड़े पर प्रति घंटे १२ मील की चाल से गया और ५ मील प्रति घंटे की चाल से पैदल लौट आया। जाने आने में मुझे कुल ५½ घंटे लगे तो बताओ मैं कितनी दूर गया था ?

(६) एक फौज नियमानुसार पंक्तियों में जा रही थी। हर एक पंक्ति में सिपाहियों की संख्या कुल पंक्तियों की संख्या से १० कम थी। सामने से शत्रुओं को आते हुए देख कर हर पंक्ति में ६० सिपाही बढ़ा दिए गए और इस तरह पूरी फौज केवल १० पंक्तियों में बँट गई। बताओ फौज में कुल कितने सिपाही थे ?

(१०) एक लाई खोदने में ८० मजदूरों ने काम करना प्रारम्भ किया। पहले १० दिनों तक सब ने मिल कर काम किया, फिर कुछ मजदूरों ने काम करना छोड़ दिया। उन सबों की २४ दिन की मजदूरी पहले की अपेक्षा ५०:६४ के अनुपात में कम हो गई तो बताओ पिछले १४ दिनों में कितने मजदूरों ने काम करना छोड़ दिया ?

(११) एक आदमी अपनी यात्रा का $\frac{1}{3}$ भाग ३ मील प्रति घंटा की चाल से पूरा करता है $\frac{1}{3}$ भाग ४ मील प्रति घंटा से, $\frac{1}{3}$ भाग ५ मील प्रति घंटा से और शेष ६ मील प्रति घंटा से। इस प्रकार सब यात्रा ५ घंटे ४२ मिनट में पूरा कर लेता है। तो बताओ उसे कुल कितनी दूर की यात्रा करना थी ?

(१२) किसी धन का दो वर्ष का व्याज ३१ पौ० १६ रि० ३½ पैसे

(१६) यदि २४०२ में किसी संख्या का भाग देते हैं तो २ छेप बचता है यदि उसी संख्या से ७८४८ में भाग देते हैं तो ३ छेप बचता है ।
तो वह कौन सी संख्या है ?

(२०) वह घोड़ी से घोड़ी कौन सी संख्या है जिस से अगर १३२० गुणा करें तो गुणनफल पूर्ण वर्ग हो ?

(२१) किसी बड़ाई में एक खौज ने शिकल खाई । इस में ३ आदमी खाने लिए हुए भागे । जितने बाकी बचे, उन में से ३ ने अपना हथियार दिया । अब बाकी में से ३ का पता न लगा कि क्या हुए और इतने पर भी २०० सिक्का घोपल हुए और नारे गये तो बताओ खौज में कितने सिक्का थे ?

(२२) दो रेखगाही एक ही सनप—एक क स्थान तो एक स्थान के लिए और दूसरी एक स्थान से क स्थान के लिए—बुद्धी है ; पहली प्रति घंटे ० नोज और दूसरी प्रति घंटे २० नोज चलती है । जब दोनों गाही पास में मिलती हैं तो यह नातून होता है कि एक दूसरी से १०० नोज अधिक चल चुकी, तो क से क तक की दूरी बताओ ।

(२३) एक आसवाकर खेत का क्षेत्रफल ६ एकड़ २६० वर्ग गज है और इस की लम्बाई चौड़ाई की तिगुनी है । तो एक कोय से सनाने तक के कोय तक की दूरी बताओ ।

(२४) रान और स्थान मिल कर एक दीवार को १०½ दिन में तैयार करते हैं । रान ७ दिन में जितना काम करता है, स्थान उतने को १० दिन में पूरा करता है तो बताओ दोनों अलग अलग कितने सनप में करेंगे ?

(२५) एक नुम्प पटना से रान नगर ३ नोज प्रति घंटे की चाब से गया और ४ नोज प्रति घंटे की चाब से लौट आया । यदि वह ४ नोज प्रति घंटे की चाब से जाता और २ नोज प्रति घंटे की चाब से लौटता तो उसे पहिले की अपेक्षा ४½ घंटे कम लगते, तो पटना से रान नगर की दूरी बताओ ।

११ प्रति नौकड़े का लाभ हुआ, तो बताओ, उसने घोड़ा कितने रुपये में मोज़ा किया था ?

(१४) एक नाविक बहाव के साथ तीन मील उसनी ही दर में खेता है जितनी दर में २ मील बहाव के प्रतिकूल । यदि नाव की चाल प्रति घंटा ३१ मील होती तो वह बहाव के साथ बहाव के प्रतिकूल दिशा से कौनी चाल से खेता ; तो स्थिर पानी में उस के खेने की ताकत और नदी का बहाव बताओ ।

(१५) एक आदमी पहाड़ी के ऊपर २ मील प्रति घंटे की चाल से चढ़ता है और ३ मील प्रति घंटे की चाल से उतरता है । वह २ घंटे में ऊपर जा कर और आया, तो बताओ उसे कुल कितनी दूर चढ़ना पड़ा ?

(१६) मुझे कुछ रुपये कुछ खर्चों में खोजना है । यदि मैं प्रत्येक खर्च के बी १५० देता हूँ तो ३२० बच जाते हैं और जब प्रत्येक का ० रुपये देता हूँ तो ३२० कम हो जाते हैं, तो बताओ मुझे कितने रुपये खोःने हैं ?

(१७) मुझे एक निश्चित स्थान पर एक निश्चित समय पर पहुँचना है । यदि मैं ४ मील प्रति घंटे की चाल से चढ़ता हूँ तो १२ निश्चित समय में पहुँचता हूँ और यदि ६ मील प्रति घंटे की चाल से चढ़ता हूँ तो समय में १० निश्चित पहले, पहुँचता हूँ । तो मुझे कितनी दूर जाना है ?

(१८) दो नौकाओं का नहर में समानांतरिक २१३ और उनका लघु-तम समानांतरिक १८००४ है । यदि दोनो नौका १००४ है तो वही संख्या क्या है ?

(१९) एक स्थान में अभी और यहाँ मिजकर १० है । पहिलों में मिज का नौकड़ और ३ का १ पाई सिक्का । रुपये प्रत्येक चमोरा के १ पाई १ पाई हैवे रहे तो चमोरा की संख्या बताओ ।

(२०) कुछ रुपये का लघु और उच्च से १२२४४ पाई पाई है कि क ३२४४४ ; और १ चमिक लघु से १२४४४ ; और ३ चमिक, २४४४४

यदि तुम जुने १० धान दे दो तो मेरे पास तुम से दूने धान हो जाय । तो बराबरी प्रत्येक के पास कितने धान थे ?

(१३०) कितो निम्न के अंश में ३ जोड़ देने से वह २ हो जाती है और यदि उस के हर में से दो घटा दें तो वह १ हो जाती है । तो बराबरी, वह कौन सी निम्न है ?

(१३१) एक घोड़े और दूसरी घोड़ी दो संख्याएं हैं । यदि घोड़े संख्या में ० जोड़ दें तो योगफल वही का दूना हो जाता है और यदि घोड़ी संख्या में ४ जोड़ दें तो योगफल घोड़े संख्या का तिगुना हो जाता है । तो अब दोनों संख्याओं को बताओ ।

(१३२) एक परीक्षा में ४२ प्रति सैकड़ा परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए । यदि १० परीक्षार्थी और रहते और उनमें से १२ फेल हो जाते तो उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या ४४८ प्रति सैकड़ा होती तो बराबरी कुछ कितने परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे थे ?

(१३३) एक लौहगर ने दो वस्तुओं को ४१ रु० में बेचा । उसे पहली पर १० प्रति सैकड़ा और दूसरी पर २० प्रति सैकड़ा खान हुआ । यदि प्रत्येक वस्तु पर वह १२ प्रति सैकड़ा खान उठाना, तो भी उठना ही खान होगा तो बराबरी उतने कितने में प्रत्येक वस्तु को बेचा ।

(१३४) ८३२ को देने दो हिसाबों में पाये कि पहले भाग को १० प्रति सैकड़ा दूसरे भाग के ४० प्रति सैकड़े से २० कम हो ।

(१३५) दो खदके एक ही समय पढ़ना से इन्द्रपुर के बिर, जो पढ़ना से ११ मील का दूरी पर हैं, चले । पहला बिरने समय में १२ मील चलता है, दूसरा उठने ही समय में ११ मील चलता है । यदि पहला खदक इन्द्रपुर दूसरे खदके से १ घंटा पहले पहुँच गया तो दोनों की चाल प्रति घंटा क्या है ?

(१३६) चन्द्रक और सुन्दर ने एक ही समय कम में पढ़ना से गया और गया से पढ़ना के बिर अस्थान किया । यदि वे परस्पर के निम्न के

(२०४) एक नाव १० घंटा में ३० नौज धारा की ओर और ४४ नौज धारा के विरुद्ध जाती है। वही नाव १३ घंटे में ४० नौज धारा की ओर २२ नौज धारा के विरुद्ध जाती है तो नाव तथा धारा की चाल बताओ।

(२०५) दो रेलगादियाँ जिनकी लम्बाई ६० गज और ७२ गज है समानान्तर पटरियों पर एक ही ओर जा रही हैं। पहली (६० गज) गाड़ी दूसरे को १२ सेकंड में पार कर जाती है। यदि धीमा चाल से चलने वाली गाड़ी की चाल दोगुनी होती तो यह उसे २४ सेकंड में पार कर जाती। तो दोनों गाड़ियों की चाल बताओ।

(२०६) एक शराब के दुकानदार के पास दो तरह की शराब है एक २ शि० प्रति बोतल की और दूसरी ३ शि० ४ पेंस प्रति बोतल की। तो बताओ हरेक तरह की शराब को कितनी कितनी बोतलें बेकर निजावे कि १०० बोतल निजी हुई शराब २ शि० ४ पेंस प्रति बोतल के हिसाब से बिक सके।

(२०७) एक नौज की दौड़ में अ, ब को ४४ गज देता है और तब भी उससे २१ सेकंड पहले ही नियत स्थान पर पहुँच जाता है। दूसरी बार फिर ये दौड़ते हैं। इस में अ, ब को १ मिनट १२ सेकंड देता है, तो भी ब को २२ गज हरा देता है। तो बताओ वे दोनों १ नौज कितनी देर में दौड़ सकते हैं ?

(२०८) दो आदमी एक ही समय एक क स्थान से ख स्थान के लिए और दूसरा ख स्थान से क स्थान के लिए खाना हुए। १४ दिन चलने के बाद दोनों एक दूसरे को मिले। मिलने की जगह से अपनी अपनी यात्रा पूरी करने में एक से दूसरे को $2\frac{1}{2}$ दिन अधिक लगता है। यदि क स्थान से ख स्थान की दूरी ४६० नौज है तो प्रत्येक की चाल अलग अलग बताओ।

चाहिए। य स = १०० के बराबरी और य स को ३ बिन्दु पर दो तुल्य भागों में विभाजित करो

$$\therefore \text{अ य}^2 + २ \times १० \times \text{अ य} + \text{य}^2 = १४४०० + १०^2$$

$$\text{या अ य}^2 + २ \times \text{य}^2 \setminus \text{अ य} + \text{य}^2 = १४४००$$

$$\therefore (\text{अ य} + \text{य}^2)^2 = (१३०)^2$$

$$\text{या अ य} + \text{य}^2 = १३०$$

$$\text{या अ य} + १० = १३०$$

१० दोनों ओर घटाने से

$$\text{अ य} = १२०$$

$$\therefore \text{अ य मूल्य} = १२०$$

इस क्रिया से निम्न लिखित नियम निकलता है —

बैची को सौगुन करहु, वर्ग पचास निभाय ।

वर्गमूल को ताहि कर, रेडु पचास घटाय ॥

इन क्रियाओं से यह नहीं समझना चाहिए कि ऐसे प्रश्नों का केवल यह एक नियम निकलता है। वास्तव में वे नियम रेखा के बराबरी पर निर्भर हैं। रेखा भिन्न भिन्न लम्बाई तक बढ़ाई जा सकती है और उसी के अनुसार भिन्न भिन्न नियम भी निकल सकते हैं। वास्तव में ऐसे प्रश्नों के अनन्त नियम निकाले जा सकते हैं। उदाहरण के लिए इसा प्रश्न के कुछ और नियम यही दिए जाते हैं :—

दूसरा नियम

चितने पर धोका देया जाय उसमे २ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल को वर्गमूल में से २ घटाओ और तब शेषफल को १० से गुणा कर दो ।

नवीन नियम

विम्बर नूतन को १०००० से गुणा करो. गुणनफल में २०० का वर्ग
 जोड़ो, योगफल से वर्गमूल में से २०० घटाओ, और तब १० का भाग दो ।

इन्तर्वा नियम

विषय नृत्य को ६ से गुणा करो, गुणनफल में १२ का वर्ग जोड़ो, योगफल का वर्गमूल लो, वर्गमूल में से १२ घटाओ और ठर $\frac{1}{4}$ से गुणा करो ।

११ उदाहरण: —एक आदमी ने अपने कबूतर को उड़ते दूने सँझते लान लेकर १२½ रु० को बँच दिया, जिसने पर उड़ते खरीदा था। तो कबूतर का दाम बताओ।

यह प्रश्न भी उक्त प्रश्न की तरह ही लग सकता है। इसी प्रकार से इस सवाल का एक यह निष्पन्न निकल सकता है :—द्विजने पर बैचा जाय इसमें १० से गुदा क्यों, गुणनरुज में २५ का वर्ग जोड़े, योगरुज का वर्गमूल को और वर्गमूल में २५ घटा दो।

$$\begin{aligned} \text{इन निपन के अनुसार कबल का दान} &= \sqrt{12\frac{1}{2} \times 20 \div 25} - 25 \\ &= \frac{25}{2} - 25 \\ &= \frac{25}{2} = 12\frac{1}{2} \end{aligned}$$

इसी प्रकार ऐसे नव शक्तों के निष्ठ निष्ठ विद्यन विरुद्ध लड़ते हैं ।

५५५

१० उदाहरण :-

$$\begin{array}{r} 9 \\ \times 4 \\ \hline 36 \\ + 360 \\ \hline 396 \end{array}$$

ती प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ तथा सप्तम परिधि का मान

१, ३, ५, ७, ९, ११, १३ और १५ हैं। संलग्न भिन्न का मान १५ है। इस उदाहरण से भी दिखाया जा सकता है कि संलग्नभिन्न का मान पहले, तीसरे और पाँचवें परिधि के मान से कम और दूसरे, चौथे, छठे और आठवें परिधि के मान से अधिक है।

इन उदाहरणों से यह भी स्पष्ट हो है कि ज्यों ज्यों इन परिधिओं की संख्या बढ़ती जाती है त्यों त्यों, प्रत्येक परिधि का मान, संलग्न भिन्न के मान के अधिक पास पहुँचता जाता है।

करणागत संख्याओं से संलग्न भिन्न बनाने की रीति निम्न लिखित क्रिया से स्पष्ट होगी—

१४ उदाहरणः—मान लो $\sqrt{11}$ को संलग्न भिन्न के रूप में खाना है

$$\sqrt{11} = 3 - (\sqrt{11} - 3) = 3 + \frac{2}{(\sqrt{11} + 3)}$$

$$\frac{\sqrt{11} + 3}{2} = 2 + \frac{\sqrt{11} - 2}{2} = 2 + \frac{2}{\sqrt{11} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{11} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{11} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{11} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{11} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{11} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{11} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{11} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{11} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{11} + 2}$$

$$\frac{\sqrt{11} + 2}{2} = 1 + \frac{\sqrt{11} - 2}{2} = 1 + \frac{2}{\sqrt{11} + 2}$$

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

इस प्रकार से हम जो कहते हैं कि जो जो हम गरीबों को
संभाल लेंगे सो ही है सो ही, जो कि गरीबों को हम सब मिलकर
संभालेंगे सो ही है सो ही।

कहते हैं कि वे लोग भी बहुत ही बुराई कर रहे हैं।
 जिससे वे लोग भी बहुत ही बुराई कर रहे हैं—

१४ उद्भवत्य-एव के, १५ के संज्ञा विभ के रूप में प्रयुक्त है

$$\therefore 2z = 2 - \left(\frac{2z - 2}{2z - 2} \right) = 2 - \frac{2}{(2z - 2)}$$

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

$$\frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4} \quad \frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4} \quad \frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$$

$$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$$

$$\frac{12-2}{2} = 2 \cdot \frac{12-2}{2} = 2 \div \frac{2}{12-2}$$

$$\frac{2 \cdot 3 \cdot 4 \cdot 5 \cdot 6 \cdot 7 \cdot 8 \cdot 9 \cdot 10 \cdot 11 \cdot 12 \cdot 13 \cdot 14 \cdot 15 \cdot 16 \cdot 17 \cdot 18 \cdot 19 \cdot 20 \cdot 21 \cdot 22 \cdot 23 \cdot 24 \cdot 25 \cdot 26 \cdot 27 \cdot 28 \cdot 29 \cdot 30 \cdot 31 \cdot 32 \cdot 33 \cdot 34 \cdot 35 \cdot 36 \cdot 37 \cdot 38 \cdot 39 \cdot 40 \cdot 41 \cdot 42 \cdot 43 \cdot 44 \cdot 45 \cdot 46 \cdot 47 \cdot 48 \cdot 49 \cdot 50 \cdot 51 \cdot 52 \cdot 53 \cdot 54 \cdot 55 \cdot 56 \cdot 57 \cdot 58 \cdot 59 \cdot 60 \cdot 61 \cdot 62 \cdot 63 \cdot 64 \cdot 65 \cdot 66 \cdot 67 \cdot 68 \cdot 69 \cdot 70 \cdot 71 \cdot 72 \cdot 73 \cdot 74 \cdot 75 \cdot 76 \cdot 77 \cdot 78 \cdot 79 \cdot 80 \cdot 81 \cdot 82 \cdot 83 \cdot 84 \cdot 85 \cdot 86 \cdot 87 \cdot 88 \cdot 89 \cdot 90 \cdot 91 \cdot 92 \cdot 93 \cdot 94 \cdot 95 \cdot 96 \cdot 97 \cdot 98 \cdot 99 \cdot 100}{2 \cdot 3 \cdot 4 \cdot 5 \cdot 6 \cdot 7 \cdot 8 \cdot 9 \cdot 10 \cdot 11 \cdot 12 \cdot 13 \cdot 14 \cdot 15 \cdot 16 \cdot 17 \cdot 18 \cdot 19 \cdot 20 \cdot 21 \cdot 22 \cdot 23 \cdot 24 \cdot 25 \cdot 26 \cdot 27 \cdot 28 \cdot 29 \cdot 30 \cdot 31 \cdot 32 \cdot 33 \cdot 34 \cdot 35 \cdot 36 \cdot 37 \cdot 38 \cdot 39 \cdot 40 \cdot 41 \cdot 42 \cdot 43 \cdot 44 \cdot 45 \cdot 46 \cdot 47 \cdot 48 \cdot 49 \cdot 50 \cdot 51 \cdot 52 \cdot 53 \cdot 54 \cdot 55 \cdot 56 \cdot 57 \cdot 58 \cdot 59 \cdot 60 \cdot 61 \cdot 62 \cdot 63 \cdot 64 \cdot 65 \cdot 66 \cdot 67 \cdot 68 \cdot 69 \cdot 70 \cdot 71 \cdot 72 \cdot 73 \cdot 74 \cdot 75 \cdot 76 \cdot 77 \cdot 78 \cdot 79 \cdot 80 \cdot 81 \cdot 82 \cdot 83 \cdot 84 \cdot 85 \cdot 86 \cdot 87 \cdot 88 \cdot 89 \cdot 90 \cdot 91 \cdot 92 \cdot 93 \cdot 94 \cdot 95 \cdot 96 \cdot 97 \cdot 98 \cdot 99 \cdot 100}$$

मान लें और तब सुगमता से उनका मान निश्चित करें। इन सब बातों का विस्तृतपर्यन्त हमने मान में किया जायगा।

संख्याओं के निम्नलिखित आधार

१२ उदाहरण:- प्रकृतियुक्त में प्रायः जिन अंकों का प्रयोग होता है वे सब-
के-सब नौ इकाई के अंक और एक शून्य से प्रकृतियुक्त किए जाते हैं परन्तु ऐसा
करना केवल सुगम मात्र ही है, आवश्यक नहीं। यदि हम लोग चाहे तो २,
३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११ अथवा सात या और अधिक अंक को भी
इकाई मान सकते हैं और उनमें भी सब गणित का सकते हैं। यदि कोई
आदमी एका तब को ही इकाई माने तो उसे इन बात को कभी नहीं भूखना
चाहिए कि उस दशा में कोई भी अंक दश से अधिक नहीं हो सकता। उस
दशा में सात दहाई होना और उसे २४२३ को लिखना होगा :-

$$2 \times 10^3 + 4 \times 10^2 + 2 \times 10^1 + 3 \times 10^0 = 2423$$

यदि कोई शून्य सात तक के अंकों को इकाई माने और ८ को दहाई
माने तो वह २३० २२२ में से १०१२३२ को समझता :-

$$230222$$

$$101232$$

$$111111$$

इस दशा में ११११११ और २० का गुणा भी किया जायगा :-

$$111111$$

$$20$$

$$111111$$

$$201111$$

$$1100112$$

यदि कोई आदमी केवल १ तक इकाई माने तो इन अंकों का लिखना
२२१३ उनको सुगम में २२१२२ का रूप प्राप्त होगा और यदि कोई के
उदाहरण में लगे है :-

फर्माट

न

१७ उदाहरण :— $2^n + 1$ को फर्माट कहते हैं। फर्माट पारचात्य देश का एक बहुत ही अधिक प्रतिष्ठित गणितज्ञ हो गया है। न को निम्न निम्न संख्या मानने से

न

$2^n + 1$ के अनन्त मान हो सकते हैं।

जैसे मानलो कि $n=1$

न

१

$$\text{तब } 2^1 + 1 = 2^1 + 1$$

$$= 2^2 + 1$$

$$= 4 + 1$$

$$= 5$$

इसे F_1 से प्रकटित करने की बात है $\therefore F_1 = 5$

न

$$\text{इसी प्रकार } F_2 = 2^2 + 1$$

२

$$= 2^2 + 1$$

४

$$= 2^4 + 1$$

$$= 16 + 1$$

$$= 17$$

$$\therefore F_2 = 17$$

न

$$\text{इसी प्रकार } F_3 = 2^3 - 1$$

३

$$= 2^3 - 1$$

=

$$= 2 - 1$$

परन्तु यदि चक्रवृद्धि ब्याज हो और दर १० प्रति सैकड़ा हो तो एक वर्ष में १०० का ब्याज १० होगा यह ब्याज साल के अन्त में अथवा दूसरे वर्ष के प्रारंभ में मूलधन में जोड़ा दिया जायगा और दूसरे वर्ष के प्रारंभ में मूलधन ११० हो जायगा। ११० का सालाना ११ पौं ब्याज होगा और तीसरे साल के प्रारंभ में उसका मूलधन १२१ हो जायगा। १२१ पौंड का १ वर्ष में १२ पौंड २ शि० ब्याज होगा। इसी प्रकार यदि इस प्रश्न को लगाया जाय तो पता चलेगा कि दसवें वर्ष के अन्त में उसका मूलधन २५६ पौंड ७ शि० ६ पैसे हो जायगा। वास्तव में यह प्रश्न यों भी लग सकता है :—

$1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10} \times 1\frac{1}{10}$
 $100 = (1\frac{1}{10})^{10} \times 100 = 256$ पौंड ७ शि० ६ पैसे। परन्तु चक्रवृद्धि ब्याज के लगाने का यह नियम उचित नहीं जंचता क्योंकि इसमें तो यह बात मान ली गई है कि मूलधन सालाना ठीक कुछ नहीं बढ़ता और साल के अन्त में एक दिन बढ़ जाता है। यदि यह मान लें कि घड़े नहीं मूल धन बढ़ जाता है तो इससे अधिक ठीक होगा क्योंकि वास्तव में तो मूलधन साल के भीतर भी बढ़ता ही रहता है।

६ नहीने का ब्याज = २ पौंड \therefore १ पौंड का निधधन = $(1 + \frac{1}{50} = \frac{51}{50})$

६ नहीने का एक चक्र है

\therefore १० वर्ष में कुल २० चक्र होंगे

\therefore १०० पौंड का निधधन = $\frac{51}{50} \times \frac{51}{50} \times \frac{51}{50} \dots 20$ बार यही $\times 100$
 $= (\frac{51}{50})^{20} \times 100$
 $= 252$ पौंड = शि०

परन्तु वास्तव में यह नियम भी ठीक नहीं है क्योंकि १ नहीने के अन्त में भी कुछ-न-कुछ ब्याज अवश्य ही हो जायगा। मान लिया कि वर्ष में १० बार ब्याज मूलधन में जोड़ा जाता है वर्ष में अब १०० चक्र होंगे

गया। अब १० गैलन निश्चित वस्तु निकाल कर उस में फिर १० गैलन पानी ढाल दिया गया। यही क्रिया कई करोड़ बार की गई तथापि उस पाँपे में कुछ—न—कुछ शराब का हिस्सा रह ही गया तो बताओ उस पाँपे से शराब को चिल्लुल निकाल देने के लिए यह क्रिया कितनी बार घोर करनी पड़ेगी? क्या इस क्रिया की सहायता से उस पाँपे में कभी भी केवल पानी—ही—पानी रह जायगा?

(३०) एक मनुष्य ५ और ६ यज्ञ के बीच में अपने घर से बाहर गया और ६ तथा ७ यज्ञ के बीच में लौटा। लौट कर उसने देखा कि घड़ी की सुइयों ने अपने स्थानों को परिवर्तन कर लिया है। तो बताओ वह कै से यज्ञ अपने घर से बाहर गया था?

(३१) मैं चार और पाँच यज्ञ के बीच में अपने घर से बाहर टहलने गया था और ५ तथा ६ यज्ञ के बीच में लौटा। मैंने धाकर देखा कि चलते समय जहाँ पर घंटे वाली सुई थी वहीं पर अब निनट वाली सुई था गई थी और निनट वाली सुई के स्थान पर घंटे वाली सुई था गई थी तो बताओ मैं कै से यज्ञ अपने घर से बाहर टहलने के लिए गया था?

(३२) एक जहाज़ १५ मील प्रति घंटा के हिसाब से पूर्व की ओर जा रहा है। यह एक विशेष स्थान पर बारह यज्ञ पहुँचता है। एक दूसरा जहाज़ उत्तर की ओर से चला जा रहा है और यह जहाज़ उस विशेष स्थान पर छेड़ यज्ञ पहुँचता है तो बताओ कि वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे? और तब उनके बीच की दूरी क्या होगी?

(३३) एक जहाज़ १२ मील प्रति घण्टे के हिसाब से उत्तर की ओर जा रहा है। इस जहाज़ ने अपने ने १० मील की दूरी पर अपने ठीक पूर्व की ओर एक दूसरे जहाज़ को जो १६ मील प्रति घंटे के हिसाब से ठीक पश्चिम की ओर जा रहा था देखा। तो बताओ कि इन दोनों जहाज़ों के बीच की दूरी कब से कब दूरी क्या होगी? वे एक दूसरे से निकटतम कब होंगे?

(४८) मयमूल्य के तिगुने प्रति सैकड़े ज्ञान से एक मनुष्य ने अपने देल को २२ रु० में बेच दिया तो पैज का मयमूल्य क्या है ?

(४९) मय मूल्य के पाँचगुने प्रति सैकड़े ज्ञान से एक मनुष्य ने अपने देल को ३६ रु० पर बेच दिया तो पैज का मयमूल्य बताओ ।

(५०) एक मनुष्य ने अपनी गाय को उसने ही सैकड़ा हानि उठाकर २६ रु० पर बेच दिया जितने पर उसने खरीदा था तो गाय का दान क्या बताओ । यदि उसे २४ रु० पर बेचा होता तो गाय का दान क्या होता ?

(५१) एक मनुष्य ने मयमूल्य के चापे प्रति सैकड़ा हानि उठा कर अपने माज को ४८ रु० में बेच दिया, जितने पर उसने खरीदा था । तो माज का मय मूल्य बताओ ।

(५२) एक संख्या के वर्गमूल पर दस गुना, उल्टी संख्या का आठवाँ भाग और ६ मिलाकर उस संख्या के समान हो जाते हैं तो उन संख्या को बताओ ।

(५३) किसी संख्या के वर्ग का २ गुना और ४ मिला कर उस संख्या के १२ गुने के समान है । तो वह संख्या की संख्या है ?

(५४) दस घंटे का एक ऐसी संख्या बताओ जिसके घंटों, घनों, तथा क्षुण्ण घाट काटि सभा में प्रभ के दस घंटे के ही हों जो उन संख्या में हो जिसका घंटी, घंटा काटि किया गया है ।

(५५) क्या घर ४४ को ताड़ और जो कोई घर हो सकता है ? यदि हो सकता हो तो उन्हें बताओ ।

(५६) ताड़ घंटे का ऐसी संख्याओं के दिखानों जिसके घंटों के घंटा के ताड़ घंटे की घंटी हो जो उन संख्या में है जिसका घंटी किया गया है ।

(५७) दो घंटों का घर कोय का वर्ग-संख्या है जिसके घंटों के घंटों में एक एक कोय देवे जो ताड़ घंटी—संख्या हा यह बताओ ?



अबन्त तक

(८१) (८) ४३०२१ को १ के आधार पर प्रकटित करो ।

(८) ४३०२१ को १२ के आधार पर प्रकट करो ।

(८२) (८) दश के आधार पर १३२०२११ जितना है तो इसे २ के आधार पर लिखो ।

(८) १ के आधार पर ४५२ जितना है तो इसे १० के आधार पर लिखो ।

(८३) १ के आधार पर ४५२३४५६ को ४५६२३ का भाग दो

(८) १ के आधार पर ४५६२३ का भाग निकालो ।

(८४) १ के आधार पर ४५६२३ का भाग निकालो और इसे २ के आधार पर लिखो ।

(८५) १ के आधार पर ४५६२३ को ४५६२३ से प्रकटित किया गया है क्या यह सही है ?

(८६) १ के आधार पर ४५६२३ को ४५६२३ से प्रकटित किया गया है क्या यह सही है ?

(८७) १ के आधार पर ४५६२३ को ४५६२३ से प्रकटित किया गया है क्या यह सही है ?

(गान्ध , परिशिष्टों का मान, संक्षिप्त विषयों के मान से कम होता है)
 भी सिद्ध हुआ कि उषां उषां परिशिष्टों की समता बढ़ती जाती है । (१०)
 के मान संक्षिप्त विषय के मान के समान होता गया जाता है ।

(११) १०० पीछे का सिद्धांत २० वर्ष में २ पीछे प्रति सैकड़ा प
 व्याप्त के दिग्गव से लिखा हो जायगा ?

(१२) २ प्रति सैकड़ा चतुर्विंशति व्याप्त की दर से लिखी बन क
 लिखने लिना में हो जायगा ?

(१३) १०००० पीछे २ वर्ष के बाद सिद्धांत का हा है तो क
 मान सैकड़ा चतुर्विंशति व्याप्त की दर से समता नगदाय बन बनाओं

(१४) १० प्रति सैकड़ा चतुर्विंशति व्याप्त की दर से १००० पी
 १००० पीछे लिखने लिना में हो जायगा ?

(१५) सिद्ध हुआ कि २ प्रति सैकड़ा चतुर्विंशति व्याप्त की दर से
 १० में काट बन योग्य बन भी सारिक हो जायगा ?

(१६) ३ प्रति सैकड़ा चतुर्विंशति व्याप्त की दर से लिख बन क
 हा से १००० पीछे हो जायगा ?

(१७) ४ प्रति सैकड़े चतुर्विंशति व्याप्त की दर से १०० पी
 १०० पीछे लिखने लिना में हो जायगा ?

(१८) ५ प्रति सैकड़ा चतुर्विंशति व्याप्त की दर से लिखे क
 न न लिखने लिना में हो जायगा ?

(१९) ६ प्रति सैकड़े चतुर्विंशति व्याप्त की दर से १०० पी
 १०० पीछे लिखने लिना में हो जायगा ?

(२०) ७ प्रति सैकड़े चतुर्विंशति व्याप्त की दर से १०० पी
 १०० पीछे लिखने लिना में हो जायगा ?

(२१) ८ प्रति सैकड़े चतुर्विंशति व्याप्त की दर से १०० पी
 १०० पीछे लिखने लिना में हो जायगा ?

(२२) ९ प्रति सैकड़े चतुर्विंशति व्याप्त की दर से १०० पी
 १०० पीछे लिखने लिना में हो जायगा ?

(२) मनुष्यों की एक पंक्ति को जिसकी लम्बाई ११०० फीट है, गली से निकलने में जो एक मीटर २० फीट लम्बी है किनो दे सकते जब कि वह एक मिनट में २८ पद प्रायेक २३ फीट का रखते हैं !

(३) एक काम को १५ आदमी ४० दिन में करते हैं। यदि दो सप्ते दिन ५ आदमी कम होते जायें तो बचाओ काम कितने दिनों में पूरा हो जायेगा ?

(४) एक मनुष्य ने कुछ नारंगियाँ १ घाने की ३ के भाव से बेच लीं और उतनी ही १ घाने की २ के भाव से मोछ लीं, सब नारंगियाँ उसने दो घाने की २ के भाव से बेच दाखीं; तो बचाओ उससे प्रति मैका का लाभ या हानि हुई ?

(५) अ और ब की अवस्थाओं का जोड़ इस समय ७० वर्ष है। १५ वर्ष हुए तब उनकी अवस्थाओं में ७ ब ५ की विस्तर (अनुपात) है, तो बचाओ अब उनकी अवस्थाएँ क्या हैं ?

(६) एक नगर की मनुष्य संख्या इस समय २००० है और १० प्रति सैकड़ा प्रायेक वर्ष बढ़ती जाती है; तो बचाओ ३ वर्ष उपरान्त उसकी मनुष्य संख्या क्या होगी ?

(७) अ, ब, स, एक घेत के चारों ओर ८, १० और १२ मिमी हैं पूरा सकते हैं; तो बचाओ घुमना आरम्भ करने के किनो दे का फिर मिलेगे ?

(८) १० २० अ, ब और स में इस भाँति बाँटो कि अ को ५ से किन्तु मिछे और स को ५ से १० २० कम मिलें ।

१६२१

अष्टगणित

समय—३ घण्टे

[प्रत्येक प्रश्न के नम्बर किनारे पर दिये हुये हैं । प्रत्येक प्रश्न की क्रिया स्पष्ट और विधि-सहित होनी चाहिये ।]

१—'०४२१ और '००२४ के योगफल और अन्तर को गुणा करो और उसके पगमूल के दसवें भाग को '०२, '०३, व '०७ के गुणनफल के दसगुने से भाग दो । ... १

२—तीन मनुष्य जिन के ढगों की लम्बाई २३ क्रीट, २३ क्रीट और ३ क्रीट है एक मील दहले तो बताओ कि उनके ढगन (ढग) कितनी बार एक साथ पड़े ? ... १

३—अष्टगणित द्वारा रई की ४१ गठरी का मोज १४ द० १२ घा० = पा० प्रति मन की दर से निकालो जब कि एक गठरी ४ मन ३ सेर = पटांक की है । ... ७

४—दो मी मिट्टी के एक ढेर में रखे, घटायो, व चौपटियां मिट्टी हुई है । और उनके मोज में अनुपात २०, १२ और ३ का है तो चौपटियों की संख्या बताओ । ... ६

५—एक कम्बरे की लम्बाई चौड़ाई से दूनी है और उसकी चटाई का लम्बाई ६ सिंजिंग प्रति गज की दर से ४४ पी० २ सि० है और दोरातों की पुताई का लम्बाई १ सि० ६ पें० प्रति वर्ग गज की दर से = पी० = सि० है तो कम्बरे की लम्बाई, चौड़ाई व ऊँचाई निकालो । ७

६—एक व्यापारी ने ५ पोट मी मी रुपये को सेंचे जिन में एक दर २० प्रति सेंच का जान और दूसरे पर २० प्रति सेंच का जान है तो बताओ कि उसके लाभ हुआ या हानि और कितनी ? ७

७—एक व्यापारी ने ५ पोट मी मी रुपये को सेंचे जिन में एक दर २० प्रति सेंच का जान और दूसरे पर २० प्रति सेंच का जान है तो बताओ कि उसके लाभ हुआ या हानि और कितनी ? ७

अष्टगणित

१६२१

अंकगणित

सनय—३ घण्टे

[प्रत्येक प्रश्न के नम्बर किनारे पर दिये हुये हैं। प्रत्येक प्रश्न की वि-
स्पष्ट और विधि-सहित होनी चाहिये।]

१—०४२१ और ००२६ के योगफल और अन्तर को गुणा करो और
उसके वर्गमूल के दसवें भाग को ०२, ०३, व ०७ के गुणनफल के दसगु-
से भाग दो।

२—तीन मनुष्य जिन के ढंगों की लम्बाई २½ फीट, २¼ फीट और २
फीट हैं एक नील टहले तो बताओ कि उनके कदम (दग) कितनी बार एक-
साय पड़े ?

३—व्यवहार गणित द्वारा रुई की ४१ गठरी का मोल १४ रु० १२
घा० ८ पा० प्रति मन की दर से निकालो जब कि एक गठरी ४ मन ३ सेर
८ द्रोंक की है।

४—दो नौ सिद्धों के एक ढेर में रुपये, अठगो, व चौअधियां मिली हुई
हैं। और उनके मोल में अनुपात २०, १२ और ६ का है तो चौअधियों की
संख्या बताओ।

५—एक कमरे की लम्बाई चौड़ाई से दूनी है और उसकी चटाई का त्रुचं
६ शिलिंग प्रति गज की दर से ४४ पाँ० २ शि० है और दीवारों की पुताई
का त्रुचं १ शि० ६ पें० प्रति वर्ग गज की दर से ८ पाँ० ८ शि० है तो
कमरे की लम्बाई, चौड़ाई व ऊँचाई निकालो।

६—एक व्यापारी ने २ घोड़े सौ नौ रुपये को बेंचे जिस में एक पर २०
प्रति सैकड़ा लाभ और दूसरे पर २० प्रति सैकड़ा हानि हुई। तो बताओ
कि उसको लाभ हुआ या हानि, और कितना ?

७—एक राजा ने व्यापारी ने पैंसी नगह बनवाई कि जिसकी एक और
७५ मन रुपये में दूसरी और केवल ३८ सेर तुल सके। उसने ४ रु० ८

अनुपमिनी

• प्रति मन को दर से कुत्र घनात्र मोत्र खिया और ४ व० १२ घाना प्रति
न की दर से बेंच बाधा । घेन और देने के समथ बाट रम्भा कि
भी को बाध हुआ । तो बनाओ कि इसको क्या प्रति मै द्या बाध हुआ ।

६—एक मनुष्य ने एक मजदूर ३६ दिन के दिने २ शि० ६ पै० प्रति
द्वन और भोजन पर रक्का और वह दहावा कि त्रिन दिन का काम व
मेवा उसको मजदूरी नहीं मिलेगी और उसको भोजन का १ शि० ६ पै०
ही देना होगा । सम्य में उसको ३ पै० ६ शि० ६ पै० मिले । तो बनाओ
इसने कितने दिन काम किया ?

७—छिदी उन का मूत्र प्यात्र साधारण प्यात्र के ४१४ व० ६ पा० ६
मात्र में और ४२० व० १० पा० ६ मात्र में हो जाता है । तो मूत्र के
प्यात्र प्रति मै द्या बनाओ ।

१४२२

सिद्धांशिन

कथन—१ वषट

{ अनेक वषट के कथा लिखे पर दिने दूरे हैं । अनेक वषट का लिख
एक और लिख-दिन होना चाहिये । }

१. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
२. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
३. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
४. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
५. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
६. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
७. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
८. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
९. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट
१०. वषट का कथन ये ११, ११ और ११ वषट का होना वषट

ਦੇਵਗੀ ਸਿੰਘ

444 J. 422

[अथर्वक प्रश्न ३ का उत्तर देना है वह फिर पुनः है । अथर्वक प्रश्न ३ का उत्तर
साधु और विद्वान् मन्त्रों को भी जानते हैं ।]

१—क्षिति चक्र के स्थानिक मान से क्या समझना हो ? क्या यह
अवक चक्र का स्थानिक मान जियो ?

२ एक भाईही के जमी जमान का भयन २; ताई जनि जमी गज के
बजायों अब कि जमकही एक बाटिका के बादर की धीर जमी यो २ इति
पौड़ी बनी दुई है । बाटिका की जम्बाई २३ गज यो जौबाई १० गज
है ।

१—अग्निने एतरे, सद्गती. गौसर्गो निज ५१ व० ५११ इति श्रुति
सकलार्थो नै सन्तुलान् ११. १ ओह ० ५१ है ।

[illegible][illegible][illegible]

बहुनाथि
यदि एक घर कुछ बच्ची लेंगे तो १६ पाँड हो तो लम्बे
सवाधो ।

4-0000

4-205

[illegible]

(२) कितने व्योमगतों ने १००० रु० के चारख मोख खिद बनने से
 चौदाई चारख ४ अति लैकड़ा हावे से निके; अब किन्हीं का भार अति लैकड़ा
 किना बहा दिया जाय कि ऐसे चारखों को अब भार से रूबने से कुछ न
 २ रु० अति लैकड़ा लाभ हो।
 (३) कुछ बन्धु ने

(३) हफ्ता बन्द के एक दुकाब मिलों दून बड़ी तम्बड़ १११४ की १५०० रु० लगा कर लोको । उस दिन दो गाँव भोली भोला ७२ रु० भोली गाँव के हिनाब से गधेनाहन की दुकाब से, और २० राब नारसोन १० रु० भोली धान के भाव से भोरान के यहाँ से बँगाये । १० रु० की नगद सिधे दुई, और ११० रु० का नारसोन नदरी काज से गया और १० रु० नगद से गया, उस दिन का हिनाब रोकड़ यहाँ और गाना यहाँ से की खिलोये ?

१४ सफाई सफाई के गधे से मिले धन का निष्ठा धन २ बरं का

पश्चात् लड़के को उम्र से दुगनी रह जायेगी । बताओ उसके साथी की उम्र कितनी थी ?

...६

२—एक दियासलाई का बक्स २'५ इंच लम्बा, १'७½ इंच चौड़ा और ८ इंच ऊँचा है । यदि प्रत्येक दियासलाई का घन फल ०.३५ घन इंच हो तो इस बक्स में कितनी दियासलाईयाँ धा सकती हैं ?

...६

६०

अंकगणित १६२७

(समय - ३ घण्टे)

नोट—प्रत्येक प्रश्न की क्रिया साफ़ होनी चाहिये ।

✓(१) ७८६२७ को ७२६४८ से तीन पंक्तियों में गुणा करो ।

(२) २७२'०४६ में ७ और ४ के स्थानीय मान का अन्तर निकालो ।

(३) सेठ फूलचन्द ने मिती पूस सुदी ५ सम्बत् १९८१ को ३० मन चना ४ रु० २ आ० मन की दर से और ४० मन चावल ७ रु० २ आ० मन की दर से गज्राधर अनाज वाले से उपार खरीदे और १० मन चीनी १६ रु० ८ आ० मन की दर से नरुद मँगवाई । चन्नु चादतिये के यहाँ से १२० मन गेहूँ ८ मन से खरीदे । १ रु० २ आ० किराया, १० आ० घादत और २ आ० रामलीला की यामत लगे, जिसमें से ३०० रु० नरुद दिये गए । शान को ४४२ रु० ८ आ० नरुद बाकी बचे, । बताओ उस दिन पहली धी रोकड़ बाकी क्या थी । शंकड़ वही का नमूना लिख कर विधि निम्नाओ ।

(४) किसी संख्या का वर्गमूल २२'८२ है और दो स्थान दशमलव तक वर्गमूल निकालने के बाद ४७८ बाकी बचे । उस संख्या का वर्गमूल २ दशमलव स्थान तक क्या होगा ?

(५) एक दुकानदार ११ चाकू १० रु० में खरीदता है और १० चाकू ११ रु० में बेचता है । तो उसे प्रति सैकड़ा क्या लाभ होगा ?

- ४—घ, व और स ने निजकर व्यापार किया। घ का ३००० रुपया
 ३ नहोने तक व का २००० रुपया १ नहोने तक और स का १००० रुपया
 ० नहोने तक व्यापार में लगा रहा। यदि ० नहोने के पाँचे कुछ लाभ
 ०२० रुपया हो, तो हर एक को लाभ में कितना रुपया मिलेगा ?
- ५—कुछ नाव ४२० रुपया में मोल खिया गया और एक तिहाई नाव
 खराब के शानों पर बेचा गया। तो बताओ कि बाकी को कितने प्रति
 सैकड़ा लाभ पर बेचा जाये कि कुछ लागत पर २० प्रति सैकड़ा
 लाभ हो।
- ६—एक रकम के ३ वर्ष के साधारण और चक्रवृत्ति व्याज में ३३२
 रुपये = जाने का अन्तर है तो रकम बताओ जब कि दर २ प्रति सैकड़ा
 प्रति वर्ष हो ?
- ७—पिता की आयु पुत्र की आयु से २२ वर्ष अधिक है ५ वर्ष के
 बाद पिता की आयु पुत्र की आयु से दूनी हो जायगी। बताओ पुत्र की
 वर्तमान आयु क्या है।
- ८—एक बादली एक बाग के गिर्द (चारों ओर) ३ मोल का पत्तर
 लगा है यदि बाग २६ गज व्यास और २० गज चौड़ा हो तो उत्तरे कुछ
 पत्तरे हटावे।
- ९—११२१६ और ११४१२ का गुणनफल दो चक्रवृत्तों में निकालो।

उत्तरमाळा

- (४१) कल्पि १०१२१६; योग २१ (४२) कल्पि; ११६ योग ४
 (४३) कल्पि ११२०१; योग ० (४४) कल्पि १२११२; योग
 (४५) कल्पि १२२०२; योग १००१ (४६) कल्पि ११२००२; योग
 (४७) कल्पि १२११२; योग ११६ (४८) कल्पि १००१ योग ०२
 (४९) कल्पि ४८; योग १२ (५०) कल्पि १००१ योग १२
 (५१) कल्पि १००१ योग १०

अभ्यासार्थं मदन (१९) पृष्ठ ७४

- | | |
|-----------------------|------------------------|
| (१) १४४, १२४, १६६ | (२) ०२६, ०८४, ८४१ |
| (३) १६१, १०६, १६१ | (४) ११२६, १४४४, १२२१ |
| (५) १६८१, १००२२, ८१ | (६) १६१६ |
| (७) ००२६ | (८) ०६२१ |
| (९) १६२६ | (१०) १०२२२ |
| (११) १६१४१६ | (११) १११०२२ |
| (१२) ८१२६४६०० | (१२) ११२२४४१६ |
| (१३) १२६१३३६८६ | (१३) १६२०१६२४०००० |
| (१४) १११००१६ | (१४) १८२६६, १०१८ |
| (१५) १२०६८ | (१५) १०१८२६ |
| (१६) १८१०१० | (१६) १४११११ |
| (१७) ११११ | (१७) १११११००१ |
| (१८) १२११११००१ | (१८) १११८००००१६ |
| (१९) १८११११००११ | (१९) १११०००००११८८८ |
| (२०) १००१ | (२०) १११११ |
| (२१) १००१००१ | (२१) ११११११ |
| (२२) १००१००१ | (२२) १००१ |
| (२३) १००१ | (२३) १००१ |
| (२४) १००१ | (२४) ११११ |

उत्तरनामा

(२६) ३६

(३१) ८८६६६६६६

(३०) २६०२६८८८८८८

(३२) ३८४

(३३) क ३० ह०, ख १६ ह०, ग २० ह०

(३४) क १६ ह०, ख २४ ह०, ग २८ ह०

(३५) जयन १२ ह०, गिरियरधारी २६ ह०, कौञ्जधारी २८ ह०,

(३६) क ३६, ख ६०, ग २६

(३७) १२३३ ह०

(३६) १४ नन २८ मर

(४०) १३

(४१) १२

(४२) ८०

(४३) १३०६

(४४) क २३ ह०, ख २३ ह०, ग ४२ ह०

(४५) धान २०६, जौषी २६०

(४६) जानुन २६, जौषी १०६, धान १२०

(४७) पहिले नें ३६, दुसरे नें २६, तिसरे नें १००

(४८) क ४०, ख ६०, ग १०६

(४९) मोहन २८, मोहन २०, राधा १००

(५०) ०४, १६, ८

(५१) नई ३, लो ६, लहका ३

(५२) १८० ह०

(५३) १८१११२३४८६६६६

(५४) ३०४ गज

(५५) १०३६

(५६) ०४

(५७) ११११११०००

(५८) ०

(५९) १११११

(६०) १० मर

(६१) १० मर १० मर १० मर १० मर

(६२) १० मर १० मर १० मर

(६३) १० मर १० मर १० मर

(६४) १० मर १० मर १० मर

- (२०) ०२ गाजा १ फ्रीट १ इंच (२१) ३४-४०-१ पा०
 (२२) १६ मन १० सेर १३ घुटांक (२३) १० पौ० १६ सि० ० पे०
 (२४) १३ मन ६ सेर ३ घुटांक (२६) २ दिन २० घंटे ३३ मिनिट
 (२६) ३ घंटा १२ मिनिट ४३ सेकंड (२७) १३१ गाजा २ फ्रीट ३ इंच
 (२८) १ पौ० १८ सि० २ पेस २ फादिङ्ग
 (२९) ४ पौ० ११ सि० १० पेस १ फादिङ्ग
 (३०) १६ घंटा २२ मिनिट १ सेकंड
 (३१) २१ योपा १० विरवा २ विरवांसी
 (३२) २६ यो० २ बि० १६ विरवांसी
 (३३) ४ फळाङ्ग ७ गाजा १ फ्रीट ११ इंच
 (३४) ७ फळाङ्ग ८ गाजा २ फ्रीट ० इंच

अभ्यासार्थ प्रश्न (२२) पृष्ठ १००

- (१) १४ घाने २ पैसे (२) १ रु० १२ घाने १ पैसा
 (३) २ रु० १३ घाने ३ पैसे (४) २ रु० ३ घाने २ पैसे
 (५) २ रु० १४ घाने (६) ० रु० २ घाने
 (७) १ रु० १ पैसा (८) १६ रु० १३ घाने ३ पाई
 (९) २३ रु० ८ घा० २ पाई (१०) ३२ रु० ६ घा० २ पाई
 (११) ७० रु० ३ घा० ११ पाई (१२) २२० रु० ८ घा० ८ पाई
 (१३) २३८ रु० १४ घा० २ पाई (१४) १ मन २२ सेर २ घुटांक
 (१५) २४ मन २६ सेर १२ घुटांक (१६) ८८ मन १ सेर ३ घुटांक
 (१७) २८४ मन १४ सेर १० घुटांक (१८) ११ गाजा २ फ्रीट ८ इंच
 (१९) २४ गाजा २ फ्रीट २ इंच (२०) ३६ गाजा १ इंच
 (२१) १३ पौ० १६ सिलिङ्ग ० पेस (२२) २८ पौंड ३ सिलिङ्ग ७ पेस
 (२३) ४८ पौंड १ सिलिङ्ग २ पेस (२४) २४ घंटे ४६ मिनिट १ सेकंड

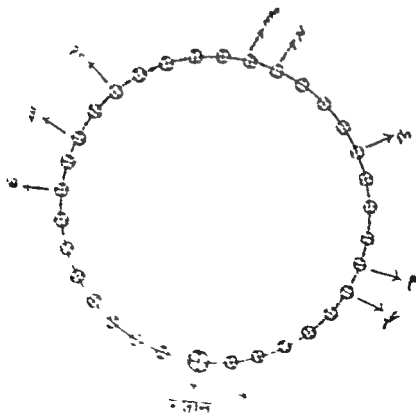
अनुगणित

अभ्यासार्थ प्रश्न (२४) पृष्ठ ११५

- १) १३ रु० १४ आ० (२) ३४ रु० ८ आ० २ पा०
- ३) ६८ रु० ३ आ० ३ पा० (४) ३४३ रु० ७ पा०
- ५) २३७ रु० १३ आ० ६ पा० (६) २४६ रु० १३ आ० ८ पा०
- ७) २६० रु० १० आ० ६ पा० (८) १०७१ रु० ३६ आ० ६ पा०
- ९) २३२६ रु० ६ पा० (१०) ३००० रु० १ आ० २ पा०
- ११) २९६६ रु० ६ आ० ६ पा० (१२) ३०६२० रु० ३ आ०
- १३) ७६६१ रु० १४ आ० २ पा० (१४) ७०२० रु० १४ आ० २ पा०
- १५) ४६ म० २० सेर १६ पौ० (१६) १४०० मन ६ सेर ६ पौ०
- १७) २४७०६ मन २४ सेर ११ पौ०
- १८) ३०६ पौ० १६ छि० ६ पौ० (१९) ४८ पौ० १० छि० १० पौ०
- २०) १६६६ पौ० १० छि० (२१) ३०० पौ० १२ छि०
- २२) १९१२२० पौ० ३४ छि० (२३) १६६२६ ग० ६ ई०
- २४) १४२६ व० ग० १ व० प्री० ७२ व० ई०
- २५) ३४ मी० ६६८ गज (२६) ३६६ रु० १० आ० ६ पा०
- २७) ३६१ रु० १ आ० ६ पा० (२८) १३६ रु० ६ आ० ११ पा०
- २९) २२६६ रु० ७ आ० ६ पा० (३०) २६४६८ रु० २ आ०
- ३१) ६००० रु०
- ३२) १००६ बी० १४ बिस्वा १ बिस्वांसी १६ कचवांसी
- ३३) ७१६ मन १४ सेर (३४) ६२२ ग० २ प्री०
- ३५) ८३ मन १२ सेर १३ पौ०
- ३६) ४२ वर्ष ६ मही० ६ दिन २२ घंटा २६ मि० २६ से०
- ३७) १६२६ रु० १० आ० ६ पा० (३८) १३११ रु० ११ आ० ६ पा०
- ३९) २० मन ३८ सेर १२ पौ० (४०) ६६६६ रु० ७ आ० ६ पा०
- ४१) ३६६ रु० ७ आ० ८ पा० (४२) ६२१४ रु० ६ आ०
- ४३) ८ रु० ६ आ० ६ पा० (४४) ६० रु० २ आ० ८ पा०

उत्तरनाला

- (१) १२ निमट
(२) ११ सेर
(३) २२ वरं
(११) एक, तीन, नौ, सत्ताइस के, चार बांड लैं लीजै ।
एक सेर, तैं चाजोस लग, सब वस्त तौल कर दीजै ॥
(१२) जिन स्थानों पर १०२ भादि लिखे हैं वहाँ वहाँ हिन्दू धौर शेष
स्थानों पर मुसलमान थे ।



| | | |
|-------------|-------------|------------|
| (१२) १२२० | (१३) १२२० | (१४) १२० |
| (१५) १२२१ | (१६) १२० | (१७) १२० |

अध्यासाय परम (३६) गृष्ट १७८

| | | |
|-------------|-------------|---------------|
| (१) १२० | (२) १२० | (३) ११ |
| (४) १११२० | (५) १२० | (६) ११२ |
| (७) १११२० | (८) १११२० | (९) १११२० |
| (१०) ११२० | (११) ११२० | (१२) ११२०११ |
| (१३) ११२० | (१४) ११२० | (१५) ११२०११ |

अध्यासाय परम (३७) गृष्ट १८१

| | | |
|------------|------------|------------|
| (१) १२० | (२) १२० | (३) १२० |
| (४) १२० | (५) १२० | (६) १२० |
| (७) १२० | (८) १२० | (९) १२० |
| (१०) १२० | (११) १२० | (१२) १२० |
| (१३) १२० | (१४) १२० | (१५) १२० |
| (१६) १२० | (१७) १२० | (१८) १२० |
| (१९) १२० | (२०) १२० | (२१) १२० |
| (२२) १२० | (२३) १२० | (२४) १२० |
| (२५) १२० | (२६) १२० | (२७) १२० |
| (२८) १२० | (२९) १२० | (३०) १२० |

उत्तरनावा

- (७) १ शिलिङ्ग (८) २ शिलिङ्ग (९) २ हंघ
(१०) ११ हंघ (११) १ निनट (१२) २६ निनट

अभ्यासार्थ प्रश्न (३९) पृष्ठ १९०

- | | | | |
|--------|--------|--------|--------|
| (१) १ | (२) १ | (३) १ | (४) १ |
| (२) १ | (५) १ | (७) १ | (८) १ |
| (३) १ | (१०) १ | (११) १ | (१२) १ |
| (१३) २ | (१४) १ | (१५) १ | (१६) १ |
| (१७) २ | (१८) १ | (१९) १ | (२०) १ |
| (२१) १ | (२२) १ | (२३) १ | (२४) १ |
| (२५) १ | (२६) १ | (२७) १ | (२८) १ |
| (२९) १ | (३०) १ | (३१) १ | (३२) १ |
| (३३) १ | (३४) १ | (३५) १ | (३६) १ |
| (३७) १ | (३८) १ | (३९) १ | (४०) १ |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४०) पृष्ठ १९३

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (१) १, १, १ और १ | (२) १, १, १ और १ |
| (३) १, १, १, १ और १ | (४) १, १, १, १ और १ |
| (५) १, १, १, १ और १ | (६) १, १, १, १ और १ |
| (७) १, १, १, १ और १ | (८) १, १, १, १ और १ |
| (९) १, १, १, १ और १ | (१०) १, १, १, १ और १ |
| (११) १, १, १, १ और १ | (१२) १, १, १, १ और १ |
| (१३) १, १, १, १ और १ | (१४) १, १, १, १ और १ |
| (१५) १, १, १, १ और १ | (१६) १, १, १, १ और १ |
| (१७) १, १, १, १ और १ | (१८) १, १, १, १ और १ |
| (१९) १, १, १, १ और १ | (२०) १, १, १, १ और १ |

उत्तरनाला

अभ्यासाख्या

(११) १, १, १, १
(१२) १, १, १, १
(१३) १, १, १, १
(१४) १, १, १, १
(१५) १, १, १, १
(१६) १, १, १, १
(१७) १, १, १, १
(१८) १, १, १, १
(१९) १, १, १, १
(२०) १, १, १, १

अभ्यासाख्या प्रश्न (११)

अभ्यासार्थं प्रश्न (४४) पृष्ठ १९८

अभ्यासार्थ प्रश्न (४४) पृष्ठ १९८

| | | |
|----------------------|----------------------|----------------------|
| (१) $\frac{2}{3}$ | (२) $\frac{3}{4}$ | (३) $\frac{4}{5}$ |
| (४) $\frac{5}{6}$ | (४) $\frac{5}{6}$ | (४) $\frac{5}{6}$ |
| (७) $\frac{7}{8}$ | (५) $\frac{5}{6}$ | (५) $\frac{5}{6}$ |
| (१०) $\frac{10}{11}$ | (११) $\frac{11}{12}$ | (१२) $\frac{12}{13}$ |
| (१३) $\frac{13}{14}$ | (१४) $\frac{14}{15}$ | (१५) $\frac{15}{16}$ |
| (१६) $\frac{16}{17}$ | (१७) $\frac{17}{18}$ | (१८) $\frac{18}{19}$ |
| (१९) $\frac{19}{20}$ | (२०) $\frac{20}{21}$ | (२१) $\frac{21}{22}$ |
| (२२) $\frac{22}{23}$ | | (२३) $\frac{23}{24}$ |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४५) पृष्ठ १९९
(२) ४३

अभ्यासाय प्रश्न (४५) पृष्ठ १९९

| | | | |
|----------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| (१) $2\frac{1}{2}$ | (२) $4\frac{1}{2}$ | (३) $3\frac{1}{2}$ | (४) $4\frac{1}{2}$ |
| (५) $2\frac{1}{2}$ | (६) $2\frac{1}{2}$ | (७) $2\frac{1}{2}$ | (८) $2\frac{1}{2}$ |
| (९) $4\frac{1}{2}$ | (१०) $2\frac{1}{2}$ | (११) $2\frac{1}{2}$ | (१२) $2\frac{1}{2}$ |
| (१३) $2\frac{1}{2}$ | (१४) $3\frac{1}{2}$ | (१५) $4\frac{1}{2}$ | (१६) $3\frac{1}{2}$ |
| (१७) $2\frac{1}{2}$ | (१८) $4\frac{1}{2}$ | (१९) $2\frac{1}{2}$ | (२०) $2\frac{1}{2}$ |
| (२१) $12\frac{1}{2}$ | (२२) $3\frac{1}{2}$ | (२३) $4\frac{1}{2}$ | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४६) पृष्ठ २००

| | | | |
|----------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| (१) $2\frac{1}{2}$ | (२) $4\frac{1}{2}$ | (३) $3\frac{1}{2}$ | (४) $4\frac{1}{2}$ |
| (५) $2\frac{1}{2}$ | (६) $2\frac{1}{2}$ | (७) $2\frac{1}{2}$ | (८) $2\frac{1}{2}$ |
| (९) $4\frac{1}{2}$ | (१०) $2\frac{1}{2}$ | (११) $2\frac{1}{2}$ | (१२) $2\frac{1}{2}$ |
| (१३) $2\frac{1}{2}$ | (१४) $3\frac{1}{2}$ | (१५) $4\frac{1}{2}$ | (१६) $3\frac{1}{2}$ |
| (१७) $2\frac{1}{2}$ | (१८) $4\frac{1}{2}$ | (१९) $2\frac{1}{2}$ | (२०) $2\frac{1}{2}$ |
| (२१) $12\frac{1}{2}$ | (२२) $3\frac{1}{2}$ | (२३) $4\frac{1}{2}$ | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (४६) पृष्ठ २०६

प्रश्न (४६) पृष्ठ २०६

- | | | |
|------------------------|------------------------|-----------------------|
| (७) $18\frac{1}{2}$ | (८) $2\frac{1}{2}$ | (९) $3\frac{1}{2}$ |
| (१०) $4\frac{1}{2}$ | (११) $5\frac{1}{2}$ | (१२) $6\frac{1}{2}$ |
| (१३) $7\frac{1}{2}$ | (१४) $8\frac{1}{2}$ | (१५) $9\frac{1}{2}$ |
| (१६) $10\frac{1}{2}$ | (१७) $11\frac{1}{2}$ | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (५०) पृष्ठ २०५

- | | | | |
|------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|
| (१) $2\frac{1}{2}$ | (२) $3\frac{1}{2}$ | (३) $4\frac{1}{2}$ | (४) $5\frac{1}{2}$ |
| (५) $6\frac{1}{2}$ | (६) $7\frac{1}{2}$ | (७) $8\frac{1}{2}$ | (८) $9\frac{1}{2}$ |
| (९) $10\frac{1}{2}$ | (१०) $11\frac{1}{2}$ | (११) $12\frac{1}{2}$ | (१२) $13\frac{1}{2}$ |
| (१३) $14\frac{1}{2}$ | (१४) $15\frac{1}{2}$ | (१५) $16\frac{1}{2}$ | (१६) $17\frac{1}{2}$ |
| (१७) $18\frac{1}{2}$ | (१८) $19\frac{1}{2}$ | (१९) $20\frac{1}{2}$ | (२०) $21\frac{1}{2}$ |
| (२१) $22\frac{1}{2}$ | (२२) $23\frac{1}{2}$ | (२३) $24\frac{1}{2}$ | (२४) $25\frac{1}{2}$ |
| (२५) $26\frac{1}{2}$ | (२६) $27\frac{1}{2}$ | (२७) $28\frac{1}{2}$ | (२८) $29\frac{1}{2}$ |
| (२९) $30\frac{1}{2}$ | (३०) $31\frac{1}{2}$ | (३१) $32\frac{1}{2}$ | (३२) $33\frac{1}{2}$ |

अभ्यासार्थ प्रश्न (५१) पृष्ठ २०९

- | | | |
|------------------------|------------------------|------------------------|
| (१) $2\frac{1}{2}$ | (२) $3\frac{1}{2}$ | (३) $4\frac{1}{2}$ |
| (४) $5\frac{1}{2}$ | (५) $6\frac{1}{2}$ | (६) $7\frac{1}{2}$ |
| (७) $8\frac{1}{2}$ | (८) $9\frac{1}{2}$ | (९) $10\frac{1}{2}$ |
| (१०) $11\frac{1}{2}$ | (११) $12\frac{1}{2}$ | (१२) $13\frac{1}{2}$ |
| (१३) $14\frac{1}{2}$ | (१४) $15\frac{1}{2}$ | (१५) $16\frac{1}{2}$ |
| (१६) $17\frac{1}{2}$ | (१७) $18\frac{1}{2}$ | (१८) $19\frac{1}{2}$ |
| (१९) $20\frac{1}{2}$ | (२०) $21\frac{1}{2}$ | (२१) $22\frac{1}{2}$ |
| (२२) $23\frac{1}{2}$ | (२३) $24\frac{1}{2}$ | (२४) $25\frac{1}{2}$ |
| (२५) $26\frac{1}{2}$ | (२६) $27\frac{1}{2}$ | (२७) $28\frac{1}{2}$ |
| (२८) $29\frac{1}{2}$ | (२९) $30\frac{1}{2}$ | (३०) $31\frac{1}{2}$ |
| (३१) $32\frac{1}{2}$ | (३२) $33\frac{1}{2}$ | (३३) $34\frac{1}{2}$ |
| (३४) $35\frac{1}{2}$ | (३५) $36\frac{1}{2}$ | (३६) $37\frac{1}{2}$ |
| (३७) $38\frac{1}{2}$ | (३८) $39\frac{1}{2}$ | (३९) $40\frac{1}{2}$ |
| (४०) $41\frac{1}{2}$ | (४१) $42\frac{1}{2}$ | (४२) $43\frac{1}{2}$ |
| (४३) $44\frac{1}{2}$ | (४४) $45\frac{1}{2}$ | (४५) $46\frac{1}{2}$ |
| (४६) $47\frac{1}{2}$ | (४७) $48\frac{1}{2}$ | (४८) $49\frac{1}{2}$ |
| (४९) $50\frac{1}{2}$ | (५०) $51\frac{1}{2}$ | (५१) $52\frac{1}{2}$ |

(२१) १११ (२२) १११ (२३) १११११
(२४) १११११११

अभ्यासार्थ वरन (५४) पृष्ठ २१५

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| (१) ११ | (२) १ | (३) ११ |
| (४) ४१ | (५) ११ | (६) ११ |
| (७) ११ | (८) १ | (९) ११ |
| (१०) १ | (११) ११ | (१२) ११ |
| (१३) ११ | (१४) ११ | (१५) १ |
| (१६) १ | (१७) १ | (१८) ११ |
| (१९) १ | (२०) ११ | (२१) ११ |
| (२२) ११ | (२३) ११ | (२४) ११ |
| (२५) ११ | (२६) ११ | (२७) ११ |
| (२८) १ | (२९) १ | (३०) १ |

अभ्यासार्थ वरन (५५) पृष्ठ २१६

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| (१) ४ | (२) १ | (३) ११ |
| (४) १११ | (५) ११ | (६) ११ |
| (७) १ | (८) ११ | (९) ११ |
| (१०) ११ | (११) ११ | (१२) ११ |
| (१३) ११ | (१४) ११ | (१५) १ |
| (१६) १ | (१७) ११ | (१८) ११ |
| (१९) १ | (२०) ११ | (२१) ११ |
| (२२) १ | (२३) ११ | (२४) ११ |
| (२५) १ | (२६) ११ | (२७) ११ |
| (२८) १ | (२९) ११ | (३०) ११ |

- | | | |
|----------------------|----------------------|----------------------|
| (१३) $\frac{1}{2}$ | (१४) $\frac{1}{2}$ | (१५) $\frac{1}{2}$ |
| (१६) $\frac{1}{2}$ | (१७) $\frac{1}{2}$ | (१८) $\frac{1}{2}$ |
| (१९) $\frac{1}{2}$ | (२०) $\frac{1}{2}$ | (२१) $\frac{1}{2}$ |
| (२२) $\frac{1}{2}$ | (२३) $\frac{1}{2}$ | (२४) $\frac{1}{2}$ |
| (२५) $\frac{1}{2}$ | | |

अभ्यासार्थ प्रश्न (५९) पृष्ठ २२१

- | | | |
|---------------|---------------|-------------|
| (१) १ | (२) २० | (३) ४० |
| (४) ३ | (५) ४० | (६) ४ |
| (७) ३२ | (८) ८६०३ | (९) २१ |
| (१०) ६३० | (११) १६३ | (१२) ७८३ |
| (१३) ६७३८७२ | (१४) १०८६२३ | (१५) १३२२ |

अभ्यासार्थ प्रश्न (६०) पृष्ठ २२३

- | | | | |
|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
| (१) $\frac{1}{2}$ | (२) $\frac{1}{2}$ | (३) $\frac{1}{2}$ | (४) $\frac{1}{2}$ |
| (५) $\frac{1}{2}$ | (६) $\frac{1}{2}$ | (७) $\frac{1}{2}$ | (८) $\frac{1}{2}$ |
| (९) $\frac{1}{2}$ | (१०) $\frac{1}{2}$ | (११) २ | (१२) $\frac{1}{2}$ |
| (१३) $\frac{1}{2}$ | (१४) $\frac{1}{2}$ | (१५) $\frac{1}{2}$ | (१६) $\frac{1}{2}$ |
| (१७) $\frac{1}{2}$ | (१८) $\frac{1}{2}$ | (१९) $\frac{1}{2}$ | (२०) $\frac{1}{2}$ |
| (२१) $\frac{1}{2}$ | (२२) $\frac{1}{2}$ | (२३) $\frac{1}{2}$ | (२४) $\frac{1}{2}$ |
| (२५) $\frac{1}{2}$ | (२६) $\frac{1}{2}$ | (२७) $\frac{1}{2}$ | (२८) $\frac{1}{2}$ |
| (२९) $\frac{1}{2}$ | (३०) $\frac{1}{2}$ | | |


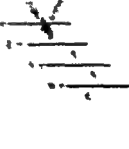
अभ्यासार्थ प्रश्न (६१) पृष्ठ २२५


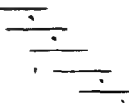
- | | | |
|-----------|-------------|-----------|
| (१) १ | (२) ३३३ | (३) २३३ |
| (४) ३३३ | (५) ३३३ | (६) ३३ |
| (७) ३३ | (८) ३३३३३ | (९) ३३ |
| (१०) ३३ | (११) ३३ | (१२) ३३ |

उत्तरनामा

| | | |
|------------|------------|------------|
| (७) १११ | (८) ११ | (९) ११ |
| (१०) १११ | (११) १११ | (१२) १११ |
| (१३) १११ | (१४) १११ | (१५) १११ |
| (१६) १११ | (१७) १११ | (१८) १११ |
| (१९) १११ | (२०) १११ | (२१) १११ |
| (२२) १११ | (२३) १११ | (२४) १११ |
| (२५) १११ | (२६) १११ | (२७) १११ |
| (२८) १११ | (२९) १११ | (३०) १११ |
| (३१) १११ | (३२) १११ | (३३) १११ |
| (३४) १११ | (३५) १११ | |

अभ्यासार्थं नमन (६४) पृष्ठ २३२

(१)  (२) 

(३)  (४) 

- (६) ६१^१/_२ (७) ६^३/_४ (८) ^१/_२
 (९) १^१/_२ (१०) ^{१३}/_{२४} और ^{११}/_{२४} (११) ^१/_२
 (१२) ~~१३~~ ३१^१/_२ (१३) ^{३५}/_{४८} (१४) २७^१/_२
 (१५) ^{११}/_{१६} (१६) २४^३/_४ (१७) १२
 (१८) २०२ रु० (१९) ११६ पौ० (२०) ११
 (२१) ^१/_४ (२२) ४३^३/_४ (२३) १४०
 (२४) ३^१/_२ (२५) १०५ हाथ (२६) ७८० गज
 (२७) ३००, ४२ (२८) ८४ रु०
 (२९) ४१६६ रु० १० आ० ८ पा० (३०) २३२० पौ०
 (३१) २० मिनट (३२) ४ (३३) १^१/_२
 (३४) २४०, १३ (३५) २४० (३६) २४०
 (३७) ३६ (३८) ६० रु० (३९) ६०० रु०
 (४०) ^१/_४ (४१) ^१/_२ (४२) ^१/_४
 (४३) ३ घंटे (४४) १६६^१/_२ (४५) ७, ४^३/_४
 (४६) १^१/_२, २^१/_२ (४७) घ १ पौ० ६ यि० ८ पें०,
 घ १ पौ० ३ यि० ४ पें०, स १ पौ० ८ यि० ४ पें०
 (४८) १२६०६० रु० (४९) ८२ रु० १२ आ०
 (५०) घ ४० रु० २ आ०, घ ४३ रु० १२ आ०, स १८ रु० १३ आ०
 (५१) १२२ रु० ८ आ० (५२) ३३^१/_२
 (५३) १^१/_२ (५४) ^१/_४ (५५) २१, २^१/_२
 (५६) ४ पौ० ४ यि० (५७) ३६^१/_२ (५८) २^१/_२
 (५९) ६०० रुंघ (६०) ३१ घंटे (६१) ^१/_४
 (६२) १^१/_२, २^१/_२ और ३^१/_२ (६३) ११११
 (६४) २^१/_२ (६५) ० पौ० ८ यि०
 (६६) २६ पौ० ३ यि० ६ पें०, २१ पौ० १६ यि० २^१/_२ पें०
 (६७) ४ पौ० १८ यि० १३ पें०

- (११) ७३ रु०
 (१२) १८० पी०
 (१३) १२६६ रु०
 (१४) ७४३ रु०
 (१५) १३८१ रु० १२ भा० ११ पा०
 (१६) ४२२ रु० १४ भा० ० पा०
 (१७) २२१६ रु० ६ भा० ६ पा०
 (१८) ११५० रु० १४ भा०
 (१९) ०८० पी० १४ लि० ८ वें
 (२०) २४२ रु० १३ भा०
 (२१) २१६ रु० ८ भा०
 (२२) १४६ रु० ८ भा०
 (२३) ८०६ रु० १० भा० ८ पा०
 (२४) ११०६ रु० ४ भा०
 (२५) ४१० पी० ६ लि० १० वें
 (२६) १२०२ पी० ६ लि० ४ वें

अभ्यासार्थ प्रश्न (५१) पृष्ठ २६४

- (१) १२१ रु० ६ भा० ६ पा०
 (२) २२१२ रु०
 (३) २२११२ रु० ११ भा० ११ पा०
 (४) १११२ रु०
 (५) १२१२ रु० ४ भा० ४ पा०
 (६) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (७) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (८) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (९) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१०) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (११) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१२) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१३) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१४) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१५) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१६) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१७) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१८) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (१९) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०
 (२०) १२०१२ रु० ११ भा० ४ पा०

| | |
|---------|-----------------|
| १. 'दिन | (१०) ६ दिन |
| २. 'दि | (११) १० सप्तम |
| ३. 'दि | (१२) १० दिव |
| ४. 'दि | (१३) १० आदमी |
| ५. 'दि | (१४) १० दिव |

अध्यायाव वृत्त (१६) पृष्ठ ३०३

[illegible]

॥ ५५ ॥

[illegible]

अध्यामार्थ प्रश्न (८१) तृष्ठ ३२२

- | | | |
|----------------|---------------|---------------|
| (१) १०० रु० | (२) ४० रु० | (३) १६ रु० |
| (४) १० रु० | (५) ४० गी० | (६) १० गी० |
| (७) २२ रु० | (८) ११० रु० | (९) ११० गी० |
| (१०) १२५ रु० | | |

अध्यामार्थ प्रश्न (८२) तृष्ठ ३२४

- | | |
|-----------------------------|--------------------------|
| (१) ३३० रु० | (२) २० रु० १ पा० १ गी० |
| (३) १४६० रु० १६ पा० ४ गी० | (४) ३११५० ११ पा० ४ गी० |
| (५) २० रु० | (६) २ रु० |
| (७) २२ रु० | (८) ११ रु० |
| (९) १०० रु० | (१०) ४४१ रु० |

अध्यामार्थ प्रश्न (८३) तृष्ठ ३

- | | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| (१) १०० रु० | (२) ११० रु० | (३) १००० |
| (४) २०० रु० | (५) ११० रु० | (६) २१०० |
| (७) ११०१ गी० | (८) ११०० गी० | (९) २००० गी० |
| (१०) ११०० गी० | (११) ११० गी० | (१२) १०० गी० |

अध्यामार्थ प्रश्न (८४) तृष्ठ ३२७

- | | |
|----------------------------|-----------------------------|
| (१) ११६ रु० | (२) २०० रु० |
| (३) ५११६ रु० ४ पा० ४ गी० | (४) ४०१ रु० |
| (५) ४११६ रु० ४ पा० १ गी० | (६) ४००६ रु० १० पा० १ गी० |
| (७) ४११६ रु० १० पा० | (८) ४११६ रु० ११ पा० |

उत्तरनामा

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| (१८) २४३६ | (१९) २६६० | (१००) २८८० |
| (१०१) १११०० | (१०२) ४१११ | (१०३) ८११० |
| (१०४) २६०३० | (१०५) १११११० | (१०६) ३६० |
| (१०७) ४८८० | (१०८) ११११ | (१०९) ६११ |
| (११०) ८६४६ | (१११) १८४६ | (११२) १११ |
| (११३) ०१३४०६ | (११४) २४०२६ | (११५) ११३ |
| (११६) २३१०४ | (११७) ४०२६ | (११८) २२०० |
| (११९) २४३२६ | (१२०) ४६२८४ | (१२१) ११२०० |
| (१२२) २८१२०४१ | (१२३) १२०४०६ | (१२४) १६३६० |

अभ्यासाय प्रश्न । (१२३) पृष्ठ ४८२

- (१) ८० व० क्रो० (२) १६२ व० क्रो०
 (३) १२० व० क्रो० (४) ११० व० क्रो०
 २) ४३ व० क्रो० १८ व० ह० (५) ३१३ व० क्रो० १८ व० ह०
 ३) ४० व० ग० ८ व० क्रो०
 ४) ६ व० ग० २ व० क्रो० २४ व० ह०
 (६) ०१४ व० ग० ३ व० क्रो० १२६ व० ह०
 (१०) १२६० व० ग० ३ व० क्रो०
 (११) १६३० व० ग० ३ व० क्रो० १०८ व० ह०
 १२) १३०२ व० ग० ८ व० क्रो० ३६ व० ह०
 १३) १३०२ व० ग० ३ व० क्रो० ३६ व० ह०
 १४) १३०२ व० ग० ३ व० क्रो० ३६ व० ह०
 १५) १३०२ व० ग० ३ व० क्रो० ३६ व० ह०
 १६) १३०२ व० ग० ३ व० क्रो० ३६ व० ह०
 १७) १३०२ व० ग० ३ व० क्रो० ३६ व० ह०
 १८) १३०२ व० ग० ३ व० क्रो० ३६ व० ह०

- (२६) पुरुष १६० रु० १ आ०, स्त्री ६७ रु० ७ आ० ३ पा०,
लड़का ६६ रु० ६ आ० ६ पा०, लड़की ४३ रु० १२ आ० ३ पा०
- (३०) ऋ १०२६ $\frac{१३}{१८}$ रु०, ख १३१३ $\frac{६३}{१८}$ रु०, ग १०२६ $\frac{१३}{१८}$ रु०
- (३१) ७६ : ४६
- (३२) लड़की २३ रु०, लड़का २६ रु० और लड़कों की संख्या १०४
- (३३) २१, २७ (३४) २२, ३६
- (३५) क २८ वर्ष, ख १४ वर्ष, ग ७४ वर्ष
- (३६) क १२, ख १६ ग १० (३७) १ रु० = आ० १५ $\frac{१}{६}$ पा०
- (३८) ४, ६, २२
- (३९) पुरुष ४ पाँ० ४ शि०, स्त्री ३ पाँ० १६ शि०
- (४०) पुरुष ३ रु०, स्त्री १ रु० = आ०, लड़का १ रु०
- (४१) घ १२३७२ रु०, ङ १७७२० रु०
- (४२) १२०, =० (४३) ४६ रु० = आ०
- (४४) ३ गैलन (४५) ६ $\frac{१}{२}$ सेर
- (४६) १२५ : ६१ (४७) १ मन ३२ सेर

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३१) पृष्ठ ५४६

- (१) ८६ रु० ६ आ० (२) १ पौण्ड ४ शि० ६ $\frac{१}{६}$ पेंस
- (३) ६३३ पौण्ड ६ शि० = पेंस (४) १६२५ रु० = आ० ६ पाई
- (५) २३८० रु० (६) ८६ पौण्ड १२ शि० ७ $\frac{१}{२}$ पेंस
- (७) १६०० पौण्ड (८) २००० पौण्ड
- (९) ६३०० रु०

अभ्यासार्थ प्रश्न (१३२) पृष्ठ ५४९

- (१) ६ (२) १२ (३) १८
- (४) ६ $\frac{१}{२}$ (५) २६ $\frac{१}{२}$ (६) ३३ $\frac{१}{२}$
- (७) ४ $\frac{१}{२}$ (८) २० रु० (९) २२ दिन

- (१०) '००६६ (३१) ६०० वर्ग सेंटी मीटर
 (१२) ००००००० वर्ग मि० (३३) '०००२६ वर्ग मी०
 (१४) ३'६६६०० सें० मीटर (३५) १२ लिटर
 (१६) ६ लिटर (३७) १६३८७
 (१८) १३'३० मि० (३९) ४ प्रॉक
 (४०) १२० घा० (४१) ३० घा०
 (४२) ६'८३ प्रॉ (४३) ८००६ प्रॉक
 (४४) १२६६'७६ ग्राम (४५) ११०
 (४६) ११७'१'१'१' (४७) ८८ २ प्रॉक
 (४८) ३००००० ग्राम (४९) ८६ प्रॉक ६ सेंटीग्रॅम
 (५०) १३'०६ प्रॉक (५१) ६ मीटर (५२) ६६'१' मीटर
 (५३) २२'१' मिमी (५४) ६०'१' मिमी (५५) ४४'१' मीटर
 (५६) ४० (५७) ६० (५८) ६०
 (५९) १२६ (६०) १२६ (६१) ४० (६२) ००
 (६३) २६ (६४) २० मीटर २६ (६५) ६६'१' मीटर २०'१'
 (६६) १६ मीटर १८ (६७) १० मीटर १२'१'
 (६८) ७६६'०६ वर्ग सें० मी० (६९) ११३३६१ वर्ग मि० मी०
 (७०) ६ ४ वर्ग मी०

अध्यात्मार्थ प्रश्न (१५२) पृष्ठ ६८३

- (१) ४ ईश (२) ४ ईश (३) १८ ईश
 (४) १६ ईश (५) १० ईश (६) १४ ईश
 (७) १३ ईश (८) १६ ईश (९) १८ ईश

- (११) १ मिनिट १ से० (१२) १२१ १०१
 (१३) १२ मिनिट (१४) १२० मि० १० १००
 (१५) १०२ कंडरा आन की २१२ मा० १००
 (१६) २०२ (१७) १००
 (१८) १०२ ४ १०२ १००
 (१९) १०० मिनिट (२०) १००
 (२१) १०० १०० १०० १०० (२२) १०० १००
 (२३) १०० १०० १०० १००
 (२४) १०० १०० १०० १००
 (२५) १०० १०० (२६) १०० १००
 (२७) १०० १०० (२८) १०० १००
 (२९) १०० १०० (३०) १०० १००
 (३१) १०० १०० (३२) १०० १००
 (३३) १०० १०० (३४) १०० १००
 (३५) १०० १०० (३६) १०० १००
 (३७) १०० १०० (३८) १०० १००
 (३९) १०० १०० (४०) १०० १००
 (४१) १०० १०० (४२) १०० १००
 (४३) १०० १०० (४४) १०० १००
 (४५) १०० १०० (४६) १०० १००
 (४७) १०० १०० (४८) १०० १००
 (४९) १०० १०० (५०) १०० १००
 (५१) १०० १०० (५२) १०० १००
 (५३) १०० १०० (५४) १०० १००
 (५५) १०० १०० (५६) १०० १००
 (५७) १०० १०० (५८) १०० १००
 (५९) १०० १०० (६०) १०० १००
 (६१) १०० १०० (६२) १०० १००
 (६३) १०० १०० (६४) १०० १००
 (६५) १०० १०० (६६) १०० १००
 (६७) १०० १०० (६८) १०० १००
 (६९) १०० १०० (७०) १०० १००
 (७१) १०० १०० (७२) १०० १००
 (७३) १०० १०० (७४) १०० १००
 (७५) १०० १०० (७६) १०० १००
 (७७) १०० १०० (७८) १०० १००
 (७९) १०० १०० (८०) १०० १००
 (८१) १०० १०० (८२) १०० १००
 (८३) १०० १०० (८४) १०० १००
 (८५) १०० १०० (८६) १०० १००
 (८७) १०० १०० (८८) १०० १००
 (८९) १०० १०० (९०) १०० १००
 (९१) १०० १०० (९२) १०० १००
 (९३) १०० १०० (९४) १०० १००
 (९५) १०० १०० (९६) १०० १००
 (९७) १०० १०० (९८) १०० १००
 (९९) १०० १०० (१००) १०० १००

नवीन अंकगणित

॥

गणितान्वयं नष्टं यत्र उक्तं

निमित्तः विदुः विदुः विदुः विदुः

五

कज्जरा और कज्जरा निरुद्धात्त के निरुद्धात्त
वया पञ्च (२२०) अर्थात् निरुद्धात्त के निरुद्धात्त
कज्जरा के निरुद्धात्त

[illegible]

मिलने का आ-
 १००

रामनारायण लाल

पुष्प और कुम्भार

३. वि. वि. वि. वि. वि.

